# He Gazette of India

- MILMADIK KI MADILISTA PUBLISHEDBI AUTHORITI

ं 23] नई विस्त्री, शनिवार, जून 9, 1984 (उपेण्ठ 19, 1906) No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 9, 1984 (JYAISTHA 19, 1906)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के का में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III---विक्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

्र संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली 110011, दिनांव 28 अप्रैल 1984

मं० ए० 12023/2/83 प्रभा० II — संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के०स०स्टे०मे० के ग्रेड "ख" के स्टेनोग्राफर श्री के० सुन्तरम् को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 21-4-1984 में आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति हा मतौं पर निर्यामत रूप से अध्यक्ष के विशेष सहायक के पर पर नियुक्त किया जाता है।

एम० पी० जैन, अवर सचिब, **कृते** अध्यक्ष, [मंघ लोक सेवा आयोग

सई दिल्ली 1 10011, दिनांक 24 अप्रैल 1984

मं० ए०-32011/1/83 प्रशा०-1 1---मंघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के० स० संवर्ग के निम्निखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा 11-4-- 1984 से 25-5-1984 नक 45 दिनों की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेगों तक, जो भी पहले हो के० 1--86 GI/84

सर्कं ने िकों ग्रेड 1ंकें अबर सचिव के पद पर नदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

क्र०सं० अधिकारियों के नाम

# मर्बश्री :

- 1. बी० एन० अरोड़ा
- 2. आई०पी० त्ली
- 3. के० एल० सुरी
- 4. बी० डी० शर्मा

# दिनांक 3 मई 1984

मं० ए०-32011/1/84-प्रणा०- I--कामिक एवं प्रणा-सिनक सुधार विभाग के काल जाल मंल 13/2/83-सील एसल II (I) दिनांक 23-1-1984 के अनुसरण में , संघ लोक सेवा आयोग में केल सल स्टेल मेल संवर्ग के ग्रेड सी के चयन ग्रेड स्टेनोग्राफर सर्वश्री टीलआरल धार्मा एवं शाम प्रकाण को केल सल स्टेल सेवा संवर्ग में संघ लोक मेवा आयोग में 23-1-1983 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों तक विरुठ वैयक्तिक सहायक (केल्सल स्टेल्मेल के ग्रेड ख) के पट पर पदोक्षत किया जाता है।

# दिमांक 9 मई 1984

सं० ए० 12025/1/81-प्रणां 1-कार्मिक एवं प्रणासितक सुधार विभाग के कां जां क्यं 5/2/83-रां ० एस० II दिनांक 30 जुलाई 1983 के अनुसरण में संघ लोक सेवा आयोग में कें ० स० स्टे० से० संवर्ग के श्री एस० एस० एस० एस० दुआ; जो दीध कालीत आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (गेंः ० स० स्टे० के ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से नार्थ कर रहे थे और श्री सुन्दर ताल जो समय-समय पर तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (कें०स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे थे, दोनों को 13 मार्च 1984 से संघ लोक सेवा आयोग में कें० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) की व्यक्त सुवा में मिमलित कर लिया गया है।

एम० पी० जैन अवर सचिव (प्रशा०) संघ लेकि सेवा आयोग

# केन्द्रीय मतर्कता आयोग

# नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1984

सं॰ 2/8/83 प्रशासन 1—केन्द्रीय गतर्कता आयुक्त एक्ट् द्वारा इस आयोग के स्थाई निजी सहायक श्री महेन्द्र लाल जुनेजा को तदर्थ वरिष्ठ निजी सहायक के पद पर रू० 650-1040 के वेतनमान में स्थानापन रूप से दिनांक 30-4-1984 से 28-7-1984 तथा आगने आदेश नका भी भी पहले हो, नियुक्त करने हैं।

### दिनांक 19 मई 1984

स० 2/1/83-प्रशासन 1--केन्द्रीय , सतर्कता आयुक्त एत**द् धा**रा केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई महायक श्री जगदीश चन्द्र कपूर को नदर्थ अनुभाग अधिकारी के पद पर क० 650(710)-30-740-35-810-द० अ०-35-880-40-1000-द० अ०-40-1200 के वेतनसान में दिनांक 30-4-84 से 28-7-84 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापक्ष रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 2/22/83-प्रणासन ेअ-इस आयोग के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री ब्रह्मादत्त जो इस आयोग की सम संख्या अधिकारी श्री ब्रह्मादत्त जो इस आयोग की सम संख्या अधिकारी दिनांक 16-2-1984 द्वारा दिनांक 8-2-1984 पूर्वाह्म में स्थानापन्न रूप भे तदर्थ अवर सचिव के पद पर नियुक्त किये गए थे, वह दिनांक 7-5-1984 अपराह्म से परावर्तन पर अपने अनुभाग अधिकारी के पद पर असीन होंगे।

# दिनांक 21 मई 1984

सं० 2/22/83-प्रणासन — केन्द्रीय सतर्कतः आयुक्त एतद् द्वारा केन्द्रीय सतर्कतः आयोग के स्थाई अनुभाग अद्भि- कारी थीं पहादन की इस आयोग में तक्षे अयर सचिव के पद पर ६० 1200-1600 के नेतनमान में, स्थानापन्न रूप से दिनांक 9-5-1984 में 6-8-1984 नक या अगले आदेश तका जो भी पहले हों, नियक्त कारते हैं।

कृष्ण लाल मस्होत्र। अवर सचिव **कृ**ते केन्द्रीय सतर्कता आ<mark>युक्</mark>त

# केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगणाला केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

दिल्ली 110031, तारीख 14 मई 1984

सं० 1-27/81-सी० एफ० एस० एल०/3537 -केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की अधिसूचना संख्या 1-27/81सी० एफ० एस० एल०, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान
प्रयोगशाला के दिनांक 28-5-1983 के कम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोग णाला के विरुद्ध वैज्ञानिक
सहायक डा० एरा०के० लहरी (जूठ अभिज्ञापक) को 1-71983 (पूर्वाह्म) में सी०बी० आई०, नुई दिल्ली को
केन्द्रीय न्याय वैदयक व ज्ञान प्रयोगणाला भे वरिष्ठ वैज्ञान
निक अधिकारी-II, (मुठ अभिज्ञापक) के पद पर तवर्थ
के आधार 30-6-84 तक और या पद के स्थाई रूप से
भरने तक, जो भी हो, नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 17 मई 1984

सं० एम०-82/67-प्रशासन-5 --श्रीः एम० सी० माथुर, नकनीकी सलाहकार (लेखा एवं आयकर) केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, नई दिल्ली का दिसांक 13 मई, 1984 को निधन हो गया।

# दिनांक 19 मई 1984

सं० ए०--20023/8/80-प्रणासन-5 --प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री छी० जे० कुमार, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिलांक 7 मई, 1984 के अपराह्म से तमिलनाष्ट्र सरकार को सौंपी जाती हैं।

> राम स्वरूप नागपाल प्रणामनिक अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी

# महानिदेशालय, के र्राप्त पुरु बल नई, दिल्ली 110003, दिनांक 11 मई 1984

सुँ० एफ०-2/18-84-स्था० (के० रि॰पु० बन) — राष्ट्रपति, श्री कुलबीर सिंह उपअधीक्षक जो कि वर्तमान में राजस्थान सरकार में डेपुटेशन पण है को दिनांक 15-1 84 (जिस तारीख से इनसे एक वरिष्ठ का सहायक कमाडेन्ट के पद पर के०रि॰पुं० वन में पदीक्षति हुआ है) से सहायक कमाडेन्ट के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्प प्रोक्तामा पदोक्ति मंज्र करने हैं।

# दिनांक 16 मंई 1984

सं० एफ-2/36/83-स्था० (के० रि० पु० बल) ।— राष्ट्रपति श्री बी०एस० गिल, उपअधिक्षक जोकि वर्तमान में भारतीय निर्याल निरीक्षण गरियद (वाणिज्य मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली में डेपुटेशन पर है की दिनांक 4-8-83 (जिस नारीख से इनमें तत्काल किन्छ का सहायक कमाडेन्ट के पद पर के०रि० गु० वल में पदीक्षित हुआ है) स सहायक कमाडेन्ट के पद पर स्थानापन्न स्न में सहपं प्रोफीमा पर्दा-स्नित मंत्रूर करते हैं।

### दिनांक 18 मई 1984

सं० एफ ज्य 20/83 स्था (के जिल्पु वल) —-राष्ट्रपति श्री जिल्पुस मस्ताना, उपअधीक्षक के जिल्पु व बल को सहायक कमाडेन्ट के पद पर अस्थाई रूप में अगले आदेश तक सहंप पटार्शन करते हैं।

2 इन्होंने दिनांस 15-1-84 (पूर्वाह्म) को इस पद का कार्यभार ग्रहण किया है।

# दिनांक 21 मई 1984

सं० ओ०दो०-1942/84-स्थापना --महानिदेशक, कंन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (मिसेज) जी० रतना कुमारी को 7 मई 1984 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पत्र पर तिर्यामत नियुक्ती होने तक इनमें जो पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्मा अधिकारी के पद पर सहपं तदर्थ हम से नियक्त किया है।

वाई० एन० सक्सैना उपनिदेशक (स्थापना)

# भारत के महार्राजस्ट्राय का कार्यालय - नई दिल्ली 110011, दिनांक 18 मई 1984

सं० 11/102/79-प्रणा० 1(1) — उस कार्यालय की तारीख 6 विसम्बर, 1983 को समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) को उनके नामो के समक्ष दिश्वत कार्यालयों में तारीख 31 अगस्त, 1984 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं. जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान गर्नी पर पूर्णतः अन्याई रूप से सदयं आधार पर पदोन्नति द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पदों पर महुंच नियुक्त करते हैं —

ऋ०सं०	अधिकारी का नाम	ितस कार्यालय में कार्यरत है।
1	2	3
় 1. খা	आर०पी० तांमर	जनगणना कार्य निदेशालय, सिविकम, गंगटोक
2. প্রা	एमञ्जेञ आहजा	भारत के महाराजिस्ट्राट का कार्योजय नई दिल्लें ।

	1	2	3
3.	श्री	बीव्याव रस्तोगी	भारत के महारजिस्ट्रांर का कार्यालय, नई दिल्ली ।
<b>1</b> .	श्री	<b>ग्</b> ंकें विस्वास	भारत के महारंजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली ।
5.	শ্বা	ए० पिथ्	जनगणना कार्य निदेशालय, अरूणाचल प्रदेश, शिलांग ।
6.	श्री मूर्ति	बाई०जी० कृष्णा- ा	-जनगणना कार्य निदेशालय, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद
7.	श्री	,आर०के० सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
8-	ર્થો	एस०पी० ग्रीवर	जनगणना कार्य निदेशालय, केरल, स्रिवेन्द्रम
9.	र्था	राम सिह	जनगणना कार्य निदेशालय, मध्य प्रदेश, भोपाल
10-	श्री	डी ०एन० महेश	जनगणना कार्य निदेशालय. बिहार, पटना
11.	श्ची	ए <b>स०सं<sup>र</sup>० सक्सेना</b>	जनगणना कार्य निदेणालय, बिहार, पटेना
12.	र्श्वा	अजीत सिंह	जनगणना कार्य निदेशालय, पंजाब, चण्डीगढ़
13.	श्री	एम० नागध्पन	जनगणना कार्य निदेशालय, तमिलनाष्ट्र, मद्रास
14.	र्भा	फूल सिंह	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली
15.	श्री	आर०के० भाटिया	भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय. नई दिस्ली
16.	ર્શ્વો	<b>ग्</b> ०के० दत्त	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता
17.	श्रो	आर०बी० सिह	जनगणना कार्य निदेणालय, बिहार, पटना
18.	श्र्वी	म्च०एल० कल्ला	जनगणना कार्य निदेशालय. जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर
19.	र्थ्रा	केल्स० डे	जनगणना कार्य निदेशालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

# दिनांक 19 मई 1984

सं 11/102/79-प्रमा० 1 ।—इस कार्यालय की तारीख 5 दिसम्बर, 1983 की समसेख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में, राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य को उनके नामों के समक्ष दिशत राज्यों के कार्यालयों में तारीख 31 अगस्त, 1984 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अन्ति पहले हो, विद्यमान लोगी पर पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार

1

पर पवीक्षति द्वारा उप निदेशक जनगणना कार्य के पव पर सहर्ष निष्कत करते हैं :---

क ० सं० अधिकारी का नाम जिस कार्यालय में कार्यरत हैं

2

1. श्री सी०डीं० भट्ट

जनगणना कार्य निदेशालय, संघ राज्यक्षेत्र चण्डीगढ,

चण्डीगढ़

2. श्री एस०एल० बहल

जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा; चण्डीगढ़

# दिनांक 21 मई 1984

सं० 11/37/80~प्रशा० 1 —-राष्ट्रपति, कर्नाटक, बंगलीर में जनगणना कार्य निवेशालय में. सहायक निवेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर तवर्थ आधार पर कार्यरत श्री एच०आर० केशवा मूर्ति की बंगलीर में तारीख 6 अप्रैल, 1984 को हुई मृत्यु को सखेद घोषणा करते हैं।

# दिनांक 22 मई 11984

सं 10/19/82-प्रणा 1 ।—इस कार्यालय की तारीख 29 सितम्बर, 1983 की समसंख्यांक अधिसूचना के अम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के अन्वेषक सर्वेश्वी एम व्यो राव और आनन्द कुमार की उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की अर्वाध की विद्यमान णती पर तारीख 31 अगस्त, 1984 तक और सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. सर्वश्री एस०वी० राव और आनन्द कुमार का मुख्या-लय नई दिल्ली में होगा।

> वी०एस० वर्मा भारत के महार्राजस्ट्रार

# श्रम और पुनर्वास मंत्रालय श्रम ब्यूरो शिमला, दिनांक 9 जुन 1984

संख्या 23/3/84-सी पी आई .—अप्रैल, 1984 में औद्यो-गिक श्रीमकों का अखिल भारतीय उपभोक्सा मूल्य' सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1984 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 559 (पांच सी उनसठ) रहा । अप्रैल, 1984 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 679 (छ: सी उनासी) आता है ।

> आनन्त स्वरूप भारद्याज निद्येशक थम ब्यूरो, शिमना-171004

### वित्त मंस्रालय

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाव 461005, दिनांक 9 मई 1984

## आदेश

सं ए जड़ी ०/19/लिक/सी ०एस ०/1084 — जबिक श्री एम ० एल ० अवधिया (पूर्व में श्री एम ० एल ० वर्मा) उच्च श्रेणी लिपिक दिनोक 1/5/1981 से अपने कार्य से अना-धिकृत रूप से अनुपस्थित है।

एवं जबिक ज्ञापन कमांक एडी/19/2017 दिनांक 21/5/81, एडी/19/4522 दिनांक 27/7/81, एडी/19/5151 दिनांक 13/8/81 और एडी/19/5303 दिनांक 18/8/81 द्वारा उन्हें कार्य पर उपस्थित होने के लिये निर्वेश दिये गये थे।

एवं जबिक कथित श्री एम०एल० अवधियां कार्य पर उपस्थित नहीं हुए तथा लगातार अनाधिकृत रूप से अपने कार्य से अनुपस्थित हैं।

एवं जबिक कथित श्री एम०एल० अविधियां को दिनांक 15/10/81 तक उनकी अनाधिकृत अनुपस्थित के कदावरण के लिए केन्द्रीय सिविल मेवा (वर्गीकरण नियं तण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत उन्हें ज्ञापन कमांक एडो/19/लिक/8387 दिनांक 6/11/81 द्वारा आरोप पत्न दिया गया था जो कि उन्होंने दिनांक 20/11/1981 को प्राप्त किया था परन्तु उन्होंने अपने बचाव में कोई लिखित प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया तथा वे लगातार अपने कार्य से अनुपस्थित हैं।

एयं जबिक श्री एम०एल० अविधियां के विरुद्ध लगाये गये आरोपों की जांच करने के लिए आदेश क्रमांक एडी/ 19/लिक/19769 दिनांक 6/1/82 द्वारा जांच का आदेश दिया गया था परन्तु कथिन श्री एम०एल० अविधिया को विभिन्न अवसर प्रदान किये जाने के बायजूद भी जांच कार्यवाही में उप-स्थित नहीं हुए तथा जांचकर्ता अधिकारी द्वारा उनके निकास के पते पर पंजीकृत डाक द्वारा भेजे गये समस्त पत्न, इस अम्युक्ति के साथ कि "प्राब्तकर्ता घर पर उपलब्ध नहीं है" वापिस कर दिये गये।

एवं जंबिक जांबकर्ता अधिकारी ने एक्सरका जांच की कार्यवाही कर कथित श्री एम०एल० अवधिया को आरोपों का दोषी करार देते हुए अपनी दिनांक 16/3/84 की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एवं जबिक कथित. श्री एम० एल० अवधियां दिनांक 6/11/81 के आरोप पत्न के बावजूद दिनांक 21/5/82 तक अपनी इयुटी पर. न आकर लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थिन रहे तथा उसके बाद 24/5/1982 से 2/10/1983 तक की कथित अवधि में अन्य समस्त दिन अपने

कार्य पर न आकर केवल 89 विन अपने कार्य पर उपस्थित रहे तथा 3/10/83 से लगातार अनुपस्थित हैं।

एवं जबिक उन्हें सरकारी सूचना एवं निर्देश का उल्लंधन करते -हुए दिनांक 16/10/1981 से कार्य से अनुपस्थित रहने का कदाचार करने के लिए तथा सरकारी पत्न (ज्ञापन एडी/19/4246 दिनांक 20/7/1982) जो कि पंजीकृत डाक द्वारा भेजा गया था, लेने से इनकार करने के लिए जापन कमांक एडी/19/लिक/9526 दिनांक 23/12/1983 द्वारा दूसरा आरोप पत्न दिया गया था। प्रन्तु आरोप पत्न का वह कथित ज्ञापन जो कि पंजीकृत डाक द्वारा उनके आखरी ज्ञात स्थायी एवं वर्तमान घर के पते पर भेजा गया था, बिना वितरण के वापिस आ गया।

एवं जबिक आदेश ऋमांक एडी/19/लिक/11238 दिनांक 30/1/1984 द्वारा दूसरी जांच का आदेश दिया गया था, परन्तु बह कथित आदेश जो कि उनके आखरी जात स्थायी एवं वर्तमान घर के पते पर भेजा गया था, भी बिना वितरण के वापिस आ गया।

एवं जबिक अधोहस्ताक्षरकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उनके दिनांक 3/10/1983 से लगातार अनुपस्थित रहने के कारण तथा उनके आखरी ज्ञास पते पर भेजे ग्ये समस्त पत्नों के बिना विसरण के वापिस आ जाने के कारण केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 14 में दर्शाये अनुसार जांच करना व्यवहार्य नहीं है।

अब अधोहस्ताक्षरकर्ता मामले के समस्त तथ्यों एवं परिस्थितियों पर गंभीर रूप मे विचार करके श्री एम० एल० अवधियां को लम्बो अवधि के लिये कार्य से अना-धिकृत रूप से अनुपस्थित रहने तथा सरकारी पत्नों को ले से इनकार करने का दौषी करार देते हैं तथा निर्णय लेते हैं कि कथित श्री एम०एल० अवधिया सरकारी सेवा में रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं।

इमलिए अधोहस्ताक्षरकर्ता केन्द्रीय सिविल मेवा (वर्गी-भरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 19 द्वारा प्रदत्त भित्तयों का उपयोग करते हुए श्री एम० एल० अवधियां को तुरन्त प्रभाव से प्रतिभूति कागज कारखाना की सेवा से निय्कासित करते हैं।

> सही/---ग० रा० पाठक, महाप्रद्यन्धक

# भारत सरकार टकसाल कलकत्ता-88 दिनाँक 27 श्रप्रैल 1984

सं० पी०-669/1385-87-भारत सरकार, विस मंत्रासय, भाषिक कार्य विभाग, नई विल्ली के महानिदेशक (नोट एवं मुद्रा) के निजी सचित्र श्री डी० के० घोषाल, सी०एस०एस० के ग्रेड "ए" आशुलिपिक को प्रतिनियुक्ति को सामान्य शर्ती पर दिनांक 9-4-1984 मे प्रथमत: 2 वर्ष की अवधि के लिए 840-40-1000- द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में भारत सरकार टकसाल, अलीपुर ,कलकत्ता-88 के प्रशासन अधिकारी (वर्ग "बी" राजपन्तित) के पद पर नियुक्त किया गया है।

> हरेन्द्र नाथ गुप्ता, महाप्रबन्धक

भारतीय लैंसा तथा लंसापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेसापरीक्षक का कार्यालय

# नई दिल्ली-110002 दिनांक 19 मई 1984

नं० 6 एख० वा० ले० प० 1/62-84---ग्रायर उप निर्यक्षक-महालेखापरीक्षक (बा०) निम्नलिखित ग्रनुमाग श्रिधिकारियों (बा०) को पदोन्नत करके लेखापरीक्षा श्रिधिकारी (बा०) के रूप में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करने हैं मौर आगे आदेश दिये जाने तक प्रत्येक नाम के सामने नीचे कालम 4 में लिखित कार्यालयों में नीचे कालम 5 में लिखित नारीओं ने उसी रूप में तैनात करते हैं:---

<b>क्र</b> ० सं ०	भ्रनुभाग श्रधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहां पदोश्नत से पहले कार्यरत थे	कार्यालय जहां पदोक्षत के बाद लेखा- परीक्षा प्रधिकारी (वा०) के रूप में तैमात किये गये	लेखापरीक्षा श्रधिकारी के रूप में पदोक्षत की तारीख
1	2	3	4	5
	सर्वश्री	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	,	
1.	एल० के० नन्दा	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन नि० या० ले० प०, रांची	महालेखाकार–II बिहार, पटनाः	28-2-84
2.	जी० एन० श्रीवास्तव	महालेखाकार, उत्तरप्रदेश	महालेखाकार, जन्मू व करमोर श्रोतगर	22-2-84
3.	विजेन्द्रा तिवारी	महालेखाकार-II बिहार, पष्टना	महाले <b>या</b> कार $-\Pi$ , बिहार, पटना	22-2-84
4.	पी० बी० भानमृखन	महालेखांकार, केरल लिबेन्द्रप	स० से० प० बोर्ड एवं पदेन नि०, वा० वा० ले० प० हैयराबाद	.292-8-1

1 2	3	4	5
5. एस० नगेश्वरा राव्	महालेखाकार-।।, ग्रान्ध्र प्रदेश हैं दराबाद	स० लें० प० बोर्ड ए वं पदेन निदेशक बा० ले० प०, बम्बई	27-2-84
<ol> <li>बी० डी० क्रिपाठी</li> <li>जी० वीरानजानेथूले</li> </ol>	महालेखाकार, उत्तर प्रदेश स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, हैदराबाद	महालेखाकार।।, बिहार, पटना	29-2-84 28-2-84

(के०, पी० ,लक्ष्मनराव) सहायक नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०)

# कार्यालय निद्यासक लेखा परीक्षा केन्द्रीयराजस्य नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1984

सं० प्रशास०-1/का० आ० संख्या-74-इस कार्यात्य के सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी श्री गौरी शंकर बंशल वार्षक्य आयु प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 मई, 1984 अपराह्न को भारत सरकार की सेवा ने सेवानिवृत्त हो जाएगें। उनकी जन्म तिथि 20 मई, 1926 है।

ह. अपठनीय संयुक्त-निदेशक लेखा परीक्षा (प्र०)

# नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1984

प्रशासन—I/का० आ०/संख्या 65—निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय राजस्ब, नई दिल्ली ने भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक, नई दिल्ली द्वारा इस कार्यालय को आंबरित सर्वश्री ग्यान प्रकाश बहल और सतीश कुमार अनुभाग अधि-कारियों को सहार्यक लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप—बी—राजपन्नित) के पद पर 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-1040 ह० के वेतनमान में दिनाक 1-3-84 पूर्वाह्म से आगे आदेश मिलने तक मूल नियमावली 30(1) के द्वितीय उपबंध के अन्तर्गत प्रोकार्मा पदीक्षति के आदेश दिए हैं।

्शंकर नरायण उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रणासन)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात,

अहमदाबाद, दिनांक 16 मई 1984

सं० स्था० (ए०)/3(39)/1284—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार संलगन सूची में बताए गए अनुभाग अधिकारियों को कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात, अहमदाबाद/राजकोट में स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में हरैक के सामने बताई गई तारीखों से अगले आदेश मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

उपरोक्त नियुक्तियां अस्थायी हैं और 1984 की विशेष सिविल आवेदन पत्न सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की भन्न पर की जाती है।

> ह अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासक) कार्यालय, महालेखाकार (लेखापरीक्षा) गुजरात, अहमदाबाद,

	3
सं० नाम	बढ़ती की नारीख
सर्वश्री	
1. एस० नागनार्थन	1384 पूर्वाञ्च
<ol> <li>आर०एम० जरीबाला</li> </ol>	17
3 के० सुब्रेमेनियन	<b>7</b> 1
4. डी० एम० चौहान	5-3-84 पूर्वाह
5. एच०सी० सैनानी	1-3-84
<ol> <li>जे०्टी० खुणालानी</li> </ol>	12-3-84 ,,
7. पी०जी०के० नायर $\Pi$	1-3-84 ,,
<ol> <li>जेकोब सेलादूराई</li> </ol>	n
9. ग्रार० विश्वनाथन II	"
10. एस०एस० भट्ट	,,
11. ए० मुरेन्द्रनार्थ	· n
12. ए <b>०वी० विजय</b> गोपालन	"
13. एन०एम० देसाई	p
.1.4. एम०के० चंद्रशेखरन	11
15. डी०जे० त्रिवेदी	11
16. एस०म्रार० रामानुजम	1)
17. बी०ए० व्यास	n
18. ग्रार०वी० जोशी	"
19. डी०यू० पण्डया	11
20. पी०पी० देभर	n
21. सी०पी० यादव	n
22. स्नार० राजगोपाल ।	11
23. एम० रहमतुल्लाह	11
24. के०भ्रार० स्रनन्तनारायनन	11

26. 27. 28.	सर्वश्री श्राई०एम० झेख एल० ध्रुवा राव	1-3-84 पूर्वाह	सर्वश्री	1-3-84 पुर्वाह
26. 27. 28.	<del>-</del>			1 0 01 4.10
27. 28.	एल० ध्रुवा राव	11	70. जी०सी० दवे	+7
28.		11	71. वी०के० गाह	n '
	एस० जोड एच० हक्सी	11	72. बी०एल० णर्मा	()
29.	के०सी० सायमन	,,	73. आर०एन० पाठक	"
	टी०जी०सी० नायरः	1)	74. पी०डी० दवे	9~3~84 भ्रपराह
30.	के०ग्रार० पारेख	***	75. भ्रार०सी० जोशी	1-3-84 पूर्वाह
31.	एम 🗸 डेनीश्यस	11	76. पी०एस० गणेशन	17
32.	वी०पी० रंगनाथन	1)	77. एस० रमणी -	77
33.	वी०श्रार० कामथ	"	78. वी०पी० पोंक्षे	• 11
34.	म्राई०बी० देसाई	1)	79. वी०के० वर्मा	n
35.	के०एस० सैयद	1)	80. एन०के० सैयद	11
<b>′3</b> 6.	पी०के० ठक्कर	1)	81 ए०पी० दवे	"
37.	एन०डी० चित्रे	n	82. एस० चीरंगन	<i>)</i>
38	मार०के० उबगढे	11	83 बी०जे० सिंध	"
39.	ग्रार०एम० शाह	<b>))</b>	ं 84. बी०जे० मुकला	21
	जी०ए० घोस्त	n	85. श्रार०श्रार० जोशी	"
41.	एच० रामालिगंम	 H	86. के०एल० टपलू	))
42.	एस०सी० जोशी	1)	87. के०जे० शाह	77
43.	यू०एम० शोख	11	88. एस०ए० द्विवेदी	11
	पी०के० मंगलानी	11	89. एन०डी० मेहता	77
45.	पी०एम० रानाडे		90. एम०वी० राज्यगुरू	"
46.	एन०सी० चाम्पानेरीया	,11	91. ए०एम० शारदा	"
47.	<b>डी</b> ०ए० पटेल	11	92∴ श्रार० राजगोपाल <b>1</b>	Ι',,
48.	<b>बी</b> ०ग्रार० घेंकोबा राव	11	93 वी०वी० मजुमदार	. 11
49.	बी०एम० शाह	**	94. जे०एस० पटेल	IJ
50.	पी०एस० श्रीनिवासन	1)	95. बी०सी० विवेदी	"
51.	के०यु० नाम्बीयारः	††	96. पी०एस० नायर	<b>7</b> 1
52.	पी०पी०एस० पोडुबाल	11	97. सी०डी० हाथी	"
	के०एन०यू० कायमल	11	98. पी० ज्योर्ज मैथ्यू	"
	वी०वी० सैम्युल	"	. 99. वी० वेणुगोपालन	1)
	पी० बालकिष्णम्	J†	100. एन०सी० उपाध्याय	•
	वी०जी० 'बाथर <sup>े</sup>	11	101. टी० थ1मस	"
57.	एम०एम० बालसुक्रमण्यम्	· ·	102. डेनीयल वर्घीस	11
	एच०एल० दुदानी	1)	103. कें उएस० छाबड़ा	73
	पी० नारायणन्	<b>)</b> 1	$104$ . वी०एस० जोशी $ ilde{m{r}}$	,,
	फ्रो०बी० मैंध्यु	11	ं 105. डी०एम० झाला	11
	भ्रार०भ्रार० राजपाल	†1	106. एम०एन० दवे	11
	बी०के० ठक्कर	,,	107. एस०एन० वसीता	n
	एम०एन० गांधी	"	108. भार०जे० यादव	<b>)</b> 1
	, जी०ग्रार० ग्राथवले	, ,,	109. एच०जी० मंडानी	11
	एन० वेंकप्पा	11	110. एस०एल० जोशी	,, ,,
	श्रार०एम० गणपत्ये	"	111. पी०श्रार० माह	"
	ग्रो०सी० तलाटी	11	112. एच०एम० गोगीया	11
	एस०जी० कुलकर्णी	"	113. जे० एच० श्रसनानी	n
	बी०आई० शाह	"	114. एन०जे० भाटिया	11

सं० नाम	बदती की तारीख	सं० गाम बढ़सी की तारीख
सर्वश्री	1-3-84 पूर्वीह	सर्वेशी 1-3-84 पूर्वीह
115. जे०एम		160. एस०प्रार० बानगुरगी ,,
116. के∘एस०		161. एफ०जे० मेखा ,,
117 ए <b>म</b> ०एम		162 एम०यू०म्राई० खान ,,
118 भार०वी		163. भार० रामचंद्रम "
119. एन०जे०	•	164 पी०ग्रार० पटेल "
120. श्री०एस	***	165. भार०मार० गाह ,,
121. टी०पी०	•••	166. एन०एस० रणदेव ,,
122. पी०डी०	•	167. जे <b>०पी० भट्ट</b>
123. वी०एच		168. एस०म्रार० तन्ना ,,
124. ए <b>च</b> ०एम		169. मुनिश्रवर <del>दश</del> ,,
125. एम०ए०	प्रो <i>र</i> म	170. एष०टी० खट्टर "
126. ए०एम०	द्वीमा	171. डी०एम० जाड़ेजा "
127. ए० ए०	मस्थानी	172. एस०बी० पारिख "
128. তী০ ঘা	र जाती राज्यां	173. जे <b>०जे० सोनी II</b> "
129. सी०सी०	मोनी	174. एम०ग्रार० गोपलानी "
130. एस॰एन	, प्रोक्ष्यान	175. सी०एल० महता ',,
131. पी०के०	<del>। इस्ती</del>	176. एन०वी० भट्ट ,,
132. Цоцо	ਬੀਖ਼ ਹਜ਼	177. एस०के० दत्तानी "
	ातः राजगोगासन	178. पी०बी० उपाध्याय ,,
134. के०के०	नांग्रक	179. मार०मार० चौधरी "
135: बी॰एस	्र विकारी	180. पी०जी० के० पिलाई ,,
136. बी०के०	भरों	181. एस०सी० घेख ,,
137. एस॰ ए	TO TIA	182. बी॰एच० श्रायर ,,
138. श्रार०ए	∙्र हते	183. एम०श्रार० शींदे "
139. एम <b>०</b> पी	<b>मा</b> मलोग	184. जे०पी० दुधिया ,,
140. वी०बी०	•	185. एस०ए० लिम्बाचीया ,,
141. श्रार० १	WINDER	186. एस० श्रीनिवासन <sup>.</sup> ,,
142. वी०के०	- <del>-</del>	187. के०यू० राजा "
143. बी०एस	सङ्गेतरीमा	188. पी०के० मुखर्जी "
144. जी०पी०	,	189. एन०मार० नायर "
145. के <b>बी</b> ०	धासेषा	190. पी॰टी॰ सतानी
146. <b>प्राई</b> ०प्रो	਼ ਚੀ <b>ਨਬ</b> ਾ	191. पी०एस० मेहता ,,
147. के <b>०</b> एस०	NT.	192. बी०पी० स्वीदिया ,,
148. के॰पी॰	मोही	193. ए०एम० शाह I ,,
149. सी०ग्रो०	पटेल	104 मीवरीव केंद्र
150. टी० वि	वर्गाधन	
150. टाउ प्य 151. एल०एम	्र मेक्टा	195. एस० शंकर रामन "
151. एस ज्यून 152. <b>पी</b> ० जे	"	196. ए <b>च</b> ०बी० राणा 19-4-84 पूर्वाह
152. <b>पा</b> ० जर 153. <b>यी</b> ०एम	ें टेसार्ड	ह. अप्ठ
153. बार्स्सर 154. एच०पीर	**	ल०प० ग्रविंशनी (प्र
154 एक०५। 155 डी०एम		
156. ए०एल०	•••	महालेखाकार (लेखा परीक्षा)
150. एउएलड 157. जें•जी०	**	अस्त्रीपन्त जिल्लांस १० मार्ट २००४
157. जण्जार 158. एम <b>्</b> जी	***	भुवनेष्वर, दिनांक 14 मई 1984
156. एस०आ 159. एस०पी		सं स्था०आ०-24 महालेखाकार (लेखा परीक्षा) ने इस कार्याल
199. Gabal	्र अवाचदाना ,,	के श्री पाशिभूषण बेहरा, सहायक लेखा परीक्षा ग्रधिकारी व

विनांक 18-4-84 के पूर्वा ह से कार्यवाही लेखा परीक्षा ग्रिधकारी रूप में बेसनमान स्पये 840-40-1000-दं रो०-40-1200 पर भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग की भर्ती नियमावली 1964 (प्रशासनिक ग्रिधकारी, लेखा ग्रिधकारी तथा लेखा परीक्षा ग्रिधकारी) में निहित व्यवस्था के श्रनुसार सहर्ष नियुक्त किया है। पवीन्नति उसके वरिष्ठ ग्रिधकारियों के दावे के बिना पक्षपात करते हुए तथा न्यायालय के विचाराधीन उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय के ग्रीतम निर्णय एवं सवर्ष ग्राधार की गई है।

एस० एस० भान वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रगा०)

# रका लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 18 मई 1984

सं० प्रगा०/1/1172/1/जिल्द-III—राष्ट्रपित, भार-तीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित भिधकारी (जो उन के नाम के समक्ष सूचित की गई प्रति नियुक्ति पर हैं) को, उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (स्तर-II) (वेंसनमान रुपये 2250-125/2-2500) में, श्रनुक्रम नियम के ब्रधीन, उन के नाम के समक्ष दर्शाई गई तारीख से ब्रागामी श्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री एन०डी० मोरे 21-4-84 उप, प्रधान प्रबंधक (वित्त) मजगांव डांक लिमिटेड, बम्बई।

सं० प्रशा०/1/1172/1/III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों को, उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (स्तर-II) (वेतनमान रुपये 2250-125/2-2500) में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए, उनके नामों के समक्ष दर्शाई गई तारीखों से, श्रागामी श्रादेश पर्यन्त सहर्थ नियुक्त करते हैं।

क्र०सं०	नाम	तारीख		
1. श्री	सुरे <del>ख</del> र सिंह	07-05-84		
2. श्री	उमा शंकर प्रसाद	21-04-84		
3. শ্বী	भ्रमीय कुमार			
घो	ष	05-05-84		
		वी	०एस०	ঋদা

वी०एस० जफा, रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक

# रक्षा मंत्रालय ग्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड भारतीय ग्रार्डनैन्स फैक्टरियां स्कूल सेवा कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1984

सं व 1/83/स्कूल--डी व्याविक्यो व्यापिक निम्निलिखित शिक्षक को उप-प्रधानावार्य, स्रोव्यापिक स्राहित सीव्यापिक विकास सिक्षक को उप-प्रधानावार्य, स्रोव्यापिक स्राहित सीव्यापिक विकास सिक्षक स्राहित से प्राप्तिक के पद पर दिनांक 17 मई, 1983 से वर्तमान रिक्ति में प्रोक्षत करते हैं:---

नाम	से	पर	 कैफियत
1	2	3	4
श्री पी० एन० राय,	भाषेतर शिक्षक, हायर सेकेन्ड्री, झो० एफ० सी०	उप-प्रधानाचार्य ग्रो०एक० ग्राई० सी० (ग्रुप "बी" राजपत्रित)	वर्तमान रिक्ति में

श्री राय ने तारीख 17—5-83 से उप-प्रधानाचार्य पद की उच्च कार्य भार ग्रहण किया।

डी० भार० श्रव्यर उप-महानिदेशक/कार्मिक कृते महानिदेशक, श्रार्डनैन्स फ्रेंक्टरियां

# म्रार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1984

सं० 25/जी/84—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित ग्रीध-कारियों को उनके सामने दर्शायी गई तारीख से ग्रागामी 2—96 GI/84 म्रादेश न होने तक भ्रस्थायी सहायक वर्क्स प्रवन्त्रक के रूप में नियुक्त करते हैं:---

ऋम संख्या नाम कार्यग्रहण की तारीख

- 1 श्री ग्रार०के० भ्रमर 06-10-1983
- 2. श्री एस॰एस॰ लाम्बा 07-10-1983

1 2	3
3. श्री ग्रार०के०एस०	
राठोर	24-10-1983
4. श्री पी० पोत्रुस्वामी	24-10-1983
<ol> <li>श्री ६० शंकरन्</li> </ol>	31-10-1983
<ol> <li>श्री टी०म्रार० राव</li> </ol>	18-11-1983
7 श्री वी०एन० गुप्ता	22-11-1983
8. श्री श्रार० मदनगोपा	ल
	28-11-1983
9. श्री यू०एस० जोशी	29-11-1983 .
10. श्री एस०पी० कोहरू	<b>ी</b>
	13-12-1983
11. श्री सी०के० बाबु	
रामचन्द्रन	15-12-1983
12. श्री श्रार० मुनुस्थार्म	T .
,	27-01-1984
13. श्री एन० रामास्वाम	ि
	30-01-1984
14. श्री टी०जी० सुद्रमा	नेयन
·	06-02-1984
15 श्री डी०के० चटर्जी	06-02-1984
ं 16 थी ग्रार० मुथुवेलू	07-02-1984
17. श्री एस०पी० सक्सेन	
20	0-02-1984
18 श्री तापस कुमार मं	<i>ं</i> डल
•	16-03-1984
19. श्री एल०ए० गेराल्य	g 28-02-1984

# दिनोक 9 मई 1984

सं० 26 जी०/84 — वार्धक्य निवृति श्रायु प्राप्त कर श्रीएस०के० दास, स्थानापत्र एस०ग्रो० (मौलिक एवं स्थायी सहायक) दिनांक 31 मार्च, 1984 (ग्रपराह्र) से सेवा निवृत हुए।

सं० 27/जी०/84 — वार्धक्य निवृत्ति भ्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री के०ग्रार० विकासायन, सहायक निदेशक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैंत) दिनांक 31 मार्च, 1984 (भ्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता निदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक श्रायात-नियंति का कार्यालय श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण नई दिल्ली, दिनांक 23 श्रप्रैल 1984 (स्थापना)

सं० 1/2/84-प्रशासन (राज०)/3649:—-राष्ट्रपति, श्री पी० के० करूर, प्राई० एक० एस०, को जो वस्त्र विभाग में अवर सचिव थे, 12 श्रत्रैल, 1984 से 6 मास की श्रवधि के लिए मरूप-नियंत्रक ग्रायान निर्योग के कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के रूप में तियुक्त करते हैं।

# दिनांक 9 मई 1984

सं० 6/1440/83—प्रगा० (राज०)/3568:——मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय के श्री डां० एन० धवन, नियंत्रक, ग्रायान निर्यान (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) सेवा निवर्तन की श्रायु हो जाने पर 31 मार्च, 1984 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> एमः एलः जयन्तः, उप-मूख्यनियंत्रकः कृते मुख्यनियंत्रक जायात-निर्यात

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन ध्रनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 मई 1984

सं० ए-17011/249/84 प्र०-6: महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, ने कलकता निरीक्षणालय के भण्डार परीक्षक (अभियांतिकी) श्री एस,० के० गुप्ता को दिनांक 17-4-84 के पूर्वाह्म से, श्रागामी आदेश दिए जाने तक, इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरोक्षण मण्डल में नियमित श्राधार पर स्थानापन्न-रूप में सहायक निरीक्षण श्रीधकारी (अभियांतिकी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-17011/254/84-प्र०-6:--महानिवेशक, पूर्ति तथा निपटान, ने कलकत्ता निरोक्षणालय के भण्डार परोक्षक (श्रभि०) श्री तपस बनर्जी को दिनांक 18-4-84 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश दिए जाने तक इस महानिदेशालय के श्रधीन उसी निरोक्षण मण्डल में तवर्थ श्राधार पर स्थानापन रूप से सहायक निरोक्षण श्रधिकारी (श्रभियांतिकी) के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 17011/259/84-प्र०-6:—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता निरोक्षणालय के भंडार परीक्षक (भ्रभि०) श्री डी० के० बोस को दिनांक 17-4-84 के पूर्वाह्म से श्राणामी श्रादेण के दिए जाने तक इस महानिदेशालय के श्रधीन उसी निरीक्षण मंडल में तदर्ष श्राधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक निरीक्षण श्रिधकारी (ग्रभियांतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 14 मई 1984

सं० ए०-17011/253/84-प्र०-6:---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, मब्राम निरीक्षाणालय के कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारो श्री टी० श्रार० रामचन्द्रन को दिनांक 18-4-84 के पूर्वाह्म से श्राणामी श्रादेश दिए जाने तक, इस महानिदेशालय के श्रधोन उसी निरोक्षण मण्डल में नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक निराक्षण श्रधि-कारी (अभियांत्रिकी) नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-17011/256/84-प्र०-6:—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान मंद्रास निरोक्षणालय में भंडार परोक्षक, (अभि०) श्री बी॰ कासी को दिनाक 16-4-84 के पूर्वाह्न से आगामी श्रादेश विये जाने तक इस महानिदेशालय के श्रधीन उसी निरीक्षण मंडल में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरोक्षण श्रधिकारी (श्रीभ-यांक्रिकी) नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-17011/257/84-प्र०-6:--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, मद्रास निदेशालय के भण्डार परीक्षक (श्रिभियांतिकी) श्री एस० नीलमेघहन को दिनांक 16-4-84 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश दिए जाने तक इस महानिदेणालय के श्रधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (श्रभियांतिकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

# दिनांक 19 अप्रैल 1984

सं० ए-17011/260/84-प्र०-6:--महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता निरोक्षणालय के भंडार परीक्षक (ग्रिभि०) श्री पी० पी० चट्टोपाध्याय को दिनांक 17-4-84 के पूर्वाह्म से ग्रागामी ग्रादेश दिये जाने तक, इस महानिदेशालय के ग्रधीन उसी निरीक्षण मण्डल में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (ग्रभियांत्रिकी) नियुक्त करते हैं।

> एस० एल० कपूर, उप निदेशक (प्रशासन), कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान।

# (प्रशासन सनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1984

सं० प्र0-1/1 ( 1204):—स्थायी प्रधीक्षक श्रौर निरीक्षण निदेशक, बस्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशा०) (ग्रेड II) के रूप में कार्य कर रहे श्रो वाई० बी० श्रमीन निवर्तमान श्राय के प्राप्त होने पर विनांक 30 श्रप्रैंन, 1984 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गए हैं।

गजबीर सिंह, उप (नदेशक (प्रशासन), कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

# नई दिल्ली, दिनांक 18 मई, 1984

सं० 17011/139/78-प्र०-6:—राष्ट्रपति, निरीक्षण प्रधिकारी (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" अभियांत्रिकी शाखा के ग्रेड—III) श्री पी० जयकुमारन को दिनांक 30 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म से छः मास की प्रविध के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक इनमें जो भी पहले हो पूर्णतः सदर्थ आधार पर उप निवेशक निरीक्षण (अभियांत्रिकी) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए") (अभियांत्रिकीं शाखाः) के पद पर स्थानापन्न रूप में तियुक्त करते हैं। श्री जयकुमारन की पदोन्नति दिल्ली उच्च न्यामालय में विचाराधीन सिविल रिट याचिका संख्या 1457/81, 1590/81 तथा 1973/81 के अन्तर्गत तीन एल० पी ए० सं० 67/83, 6/83 तथा 69/83 के अन्तिस निर्णय होने के अधीन भी होगी।

- 2. श्रो जयकुमारन की तदर्थ नियक्ति से उन्हें नियमित नियुक्ति के लिये दावा कश्ने का कोई हक नहीं होगा श्रौर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर को गई सेवा उन ग्रेड मे बरोयता, पदोन्नति को पालता तथा स्थार्याकरण के लिये नहीं गिनी जायेगी।
- 3. श्री जयकुमारन ने दिनांक 28 अप्रैल, 1984 अपराह्म को निदेशक निरोक्षण बम्बई के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 30 अप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म की पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (मुख्यालय), नई दिल्लो में उप निदेशक निरोक्षण (अभियांतिकी) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

# दिनांक 19 मई 1984

सं ० प्र०-6/247(258):—राष्ट्रपति, स्थायी निरीक्षण निदेशक (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-I)श्री जे ० एल ० छावड़ा को दिनांक 27 श्रप्रैल, 1984 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेश दिए जाने तक 2000-125/2-2250 रु० के वेतनमान में उपमहानिदेशक (निरीक्षण) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-1 में ग्रिभिसमय मान पद के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री जे० एल० छाबड़ा ने दिनांक 27 अश्रैल, 1984 के पूर्वाह्म से उत्तरी निरीक्षण मंडल में निरीक्षण निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा उसी दिन नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में उपमहानिदेशक (निरीक्षण) उत्तरी क्षेत्र के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० एल० कपूर, उप निदेशक (प्रशासन)

# भारतीय सर्वक्षण विभाग

देहरादून-248001, दिनांक 19 मई 1984

सं० सी-6070/718-ए०:—श्री एन० श्रार० श्रायंगर, स्थानापन्न कार्यालय श्रधीक्षक (सीनियर स्केल), स० प्र० एवं मा० उ० केन्द्र की श्री एच० एल० जादव, स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (एडहाक) के दिनांव 4-4-84 से 2-6-84 तक छट्टी पर चले जाने से, उनके स्थान पर स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (सा० सि० मेवा ग्रुप "बी") के पद पर न० प्र० एवं मा० उ० केन्द्र, (भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 3-4-84 (अपराह्न) से स्थानापन्न रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

गिरीम भन्द्र स्रप्रवाल, मेजर जनरल, भारत के महासर्वेक्षक, (नियुक्ति प्राधिकारी)

# ग्राकाशवाणी महानिवेशालय नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1984

सं ० 10/20/81-एस०-तीन/चारः--श्री जसवन्त सिंह सहायक श्रभियन्ता, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर के त्यागपत्र को स्वीकार करने के परिणामस्वरूप उन्हें 7-5-1984 के श्रपराङ्ग से झाकाश-वाणी में उनकी सेवाझों से कार्यमुक्त किया गया।

> मावसं एन० इलियास, प्रशासन उपनिदेशक इते महानिदेशक

मई बिल्ली, बिनांक 26 मई 1984

सं० 4/5/84-एस०-II--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतवदारा श्री सुरेश कुमार जैसवाल तकनीकी सहायक, राजशांषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली को 26 अप्रैल, 1984 (पूर्वाह्म) से 650-30-740-द० रो०-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रूपए के वेतनमान में आकाशवाणी, जयपुर में तवर्ष आधार पर प्रतिनियुक्ति पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

मोहन फांसिस प्रशासन उपनिदेशक कुते महानिदेशक

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्लो, दिनांक 17 मई 1984

सं० ए०-38013/3/83-प्रणासन-I:--श्री गुरबक्श सिंह भट्यानी, उप निदेणक प्रणासन, स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय सरकारी सेवा से 5 मई, 1984 प्रपराह्न को स्वेच्छा से सेवा-निवृत्त हो गये हैं।

मातु राम उप निदेशक प्रशासन (एम०)

# ग्रामीण विकास मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 1984

सं० ए० 19025/10/84-प्र० III:—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री ए० टी० शंकर को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक 27-4-1984 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

# दिनांक 10 मई 1984

सं० ए० 19025/9/84-प्र० III—इस निवेशालय के धार्मी म गौहाटी में श्री प्रोवेश दास द्वारा सहायक विपणन श्रधिकारी के पद से दिया गया त्याग-पक्ष दिनांक 26-3-1984 (पूर्वाह्म) से स्थीकृत किया गया है।

सं० ए० 19025/11/84-प्र० — अा—संघ लोक सेवा भायोग की संस्तृतियों के भ्रनसार श्री एम० एस० श्रीराम को इस. निदेशालय के भ्रधीन फरीदाबाद में दिनांक 27-4-84 (पूर्वाक्ष) से प्रगले अरवेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

# विनांक 18 मई 1984

सं० ए० 31014/6/78—प्र० 1:—इस निदेशालय के मधीन निम्निलिखित ग्रिधिकारियों को प्रत्येक के सामने लिखी तारीख से सहायक विपणन ग्रिधिकारी (वर्ग 1) के स्थाई पदो पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

- 1. श्री के० एन० घुंगरुधकर
- 31-10-1979
- 2. श्रीपी० जे० चिमलवार (ग्र० ज० जा०) 3-11-1979

उपरोक्त भिक्षकारियों का निचले पदों पर यदि कोई ग्रहणा-धिकार है तो उनके सहायक विपणन भिक्षकारी (वर्ग 1) के पद पर मूल रूप से नियुक्ति होने की तारीख से समाप्त माना जाएगा ।

सं० ए० 31014/4/83-प्र०-I:—विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के ग्रधीन निम्निलिखित ग्रधिकारियों को प्रत्येक के मामने लिखी तारीख से सहायक विपणन ग्रधिकारी (वर्ग I) के स्थायी पदों पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

- 1. श्री हर प्रसाद (भ्र० जा०)
- 31-10-1979
- 2. শ্ৰী কৈ০ লী০ বাঘ (মৃ০ জ০ লা০) 21-12-1982
- 2. उपरोक्त अधिकारियों का निचले पद पर यदि कोई ग्रहणाधिकार है तो उनके सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर मूल रूप से नियुक्त होने की तारीख से समाप्त माना जाएगा ।

गोपाल शरण शुक्ल, कृषि विषणन सलाहकार

# भाभा परमाणु धनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, विनांक 14 मई 1984

# परमाणु ऊर्जा विभाग

# ऋय और भण्डार निदेशालय

# बम्बई-400001, दिनांक 10 मई 1984

सं० डी० पी० एस०/41/10/53-प्रशा०/11293:-परमाणु ऊर्जा विभाग के ऋस ग्रीर भण्डार निवेशालय के निवेशक ने स्थायी भंडारी श्री एस० ग्रार० वैद्य को इस निवेशालय में तारीख 19-3-84 (पूर्वाक्क) मे 19-4-84 (ग्रपराक्क) शक रुपये 650-30-740-35-810-द० रो० -35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ ग्राधार वर स्थानापन रूप से सहायक भंडार मधिकारी के पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार मधिकारी श्री एम० के० जॉन के स्थान पर की गई है, जिन्हें उक्त भवधि हेतु छुट्टी प्रदान की गई है।

> एस० कृष्णन, प्रणासन भ्रधिकारी

# बम्बई-400001, दिनांक 5 मई 1984

सं० डी० पी० एस० /2/1(3)/82-प्रशा०/11572:— परमाण ऊर्जा विभाग के ऋय और भंडार निवेशालय के निदेशक ने लेखपाल (तदर्थ) श्री जे० जी० साठे को इस निदेशालय में दिनांक 4-5-84, (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश होने तक रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960, के वेतनमान में सहायक लेखा श्रीधकारी के रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> पी० गोपालन, प्रशासन श्रधिकारी

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

सं० ए० 31013/3/82-ई० डब्स्यू० :---राष्ट्रपति ने निम्निलिखित ग्रिधिकारियों को प्रत्येक के सामने दो गई तारीख से नागर विमानन विभाग में विद्युत एवं यांत्रिक ग्रिधिकारी के ग्रेड में स्थायी स्प से नियुक्त किया है।

1. श्री एल० सी० गुप्ता

24-10-1979

2. श्री के बी कृष्णन

11-6-1982

बी० भौमिक, सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1984

सं० ए०-32013/2/83-ई० ए०:--राष्ट्रपति ने श्री एम० पी० जैन की वरिष्ठ विमान क्षेत्र ग्रधिकारी के पव पर की गई तवर्थ नियुक्ति दिनांक 28 नवम्बर, 1983 से छः मास की ग्रवधि के लिए ग्रथवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति वी है।

> जी० बी० साल, सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1984

सं० ए० 32013/14/81-ई० I—इस कार्यालय के दिनांक 29-10-1983 की श्रिधसूचना सं० ए० 32013/14/81-ई०-I के क्रम में, राष्ट्रपति ने श्री एस० रंजन को दिनांक, निदेशक बैमानिक निरीक्षण हैदराबाद के ग्रेड में की गई तवर्थ नियुक्ति को दिनांक 26-3-84 से 27-9-84 तक छः मास की श्रवधि के लिए या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने की तारीख तक, इनमें से जो पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

# दिनांक 8 मई 1984

सं० ए० 19011/47/80ई० रि:— महानिवेशक नागर विमानन्
के कार्यालय के श्रो पा० एस० गुजराल, उपनिवेशक विनियम एवं सूचना निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 श्रोप्त, 1984 भ्रपराञ्च से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> ग्रो० पी० भ्रग्रवास, सहायक निवेशक प्रशासन

# सीमाशल्क/सिब्बन्दी

# मद्रास-1, विनांक 11 भ्रप्रैल 1984

सं० 2/84:—श्री ए० श्रीनिवासन, स्थायी परीक्षक तथा स्थानापम्न मूल्य निस्पक, मद्रास सीमाशुल्क कार्याजय, 58 वर्ष की भ्रायुक्ती प्रधिवर्षिता प्राप्त होने पर तारीख 31-3-1984 के श्रपराह्म को सेवा से निवस हुए।

सी० भजंगस्वामी, सीमाशुल्क समाहर्ता

# केन्द्रीय उत्पाद शुरूक समाहर्ता का कार्यालय अम्बर्ध, दिनांक 14 मार्च 1984

सं० 11/3ई (ए)/2/77/पार्ट-II--श्री आर० डी० कामत, वरित श्रेणी निरीक्षक, ने प्रोन्नति पर दिनांक 6-3-1984 पूर्वाह्न से केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समाहर्तालय, बम्बई-1 में अधीक्षक समूह "ख" के नाते कार्यभार संभाल लिया है।

सं० 11/3ई  $(\eta)-2/77/4$ एँट-II--केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समाहतील्य, बम्बई-1 के निम्निलिखित समूह "ख" के राजपितत अधिकारी, अश्रीक्षक/लेखा परीक्षक, अधिवार्षिकी पर अपने नामों के आगे वर्गाई गई तारीख को सेवानिवृत्त हो गये हैं।

क्रम सं०	नाम व पवनाम	सेवानिवृत्त होने की तारीख
	श्री एम० जे० डिसोजा, अधीक्षक	30-11-1983 (अपराह्म)
2.	श्री एल० एच० धारप, लेखा परीक्षक	31-1-1984 (अपराह्म)
	ए	व० एम० सिंह, समाहर्ता,

# केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110086, दिनांक मई 1984

केन्द्रीय उत्पाद शृलकः वस्वई-1

सं० 2/2/84-प्रणा० I (ख)---अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्द्वारा, श्री प्रभु दयाल, पर्यवेक्षक, को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विश्वृत इंजीनियरी (ग्रुप बी०) सेवा के अतिरिक्स सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में स्थानापश्न क्षमता में 16 अर्थन, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

बी० एम० लाल, अवर सचिव कृते अध्यक्ष

# निदेशक लेखा परीक्षा

# उत्तर रेलवे

# नई बिल्ली, दिनांक 21 मई 1984

सं० प्रशा०/17-14/2/ए० एयू०प्रो०/84/5199--भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग में संवर्गों के पुनर्गठन से निम्निलिखित अनुभाग अधिकारियों एवं प्रवर श्रेणी अनुभाग अधिकारियों को सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (ग्रुप बी० राजपन्नित) के पद पर वेतनमान र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 में दिनांक 1-3-84 से नियुक्त किया गया:--

कम संख्या		
1	2	
	<u> </u>	— <u>1 — 1 — 1 — 1 — 1 — 1 — 1 — 1 — 1 — 1</u>

### सर्वश्री

- बिशन दास सेठी
- तरेन्द्र कुमार रायजादा
- अवतार गाह सिंह
- 4. हेमन्स कुमार जैन
- गौरी शंकर भार्गवा
- 6. प्रेम चन्द्रा
- . 7. सुरिन्द्र-<mark>कुमार</mark>-सूद
  - 8 प्रीतम सिंह
- 9. अमर प्रकाश सक्सेना
- 10. राम अकाश
- 11. राजेन्द्र दत्त
- 12. गुलगन राय जैन
- 13. बिशन चन्द्रा माथुर
- 14. आदा प्रसाद
- 15. नरञ्जन दास गोयस
- 16. विश्वमभर दयाल
- 17. हरी गोपाल अग्रवाल
- 18 वेद स्वरूप बाली
- 19. बंसी लाल आचार्या
- 20. जगवीश चन्द्रा झांझी
- 21. मनमोहन सिंह
- 22. हरवंस सिंह
- 23. वी० रमण मेनन
- 24. गुलाब चन्द जैन
- 25. कुँष्णं कुमार लखनपाल

- 26. सुदेश कुमार मल्होत्रा
- 27. प्रकाश नारायण मालवीया
- 28. गुरबचन लाल साहनी
- 29. जगदीश लाल सहदेव
- 30. ए० जी० सजनानी
- 31. दीन दयाल गोसाई
- 32. कृष्ण कुमार शर्मा
- 33 प्रभाकर अजवानी
- 34. रामा नन्द
- 35. राधवेन्द्रं कुमार
- 36 रमेश कुमार शर्मा
- 37. हरीदत्त जोशी
- 38 गंग श्याम माथुर
- 39. रमेश कुमार झांझी
- 40. चन्त्र कान्त गुप्ता
- 41. गंगा सिंह
- 42. महेन्द्र सिंह्
- 43 दीन दयाल अरोडा
- 44. सुरेश चन्द्रा
- 45. कंवल एन० शर्मा
- 46. राज नारायण
- 47. सत्य स्थरूप शांडिल्य
- 48 सरदारी लाल धवन
- 49. गुरदयाल
- 50. गिरधर गोपाल
- 51. प्रकाश सिंह चोपड़ा
- 52. अमृत लाल
- 53. जगन नाथ
- 54. आणा नन्द
- 55 राधेश्याम वर्मा
- 56. हरीश चन्द्रा शर्मा
- 57. सुखवीर सिंह
- 58. निर्मल चन्द्रा विशष्ट
- 59. स्याम लाल मदान
- 60. नारायण दास घुलयानी
- 61. कीमत राय चाही
- 62. चित्तरंजन चक्रवर्ती
- 63. प्रभुदयाल
- .64. हरदेव सिंह सैनी
- 65. द्वारकाधीश भाटिया
- 66. जगदीश राय अग्रवाल
- 67 राजेन्द्र प्रसाद

राजेन्द्र सिंह मण्डेर, निदेशक लेखा परीका

# पूर्ति मंत्रालय राष्ट्रीय परीक्षक गृह

# कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1984

सं० जी० 65/50—महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कल क्ता रा० पमें गृ० के निम्नलिखित बैज्ञानिक सहायकों (भौतिक नागरिक प्रभियांतिक) को राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता तथा शाखा कार्यालय बम्बई एवं गाजियाबाद में, किसी भ्रन्य भ्रादेश के न निकलने तक ग्रन्थायी रूप में बैज्ञानिक अधिकारी (भौतिक नागरिक भ्राभियांतिक) के च्य में, जियुक्त करते हैं, जो कि प्रत्येक नाम के सामने दिये हुए दिनांक के श्रनुसार कार्यकर होगा।

क०सं०	ंनाम	के पद्पर पदोन्नति	पदोृन्नति का दिनोक	का <b>यलिय</b>
<ol> <li>कुमारी मैत्रेयी देवी वैज्ञानिक सहायक (भौतिक-नागरिक) कलकत्ता।</li> </ol>		वैज्ञानिक ग्रधिकारी (भौतिक सिविल)	15-3-84	राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकसा
2. कुमारी एस०पी० जोशी वैज्ञानिक सहायक (भौतिक-नागरिक) बम्बई		,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,,	27-3-84	राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बर्ड ।
3. श्री एम०एस०	रल <b>् ब</b> हल वैज्ञानिक रल-नागरिक) गाजियाबाद	"	27-3-84	बम्ब६ । राष्ट्रीय परीक्षण गृह, गाजियाबाव

जे०एम० भट्टाचार्य उपनिवेशक (प्रशासन)

क्ते

महानिदेशक, रा० प० गृ०, कलकत्ता

विधि न्याय एवं कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैससं स्पीडरन रबर एण्ड
टायर्स प्रायवेट लिमिटेड (समापन) के विषय में
स्वालियर-474009, दिनांक 14 मई 1984

क्रमांक 10391/लिक्वीडेणन/सी० पी०/3182—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना वी जाती है कि मैसर्स स्पीडरन रबर एण्ड टायर्स प्रायवेट लिमिटेड (समापन) का नाम आहा शिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश [[[ ग्वालियर ।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्यामराज टवाको इक्सपेटर्म प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांक 18 मई 1984

स० 1325/टी० ए० III/560--कम्पनी अधिनियम की धारा 560की उपधारा (3) के अनुसरण में एत्द्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर श्यामराज टबाको एक्सपोटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> वी० एस० राजू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद ।

कम्पनी अधिनियम 1956 इंडस्ट्रीयल आटोमोबायल मैन्यूफैक्चरर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 18 मई 1984

सं० 2108/टी० ए० III/560--कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसार पर इंडस्ट्रियल आटोमोबायल मैन्यूफैक्चरर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण विधात न किया गया तो रिजम्टर से काट दिया जाएमा और उक्त कम्पनी विद्याटिन कर दी जाएगी।

वी० एस० राजू, कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद। प्स॰ प्॰ सेविंग एण्ड फाइनेन्सिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में पटना, दिनांक

आवेदन सं० 2 सन 1981—एतद्वारा सुचना दी जाती है कि उच्च न्यायालय पटना द्वारा उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिनांक 3 फरवरी 1984 को दिया गया था। उस आदेशानुसार कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार उस नाम के कम्पनी का समापन किया जाता है।

> ए० वहाव अन्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 ग्रीर कामाचि रोडवेज चिट फण्ड कम्पनी ट्रान्सपोर्टर्स मन्नास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 14 मई 1984

अधिसूचना सं० 4191/560(3)/84—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अक्सान पर कामाचि रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

> ह० अपठीय अपर कम्पनी रिजस्टार तमिलनाइ

प्रकृप लाइ' ही एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भागत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपूर

नागपुर, दिनांकं 30 अप्रैल, 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्बी०-4/848--यतः मुझे, एम० सी० जोशी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जो० वंजारी, फाईक रोड, और जिसका कुल एरिया 4445.65 स्वनायर मीटर है जो यवतमाल में स्थित है (ऑप इसमें उपाबद्ध अनुसूर्च में और जी पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय मुंबई में (डाकुमेंट सं० 217) में भारतीय रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की न्याई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निसिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अस्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सैविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) बे अधीन मिन्दिल्लिल्ल ख़्यीक्तयों, अधीत :--3 ->53(/95 हिंज रायल हायनेस शाहकरोम अल हुसैनो, आगाखान द्वारा अमीर अली मुलेमान रहीम मुलन भूगेन चेम्बर्स, दलाल स्ट्रीट, मूंबई ।

(अन्तरक)

2. फाउन्डेगन, आगाखान द्वारा बच्चदीन इस्माईल, कालोनी सी० 41, गांधीग्राम रोड, जुहु मुंब ई-400049। (अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूजाँकत सम्पत्ति के वर्धन के तिथ कार्यवाहियां करता हो।

उक्त मम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिध या तत्संत्री स्पिक्त पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मित्तरों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकार्शन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहंस्ताकारी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त विश्वित हैं, निवंश के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो अंसारी फाईक रोड, यवसमाल में स्थित है और जिसका कुल एरिया 4445.65 स्ववायर मी० है।

> एम० सी० जीशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नारीख: 30-4-1984

्प्ररूप मार्ड, दी, एन, एस., -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यान्य, सहाय ६ आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चीन-16, दिनांक 5 मई, 1984

निदेण मं० एल० सी० 678/84-85—यसः मुझे, बी० रविद्यालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्कत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उत्वित बाजार मृत्य 25,000/- रु., से अधिक है

और जिसकी संव अनुसूची के अनुसार है तथा जो एलणांकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेन्नूर भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-9-1983

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुं हैं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दर्ज के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्रो पो० नोमन स्करिया के लिए स्करिया

(अन्तरक)

2. रोयी एम० मात्यू

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वेक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिगों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूचीं

उप रिजस्ट्री कार्यालय चेन्तूर, तारीख 6-9-83 के दस्तावेज सं० 2263 के अनुसार एरणाकुलम विलेन में सं० 738/2 में 20.701 सेन्ट भूमि के साथ एक पुराना मकान और चार दुकान कमरें में 1/10 भाग।

> बी० रिविद्यालन, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एंरणाक लम

तारी**ख** 5-5-1984 मोहर: प्ररूप आहें, टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

# नारत त्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोण्जिन-16, दिनांच 5 मई, 1984

निवेश सं० एल० मीं० 679/84-85—यत: मझे, बि० रिवेशालन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूम्ब 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार है तथा जो

एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय चेन्नूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 6-9-1983

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्परित का उचित याजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्र) अन्तरण संहुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी भाग या भन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा अकट महीं किया गंधा या किया वाना चाहिए जा, जियाने में सुविभा के सिए;

जतः जबः, उक्तं जिभिनियमं की भारा 269-गं के बनुसरण ग्रें, में, उक्तं अभिनियम् की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

- 1. श्री पी० तोमस स्करिया के लिए स्करिया
- (अन्तरक)

2. श्री राय एम० मात्यु

(अन्तरिती

को वह तुषमा बाटी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिस्

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, को उनक्ष अधिनियम, को अध्याज 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

# मन्स्ची

उप रजिस्ट्री कार्यालय चेन्न्र तारीख 6-9-1983 के दस्तावेज सं० 2264 के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सं० 738/2में 20.701 सेन्ट भूमि के साथ एक पुराना मकाल और चार दुकान कमरें में 1/10भाग।

बी० रिवबालन, संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, एरणाकुलम

तारी**थ** : 5-5-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

1. श्री पी० तोमस स्करिया के लिए स्करिया

(अन्सरका)

2. श्री रायः एमः मात्य

(अन्तरिती)

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

### **जारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन टेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, विनांक 5 मई, 1984

निवेश सं० एस० सी० 680/84-85--अत: मुझे वी० रिवंबालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम; स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेन्न्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिधियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अंसरक के वायित्व में कभी करने मा उससे बलाने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तिस द्वतरा अधोसुस्साक्षरी के पास लिखित में दियों जा सकरेंगे।

रपष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### सरक भी

उप रिजिस्ट्री कार्यालय, चेन्न् र तारीख 6-9-1983 के दस्तावेज सं० 2265/83 के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सं० 738/2 में 20.701 मेन्ट भूमि के साथ एक पुराना मकान और चारदकान, कमरें में दस में एक भाग।

बी० रविवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

सारी**ख**: 5-5-1984

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस., -----

बायकार ब्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के ब्रोपीन सुचना 1. श्री पी॰ तोमसस्करिया के लिए स्करिया

(अन्तरक)

2. श्री राय एम० मास्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16,, दिनांक 5 मई, 1984

निदेश सं० एल० सी० 681-84 -85—⊶यतः मुझे, बी० रविश्वालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसको सं अनुसूचों के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेन्तूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्त में कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योख से उच्त अन्तरण लिखित ब बास्तविक कप से कर्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का कि जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ज्ञतः ज्ञान, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अं\*, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्निकिस्ति स्पृक्तियों, अधीत् ह—— की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

# बग्युची

उप रिजस्ट्री कार्यालय चेन्तूरतारीख 6-9-1983 के दस्तावेज सं० 2266/83 के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सं० 738/2 में 20.701 सेन्ट भूमि के साथ एक पुराना मकान और चार दुकान कमरें में दस में एक भाग।

> बी॰ रिवजालन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5-5-1984

मोहरः

प्ररूप बाइ<sup>1</sup>, टी. एन. एस.-----

अप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

(भ्रन्तरक)

2. श्री राय एम्० मात्यू

(म्रन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 5 मई, 1984

निदेश सं० एल० सी० 682/84-85---यतः मुझे, बी० रिव बालन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकु लम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्णकल से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चेन्नूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण किवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तसे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

1. श्री पी० तोमस स्करिया के लिए स्करिया

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमों प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जिस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्रची

उप रजिस्ट्री कार्यालय चेन्तूर तारीख 7-9-1983 के दस्ताबेज सं० 2272/83 के श्रनुसार एरणाकुलम में विलेज में सं० 738/2 में 20.701 मेन्ट भूमि के साथ एक पुराना मकान श्रीर चार दुकान कमरें में दस में एक भाग।

> क्षी० रविवालन सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, एरणाकुलम

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

तारोख: 5-5-19**8**4

मोहर 🛎

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकु लम कोध्चिन-16, दिनांक 5 मई, 1984

निर्देश मं० एल० सी० 683/84-85---यतः, मुझे, बी० रिविवालन,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत जिसिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं अनुमूची के श्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चेडन्तूर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7-9-1983

को पृत्रोंक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐंग दृश्यमान प्रतिकत का पंत्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के शीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पावा यया प्रतिफल, निम्नजिबित उद्देश्य से उन्त बन्तरण विश्वित में वास्तित कम में किया नहीं किया क्या है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :----

श्री पी० भामस स्करिया के लिए स्करिया ।

(श्रन्तरक)

(2) राय एम० मैंत्थु

(म्र∘गरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकर्या।

स्पच्छीक एण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनसर्वी

उप रिजस्ट्री कार्यालय, श्रेडन्नूर तारीख 7-9-1983 के दसवेज सं० 2273/83 के अनुसार एरणाकुलम विलेज में सं० 738/2में 20.701 सेन्ट भूमि के साथ एक पुराना मकान श्रीर चार दुकान कमरे में दस में एक भाग।

बी० रिवबालन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-5-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-घ (1) के प्रधीन सूचारा 1. श्री पी० थामस स्करिया के लिए स्करिया।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राय एम० मात्यू

(मन्तरिती)

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, दिनांक 8 मई, 1984

निर्देण सं० एल० सी० 684/84-85—यतः, मुझे, बी० रविद्यालन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, चेडन्तूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन दिसांक 7-9-1983

कों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृथिभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम,, या धन-कर अधिनियम,, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिस व्यक्तियों, अर्थीत् ः— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाणन की तारिक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबेव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थळतेकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनसर्ची

उप रिजिस्ट्री कार्यालय, चेडन्तूर तारीख 7-9-1983 के दस्तावेज सं० 2274/83 के श्रनुसार एरणाकुलम विलेज में सं० 738/2 में 20.701 सेन्ट भूमि के साथ एक पुरण्ता मकान श्रीर चार दुकान कमरे में दस में एक भाग।

बी० रिवधालन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 8-5-1984

मोहर 🎍

# प्ररूप भार्द, टी, एन, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा

(1) श्री पी० नोमस स्करिया के लिए स्करिया । (पन्नरक)

(2) श्री राय एम० मेथ्यू

(ग्रन्भरिती)

### भारत सरकार

269 (ध) (1) के अधीन स्थना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 8मई 1984

निर्देश सं० एन० मी० 685/84-85—यनः, मुझे, बी० रवि बासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उतित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, चेडन्तूर में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक 7-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिषक हम में किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कभी अर्ज मा उससे बचन मा सुविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उसरः अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
4—9601/84

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के प्रास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जनसं**धी

उप रिजस्ट्री कार्याक्षय चेंब्रन्त्र नारीख 7-9-1983 के दस्तावेज सं० 2275/83 के अनुमार एरणाकुलम विलेज में सं० 738/2 में 20.701 सेन्ट भूमि के साथ एक पूराना मकान और चार दकान कारे में दस में एक भाग।

बी० रवि बालत समन प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुनस

ं तारीख 8-5-1984 मोहर: प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकरू आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

कोच्चिन-16, विनांक 5 मई, 1984

निदेश सं० एल० सी० 686/84-85—यतः मुझे, श्री० रविवालन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रौर इस उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रारन्मुला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक 6-9-1983

को पूर्वोवत संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत संपित्त का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सी, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; आर/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीवभा सें सिए।

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधी न, जिम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात :——

- 1. श्री पी० नोमस स्करिया के लिए स्करिया
- 2. श्री राय एम० मात्यु

(श्रन्तरिती)

(म्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाये।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्स् वी

उप रजिस्ट्री कार्यालय घारन्मुला तारीख 6-9-83 के दस्तावेज सं० 1288/83 के ग्रनुसार एरणाकुलम विलेज में सं० 738/2, मं 20.701 सेन्ट भूमि के साथ एक पुराना मकान ग्रीर चार दुकान कमरे में दस में एक भाग।

वी० रविवालन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, एरणाकृलम

तारीख: 5-5-1984

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्यील बुजवा

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोक्चिन-16, दिनांक 5 मई, 1984

निदेश सं० एल० सी० 687/84-85—यतः मुझे, बी० रिवंबालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रारन्मुला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7-9-1983

का पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूंको यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तप्रण से हुई किसी जाय की वावत उवस अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसने वचने में स्वीवधा के लिए; भीर/या
- (च) प्रेसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा था वा किया थाना चाहिए था, जिनाने में खुविशा के किए;

अतः अव, उक्त निधिनियम की वास 269-व के अवृत्तरभ मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री पी० तोमस स्करिया के लिए स्करिया।
- (भ्रन्तरक)

2. राय एम० मात्यु

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां गुरू करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्यी

उप रिजस्ट्री कार्यालय श्रारम्मुला, तारीख 7-9-1983 के दस्तावेज सं 1284/83 के श्रानुसार एरणाकुलम विलेज में सं 738/2 में 20.701 सेस्ट भूमि के साथ एक पुराना मकान श्रीर चार दुकान कमरे में वस में एक भाग।

बी० र्राववालन सक्षम प्राप्तिकारी सहायक घायकर **घायुक्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 5-5-1984

त्ररूप भार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रजन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16,दिनांक 5मई 1984

निदेश सं० एल० मी० 688/84-85—यतः मुझे, बी० रविबालन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-9-1983

को पूर्विकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उच्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (का) अन्तरण से हुक्ष किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम को अधीन अर दोने की अन्तरक को दायित्व में अभी अरने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर सीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

नेतः जब, उप्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमती सुभद्रावर्मा।

(भ्रन्तरक)

2. बी० के० राजगीपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह सुभाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप डा

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, एरणाकुलम, तारीख 8-9-1983 के दस्तावेज सं० 3135/83 के श्रनुसार एरणाकुलम विलेज में सं० 716/3 श्रीर 1557/3में 8.25 मेन्ट भूमि ।

> बी० रविवासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाक्रलम

तारीख: 5-5-1984

प्ररूप आहें.टी.एन,एसं. ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज 1V, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० ए० सी०- $3/\sqrt{3}$ -IV/कल०/84-85---यतः, मुझे, शंकर के० बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पी-262 हैं, तथा जो बेनारस रौड, हामझा में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हावड़ा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 30-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विभा के सिंए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जम्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित अधिक्तयों, अधीन, क्ष्मिन (1) श्रीमती रेवती देवी

(अन्सरक)

(2) श्री मदन मोहन, संजय कुमार अग्रवाल

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निष्ठित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पत्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, बही अर्थ श्रोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

जमीन — 7 काठा, जमीन का साथ मकान।
पता—पी-262, बेनारस रोड, थाना—लिलुया, जिला—हायड़ा
विलिस सं 0 1983 का 2476।

शंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 10-5-1984

# प्रकार भारी, डी., एम., एच.,------

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुधीन सुचन।

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० ए० सी० - 4/रेंज- $1\sqrt{*}$ ल०/84-85—यतः मुझे गंकरके० बनर्जी

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

कौर जिसकी सं० है तथा जो चेकुन्डि, हुगली में स्थित है (और इससे जिपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-9-83 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह अगर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की साबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर विधिनियम, या चन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चुाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसदण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—-

(1.) एढिचिड इण्डिया प्रा० लिए।

(अन्तरक)

(2.) एबन स्टील प्रा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के मृथन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उन्त सम्मृत्ति के भूवीय के सम्बन्ध में कोदी भी बाक्षोप्;~

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए भा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन - 4.64 एकड़ जमीन का साथ मकान । पता-चेकुन्डि, थाना शिबपुर, जिला--हावड़ा, विलिल सं० 1983 का 9587।

> भंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता 1 6

तारीख 10-5-1984 मोहर : प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

# भारत् सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० ए० सी० 2-रेंज-IV/कल०/84-85--यत, मुझे, शंकर के० बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 7 है, तथा जो गुह रोड, हावड़ा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिका में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए:
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्थ आस्तियों को, जिन्हों भारतीय कायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया केला चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितु: --- (1) एसियाटिक केमिकल इन्डस्ट्रीज।

(ग्रन्तरक)

(2) सालफेट्स इण्डिया.

(ग्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को धी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य स्थावत द्वारा, क्रथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो जनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वो जस अध्याय में दिया गया ही।

### मनुसुची

जमीन -- 10 काठा जमीन का साथ मकान । पता-- 7, गुह रोड, थाना-- मिलुया, जिला-- हाबड़ा, दिलल मं० 1983 का 2406 ।

> णंकर के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV कलकला-⊥

तारीख: 10-5-1984

मोहर 🖺

प्ररूप आद्रै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 11 मई 1989

िदेग सं० [[ि 934/अर्जन/84-85→-अतः मूझे प्रबोध कुमार दुवे

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी सं० 519, प्लाट सं० 1381 सीट सं० 40, हों० सं० 501, 502, 619 (पुराना), 2278 (या) है, तथा जो कंतरजान, रोड, पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूना में और जो पूर्ग क्या से विणित है) एजिस्ट्रेंक्सी अधिकारों के कार्यात्य पटना में रिजस्ट्रेंक्स्ण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अर्धान विनांक 13-9-8

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अंश्वरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भौ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निचित्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री सीताराम साथ वस्य स्थ० गन्तू लाल साथ, निवासी वासरगज, वजाजा, थाना-पिरवहीर पोस्ट वाकीपुर जिला पटना।

(अन्तर्ग)

2. श्री मदन लाल घोडावत बरद श्री संदित नाल, घोडावत, प्रोप्राइटर नेगनल कॅमिकत एण्ड फर्मास्यूटिकन वक्सी, कॅक्सरबाग रोड, थाना, पो० कंक्सरबाग, जिला पटना ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति च्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# मनुसूची

जमीन जिसका रकवा 1230 1 1/2 वर्ग फीट साथ में मकान जो मोहरूला, कंकरबाग रोड, थाना वा० पो० कंकरबाग शहर वो जिला पटना में स्थित है, जिपहा पूर्ण विवरण वसिका सं० 7710, दिनांक 13-9-1983 में विजात है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्ध ए पराधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण). अर्गन रोंज, पटना

तारीख: 11-5-1984

मोहुर 🛭

# प्रकृत बाड .टी. एन. एत . ------

थायनर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा ं ४७९ व(1) के संघीन सूचना

### मारत सरकार

कार्यानय, सहायक **धायकर भायुक्त (निरीकण)** अर्जन रेंज, पटना . पटना, दिनांक 11 मई, 1984 निदेण सं० III-930/अर्जन/84-85---अत: मुझे प्रबोध

कुमार दुवे

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० हो० सं० 687,2561, वार्ड नं० 3,11, सिंकल सं० 8 ए, है तथा जो कंकरबाग, पो०—जी०पी०ओ०, जिला पटना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूर्चा में और जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-9-1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पत्तक प्रतिक्षत की कि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त वृधिनियम् के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी माय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त गीभीनवन की धारा 269-च की बनुसरच मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—-5—96GI/84  सरदार बलवन्त सिंह बाबा, निवासी—-35, राजपुर रोड, दिल्लो।

(अम्बरक)

2. श्री अर्जुन कुमार गृष्ता, निधासा--अनुराधा, अर्थाक राज पथ, पटना।

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके प्वॉक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों उस व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवक्ष किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कांग्यों और पदों का जो जिस्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गंबा है।

### वरसर्वा

1 1/4 वां हिस्मा: 9 कट्टा, 9 ध्रुर. 2 1/2 ध्रुरकी जमीत मय परका मकान का जो केकड बाग पो०—जी०पी० ओ०. जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विस्का सं० -1, 9178 दितां रा 9-9-1983 में विणित है तथा सब रजिस्ट्रार आफ एस्योरेन्स, कलकता के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूथे सक्षम प्राधिकारी: सहायक भृष्यकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पटना ।

दिनांक : 11-5 1984

माहर:

प्ररूप् आई. टी. एन. एस,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुबना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० III-929/अर्जन/84-85---अतः मुझे प्रबोध कुमार दुवे

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० हो० सं०—-687/2561/वार्ड सं० 3/11. सिकान मं० -8ए, कंकरबाग, पो० जी० पी० ओ० है नथा जो जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्या में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्स्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजर्स्ट्राकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांग 9-9-1983

की पृथंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्मिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिम्बत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा अर्ज लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीपिक्त व्यक्तिसों, अधीत:--

- मरदार अमरजीत सिंह,
   निवासी—35, राजपुर रोड, दिल्ली।
   (अन्तरक)
- 2. श्रीमती मीरा गुप्ता, निवासी--शेखपुरा बेली रोड, पटना। (अन्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, बहुी अर्थ हु। या औ उस अध्याय भे विशा गमा है।

### जनसूची

जमीत मय प्रका मकान जिसका रकवा 7 कहा, 10 बुर है और कंकरबाग, पां० जी०पी० ओ० जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से वसिका सं० I, 9179 दिनांक 9-9-83 में विणित है तथा सब रिजस्ट्रार आफण्स्योरेन्स, कलकत्ता के द्वारा पंजिकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पटना

तारी**ख** 11-5-1984 मोहर: प्रकप कार्षः दी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 11 मई, 1983

निदेण सं ० [H-931]अर्जन्। ८४-८५--- अतः मूझे, प्रबोध कुमार दुबे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसका सं० हो० सं० 687,2561, वार्ड नं० 3/11, सिकल सं० 8ए, है जो कंकड़वाग, पो० जी० पी० ओ०, जिला पटना में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलवता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोंक 9-9-1983

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मृत्तरण निचित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अवत मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने मा उससे बच्चने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री अमरजीत सिंह बावा, निवासी 30, राजपुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री अर्जुन कुमार गुप्ता निवासी "अनुराधा", अशोक राजपथ, पटना । (अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पम्पित में दितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण .---अगमं प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# समृश्ची

1/4 वां हिस्सा 9 कहा, 9 घुर  $2\frac{1}{2}$  घुरकी जमीन मय प्रका मकान का जो कंकड़वाग, पांठ जींठ पांठ औठ , जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विस्ता संठ 1, 9175 दिनांक 9-9-1983 में विणित है तथा सब रिजस्ट्रार आफ एस्पॉरेन्सेम कलकत्ता में के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार, दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्राधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

कतः वन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के वन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख 11-5-1984

- महिए:

प्ररूप गाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 26५-च (1) के अधीन सचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना पटना, दिनान 11 मई, 1984

निदेश सं० III-932₁अर्जनि,8√न85—-अतः मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६मके परचात 'उक्कल अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000⁴-रुक से अधिक हैं

68का 2561, वार्ड नं० 3/11, मिकिल म० 8ए, हैं तथा जो कंकड़ बाग, पो० जी०पी० ओ० मैं में स्थित है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्राक्ती अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्राक्षण अधितियम, 1908 (1908 वा 16) के अधान दिनांक 9-9-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सतरण मं हुई किसी बाय की वायत, वक्त किर्धानस्थ के मधीन कर दीने के जनस्क के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, बर्यात :---

सरदार बृजपाल सिह,
 निवासा 30, राजपुर रोड, दिल्ली।

(अन्तरकः)

2. श्री अर्जुन कुमार गुप्ता नियासी "अनुराधा", अशोक राजपथ, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस म्बना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन को अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में किन ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकने।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो अन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1 1/4 वां हिस्सा 9 लट्टा 9 घूर, 2 1/2 घुर की जमीन सय पक्रा मकान का जो कराइबाग, पो० जी० पी० औ०, जिला पटना में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विभिका सं 1, 9174, विनोक 9-9-1983 में विणित है तथा सब रजिस्ट्रार आफ एस्यूरेस्सस कनकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रयोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पटना

े तार्र(ख 11-5-1984 भोहर प्रकप बाह्र ही एन एस --------

# नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को सभीन स्वना

भारत संग्कार

कार्यालय, सहायक -आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च, 1984

निर्देश स० आई०ए०सं।०/एकपू०/ 1/एस०आर०-३/ 9-83 अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूट. से अधिक हैं

और जिसकी सं एम-19 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूर्य में औं जे पूर्ण रूप में बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिदार के बार्यालय विल्लो में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे पह जिश्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जासत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान पांचकन में, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणात से प्रविक्त है और पन्तरक (पन्तरकों) भीर अन्तरित्ते (प्रस्तरितियों) के बीच ऐने प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्रका, निम्नलियात उद्देश्य में उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्त्रिक क्य में कियान नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्वारण हिंदी किना था। की बाबन, उक्क खाँक निरास के पंत्रीत कर दो के घटनर के बायक में कमी करने या उना बचने में सुविधा के लिए. . श्रीर/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 19?? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण जें, में उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अधीत् :—

- श्रीननी लुइस्थापर पत्नी स्थ० कैंप० जे० एस० थापर, निवासी एस-297, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।
  - (अन्तरक)
- 2. मैं० राज किएन प्रा० लि० तिप्रामो ए-5, पम्पोश इत उलेव, नई दिल्ली। (अस्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन को तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में झितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमे प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिशाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिमा गया है।

# **ब**न्स्**ची**

ष्लाट नं एम 19, ग्रेटर कैलाण-2, नई विरुर्ला।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्लो

दिनोंक 26-3-1984

मोहर :

प्ररूप बाहैं. टी. एन. एस.-----

सायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

## भारत सदकाड

कार्मासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०आए०-3/7-83/ 1057---अत: मुझे सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

अं।र जितको मं० एम-26 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, गई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणिप है ). रजिस्ट्रीयती अधिवारी के सामित्य दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक सिसम्बर, 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रत् प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्मरण से हुई किसी जाय की बाक्त, उक्त गीधनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सृतिधा के लिए;

जतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- ल श्रीमती मोहन प्यारी पत्नी श्रीलाल चन्द.
 श्री अविनाण चन्द सुपुत्र श्री लाल चन्द.
 निवासी 61-62, अमृत नगर, पो० सेवा नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० एसियन इस्टेंद्स प्रा० लि० , 5/70, उडल्यू० ई०ए०, करोल बाग, नई दिल्ली द्वारा डाईरेक्टर एस० गुरबक्श सिंह.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# नन्त्वी

मोम प्लाट नं० एम-26, ताबादी 195 वर्ग गंज, ग्रेटर कैताण-2, नईदिल्ली।

> सुधीर नन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) , अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नाराख: 26-3-1984

मोहर 🤢

अरूप आई. टी. एन. एस. ------

**कायकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्चे 1984

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/9-83/ 1029—अत: मुझे सुधीर चन्द्रा

आयक् र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-413 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2.नई दिन्ती में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियअ 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सिहम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्यरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उचन अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उ... अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (ए957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों. अर्थात् :---

- श्रीमती जोगिनदर कौर पत्नी श्री मोहन सिंह, इ।रा कानुनी जी० ए० श्री जगजीत सिंह लम्या सभी निवासी डी-84, डिफोन्स कालोनी, नर्ड दिल्ली । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती णालीनी खन्ता, मैं० सागर फैमिली ट्रस्ट. द्वारा श्रीमती णालीनी खन्ता, मैं० हिन्डन बब्बर, प्रा० लि० द्वारा मैनेजिंग डाई० श्रीमती णालीनी खन्ता श्री जे० एत० पुरी, श्रीमती णान्ती पुरी. सभी निवासी एच-33, मस्जिद मठ, नई विस्ली। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बिष्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अश्रोहस्पाक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकरें।

स्पक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याम 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गमा है।

# अनुसुची

प्लाट नं० 413, ब्लाक 'ई' ग्रेटर कैलाण-2. नर्छ दिस्सी।

मुधीर जन्द्रा यक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, नई दिस्ली

मारीख: 26-3-1984

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देश मं० आई०ए०मी०/एक्यू०/1/एस०आर०-3/9-83/ 1081—-अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित जाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सी-574 है, तथा जो डिफेंस कालानी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्च, में और जो पूर्ण कर्मा वर्गोगा है) रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वीक्स संपित्त के उचित आजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल के एसे स्थमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया पितिफल, निम्निलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखन में बास्तिबक क्या से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुइं किसी नाग की वासल, उस्त गींभीनियम के वभीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्य में कमी करने या उससे वसमें में सुविधा के के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया श्रमा था या किया बाना वाहिए था, जियाने में सविधा के लिए;

शतः स्व, जनत विभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उनत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ः—

- एयक्काइसभाजनिके ० एन० सोंधी.
   निवासी डी-70, गृनभोहरपार्क. नर्दिल्ली ।
   (अन्तरक)
- श्री अशोक सुर, श्रीमती चन्दरकला सुर निवासी-89-दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिमी)

को यह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकी।

श्याच्यीकरणः ---इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, ओ उन्त विधिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गमा हैं।

# गन्तृषी

प्रो० नं० मी-574, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली ताबादी 32**5, वर्गगण**।

> सुधीर जन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायुक्त आयुक्त (निरंक्षिण) अर्जन जरें-!, नई दिल्ली

तारी**ख** : 26-3-1984

मोहर:

प्रक्रम आहे. टी. एन. एस. ------

णायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, महायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1984

निर्देण सं भ्राई० ए.० सी०/एक्यू०/1/पस०भ्रार०-3/9-83/

1108--- ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डब्ल्यू-145 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रुनसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सिसम्बर, 1983

को पूर्वों क्त सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियार्) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्या से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से **शुद्ध किसी बाप की गायुत्, अवत्** अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गुया था या किस। जाना चाहिए था, छिपान भी सिका के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणः में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

- मै० लक्ष्मी नरायण राधा किशन,
   5755, गांधी मार्नेट, सदर बाजार, दिल्ली।
   (मन्तरक)
- 2. श्री एन० कं० मेहरा, श्रीमती आर० मेहरा, निवासी एस-25, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वार्वित संपरित के अर्जन के निष्
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उनतु सम्परित के वर्षन् के सुम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेत्:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविभि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिरा
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाइ लिखित में किए जा सकोंगे की

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

# वन्स्वी

प्रो० नं० डब्ल्यू-145, तादादी 400 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधि हारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज 1, नई दिल्ली

प्रस्प **आर्<sup>\*</sup>. ट**ी..**एन्** , **एस्** ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 16 मार्च, 1984

निर्देश सं० श्रार्ड. ए०सी ०/एक्यू०/ 1/एस०श्रार०-3/9-83/1004—श्रतः मुझे सुधोर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस-229 है, तथा जो ग्रेटर केलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्णेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः :---

- श्री हुकम सिंह सुपुत श्री पूरन सिंह, निवासी मकान न० 67, गली न० 3, कृष्णा नगर, नई दिल्ली
  - (भ्रन्तरक)
- 2. डिलाइट बिल्डर्स, द्वारा जी०पी० ए० धरम सिंह, निवासी ए 2/140, सफदरजंग इनकलेब, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी क्यूक्तियाँ पड़ स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

#### भन्सची

प्रो॰ नं॰ एस-229, ग्रेटर कैलाश-2, न**क** दिल्ली एरिया 300 वर्ग गज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-1, नई विस्ली

तारीख:16 मार्च, 1984 मोहर: प्ररूप आईं.टी.एन.एस. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### शार्व सुरकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली नई दिल्लीं, दिनांक 27 मार्च 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०ग्रार०-3/10-83/ 1257—ग्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस-431 है, तथा जो प्लाट नं० एस-431, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दें हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रशिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त बीधनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सूबिधा के सिए; बौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को लिए;

अतः. अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---  श्रीमती सीता नागपाल, पन्नी स्व० श्री ग्राई० एन० नागपाल, निवासी 10-ए/16, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुरिवन्दर सिंह खुराना, श्री दिवन्दर सिंह खुराना, सुपुत्र गण श्री ग्रवतार सिंह खुराना, निवासी ई-21/ए-1, ईस्ट ग्राफ केलाश, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याह ै।

# अनुसूची

प्लाट नं० एस-431, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 294 वर्गगज।

> सुधीर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली।

तारीख: 27-3-1984

मोहर

प्ररूप कार्ड्<sub>ं</sub> टी<sub>ं</sub> एन<sub>ः</sub> एस<sub>ः</sub>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्धीन स्वना

भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक जायक र मागुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली नई दिल्ली,दिनांक 26 मार्च, 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 10-83/1208—अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से मधिक है

और जिसकी सं० 96ए, और बो है तथा जो कालका जो, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता आधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति-षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की यावत, उक्त महिंपीनयश की अभीन कर दोने को बन्तरक की दासिएक में कसी करने या उद्युसे ब्लूने को सुविधा की निए; कौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिया

भतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्  (1) डा० इन्द्रसेन भाटिया, निवासी सी- 96ए और बी, जालका जी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हर प्रकाश सिंह मिलक, निवासी ई-221, अमर कालोनी, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पृक्षिकत सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाष्ट्रियां शुरु करता हैं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास चिखित में किए जा सकेंगे।

स्थय्दीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और नंदों का, को उबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्**स्**ची

प्रापर्टी नं० सी -96ए औरबी, कालकाजी, नई दिल्ली।

सुधोर चन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिंस्ली

तारीख: 26-3-84

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 27 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० आर्०-3/ 10-83/1135—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एम 29 है तथा जो ग्रेटर कै लाश-2, नई दिल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्लो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अभिक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से गुर्ह किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए। और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा ्री} के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री रघुबीर सिंह लम्बा सुपुत्र श्री केशर सिंह,, निवासी सरीसा पहारी पी० एस० चिरकुंदा, जिला धनवाद (बिहार)। डारा अटानी श्री इन्दर सिंह अलग सुपुत्र श्री जवान्दा मल, निवासी डी-62, एन० डी० एस० ई०-1,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमन आनन्द पत्नी श्री अशोक आनन्द, निवासी डो; 289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यहर इचना जारी करने पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई शक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदक्ष किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० एम-29, तादादी 250 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाम नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**ख** : 27-3-1984

मोहर 🖟

# प्रकल् बार्चा, की, एन, एस्.—

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च, 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 10-83/1141--अतः मुझे, सुधीर चन्त्रा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ई-219 (एफ एफ ) है तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावक्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाथा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कियत नहीं किया प्रा है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जान की नावत, उक्त जिथ-[भगन के जुशीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नजने में सुविधा के सिन्द्; जीक्ष/वा
- (ब) ऐसी किसी शाय या किसी भन या अन्य शास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसर्ग में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) श्री भारनपाल सिंह, निवासी एम-161, ग्रेटर फैलाश-2, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वेद बेरी और श्रीमती बीनू बेरी, निवासी बी-49, एम० श्री० एस० ई०-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना कारी करके पृथांक्त सम्परित के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्मरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय है 45 विश की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (च) इस स्वाम के रायपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकोंगे।

स्थळीकर्ण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया यया इ.!

# न्तृत्वी

पहली मंजिल ई-219, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली, तावादी 1340 वर्ग फीट ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**ख**: 27-3-1984

मोहर 🗈

प्रस्य बाह्य<u>ै.टी.</u>एन..एस...-----

बायक द शिशितसम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीव त्यमा

भारत सरकार

कार्यातव, शहायक जायकर शायुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 27 भार्चे 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 10-83/1170--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्विक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल जिम्मितिब्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तिव्ह क्ष्य से किया गया इंटि-फल किया नहीं किया गया इंटि-फल किया नहीं किया गया इंटि-फल के सिर्ण महिल्म से किया गया इंटि-फल के सिर्ण महिल्म से किया गया इंटि-फल के सिर्ण महिल्म से किया गया इंटि-फल के सिर्ण से किया गया इंटि-फल के सिर्ण से किया से किया गया इंटि-फल के सिर्ण से किया से किया गया इंटि-फल के सिर्ण से किया गया इंटि-फल से किया से किया गया इंटि-फल से किया से किया गया इंटि-फल से किया से किया

- (क) बन्तरन तं हुई किसी नाव की बाबत्, उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शयस्य में कमी करने या उसने वचने में स्विधा के लिए; बीड़/वा
- (च) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था विकास आना चाहिए जा, कियाने ने स्विधा के सिए;

भतः भव उक्त अधिनियम की भारा 269-ण में अनुसरण में, में., अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निस्त्रसिधिक व्यक्तियों, अधित है— (1) एस० करतार सिंह सुपुत्र श्री एस० दिलीप सिंह, निवासी गवाईपुर, नई विल्ली द्वारा अटार्नी श्री यशपाल मेहरा, सुपुत्र श्री देवी दास मेहरा, निवासी एस-555, ग्रेटर कैलाश-2,

(अन्तरक)

(2) मैं० सिमालेन्स कंक्रेट पाइबल्स इण्डिया (प्राइबेट) लिमिटेड, रिजस्टर्ड आफिस 55 इजरा रोड, कलकत्ता और 82-83, नेहरू प्लेस, (बैकुण्ठ बिल्डिंग), नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकीं।

लाकीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रृषि भूमि तादादी 16 बीघे और 16 बिग्ने, खसरा नं० 435 (4-16), 462 (4-16), 463 (4-16), 468 /2(2-8), के साथ फार्म हाऊस, ग्राम गदाईपुर, तहसील सहरौली, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−1, नई विल्ली

तारीख : 27-3-1984

मोहर 🖫

प्ररूप् आर्हा.टी.एन.एस. - - --

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्स (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 10-83/1187---श्रतः मझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सालाहपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिक की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

ज्तः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) सर्वंश्री चान्दगी, प्यारे, मुख्तीयार सुपुत्रगण श्री सुभ राम, सरदारा, राम सिंह, ज्ञानी राम: सुपुत श्री निहाल, नियादर सुपुत श्री णिवदन, जागे राम सुपुत श्री चांद, निवासी-ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वीना मेहरा पत्नी मेजर पी० के० मेहरा, निवासी डी-7/6, वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में को**एं भी आक्षां**प ्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- े(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्थी

कृषि भूमि तादादी 36 बीघे श्रौर 1 बिग्वे, एम० नं० 17, किला नं० 12(4-16), 19(4-16), 21/2(2-4), 22(4-16), एम० नं० 21, किला नं० 5(4-8), एम० नं० 22, किला नं० 1(6-16), 2(4-16), 9(3-9), के साथ ट्यूब-वेल ग्राम सालाहपुर, तहसील—पहरौली, नर्षे दिल्ली।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख : 27-3-1984

मोहर 🛚

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 मार्च 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० ग्रार० $\sim 3/10-83/1194---- श्रतः मुझे, मुधोर जन्त्रा$ 

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 11-डी/37 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिस्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अन्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल सं, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

शतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----7---96GI/84  भी मोद्रमल सुपुल स्व० ताहिल राम, ज्ञान चन्दानी, निवासी 11-डी/37, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्सरक)

(2) श्रोमती सुहागवन्ती पत्नी श्री जिवन्द सिंह, निवासी-डी-11, साउथ एक्सटेंशन भाग-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवीहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकते।

स्पर्कीकरणः — इसमें प्रभुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

#### मन्त्रची

प्रापर्टी नं ०-11डी/37, लाजपत नगर, नई दिल्ली, तादादी 200 वर्ग गज।

> सुधीर धन्द्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

तारीख: 27-3-1984

मोहुर:

प्ररूप आई'.टी एन एस. ------

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यातक, पहानस अध्यक्तर आयुक्त (तिरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्लं।

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च, 1984

निदेश मं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 10-83/1177--- श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रतः सं अधिक **है** श्रीर जिसकी मं० एस० 381 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ श्रनसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख प्रक्तूबर, 1983 को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिया)) के बीच एोसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

> (क) अन्तरण संहर्ड किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; जार/वा

फल निम्नतिश्वित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक

रूप में कथित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या डक्त अधिनियम, या घाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) - के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसहण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) कर्नद्वा एम० भ्रार० यादव सुपुत्र श्री सम्पत राम यादव, निवासी टाउन एण्ड पो० कोसली, जिला रोहतक (हरियाणा)।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाण नारायण मिश्रा मुपुत श्री एस० एन० मिश्रा, श्रीमती ममता मिश्रा परनी श्री पी० एन० मिश्रा, निवासी 22, जंगपुरा-ए, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के बिद् कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 कि की जनिव मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्थना की तामीस से 30 विन की जबिध, वो औं अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### ann al

प्लाट नं० एस-281 तादादी 299 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼1, नई दिल्ली

तारीख : 28-3-1984

मोहर:

प्ररूप आर्द्द. टी. एन. एस. -------नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीष स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्सी, दिनांक 28 मार्च, 1984

मिदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-2/ 10-83/1148—श्रतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से बीधक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतानपुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तुबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके दश्यमान प्रतिफल स, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिमियम के अधीन कर देने के अंतरक के वाबित्य में कमी करने या उसते अचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अभे, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण कें, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कैं अभीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) सर्वेश्वी विनय मेहरा, चाँद मेहरा, पवन मेहरा सुपुत्रगण श्री सी० एल० मेहरा (1/3), श्री नवीन मेहरा, वीपक मेहरा सुपुत्रगण श्री अश्विनीं कुमार मेहरा, (1/3), श्री अमित मेहरा सुपुत्र श्री यशपाल मेहरा (1/3), निवासी एस—555, ग्रेटर कैलाश—2, नई दिल्ली द्वारा श्री यशपाल मेहरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बनवारी लाल सुपुत्र श्री सीम राम, निवासी 25 टोडरमल लेन, नई विल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की भविष् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

कृषि भूमि तादादी खसरा नं० 218/3/3(1-13), 218/3/2(0-6), 219/1(4-2), 219/2(2-8), 220 मिन (3-17), 222/2(1-0), 223/1(0-12) के साथ फार्म हाऊस, ट्यूब वेल और चार दीवारी तथा श्रन्य लगे हुए समान, ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई विल्लो।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निर∂क्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

**तारीख**: 28-3-1984

मोष्टर:

प्रकप् मार्च , टी. एन. एव. - = - - --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक भायकर मामृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नईदिर्ल्ला, दिनांक 26 मार्च 1984

निवेश सं० आई० ए० सं१०,एक्यु०,1,एस० आर०-3, 10-83,1188--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका मं० एम-44 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनूसूर्या में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्शमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों, से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाब की वाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के मन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 . 322 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरिधा के लिए।

(1) श्री एष० एस० दुरगल सुपुत श्री सोहन सिंह दुरगल और श्रीमती जगदीप कीर पर्ती श्री एष० एस० दुरगल, निवासी बी-41, कैलाश कालोनी, नई विस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रामती फुलारानी चड्ढापत्नी श्री एम० एल० चड्ढा, द्वाराजी० पी०ए० श्री एम०एन० चड्ढा सुपुत श्री फकीर चन्द निवासी एम-144, ग्रेटर कैलाण-1,

(अन्तरितीः)

को यह सुचना जारीं करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहर्या करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

# वन्स्ची

प्रापर्टी नं० एम-44, तावादी 510 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> मुधीर **ब**न्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, न**ई दिल्ली**

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण का उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्युक्तियों, संभौत् है—

तार्ख : 26-3-1983

मोहर:

प्रकृष् भाष् . टी. एन. एस. - - - ----

जामकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विरूर्ल।

नई दिल्ली, विनांक 28 मार्च, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/ 11-83/1355-अतः मुझे, सूर्धार चन्द्रा,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० सा-17 है तथा जो जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ला में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राक्षर्ता अधिकारा के कार्यालय, दिल्ला में रजिस्ट्राक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त जिथानियम के कभीन कर बोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिय:

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपैधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् ह—

(1) श्रीमती आतंत्रद मोहिनी द्वारा विधवा पतनी श्री जे०के० दारा, निवासी सी-12, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्सी।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० मित्तल, श्रीमती कानन मित्तल, निवासी बीं -- 7, मथुरा रोड, जंगपुरा एक्टेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां जूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा गया है।

#### वनसभी

जी० बी० पी० हाऊस नं० सी-17, जंगपुरा एक्सटेंगन, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज ।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नारीख : 28-3-1984

माहर 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांन 28 मार्च 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सिं0/एक्यू0/1/एम० आर0-3, 11-83/1279—पतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर खिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2'69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-78 है तथा जो ग्रेटर कैलाश—I, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नथम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्थित में बास्तिवक रूप में कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (क) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयं कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्क्रिपान में सुविधा और निए;

(1) श्रीमती सरदारनी जोगिन्दर कौर, निवासी:--सी-257, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं व मार्डन एजेंसीज, थांपर हाउस, 124 जनपथ, नई दिल्ला।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भन्सची

 $2\frac{1}{2}$  मंजिला मकान नं० एम-78, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली सादादी 500, वर्ग गज ।

सुधीर चन्त्रा मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली/ नद्दी दिल्ली

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

नारीख : 28-3-1984

माञ्जर 🕆

प्ररूप **वार्ड**्याः, एवः एवः स्टनननन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज. रेज—I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च 1984

निर्देण सं० आई० ए० मी।०/एक्यु०/1/एम० आर०-3, 11-83,1301---यतः मुझे, स्धीर चन्द्रा,

शायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनिर्ते वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है तथा जो फेन्ड्स कालोनें। ईस्ट, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ते हुई किती जाव की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, खिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सुधीन, निम्निल्चित स्युक्तियों स्थृति :—  श्रीमती ज्ञात देवी भण्डारी, निवासी ए-- 8. महाराती बाग नई दिल्ली।

(अन्तर∗ )

(2) मैं० गाजिनाबाद इन्बेस्टमेंट लि ,
अमृत नगर, जी० टा० रोड,
गाजियाबाद (यू० गी०),
हितोचि इनवेस्टमेंट लि०,
2-ए, जदुलाल मिलक रोड, कलकत्ता,
अपसहारा प्रा० लि०,
9, ओल्ड पोस्ट आफिस स्ट्रीट, कलकत्ता,
प्रेस इनवेस्टमेंट प्रा० लि०,
बी-72, हिमालय हाउस,
23, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली,
कुमारी नन्दीता बन्ना और
कुमारी निवासी 40 फेंन्ड्स कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना जी तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी कव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनों कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकरेंगे।

स्वस्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शुक्तों और प्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **मनस्**ची

प्रापर्टी न० 39, फ्रेंन्ड्स कालोती ईस्ट, नई दिल्ली, तादादी 2757.51 दर्ग मीटर ।

मुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 28-3-1984

मोहर 🎖

प्ररूप बार्च.टी:एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, लुर्गुएक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च, 1984
निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० आर०-3/

12-83/1374---अत: मुझे, सुधीर चन्द्रा

मायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269 था के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ं. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस-201 है तथा ओ ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उप्रदेश से उक्त अंतरण कि किंदा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त जिम्मीन के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा.269-ग की उपभारा (1) डे अधीन, निम्निजीवत व्यक्तिमों,, वर्षात् :---- (1) श्रीमती निक्यमा जैन पत्नी श्री अशोक जैन, निवासी ई-482, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कंवलजीत कौर चड्ढा पत्नी श्री गुरबचन सिंह चड्ढा, श्रीर मास्टर संदीप सिंह चड्ढा, मुपुत श्री गुरबचन सिंह चड्ढा, निवासी ए-105, विशाल इनक्लेब, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना अपूरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यसाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों ६र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसते स्थावर सम्मित्त में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, जभोहस्तासरी के पास निवित में किसे जा सकेंगे।

स्मक्किरण :---इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

प्रापर्टी नं॰ एस-201, ग्रेटर कैलाण-2, नई विल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

सारी**ख** : 28-3-1984

मोहर 🖫

प्रकृत आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 28 मार्च, 1984

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 12-83/1424--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उजित बाजार मृत्य 25.000/- रह. से अभिक है

धौर जिसकी सं० ई-230 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (का) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए 1

(1) श्री हरबंस लाल कैन्थ सुपुत्र स्व० श्री अगर नाथ कैन्थ, निवासी-128, मुहम्मदपुर, निकट आर० के० पुरम्, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० मोटर इण्डस्ट्रीज कं० लि०, ई-2/21, झण्डेबालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली द्वारा : सचिव श्री एम० कें० राघवेन्द्र राव । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूच<u>ी</u>

यूनिट नं० 'ए' (जी एफ) प्रापर्टी नं० ई-230, तावादी 1900 वर्ग फीट, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28-3-1984

माहाउ 🗓

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनोक 28 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 12-83/1380—ंअतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, (1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

भौर जसकी सं० ए-80 है तथा जो डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री कुलवन्त सिंह सौधी, निवासी ए-5, डी० डी० ए० कालोनी, रिंग रोड, नारायणा, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलजीत सिंह, श्री हरजीत सिंह, श्री इन्द्रजीत सिंह, सभी निवासी 735/4, अशोक गली, गांधी नगर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति , ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वेक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

प्रापर्टी नं॰ ए-80, ष्टिफेंस कालोनी, नई दिल्ली तादादी । 217 वर्ग गण।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली

तारीख: <u>,</u>28-3-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्जीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-83/1359—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 3 है तथा जो 9 सीरी फोर्ट रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब्द अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञात है) ररजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्लाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :— (1) श्री एन० आर० मोहिन्द्रा, मै० मोहिन्द्रा बिल्डर्स, ए~198, सफदरजंग इनक्लेष, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चित्रलेखा बाजोरिया पत्नी श्री ए० के० बाजोरिया, निवासी कोठी नं० 2, जें० सी० मिलल कम्पाउण्ड, बिरला नगर, ग्वालियर (एम० पद्मी०)।

(अन्तरिती)

को यह सृषना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 3, सामने का हिस्सा, दूसरी मंजिल, 9 सीरी फोर्ट रोड, मस्जिद माठ, नई दिल्ली।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 28-3-1984

मोहर:

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

भायकड अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-यं (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 मार्च, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-83/1370—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पृतित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

स्रौरं जिसकी सं० ए-214 है तथा जो डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबज अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्में यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य
उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(ज्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में
जास्त्रिक कप से कृथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्स अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः क्यं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जे० एस० थापर सुपुत कैंप्टन कर्ताराम थापर, सी-420, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दादी मिस्त्री सुपुत्र स्व० श्री ई० ए० मिस्त्री, श्रीमती नर्गिश दादी मिस्त्री पत्नी श्री दादी ई० मिस्त्री, निवासी ए-215, डिफेंस कालोनी,

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सन्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसुची

प्रापर्टी नं ए-214, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, तादादी 217 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख : 28-3-1984

मोहर 🕫

प्ररूप बाह्र हो. एन. एस ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 12-83/1444—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से बाधिक है

ष्पौर जिसकी सं० सी-95 है तथा जो ग्रेटर कैला श-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उस्केश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करूने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया श्रा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

श्री के० के० कपूर,
 निवासी एम-21,
 ग्रेटर कैलाण-1,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव वोहरा, निवासी सी-95, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क गें परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

प्रा॰नं॰सी-95, ग्रेंटर कैलाश-1, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज।

> सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 29-3-1984

मोहर 🗄

# प्रकृष् वार्षः,दी, एत्. एस्., -------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के न्थीन स्वा

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 12-83/1439--अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है।

भौर जिसकी सं० एस-75 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त निषित्यम के नभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिभा के निष्; नार/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अभीन, निम्निसिकत व्यक्तियों, अर्थात्ः

(1) श्री श्रोम प्रकाश टण्डन सुपुत श्री नन्द लाल टण्डन, श्रीमती चंदल रानी परनी श्री तिलक राज खन्ना, श्रीमती ऊषा रानी परनी श्री मदन गोपाल खन्ना, निवासी मकान नं० 3207, सेक्टर 21—डी, चण्डीगढ़,

(अन्तरक)

(2) मैं । सबरवाल कन्स्ट्रक्शन्स,कं । एस-283, ग्रेटर केलाश-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के. लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्भ किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए था सकी।

स्वक्योकरण: --इसमें प्रयुक्त कट्यों और पर्योक्स, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

# अनुसूची

प्लाट नं॰ एस-75, ग्रेटर भैलाश-2, नई दिल्ली, सावादी 300 वर्ग गण।

> सुधीर चन्त्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 29-3-1984

मोहार 🕄

मुक्यु आर्च<sub>ा</sub> डी<sub>ट</sub> एन्<sub>ट</sub> एच्

भागकर मरिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सुचना

बाइद ब्रह्माड

कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 29 मार्च, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/12-83/1451—अतः मुझे, सुधीर चन्द्रा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० सी-124 बी है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निश्चित उद्वेषय ते उचित कन्तरण निवित् में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुए किती नाम की बावत्, उन्तर, विश्वित्व में ब्योंन कर योगे में ब्यादक के बामिरण में कमी करने या उससे ब्याने में सुनिधा में विश्व महिल्या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा जा वा किया जाना थाहिए था, जिपाने में सर्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के अनुसरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ब्रंथीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों अधित्—अ (1) श्री पुरुषोत्तम राम कपूर।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण मित्तल, ंनिवासी सी-124 बी, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

्र) (अन्तरिती)

को यह सूचना चारों करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उन्द सम्मृतित में वर्षन के सम्मृत्य में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वान के उपयम में प्रकाशन की तारी कु हो 45 दिन की अविध्या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की ब्रिध कों भी वर्ष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राहेत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजवन में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उन्त् स्थायर संपरित में हित्यब्ध किसी बन्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास निविद्य में किए वा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# अमुस्ची

प्रा० र्ग० सी-124 बी, ग्रेटर फैलाश-1, नई दिल्ली।

सुधीर चन्द्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 29-3-1984

मोहर ७

# शक्य अवर्षेत्र दर्गेत् युग्तत प्रस्तातकारका

भायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 2 मई, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० ; 5383—अतः मुझे, जे० एल०, गिरधरः

नायकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुट. से अधिक है

और जिसेकी सं० गांव बूट में स्थित है (और इससै उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य., उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप संकथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बावत, उपल अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उसके ब्यूने में सविवा के जिस्; आहर/बा
- (प) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिपयों, अर्थात् :--- (1) श्री मुज राज, पुत्र किणन दास, वासी बुटा मण्डी, जालंधर, मुख्तार खास⊶-जसवन्त सिंह, पुत्र कृष्ण नरैन सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीना कुमारी,
पत्नी जोगिन्द्र पाल,
रूप लाल पुत्र हुकम चन्द,
हंस राज पुत्र हरीआ राम,
सतपाल व धर्म पाल पुत्र महंगा राम,
वार्सा बुटा मण्ड़ी,
जालन्धर।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह गावित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनको बारे में अधोत हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिह कार्यवाहियां करता हुं।

चनत् सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजभन्न में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यस्त्रीक रणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भन्स्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3641 दिनांक : सितम्बर 1983 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जें ० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 2-5-1984

मोहर 🚁

प्रकप माई. टी. एन्. एस . ------

आथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 मई, 1984

ं निवेश सं० ऐ० पी० नं० 5398---पतः मुझे, जो० एल० गिरधर,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद अनूसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायिरन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बॉर/या
- (क) एरी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए,

चतः जन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 9—96G1/84

(1) श्रां इन्द्र बीर सिंह, पुन्न गुरमेपाल सिंह, वासी: कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तेज कौर, परनी मस्त राम, वामी काला संकीआ, जिला कपूरणला।

(अम्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्विकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

## **भगुसूची**

सम्बक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3588 विनांक सितम्बर 1983 में रजिस्ट्री हर्ता बिधशारी जालक्थर में लिखा है।

> जे० एल० गिरबर, सक्षम प्राधिकारा, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, आलन्धर

**हारीख**: 7-5-1984.

मोहर:

शास्य आर्थः दी. एत् . एस . . ---- --

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांग 7 मई, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5399--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विष्वास करने वा कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूर्वा में लिखा है तथा जो गढ़ा में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से घणित है), रिजस्ट्रीक्सी अधिकारी के एउपलिय जालन्धर में रिजर्ट्रीक्सण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अर्थान, तीरीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सर्पात का एचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की बाबस, जकत अधिनियम को अधीर कर दोने को अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे करने में स्किथ के लिए; सार/या
- (क) एसी किसी आय यो किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भरतीय आयळर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ता धर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था कियान में सविधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) न्यु फाईनैंप एण्ड कैंडिट शारगोरेशन प्रा० लिमिटेड, द्वारा पाम कुमार भारद्वाज, एम० डी०, शटर द्वारा पंडित सतपाल जं०, मिलाप चीक, जालन्वर ।

(अन्तरऋ)

(2) श्रीमिति सुरेन्द्र कौर, पर्ता मक्तन सिंह, गांव अयाधकला, जिला जालन्धर ।

(अन्तरिती)

का यह स्वना बारी करके पूर्वांक्त सम्पृतित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना केंराजपत्र में प्रकाशन की तारी**ख से**45 दिन के मीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  िकसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  ितिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमों प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 4660 दिनांक अक्तूबर, 1983 को रजिस्ट्रं/कर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> जे० एत० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्रर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज, जालन्धर

तारीख: 7-5-1984

मोहर :

# प्रकल बाह्". सी. एत्. एत . --------

जाबधर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 मई, 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 540 :--यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिक्काम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है); रजिस्ट्रांशर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रांशरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के सितम्बर, 1983

काँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वावत संपरित का उवित बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रोतकाल सं, एस उस्प्रान प्रोतकाल का प्रमुद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तांवक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक संहुर्ष किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्तः, ज्व, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण् में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमती सन्तोष कुमारी, पत्नी ओम प्रकाश, वार्सी — 239, आदर्श नगर, जानन्धर।

(अन्तर्भ)

(2) श्रीमती अजमेर सिंह,
पुत्री एस० सिंह,
आफ घरक मार्फी सुपिरिन्टेंडैंट आफ पोलीस,
तरन तारण,
जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

- (3) (वह र्व्याक्त, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बार्श करके पूर्वीक्त स्म्यूप्ति की वर्षन के निम् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस स्चना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सुची

सम्पत्ति तथा व्यंक्ति जैता कि वितेख नं० 3739 दिनाँ सितम्बर 1983 है। को रजिस्ट्रोक्ती श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा है

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-5-198**4**.

मोहर 🖁 🦈

प्ररूप जार्ड .टी .क्न ः एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारतं सरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जाखन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मई, 1984

निर्देश सं० ऐ० पी० 5401--यतः मुद्धे, जे०एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० नैसा अनुसूची में लिखा है तथा. जो रामपुरा फूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणा है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय रामपुरा फूल में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अग्लरितियों) के भीच ऐसे प्रन्तरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, विस्विचित उद्देश्य से उच्च प्रश्रदण विश्वित में वास्त-

- (क) प्रस्तरण से हुई जिल्ली बाब की बाबत बबत ं ग्रीध-विवस के ग्रेडीन कर देने के प्रश्तरक के वावित्य में कसी करने या बचते बचने में सुविधा के जिल्हा और/या
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 2,69-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 2,69-च की उपभारा (1) वे वचीन, निम्मकितिक मिक्रियों, वचील ६--- श्री श्री राम
 पुत्र भोला राम और गाम लाल
 पुत्र राम कुमार
 वासी रामपुराफूल।

(अन्तरक)

 श्रोमती कुलदीप कौर पत्नी तोगा सिंह,
 (2) सोहन सिंह पु० मस्तान सिंह द्वारा नेशनल ट्रैक्टर रामपुराफ्ल।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह इयक्ति, जिसके अ<mark>धिभोग</mark> में सम्पक्ति है)।

4. जो न्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

. इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त कन्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नम्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि मिलेख नं० 2303 बी जिसेक सिनम्बर 1983 को रिजिस्ट्रोक्सर्सा अधिकारी राम-पुराफुल ने लिखा है।

> जे० एलं० गिरधर, • सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-5; 1984

मोहर 🖟

प्ररूप वार्ड .दी .एन .एस ., ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक (निर्धाण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 मई, 1984

निर्देश सं० ऐ० पी० 5402—यतः मुझे, जै० एल० गिरधरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो रामपुराफूल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुराफूल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों की जिन्ह<sup>र्ग</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  जसकोर सिंह पुत्र अत्तर सिंह, सक्जीमण्डी, रामपुराफूल।

(अन्तरकः)

 श्री सुरिन्द्र कुमार भाटिया, पुत्र श्री शाम लाल भाटिया सब्जी मण्डी रामपुराफूल।

(अन्तरिती)

 जैसा कि उपर नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस सूचना के त्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया। गया है।

# भनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 2813 दिनांक सितम्बर 1983 को रिजिस्ट्रीकर्त्ती अधिकारी रामपुराफ्ल ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालस्थर

तारीख: 8-5-1984

मोहरः

प्ररूप बाही ही एक एस ह ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की भारा 269-भ (1) के स्भीन सुभना

## भारत सहकार

कार्यालय. संब्रायक आयकार आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० ऐ० पी० 5403--यतः, मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो राम-पुरा फून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप में विणत है), रजिस्ट्रेक्त अधिकारी के कार्यालय रामगुराफून में पजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यभान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) वन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, सर्थात्:—— श्री स्वर्ण
पुत श्रह्म सिंह,
रामपुराफूल।

(अन्तरक)

 श्रो बलदेव सिंह पुत्र श्री चरण सिंह, रामपुराफूल।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

कां यह सूचना जारा करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्दिकरण:---इसमं प्रयुक्त क्षव्दां और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्वी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं० 2335 दिनांक सितम्बर 83को रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी रामपुराफूल ने लिखा है।

> जे० एल० गिरघर, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्द्रर

तारीखा: 8-5-1984

मोहर 🤢

प्रक्ष्य आहे. टी. एन. एत्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्छर

जालन्धर, दिनांक 11 मई, 1984

निदेण स० ऐ० पी० 5404---यत:,मुझे, जे०एल० गिरधर,

भायकर भौधीनयस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

औय जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो होणियार पुर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय होणियार पुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितस्बर 1983

को प्रेंक्ति संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह निक्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रत प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अनिविध (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पान गया प्रतिक्ति कल निम्निविखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे अभने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जाय आसिनाते करो, जिन्हों भारतीय आयकार अिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनवा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए:

 श्री सुभाष चन्द्र, पुत्र जगन नाथ मोहल्ला आर्य नगर, होशियारपुर।

(अन्तरक्)

 श्रो कुल भूषण कुमार जैन पुत्र कर्म चन्द, नई श्रावादो होशियारपुर।

(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यभाहियां शुरू करता हूं।

जकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति इतार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त गींधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस्क्रिश्वाय में दिया गया है।

# अन्स्ची

पटाति तथा ाक्ति जैया दि विशेख नं 2787 दिनांक मित्रियर 1983 को रिजिस्ट्री धर्ता अधिकारी होशियारपुर ने लिखा है।

> जे० एल० गिरधर, लक्षम अधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

अतः असं, अवतः अधिनियमं की धारा १८०-म ने अपन्यत्यां मों, मों उक्तः अधिनियमं की धारा १८०-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखितं व्यक्तियों, अर्थात् १५—

तारीखः 11--5--1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

श्रायकर मिंगियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

-अर्जन रेंज, जालन्धर

जालम्धर, दिनांक 11 मई, 1984

निदेश मं० ऐ० पी० 5405—यत:, मुझो,जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो होणियार पूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीयर्स्सा अधिकारी के कार्यालय होणियार पुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को प्रवेंग्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसीं बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में अपनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया संविधा के लिए;

सुरिन्दर कुमार,
 पुत्र जेगननाथ
 आर्य नगर, होणियारपुर।

(अन्तरक)

श्री इन्द्रपाल जैन
पुत्र कर्म चन्द
नई आबृ्की, होशियारपुर।

(ब्रन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी अपिक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिबास में किए जा सकी।

स्वच्छीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि यिलेख नं० 2807 दिनांक सितम्बर 1983 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी होणियारपुर में लिखा है)

> जे० एल० गिरधर, सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, जालन्धर

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान,

तारीखा: 11-5-1984

मोहर 💰

(अन्सरक्)

भ्राप कर्दे. हो. गस्. गस्. रास.

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

917 F. La. S. J. C.

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

्जालम्धर, दिनांक 🔟 मई, ।१८४

निवेश सं पे पे पे 5406--यतः, मुझे, जे एल प्लिस्थर,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स को अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिन्त बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर छात्रनों में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीसर्चा अधिकारी ने कार्याक्य छात्रनी में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री हरी राम
   पुत्र खैड़ा राम
   वासी गकान नं० 18/1,
   मोहल्ला नं० 25, जालन्धर छावनी।
- श्री वेद भारत, मुलख राज और हिम्मत राम सुपुत हरी राम वासी मकान मं० 18 मोहल्ला नं० 25, जालन्धर छावनी।

(अन्तरिती)

- जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पित्त में रूची रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
  अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
  मम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सुचना आरी करके प्यांक्त सम्बक्ति के कर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हूं )

# उत्तत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
  व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मन्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि जिलेखनं ० 4078 दिनांक सिन्नन्त्र 83 की रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जालन्धर ने खिखा है।

> जे० एन० गिरधर, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

नारीख: 11-5-1984

मोहर 🎉

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1984

सं० पी० आर० नं० 2784/Ⅱ/84-85:——यतः मुझे, आर० आर०∻शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संव सेंक्टर नंव 818, प्लाट नंव 354 है सथा जो बल्लभनगर में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23 सिनम्बर 1983

को पृष्टोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के वर्षियल में कभी करने या उससे अपने में मुक्थि। के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या उत्तय आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के या किया जाता चाहिए था, कियाने के सिए;

अतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के रूपीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थास् :---

- 1. (1) सभापति रामभाभाई नाथाभाई
  - (2) नभापति पूनमभाई सोमभाई। नारायण निवास, भटुच।

(अन्तरक)

 श्री सूर्यकान्तनगोर्धनभाई पटेल नयाधरा, करमसद।

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये जा सकारी।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूत्री

जमीन जो बल्लभ दिपिनगर में स्थित है जिसका सर्वें नं० 818 और प्लाट नं० 354 है और कुल क्षेत्रफल 419.21 चौरम मी० है। सब रिजस्ट्रार, आणंद में 4089 नम्बर पर तारीख 23-9-83 को रिजस्टर्ड किया है।

> आर० आर० शाहः सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ग्राअहमदाबाद

तारीख: 13-4-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस,-----

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सहकार

# कार्यालय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1984

सं० पी० आर० नं० 2785 / 11/84 - 85: ---अतः मुझे आर० आर० शाह,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 38/9 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भागिलय, ग्रानंद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, तारीख 14 सितम्बर, 1983

को पृत्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्र है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्व नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबल, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

शतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— 1 श्रोमती मधुसुदन भीखाभाई सारेसद चौकड़ी आणद। श्रीमती पूफीसरन रहमानभाई पालम, ता० पटोलाद।

(म्रन्तरका)

 श्री रावजीभाई पाद्यभाई पटेल मोनल योगीपार्क, श्राणद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# मन्सूची

जमीन जो आँण्य में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 1223 / 1 है और कुल क्षेत्रफल 3206 चौ० पर है। सब रिजस्ट्रार आँण्य में 3816 में पर तारीख 14-9-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अक्षमदाद्याद

गारीख: 3--4--1984

मोहर 🛚

# प्रस्प बार्श, टी. एन., एस.,------

# शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुभना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायक (निरीक्षण) अजैन रेंज-11 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1984

सं० पी० आर० नं० 2786/H/84-85--अत: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० सेन्सस नं० 1083 है तथा जो घल्लभ पिधानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धापद में रजिस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 8 सितम्बर, 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उनसे बचने में सुजिधा के लिए; बौर्/या
- (न) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के न्याचनार्थ अंतरिर्ध द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने से स्विधा के लिए;

अत्. अज् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अध्वरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधीन, ---

 मिस्त्री सममाथाओं गिरधरमाओं करमसद तहसील आपद।

(अन्तरक)

 श्री भूपेन्द्र चिमनलाल पटेल करम सद रोड, वल्लभ दियानगर, तहसील आपद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

लक्त सम्मत्ति क अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्पना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की व्यक्ति , जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रशुक्त शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन और मकान जो बल्लभनगर में स्थित है और प्लाट एरिया 419.74 चौ० मी० है उसमें 1400 चौरस फुटबन कुल सांयकाम च्है । सब-रिजस्ट्रार आपद में 3926 नमर पर तारीख 8-9-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० शाह, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II; अहमदाबाद

तारीख: 13-4-1984

प्रकृष् आहें ् टी : एन : एस् . -----

आधकर अधिनियुम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

# भाउत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अप्रैल 1984

निदेश II सं० पी० आर० नं० 2787/II/84-85--अत: मुझे, आर० आर० शाह,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का भारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं मर्वे नं 156-1, फ्लैट नं 11 है। तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-9-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्ति नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा को सिए, आहु/या
- (क) ऐसी किसी बाय या ट्रैंकसी धन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के ट्रिंगए;

भतः भूग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग में भनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—  श्री उषा सरन भागीरथभाई पारीख बाजवाडा, गईशोरी, बड़ौदा।

(अन्सरक)

2. ग्रानिलभाई सुभाभाई पटेल 35, निरंजन सोसायटी अलकापुरी, बड़ीदा। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के भूजन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैंट जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है। जिसका प्लैंट नं० 11 और 725 चौ० फुट का कुल क्षेत्रफल है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 5260 नम्बर पर तारीख 1-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भार० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायस अध्यक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11 अक्षमधाबाद

सारी**ख**: 12--4--1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

. कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11 अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1984 सं० पी० आर० नं० 2788/11/84-85:-अत:, मुझे; आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० आर० नं० 115, -2 टी० जी० मैं० नं० 2 है। नया जो सुभान पुरा, बड़ौदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा को सिए! और/बा
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वार प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--  पाकेट ज्यलसं, करीम ममाओ हीरजामाओ, पटेल सरकार अपार्टमेंट, मुभानपुरा, बडौदा।

(अन्तरक)

2. उमेश जगदीश चन्द्र राजाजी, सरकार अपार्टमेंट, सुभानपुरा, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्टाधारी के पास निस्तित में किस जा सकींगे।

स्पाका करण: — इसमें प्रस्कत शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है प

# वनुस्भी

फ्लैट जो सुमानपुरा में स्थित है जिसका टी०पी० एस० नं० 2 और फ्लैट नं० 450 है सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 5338 के नम्बर पर तारीख 5-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० गाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज अहमदाबाद।

वारोख: 13-4-1984

# प्रकृष वार्षं ,दी . हन् . एव . --------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) में अधीन सुभना

## मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अप्रैल, 1984

स 2 पी० आर० नं० 2789/11/84-85:—अतः मुझे आर० आर० णाह्,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे० नं० 496 टी० पी० एस० नं० 1 है। तथा जो एफ० पी० नं० 181 कलील में स्थित है (और इउसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कलील में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के जन्तरण को शाबित्व में कमी करने या उत्तर कचने में सुविधा औ सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी ओंग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया के लिए:

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :—

- 1. नारायणीबीन देवजी दोभी
  - (2) अमंबालाल देवनी दोशी
  - (3) जयन्तीलाल देवजी दंशी।
  - 4 राजुभाई देवजी दोभी
  - वाबुलाल देवजी दोभी नवजीवन रोड, बरोदा, डी० मेहसाना।

(अन्तरक)

- 2. श्री कामजीभाई छात्रोभाई प्रजापति कलोल, डी2 महसाना।
  - (2) बाबूभाई छन्नो भाई पटेल इगरका, तह० काडी।

(अन्तरिती)

को यह सुमना चारी फरके पृत्रोंकत सम्मिरित के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्मत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ह--

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तित्यः --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त निभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# जन्स्ची

जमीन जो क्लोल में टी० पी० असे. नं० 1 अफ पी० नं० 181 पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 511 चौ० मी० है सब रजिस्ट्रार, कलाल में 2005 नम्बर पर तारीख 15-9-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह. सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11 औहमदाबाद

नारीख: 19-4-1984

गो हरः

त्ररूप वाइ<sup>र</sup>्टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व (1) के अधीन सूचना

## आरत् सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 अप्रैल, 1984

र्स० पी० आर० नं० 2790  $\Pi/84-85$  :---अतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित शाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 252/307 है। तथा जी कलोल में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कलोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बायत्, उक्त ज्भिनियम को अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वचने में नृष्णिभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों की, केन्द्र भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्री मंगलभाई जीवाभाई पटेल गंजीवासी, कलोल, जिला मटेसाण।

(अन्तरक)

2. कापुल को ओ॰ रा० मोमायटी, बिमलभाई यूफराम पटेल श्रयेस्स रिजस्ट्री कलोल, जिला मटसेणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्ची

जमीन जो कलोल में स्थित है। जिसका सर्वे नं 252/307 और कुल क्षेत्रफल 1 और 4 गण है। सब रिजस्ट्रार कलोल में 1300 नम्बर, पर तारीख 1-9-83 को रिजस्ट्रार की गई है।

आर० आर० णाह, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II अहमदाबाद

तारीख: 19-4-1984

मोहरः

प्ररूप बाई . टी . एन . एस . ------

नामकर मुभितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चायक मायकर मायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 19 अप्रैल, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2791/॥/84-85:--अत: मुझे, आर० आर० शाह,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं वार्ड नं 9/410 नार्य नं 410 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के अनित वाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस, निम्मलिकित उद्गेष्य से उसस अन्तरण सिकित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत जिमिनयम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित ब्रुवारा प्रकट नहीं किया बना या वा विका जाना वाहिए वा कियाने में स्विभा के लिए;

करः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण कों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---11---96GI/84 (1) श्री विलीप कुमार राम लाल, सूरत, श्री निर्मलाशदन विलीपकुमार, सूरत ।

(अन्तरक्)

(2) श्रो तारासदन दीमतलाल गण्जर, बाडी फलीआ, सरत।

(अन्तरिती)

को यह बुधाना चारी करके पुनानित सम्परित के नर्जन के हिन्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

फ्लैंट जो सूरत में है वार्ड नं० 9 नार्थ नं० 410 पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 610 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार, सुरत में 8022 नंबर पर ता० 21-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया

> आर० आर० शाह, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद ॥

तारीख: 19-4-1984.

मोहर 🖫

प्रकृष आहे. टी. एन. एस. - - - -

भायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थेन रेंज-॥, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 अप्रैय, 1984

निदेश सं०पी० आर० नं० 2792/॥/84-85:- -अतः मुझे, आर० आर० शाष्ट्र,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुट से अधिक हैं

और जिसकी संव नार्थ नव 1198 एवं है तथा जो नानपुरा-सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, बारीख 15-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोबत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विशित से

- (क) अन्तरण से हुईं किसी अप की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जसमें अचरों भें प्रविधा के जिए। और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य वास्तियों कर्ता, जिल्हों भारतीय ३०००० अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में श्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसार्यों, अर्थात् :----

(1) होमी जाहरगीर, आधुयर महोएला, नानपुरा, सूरत ।

(अन्सरक)

(2) श्री कान्तीलाल चंपकलाल ड्राफ्टर, हरिपुरा, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (५) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयूक्त शब्दों और वजों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याव में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैंट जो नानपुरा, सूरत में नोर्थ नं० 1198-ए ा पर स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 665 चौ० फुट है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 7873 नंबर पर ता० 15-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० भाह, सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-॥, अहमदबााद ॥

तारीख: 19-4-1984.

आहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूच्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 अप्रैल, 1984

निदेशसं० पी० आर० नं० 2793/II/84—85-अत:मुझे, आर० आर० णाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 137/2, 137, 125 है तथा जो मुभाषनगर, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 13-9-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उन्नके एश्यमान पित्कित सं, एसे दश्यमान प्रतिफल बा पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है, और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प सं किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री रसिकलाल परशोत्तमदास शाह, पटकाशेरी सूरस ।

(अन्तरक)

(2) कमलेसणक्ती, सतीमकुमार मस्होत्रा, नेरली अपार्टमेटन्ट, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो सुभाषनगर को० आ० सोसायटी में सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 7799नबर पर ता० 13-9-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

ग्रार० आ<sup>ड</sup>० भाह, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजन रेंज⊸।।, ग्रहमदाबाद ।

तार्व : 15-4-1984.

माहर 🏻

प्ररूप आईं दी एन एस. -----

# नाम्बर विभिन्तिम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुक्ता

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 श्रप्रेल, 1984

िनिदेश सं० पी० श्रार० नं०

:---श्रतः मुझे,

श्रार० ग्रार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 14/2/ए० है तथा जो उघना उद्योग-नगर, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 27-9-83

को पूर्विकत सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्बद्धिक कम से कवित बहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण वे हुई विक्री वाथ की वावत उपत विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया

अतः भव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अं अभीन निम्नलिखित स्मक्तियों, अधीत् ध---- (1) विनोदचन्द्र, बेजीलाल भाटिया, नानपुरा, मुख्य भागं, सुरत।

(अन्तः स्क )

- (2) चौकसी एण्ड कं०, भागीदार:- --
  - (1) अनुभाई कासमभाई,
  - (2) सखीभाई कासमभाई,
  - (3) फरादासान सिकन्दरभाई,
  - (4) खरादासान सिकन्दरभाई,
  - (5) रोशनसान सूरता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वस्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी ज वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्यारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्यम के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नधें होगा वो उस सध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

मिलकत जो उचना, उद्योगनगर संस्कारी संघ में स्थित है। वीं रजिस्ट्रार, सूरत में 8124 नंबर पर ताल 27-9-83 को रजिस्टडं की गई है।

> आर० आर० <mark>साह,</mark> मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्ष**ण), अ**र्जन**रोज–॥,अहमदाबाद।

वारी**ख**: 19-4-1984.

प्रस्य नार्षः, द्वीः, एमः, एस्. ------

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्वाचय, सष्टायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊶II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रप्रैल, 1984

निदेश सं०पी० ग्रार० नं० 2795/II/84-85:---ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० शाह,

स्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवित्त जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रा. सं अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 252 से 258 है तथा जो गेपीसर, ता० चौर्यामी में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 15-9-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखित उष्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खें सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— (1) गोरधनभाई, 2ए, मुधर, नानपुरा, मुरत ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अमृतलाल भीखाभाई शाह, स्मीता अपार्टेमेंट, मूरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नमृत्यी

जमीन जो गेपीयर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 252 से 258 और 249.7 है। 22627 चौ० बार का कुल क्षेत्रफल है। सब रिजस्टर्ड सूरत में 3279 नम्बर पर ता० 15-9-1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

द्यार० ग्रार० माहा, सक्षम् प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-И, **श्रह्म**दानाद

तारीख: 19-4-1984.

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ब्रह्मदाबाद, दिनांक 3 मई 1984

निदेण सं० पी० श्रार० नं० 2796/II/84-85:--श्रत: मुझे, श्रार० श्रार० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं:

श्रौर जिसकी संव सर्वे नंव 42/1 टीव पीव एसव नंव 2है तथा जो सुभानपुरा, बडौदा में स्थित है (श्रीर इससे हपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधि हारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1983

- को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम इशमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के बन्द्रह प्रतिदल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में नास्तिक रूप से कथित से नहीं किया गया है:——
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अन्तिरियो धनारा प्रकट गहों किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविजा की लिए।

मतः अध, तक्त लिभियम की धारा 269-म के अनसण्ण भी, भी, उक्त लिभित्यम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील किम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री चन्त्रकान्त मनीभाई पटेल 1, खानपुर तहसील श्रानंद, जिला खेडा।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेणराय कान्तीलाल स्निवेदी, 10; वृत्वावन सोसायटी, श्राम्प्रकुंज के पास, रेसकोर्स सर्कल, वडीदा ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से के दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति इंदारा अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पस्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# नग्स्ची

मकान जो सुभानपुरा, बड़ौदा में स्थित है जिसका सर्वे नं 42/1 है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 5264 नंबर पर तारीख सिनम्बर 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

श्चार० ग्रार० गाह समक्ष प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज्—II श्रहमदाबाद

तारीख: 3-5-84

प्र**क्ष्यु आह**े<sub>टी</sub> ट्रीं तु **ए**न , एस् ,-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृषना

#### भारत सरकार

कार्यालय , राहायक आयकार जाग्यक (भिरीक्षण)
प्रार्जन रेज-II, अहमदानाद
अहमदाबाद, दिनांक 1 मई 84

निवेश नं० पी० ग्रार० नं०  $2797/\Pi/84-85$ —ग्रतः मुझे, ग्रार० ग्रार० ग्राह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 147/144 है तथा जो जैसलपुर बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23 सितम्बर 83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित। (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप में किथन नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण में हुर्द िकसी आम की जानत, उपल किंचिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपमें बचने में सुनिधा के लिए: और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित क्यक्तियों, अर्थातः——

 श्री रमेशभाई आछेपलाल शाह
 6, विटांग कालोमी, श्राजवा रोट, बड़ीदा ।

(श्रन्तरक)

(2) जा० जयेशभाई खेमदास पटेल, एक्यूपॅक्चर सेन्टर, कोठी चार रस्ता, बड़ौदा.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित अर्धे अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~..

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इसाम,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंस- बस्थ किसी अन्य ज्यांकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के सध्याय 20-क में गरिभाधित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याल में दिया गमा ह

#### नगसची

मकान जो बड़ौदा में स्थित है। सम्र रिजस्ट्रार बड़ौदा में 5372 नंबर पर तारीख 23-9-83 को रिजस्टर्ड किया है।

> श्रार० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–11 श्रहमदाबाद ।

तारीख: 1−5-84

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. - - -

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 ग्रहमदाबाद

श्रहमदावाद, दिनांक 3 मई 84

निदेश न० पी० ग्रार० न० 2798/I/84-85—म्प्रत : मुक्षे, श्रार० श्रार० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क हो अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- द० से अधिक है

धौर जिसको स० नं० 1189 सर्वे न० 58 है तथा जो कलोल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलोल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 1-9-83.

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल जिल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जमारण से हुई किसी जान की बाजत उक्स जीपनियम के सभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बजने में सुविधा के लिए; कीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन ना अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के चिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः— (1) श्री जयस्तीलाल **मद्रगंकर शुक्ल**, 613, श्रवीकानगर सोसायटी, कलोल.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोदीसरन गैलेशभाई दूबे, 66 बी, श्रंसीकानगर सोसायटी, कलोल

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिमिद्य में किए या सकोंगे।

स्थान्त्रीकरण:---इसमें प्रमुखत खन्दों और पदों का, औ उनत अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### -

मकान जो श्रंषिकानगर सोसायटो कलोल में स्थित है। मब रजिस्ट्रार कलोल में 823 नंबर पर नारीख 1-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रार० श्रार० शाह मक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 श्रहमदाबाद

तारीख: 3-5-84.

मोहर ः

# प्रकल बाह् ट टी. एन्, एस्, -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

## भारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 3 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2799/2/84-85--अतः मुझें, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 75,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 2919, बोर्ड नं० 3 है तथा जो महाराजा सिनेमा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरा में की दूरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के व्यवनान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्यों से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय का बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर पाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने यह उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (वा) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, तक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

1 96G I/84

(1) श्रोनटकर लाल पनुभाई और अन्य, सलबत पुरा, महात्मा रोष्ट, वाडी, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री श्याम लाल वेवमल और अन्य, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्परिष् के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों कुद स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सक<sup>3</sup>गे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम: के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# वन्त्यी

मिलिनियत जो महाराजा सिनेमा के सामने स्थित है जिसका सर्वे नं० 12919 है। सब-रिजस्ट्रार, सूरत में 3676 नं० पर तारीख 7 सितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण . अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 3-5-1984 मोहर ॥ प्ररूप बाई <u>टी.एन.एस.</u> ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्जीक्षण)

अर्जन रेंज $-\Pi$ , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1984 •

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2800/II/84—85——अत मुझें, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33, 35, 43 और ब्लाक नं० 51 है तथा जो सचीन, ता० चोयासी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है). रिजन्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्तः लिधिनियम की धारा 269-श के अन्सरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती इच्छा बहुन डाह्या भाई नायक, सचीन, ता० चोयीसणी, सुरुत।

(अन्तरक)

(2) श्री गुलाम हुसेन अब्दुल रहमान अप्रभोलीवाला, तैयबी मोहल्ला, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविश्व मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नगसपी

जमीन जो सचीन ता० चौर्यासी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 33, 35, 43 है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 7162 नं० पर सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1984

मोहरू 🛭

प्रकृप कार्ष टी एन एस ,-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के अभीन, तुषना

## शारत वरकाड

कार्यालय, सहायंक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 2801/ /84-85--अत: मुझें, आर० आर० शाह

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य .25,000/- रुज से अभिक हैं

बोर्ड नं० 8, नार्थ नं० 1854 है तथा जो गाजीपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजि— स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के इश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है फि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए हथ पाया गया प्रतिफल, निय्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितों, में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त जिथिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बुधने में सृषिधा के लिए; जाँद/या
- (क) ऐसी किसी जाये या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनाय अन्तरितों व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

बत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

(1) श्रीलक्ष्मी घन्द भाई नर सिंह भाई पटेल, गोपोपुरा, सूरत।

(अन्तर्क)

(2) श्री चमनलाल जीवन नान सोनी, गाजीपुरा, दीपा माता का खांचा, बोर्ड नं० 8, सुरता।

(अस्पिरितो )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इत सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की जबिंभ या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्यारा, अधोष्ट्रस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा

# अनुसूची

मिलकत जो गोपीपुरा, सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 8208 नं० पर दिनांक 30 सितम्बर, 1983 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह मक्षम प्राधिकारी जहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

हारीख : 4-5-1984

मोहर १

# प्रकृत नाही, डी., एवं., एवं.,------

# बाव्कार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृथीन स्पना

## शाह्य क्षेत्रकार

# कार्यासय, सहायक गायकर गायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2802/II/84-85--अतः मृझें, आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं कार्य नं 3219, 20, 21 है तथा जो रंगजीत राय रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबोन, तारीख 4 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वामा गया प्रतिफल, निम्मिस्थित स्वृद्धिय से उसत बन्तर्थ विश्वत में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण संदूर्ण किसी बाग की बावत , जनक समिनियम के स्पीत कर दोने के बन्तरक के समित्य में क्यी अप्रत्ये वा उच्चे भूष्ये में सुनिया के निय; बहु/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया चाना भाहिये था, जिनाने में सुविधा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, मैं, उक्त बधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नद्भिष्ठिक स्विन्तर्वों, बर्धा हु--- (1) श्री महेन्द्र कुमार मोहन लाल गांधी, ए-61, सेफ सोसाइटी, लम्बे रधुमेल रोड, सुरता ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार भोगीलाल शाह, ई-505, स्मीता अपार्टमेंट-2, गोपीपुरा, रंणजीत राय रोड, सुरत।

(अन्तरितो )

को यह स्थना जारी कर्क पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिस्स गया है।

# अनुसूची

मिलिकियत जो स्मिता अपार्टमेंट, गोपीपुरा, सूरत में नार्थ नं० 3219, 20, 21 पर स्थित हैं जिसका 705 चौ० फीट वर्ग कुल क्षेंक्रफल है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में नं० 8792 नंबर पर ता० 4 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड फिया गया है।

> आर० आर० भाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अ**र्जन** रेंज-II, अ**हमदाबाद**

तारी**ख** 4-5-1984 मोहर् ध पुरूषः, आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-II, ग्रहमदाबाध

ग्रहमदाबाद, धिनांक 4 मई 1984

निदेश सं० पी० भार० नं० 2803/II/84-85--- प्रतः मक्षे, श्रार० श्रार० शाह,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 643, 644 शौर 50 है तथा जो नवसारी में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में शौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ६——

- (1) 1. श्रीमती मजी बहुन डाट्याभांई पटेल ।
  - 2. श्री धातु भाई डाट्या भाई पटेल।
  - करण कुमार डाटंया भाई पटेंल।
     जन कल्याण सोसायटी, नवसारी।
  - श्री ईश्वर भाई नारणभाई पटेल, दरगाह रोड, नवसारी।
     भौर भ्रत्य.

(ग्रन्तरक)

(2) शिव शक्ति को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटो, प्रगुख श्री मनोज कुमार ग्रार० पर्टेल, स्टेंशन रोड, नवसारी।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिक्तिन में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## वन्तुनी

मिलकत जो शांति देवी रोड पर स्थित है जिसका कुल क्षेंत्रफल 1893 चौ० मीटर्स है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 2820 नं० पर ता० 9 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> ग्नार० ग्नाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 4-5-1984

मोहर 🛚

# प्रकृष् भार्त्, टी. एन. एस्. ------

# बायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

## भारत 'त्रकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षणं)

श्चर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाध ग्रहमदाबाध, दिनांक 4 मई, 1984

निदेश सं० पी० भार० नं० 2804/H/84-85—म्रतः मुझे, भार० भार० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० नार्थ नं ० 2378 टी० मी० श्रार० नं ० 5 है। तथा जो श्रम्बा लाइन्स, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावश्व श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 सितम्बर, 1983

का पृथांकत सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एक दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्दपुन् वेह्न किसी बावकी बावत, उथक बीधनियम के अधीन कर बोने के बन्दरक के धीयित में कभी करने वा उच्च व्यन में बुविधा के लिए; बॉर/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

(1) श्रीमती शारदा बहन शांति लाल मेहता, मोन्टल, लॉगार्डेन के पास, एलिस एिज, महमदागद।

(प्रन्तरक)

(2) मै० नील कमल फ्लैट्स, संचालक: श्री कांति लाल छगन लाल पटेल, श्री मंकर भाई भगवान दास पटेल, विजय राज भगार्टमेंट, सूरत।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवद्यारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविध को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए आ सकेंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृष्टों और पदों का, जो उसते किभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

# नगत्तवी

मिलकत जो ग्रम्बा लाइन्स पर स्थित है। जिसका नार्थं नं० 2378 है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 6888 नं० पर ता० 2 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—II, श्रहमदाबाद

बतः अभ, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधाराः(1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

तारीख : 4-5-1984

मोहार 🔞

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

कायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के मधीन सुचना

## भारत सरकात

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

**प्रहमदाबाद, दिनांक 4 मई, 1984** 

निवेश सं० पी० झार० नं० 2805/II/84-85--श्रतः मुर्झे, श्रार० श्रार० शाह,

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'). की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० सर्वे नं० 322, 323 है नथा जो वलसाड में स्थित है (घौर इससे उपावद ध्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ध्रिधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रजिस्ट्रीकरण घिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन तारीख 19 सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भो यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण कि बित में अस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रतः अस्य, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थास् ए⊶ (1) श्रीमती कोकिला बहन नरोसम दास पारेख, खण्डूजीन का खांचा, बलसाड ।

(भ्रन्तरक)

(2) मै० वीपक श्रपार्टमेंट्स, निथल रोड, बलसाड ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी ब्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीक रण: ---इसमें प्रयूक्त केन्द्रों और पर्यों का, जो उक्त जिथिनियम, के कश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनुसूची

जमीन जो वलसाड में स्थित है जिसका सं० नं० 322, 323 प्लाट नं० 806 नं० है। प्लाट नं० 11 है भीर कुल क्षेत्रफल 806 चौ० बार है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड में 1598 नम्बर ता० 19 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

भार० भार० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 4-5-1984

मोहर 🖫

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं ० सर्वे नं ० 65 है तथा जो ग्रामली, सीलवस्सा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सीलवस्सा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राभीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके छ्रयमान प्रतिफल से एसे छ्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाव की वावल, उक्स जीधनियम के अधीन कुट दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चे में सृविधा के निए; बोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मॅ, मॅ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, ख्र्थात् ुं— (।) श्री विद्वल दास भीखा भांई भवसार, ग्रामली, जूगर नगर खोली।

(म्रन्तरक)

(2) मैं ॰ मेक्सीन मेडीकाभेंट प्रा० लि०, इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, सिलवस्सा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

# **पन्स्**ची

जमीन जो ग्रामली, सिलवस्सा में स्थित है 37 ईईं० का फार्म पर कार्यालय में किया गया है। सितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

न्नार० न्नार्र० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, श्रहमदाबाद

तारीख : 4-5-1984

मोहर 😃 🏸

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्थना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-11,

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2807,11/84-85:—अत: मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 141-142 है तथा जो कामराज, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्या में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत चक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अजने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--13-96 GJ/84

(1) मै० समीर डायमन्ड मैन्यूफैक्चरसॅ,
 2502, पंच रत्न,
 ओपेरा हाउस.
 वम्बई--4.

(अन्तर्क)

(2) समीर डायमंड प्रा० लिमिटेड , साधना सोटायटी, पराच्छा रोड, सुरत।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मिलशत जो कामरेज में स्थित है। 37 ईई का फार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है। जिनकी ता० 7-9-83 है।

> अार० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, अहमदाबाद ।

नारीख: 4-5-1984

मोहर ध

# प्रकष बाहि दी. एवं - एस् ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के बधीन स्वना

#### भारत चरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 2808/H/84-85:---अतः, मृज्ञे, आर० आर० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का फारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रं. से अधिक है

और जिसेकी सं० 174 पर्लैट आस्वा है तथा जो आस्वा लाईन्स, सूरत में स्थित है (और इसने उपावद्ध अनूसूर्चा में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1983

को पूर्वोकत संपरित् के उचित बाजार मृत्य से कम के द्ययमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोकत सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से, एसे द्ययमान प्रतिफल का पंद्रह श्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) कोर बंतरिती (अन्तरितार्वो) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिचित में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उत्तस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1. श्री बिरिट कुमार, के० गांधी,
 2. सुधीर कुमार के०, गांधी,
 अंकिला अपार्टमेंट,
 मूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेण चन्द्र, मोनीलाल देसाई, आम्बालाईन्म, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गबा है।

#### नन्स्यो

पर्लंट जो अ।स्बा लाईन्स पर स्थित है । सब रजिस्ट्रार सूरत में 7999 नम्बर पर ता० 20-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

आरं० आरं० शाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रागकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 मई 1984

निर्देण मं० पि $\circ$  आर० नं०  $2809/\Pi_{I}84-85$ —-अतः मुझै, आर० आर० गाह्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसेकी सं० सर्वे नं० 15 और 22 है तथा जो उमरा ता० चौयारी में स्थित है और इसमें उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से बाजित है), रिजम्ट्रांशर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-9-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) श्रीमती सिन्दुबह्न एम० मारफलिया, श्रीमती अश्रमयी एम० मारफलिया, नानावर, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रा शिरोप मोहनलाल कापडिया, शाह स्मृति सोसायटी, अजय, रोड़, सूरत ।

(अन्तरिती)

का गह स्थान जारी करके पृथांकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख़. से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बकूभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसूची

मिलकियत जो उमरा में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 600 ची० बार है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 7765 तम्बर पर ता० 12-9-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० झाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण,) अर्जन रेंज–11, अहमदाबाद

तारीख: 4-5-1984.

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सचना

## भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 मई, 1984

निदेण सं० पो० आर० नं०  $2810 l_l 84 - 85:$  -अतः मुझे, आर० आर० माह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 193-ए है तथा जो वीजलपुर, माव नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-9-83

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसकी इत्यमान प्रतिफल से ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्द्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/मा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री ठाकोरभाई खुशालभाई पटेल, श्री मंजूभाई खुशालभाई, पटेल श्री नटबरलाल पूजाभाई पटेल आशानगर, नवसारी।

(अन्तरक)

(2) चंदनवन की० आ० हा० सोसायटी, कादभसरी, सन्टर, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ;---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **अन्**स्यी

जमीन जो बीजलपुर, ना० नवसारी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 193-ए है और कुन क्षेत्रफल 6456 चौ० फुट है। सब-रिजस्ट्रार, नवसारी में 2850 नम्बर पर ता० 16-9-83 की रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमवाबाद

तारीख: 7—5—1984.

मोहर

# **१७५ : आर्व**्डी<u>ः **१५ : एक**ः</u> पान्यवनस्यान्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

#### सर्वं पर्वार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज⊸∏, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, विनांक 7 मई 1984

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 2811/II/84-85--श्रतः मझे, श्रार० श्रार० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' खड़ा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 193 ए है तथा जो बिजलपुर, ता० नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16 सितम्बर, 1984

को पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल को पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नतिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निचित में भास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की वानत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्थि। के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १--- (1) श्री डकोरभाई खुगालभाई पटेस,
2. श्री मंजुभाई खुगालभाई पटेस,
3. श्री नटबरभाई पूजाभाई पटेस,
ग्रागानगर,
नवसारी।

(मन्तरक)

(2) यमुना को० भ्रा० हा० सोसायटी, कादम्बरी सेन्टर, नवसारी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का अकरेंगे।

स्यव्योकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्यों और धवाँ का, जो अक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिका गुया है।

#### नन्स्ची

जमीन जो बिजलपुर, ता० नवसारी में स्थित है -जिसका सर्वे न० 193 ए है भ्रीर कुल क्षेत्रफल 9578 चौ० फट है। सब रिजस्ट्रार, नवसारी में 2851 नंबर पर ता० 16-9-83 की रिजस्टर्ड की गई है।

श्रार्० द्यार्० माह, सक्षम श्रक्षिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ना रीखं . 7—5—1984.

मोहरु 🕊

# प्रकप कार्ड .टी . एन् . एस .,------

भायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० पी० घार० नं० 2812/II/84-85-- घतः मुझे, घार० भार० गाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 59-4-5 है तथा जो ब्राम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ब्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30-7-83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया ग्या प्रतिक कल निम्निनिचन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण ते हुए किसी बाब की शावत, सक्त अधिनियम के बचीन कर दोने के बन्तरक की वास्तिक को कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं भिना स्था या वा किया जाना चाहिए जा, कियाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मतिकित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) भै० त्रिनिक भस्सो सियेण्स प्रणिक अपार्टमेंन्टस ग्राम्बा लाईन्स, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० महाबीर श्रसोसिएट्स, श्राम्बा लाईन्स, सूरत।

(भ्रन्तरिती)

क्षेत्र सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्पिक्तयों में से किसी व्यक्तित दुशारा;
- (च) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किस्बित में किए जा सकोगे।

स्युष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्त्री

मिलकत जो सूरत में, श्राम्बा लाईन्स पर स्थित है जिसका क्षेत्रफल 1296 चौ० मी० है। श्रगस्त, 83 में 37-ईई का फार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> म्नार० म्रार० गाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज-II, म्रहमदाबाद

तारी**ख**: 8-5-1984.

मोहर 🗈

प्रस्प बाइं. टी. एम. एस. -----

आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

## भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण) धर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० गुड़गांबा/57/83-84---श्रतः मुझे, स्रार० के० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं का का कि 510/9 न्यू कालोनी है तथा जो गुड़गांबा में स्थित है (ग्रीर इससे उपादक श्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गुड़गांबा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिविद् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वस्त्रण चं हुई किची नाय की वायए उपस विध-निष्य के वधीन कर वोने के अन्तरक के वानित्य में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/वा
- (थ) एसी किसी आय या किसी थन या जन्य जास्त्यों की, जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभनियम या थन कर जिभनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तीरती ब्वाय प्रकट नहीं किया नवा वा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के स्वर;

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४(1) श्री सुभाष चन्द्र, पुत्र चन्द्र भान धृपड़, निवासी: 499/9, न्यू कालीनी, गुड़गीया।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वे श्री सुभाष चन्द्र श्रानन्द, पुत्र श्रो कृष्ण लाल श्रानन्द, नि० 302/1, निकट जिला जैत, गुडगांवा ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वनुसूची

सम्पत्ति सकान नं० 510/9 त्यू कालोनी गुड़गांवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांवा में रजिस्ट्री संख्या 2752 दिनांक 20-9-83 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ंग्रर्जन रेंज, रोहतक

नारी**ख** : 8-5-1984.

मोहर 🤳

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस.. ----

बायकार बांधनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के ब्रधीन सुचना

## भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक सायकार सायुक्त (निर्दाक्षण) प्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 मई, 1984

निदेश सं गृङ्गावां/85/83-84:----- प्रतः मुझे, प्रार० के० भयाना,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियत्र' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट 429 व० ग० है तथा जो त्यू कालोनी, गुड़गावां में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूचीमें ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधकयरी के कार्यालय, गुड़गावां में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तारीख श्रक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निक्तिसिता उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखत के बास्तिक इप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की वावत्, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अग्रिस्तरों को जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

बतः अब उबत अधिनियम की भाग 269-ग के जनुसुरक् कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन. निस्तिसिक व्यक्तियों, वृषीस् ह--- (1) श्री विषय कुमार, पुत्र श्री सत्य पाल, पुत्र श्री चन्द्र भागे धुपड़, नि० न्यूकालोना, गड़गावां।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीलावती. पत्नी श्री कृष्ण लाल, नि० 302/1, निकट जिला जेल, गुड़गावां।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थापर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्भावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुस्ची

सम्पत्ति प्लाट, न्यू कालोनी गुड़गावां में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ना के कार्यालय गुड़गावां में, रिजस्ट्री संख्या 3281 दिनांक 28-10-1983 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीखा: 8-5-1984.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्यत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० गड़गायां/86/83-84---प्रतः महो, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पेश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269 त के अधीन सक्षम प्रतिभक्तारी का यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावन स्थावित, विश्वास करने का 25,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० प्लाट 433 २० ग० है तथा को न्यू कालोभी, गुड़गानां में स्थित है (ओर इससे उपायस ब्रमुत्ची में और पूर्ण व्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीयकारी के कार्यालय, गुड़गानां में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूबर, 1984

को प्वेक्ति कार्यान के डोजन राजार पूल्य में आम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापुर्वेक्ति सन्पत्ति का उत्ति अवसार मूल्य, उराले अवसार कारण में अवसार कारण के अवसार प्रतिकास में अधिक है और अंतरित (अंतरितयो) के बीच एमें अवस्था के निया तम पाया गाप्ति फल निम्नलिखूत उद्देश्य से उक्त मंतरण सिमात यो नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) शीररण से हाड़ किसी आय की अभ्रत्, उक्त अभिनियम के सभीन कार बीने के बीतरक के सामित्न की काशील 1'या गणमें प्रचलें की प्रित्य की नित्त, कीत्रक.
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 14) या एक अभिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1937 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिनी इनारा सकार नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

सत: अस, उक्त विधिकियम को असा 269 म के अहसरण में, में, तक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीर, निरश्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह⊸-14—96 GJ/84 (1) श्रोमती सुमित्रा देवी, पत्नी श्रा चन्द्र भान घुपड़, पुत्न श्री ज्ञान चन्द, नि० 711/4, श्रर्जन एस्टेट, गुड़गावां।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मधु श्रानन्द, पत्ती श्री भुभाष चन्द्र श्रानन्द, पुन्न श्री कृष्ण लाल श्रानन्द, नि० 302/1, निकट जिला जेल, गडगावां।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुख्या जारा अवसे भूमेंक्त सामित के अर्जन के लिए मार्थकाहियां करना हुं।

जयत सम्पत्लि के बर्जन के सरनत्व में कांद्रे भी भाक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविभि भा तलगम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्थिभ, जो भी अविध अब में सभारत होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी लॉबिन द्वार;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्म व्यादित हवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए जा सकींगी।

रपष्टीकरण: --- इतमें प्रमुक्त पृथ्ते और पदों का, भो जम्स अधिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

# अम्स्ची

सम्पत्ति प्लाट 133 व० ग० न्यू कालोनी, गुष्ट्रगावां में स्थित है जिसका अधिक दिवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गावां भें, रजिस्ट्री संख्या 3282 दिनांक 28-10-83 पर दिया है।

> श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रजेन रेंज, रोहतक

नारीख: 5-5-1964.

गाहर :

प्ररूप आर्ड्ः. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य का 25,000/ रुपए के इधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० दुकान नं ० 522/17 है तथा जो रेलवे रोड़, हैं रोहतक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनस्ची में श्रीर पूर्ण घप मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के शर्धान, तारीख मितम्बर, 1983

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्न अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

(1) श्री प्रेम चन्द, पुत्र मास्टर बिच्छालाल वैश्य, नेहरू स्ट्रोट, झज्जर रोड़, रोहतक।

(श्रन्तरक)

(2) श्रो सुनील कुमार जैन, पुत्र श्री मनोहर लाल, पुत्र श्री दिवान चन्द जैन 217, वीर नगर, जैन कालोनी, देहली।

(भ्रन्तरिती)

को रहं सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 विन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुसूची

सम्पत्ति दुकान नं० 552/17 रेलवे रोड़, रोहतक में स्थित हैं जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, रोहतक में, रिजस्ट्री मंख्या 3425 दिनांक 22-9-83 पर दिया है।

श्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

नारोख: 8-5-1984.

प्रोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत संग्कार

नार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 8 मई 1984

निर्देश मं० रोहतक/50/83-84---भ्रतः मक्षे, भ्रार० के० भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्ति बाजार मण्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 550/17 है तथा जो रेलवे रोड़, रोहतक में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रोहतक में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोका सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत रो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिभी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गता प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अरीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो अन्त, निर्मा भागति वा निर्मा किसी धन या अन्य आस्तियो (1922 का 11) या उसते अधिनियत, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 किया प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री केणरी देवी, पत्नी श्रो प्रेम चन्द, पुत्र मास्टर बिच्छा लाल वैश्य, नेहरु स्ट्रीट, झज्जर रोड़, रोहतक।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती गकुन्तला , पत्नी श्री मनोहर लाल, पुत्र श्री दिवान चन्द जैन ग्रग्नवाल, 141, बीर नगर, जैन कालोनी, देहली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कां हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकीशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकर्ग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### अमुस्ची

सम्पत्ति दुकान नं ० 550/17 रेलवे रोड़, रोहतक में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजिस्ट्राकर्ती के कार्यालय रोहतक में, रिजस्ट्राकरण संख्या 3426 दिनांक 22-9-83 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना. मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहनक

तारीख: 8-5-1984

अक्षप बार्च, टी. र्स. १११ . .....

मायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत समान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० रोहतक/51-38/84:---प्रनः मुझे, श्रार० क० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षय प्राविकारी को युद्ध विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- का से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान 522/17 ह तथा जो रेखने रोड़, रोइतक में स्थित है (भ्रोर इसम् जावाद अनुसूनों में धौर पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता मधिकारा के जार्थानय, रोहनक में रजिस्ट्रो-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) से प्रधीन, तार्राख सितम्बर, 1933

को पूर्वोक्स संपरित के लिखत बाजार मूल्य से कस को स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है बार मूक्ते यह निश्वाम करने का बारण है कि यशापुर्वित्य सेपिए का पालिस बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिपाल से, एसे प्रत्यकान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिशत से अधिव, हो और अन्तरक (बंतरका) और बंशिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पामा गया प्रतिक क न निम्निसित उपदेश्य है उपन अन्तरण कि तिए तय पामा गया प्रतिक क रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्थ सं हुई स्थिती काम की वादत, उपस अधिनियम के जनात कर बार्न के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उमसे वसमें में सुधिधा में निय; स्थि/या
- (क) एसी किसी भाष या किसी धन था अन्य आंक्सियाँ करे, जिल्हें भारतीय आय-कर आंजिन्यम, 1992 (1922 का 17) या उक्त अंचित्रम, रा भनकर अधिनियम, रा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तरिती क्वारा प्रकट तहाँ किया गया था या किया भाना चाहिए था छिपाने में सुनिया के जिए:

कतः अव, अवद औरिनियद की भाग 269-म की, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधीत् ६—- (1) श्रीमती केणरी देवी, पढ़नो श्री प्रेम चन्द, नेहर स्ट्रीट, झज्जर रोड़, रोहतक।

(भ्रवतरक)

(2) श्री सुनील कुमार,
पुत्र श्री मनोहर लाल,
पुत्र श्री दिवान चन्द अग्नवाल,
नि० 141-वीर नगर,
जैन कालोनी, देहली।

(भ्रन्तरिती)

बर्ध बहु मुखर। आरो करके पूजाक्स मन्यस्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू कारता हुं।

वयस सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कार्य में आकंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की धारीं स सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अधित्यों से स किसी त्यां क्या खारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में ज्यापन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबहम किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोदृस्ताक्षरी के पास लिसित में फिए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः-इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति दुकान सं० 552/17, रेलवे रोड़, रोहतक में स्थित है जितका श्रक्षिक विवरण रिजिप्ट्रियार्जी के कार्यालय, रोहतक में, रिजिस्ट्री लंज्या 3927 दियांक 22-9-83 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारा, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख: 8-5-1984.

मोहर 🖫

हरूप बार्ड .टॉ.एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 9 मई 1984

निदेश सं० अम्बाला/61/83-84:--अतः मुझे आर० के भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से आंधार है

और जिसेकी सं० भूमि क्षेत्रफल 23 किया 19 मरले (23950 वर्ग गज) है तथा जो साबोपुर भें स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्स्ट्रा हर्ती अधि गरी के वार्याजय, अन्वाला में रिजर्स्ट्रा हरण लक्षि नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी खिस्तम्बर, 1983

को पृतिवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित को गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यसप्तादक संपास्त का जावत बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तर्रित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फला, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किए एशा है:—

- [क] अन्तरण से हुई किसी आय की पायत, उमत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के।सए, आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, निनह रारतीय अप्य-कर किर्णायम, 1922 (1922 का 11) या उन्त किया त्या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहिन्द्र सिंह, श्री बलबीर सिंह, पुत्र गणश्री करतार सिंह, नि० सादोपुर, जिला : अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र नाथ, ृपुत्र श्री चमन लाल, ।न० 1-2 इन्डस्ट्रीयन ईस्टेट, अम्बाला ।सटी ।

(अन्तरिती)

कां नह सुच्या जारी करक पूर्वाक्त सम्मित्ति के जुर्बन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीवत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस रूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एक्ट स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किर्स जन्य स्थिति द्वास अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

### अनुसूर्ची

शूमि जो 23 विधा 19 विस्वास 2395 वर्ग गज सादोपुर जिता-अम्दाला में स्थित है। इसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती कार्यालय अम्बाला रजि० संख्या 4044 पर है।

> आर० के० भयाना, सक्षम प्राधिकारोः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)-अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 9-5-1984.

मोहर 🛭

गध्य थाई . टी . एन . एस . ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नुधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 27 अप्रैल, 1984

निर्वेश मं० सी० ए० 5/37 ईई, 84-85:-587-यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- एउ. में अधिक है

और जिसकी सं फ्लैंट नं 2, महाविनायक सोम।यटी है तथा जो जो डोनियली, जिला थाना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से पाजि है), राजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक अव्यक्षर अव्यक्त (विरीक्षण), अर्जन रोज, पूना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- ((क) अनुसारण से हुन्द्र' किसी जायु की बाबत उपस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; आर्-र्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था स्थिपाने में सुविधा के सिए;

अक्षः व्या, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रीमिती राधाबाई गोपाल कम्यप,
नं० 2, महािवनायक को० आप० हाउसिंग सोसायटी,
देवी टेंपल रोड़,
मास्त्री नगर,
डोलिवलि (वेस्ट) थाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० आर० गणंपथी, नं० 8, अञ्जेश्री को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, शार्ता नगर, डोनियलि (वेस्ट), थाने ।

(अन्तरितीः)

का यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित् के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ध्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### जन्**स्**ची

फ्लैंट नं० 2. महाधिनायक सोसायटी, देवी टेंपल रोश, डोंनिवली (वेस्ट), थाने । क्षेत्र 614 स्क्षेत्र फीट ।

(जैंस कि रिजस्ट्रीकृत नम्बर 37-ईई, 3496/थाने/83-84 11 फरवरी, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकणी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), अर्जन रेंज, पूना।

तारंख: 27-4-1984

मोहरु 🛭

### प्रकण बाह् . शी. एन . एस . -- -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**म** (1) के **धधीन सू**चना

#### भारत सरकार

कार्भालयः सहायक् आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 9 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० सी ० ए० 5/37ईई, 84-85/588--अतः मुझे, भाषिकांत कुलकर्णी,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे ६सके पश्चात् 'उनत चिभिनयम' कवा गया है), भी धारा 269-ख के अग्रीन समस प्राधिकारी को, गह बिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका बन्नित बाजार मन्य 25,000/- ४० के अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 एफ० पो० नं० 440 टी० पी० स्कीम—I. णिषाणीनगर, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीनानी अधिकारी के कार्यालय सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अघोन, तारीख सितम्बर, 1988

को प्रांक्त संगति के जिन्न बाजार मूल्य से कम के दृश्यनाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिन्त बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पश्चक प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अग्नरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निविद्या में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी अवने एा उससे बचने मे सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ हो, जिन्हें भारतीय भारकर प्रधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत प्रधिनियम, या धा कर श्रीधनियम, या धा कर श्रीधनियम, या धा कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया समा या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

नतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह— (1) श्रीमती भकली बेन, संगथभाई देसाई, अल्पा अपार्टमेंट, दूसरा---माला हिल टाप होटेल के पीछे, वर्ली, सी० फेस, बम्बई--5.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रुमती बबनराव निम्हन, श्री अरुण बबनराव निम्हन, 1134/2, शिवाजी नगर, पूना-1.

(अन्तरिती)

को यह सूचना आँशी करके पूज़ों कर सम्परित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के जाजन की सम्बन्ध में करही भी आश्रीप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में पकाशन की शारीस में 45 फिन की अवधि या तत्मवंभी जिल्लामें एर स्वना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास का किसी में में किसी स्विभित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपप्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम निकास में किए आ ग्राजीयो।

स्थव्यकित्यः -----श्ममो प्रयुक्त शब्दों और यदा का. जो जवस अधिनियम, के अध्याय ू()-क में स्थापिताधित हैं, बही जर्यशाधा जा पर शासाय की जिल्हा स्थाहीं

### अनुस्ची

पलाट नं० 2, एफ० पी० नं० 447 एरिया 346.27 चौ० मिटर शिवजी नगर, पूना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई-1569 83-84 जो तारीख सिनम्बर, 1983 को सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, पूना

तारीखा: 9-4-1984.

माहर:

प्ररूप आएं. टी. एव. एस.-----

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 अप्रैल, 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 ईई/589/84-85---पराः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनस अधिनियम' कहा रया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का आरण हैं कि स्थानन सम्प्रति, जिसका उपित बानार संख्य

और जिसकी सं० पलाट नं० 9 जिल्हींग मं:० अगोश को० हीरींग सोसायटी सं१० टं१० एम० नं० 3 और 3, 1, नेपनी रोड, पूरा है तथा जो पूना में स्थित हैं (और इसने जाक्रिस अनूपूर्वा में और पूर्व रूप में विगत हैं), रिजिट्ट स्वा पिर्ध कर के ए पलिए, महाराख आयार आयुवा निर्शासण), अर्जन रेंज, पूना में, रिजिट्ट रूण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख सितंश्वर, 1983 को पूर्वोक्त गम्पत्ति के जिसता ताजार मूल्य में क्या के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं कोर मूझ यह चित्राण करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्तर जाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर्दश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमें बबने में मुविधा के लिए: और/या
- (ख) एमी किसी अस का किसी पन मा लग शास्तियों करो, जिन्हों करनीय अस्तिर अध्यानिष्य 1 122 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा अनक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिश के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की व्यक्षणा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :----  भसर्स गरा प्रमोटर्ग, मानेल हाल,
 ईस्ट स्ट्राट, पुना--1.

(अन्तरक)

(2) डा॰ संपत्तराथ डी॰ पाटिल, 6/44, आगरकर नगर, मूना-1.

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता सु ।

जबत क्षम (६ के कहा के भारता में कोई की शकी। ----

- (ब) इस सूनना के राजपन मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पस्तिक्षणः — इसमा प्रश्नुपत जन्दो आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सची

फ्लैंट नं० 4, बिल्डिंग मी० अगोक को० हाउसिंग सोसायटी, सी० टी० एस० नं० 3 आर  $\beta_1$  नेयलोर रोड़, पूरा ।

(जैसे कि रिजिस्ट्री ति नं 37ईई/1574/83--84/पूरा जो तारीख रिजिस्कर, 1988 को सहायक आयश्य अस्युक्त अर्जन रेज, पूर्विक दक्षार ने दिश्त है।)

> गरिकांत कुनस्पी, सभम प्राधिनारी. सहावस आयक्षर प्रायुक्त (विश्वाक्षण), नर्नेत्र रोंग, पूना

नारीख: 25-4-1984.

माहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यासय, भहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना

पुना दिनाव 25 अप्रैल 1984

निर्देग पं र पो र ए र 5/37 ईई/81-85/590--यत मर्झे मिशकात कुल<sup>--</sup>णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर सपित, जिस्टा उचित बाजार मल्य 25,000/- रुट में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 7 बिल्डिंग 'ए' अमोब को ० आ० हाउमिंग सोसायटी सी० टी० एस० न० 3 और 3/1, नेयलर रोड पूरा है तथा जो प्ना स स्थित है (और इससे उपाबड अनसूची से और पूर्ण का से बिला है), रिजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय याय र आय र आय र आय्कत (निरीक्षण), अर्जन रेज पूना से रिजिस्ट्रें उरग अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के अधीन नारीख सितस्वर 1983

को पूर्वोक्त सपित के उचिन बाजार मूल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूफ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उयत अन्तरण जिल्लामा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उयत अन्तरण जिल्लामा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उयत अन्तरण जिल्लामा गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अध की शाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में जुविभा के लिए; आर/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ का उपभारण (1) के अधीन, निम्नांलिसित व्यक्तियों, अधीर २० (1) मैससं भ्रमाटर्स 2 ईस्टस्ट्रीट पदा-1

(अन्तरक)

(2) श्रीमिती जेस हो ० अनटीया फ्लैटन० ७ १० जजेम् कोट रोह, अला पोर कलकत्ता-७०००२७

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारी करके पृत्रवित मपत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहिया करता हा।

### उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, के भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकासत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हिताव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी जे गाम जिस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आंटक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में 'दिया गया है।

#### मन्सूची

पलैंट नं ० ७ विल्डिंग पि'अशोक को ० ग्रो० हा उमिग सोसायटी सी० टी० एस० न ० ३ और ३/। नेयलोर रोड, पूना- 1

िजैसे कि रिजिस्ट्रीफ़ित न० 37 ईई/1572/पूना/85 51 को तारीख सितम्बर 1983 को सहायक आयक्र आय्क्त (निरोप्क्षण), अर्जन रेज पूना के दफ्तर में लिखा है। }

> गणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारो, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज पूना

तारीख 25-4-1984 माहर:

### प्रकर बाद . ही . एव . एस . -----

# आभिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागु 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासन्, बहायक नायकर नायक्त (जिरीक्न)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 25 अप्रैल 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/37ईई/83-84/591--अता मुझे, णणिकांत कुलकर्णी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम', कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैंट नंव 13, बिल्डिंग नंव B, सीव टीव एसव 3 और 3/1 नेयलोर रोड़ पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबह अनुमूर्च में और पूर्णेरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्मा अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख रितस्वर 1983

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती [कंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में अस्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण ते हुई किसी बाय की बावल, उक्त अविनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामित्व में कभी करने या इससे अवने ते मुध्यिय नी बिए; वार/शा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिनतां की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व कियोजनार्थ अन्तिरतीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उनतः अधिनियम की धारा 269-। के अनुसरण कों, भीं, उनते अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिकित न्यिनित्रां, अर्थात् :---  मैंगर्स गण्य प्रगादर्भ मानिक दाल 2, इस्ट म्होट, पृना

(अन्तरकः)

(2) दाय ईंथी करवारिया प्रा० लि०, तिनरी चिल्डिंग, नीसरा माला, न्यू गरीन लाईन्ग, -यंबर्ड-20,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स स्म्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्वना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं कर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया प्या है।

### अनुसूची

पलैट न० 13 बिल्डिंग B अशोक कोआपरेटिव हाउमिग मोमायटी मी० टी० एस० नं० 3 और 3/1 नायालोर रोड पता।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1848 जो सितम्बर 1983 को सहायय आगकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. पूनां

तारोख 25-4-1984. मोहर ७ प्ररूप नाइ".टी.एम.एत.-----

जायकर जिमिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पून। प्ना दिनांक 25 अप्रैल 84

निर्देण मं० मी० ए०  $5/36 \xi \frac{\xi}{84} - 85/592 - 36$ . मुझे, शशिकात कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिन्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य ,5,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 1 दूसरा माला अरोरा टावर्स 9 मोतिदीना रोड पूना- 1 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावड अनसूची में और पूर्णस्प रे बिलित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायद आयदर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिनबस्र 1983.

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत्त सं, एसे दृश्यमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुए किसी बाय की बावत, उकत बीधीनयम के बधीन कर बाने के लन्तरक के बायित्व में कभी करने या उनसे तकने में भूतिका के लिए; बीर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भागतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका को निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैसर्न शरत प्रमोटर्म, मानिक हाल 2 ईम्ट स्ट्रीट, पूना-1.

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वैजयंती एफ० रहमान, श्री फाझल रहमान समीर रहमान, श्रीमती सीमा रहमान, सुविना 58/59 सपूर कालोनी, कोथण्ड पूना-29.

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** से 45 दिन की अविध या तत्से बंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थानता में से किसी स्थित व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त मा हितखबूध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---- इसमें प्रयानत शन्यों और पर्वों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में पिन्भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### लम्सूची

आफिंग न ० 1, दूभरा माला अरोरा टावर्स, 9 मोलेदीना राह, पुना ।

(जैस की रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1846/83--84 जो नारीख नितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

नाजीत्व 25 - 1 - 84. मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. -- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत जैता, पून! पुना, दिसावा 27 अप्रैल 1984

निर्देण स० मा० ए० 5/37ईई/84-85/593-⊸ान: मुझे, णणियान कुलसणी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का करण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु.ं संअधिक ही

और जिसका से फ्लैंट आन के ने 19 सी ए एसर ने 63 ए है तथा जो नीपाडा थाना में स्थित है (और इससे उपाबज्ञ अनुसूर्वा में और पूर्णक्प के विणित है), रिजर्ड़ - भी अधिकारा के कार्यालय, सहायक आयवर आयुक्त विरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजर्ड़ीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान, नारीख 30 सिमम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तम पार्या ग्या प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुं के किसी. आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (का) ऐंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

भतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिलिश्वत व्यक्तित्वीं अधीन र्रम्म

(1) श्री एस० एम० करबेलकर प्रो० सिद्धार्थ कंस्ट्रक्शन कपर्ताः सिद्धार्थ चेम्बर्स गोखल रोड्ड थानाः

(अन्तरक्)

(2) श्री गजानन काशानाथ चौगुल समृद्धि, प्रशात नगर, नौषाडा, थाना.

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रतिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पान को राजपत्र में प्रकाशन की धारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान। की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

फ्लैट जो नीसरी मंशिल पर स ० छह. २० (१ ए० फ्रिंग्नं 49 हिस्सा नंश 2 (पार्ट), हिस्सा न्य 2. नोपाडा थाने। कोब-59.16 स्पष्टेश मीटर्स।

ं (जेसे की रिजिस्ट्रीपृत नंबर  $37 \frac{1}{2} \frac{1}{2} |2007|$ याने|83-84|तारीख़ 30|9|83 को सहायक आयकर आयुक्त (निर्मक्षण) अजैन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।

र्णाणजांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण)** अर्जल रेंज, पूना

्र मारेख 27~4-84. सोबर अरूप बाइ .टी.एन.एस.------

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी छारा 269-म(1) के मधीन तुम्ला

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयक्कर आधुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंग, पूना

पूना, दिनाक 25 अप्रैल 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/37ईई/84-85/594---अन: मुझे, शशिकान कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मंज आफिस नंज 17 दूंसरा माला, अरोरा टावर्स 9 मोलेदीना रोड़, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना मे, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का ग्रंबे ह्रियमान प्रतिफल का ग्रंबे ह्रियमान प्रतिफल का ग्रंबे प्रांतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के सिए; बीर्/या
- (व) होती किसी जाय या किसी भन या अन्य आहितवाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्चारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था, कियाने में हिवा के लिए।

बक्त अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण मं. में, उचन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, सर्थात —

(1) मैसर्म शरत प्रमोटर्स, सानिक हाल, 2 ईस्ट स्ट्राट, पूना-1,

(अन्तर्क)

(2) श्रामनी नम्प्रता अशोक अग्रवाल, सदीप निवास, वडगाव गेर्रा आफ नगर रोड़, पुना~14

(अन्तरिती)

को यह स्**च**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वै 45 विन की जबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की शारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर यम्पित में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहण्याक्षरी के पाद निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्स की

आफिस न० 17, दूसरा माला अरोरा टावर्स, १ मोलेंदीना रोड, पूना

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 1735/37ईई/पूने/83-84 जो तारीख सितम्बर 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकांत फुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तागीच : 25-4-81

### प्रकृष बाह<sup>र</sup>. टी. एन. एस.-----

### लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना दिनाक 11 अप्रैल 84

निर्वेण मं० मो० ए० 5/37ईई/83-84/595---अत : मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी मं० समें तं० 252 एच० नं० 1 (भाग) विरार थाना जिला है तथा जो विरार में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्णरूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख दिसम्बर 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एमे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्य में कमी करने या उससे बचने में मृजिशा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अप्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुत्रिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण मा, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिसिस स्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं सर्म बास्तु शिल्प, 80 गोधा स्ट्रीट, फार्ट, बम्बई.

(अन्तरक)

(2) कुमारी एम० एफ० फरवरेश और गैरीन परवरेशा, 275, पेरीन-नरीमन प्वाईट फोर्ट, बंबई-1

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्थन के िए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>1</sup>गे।

स्थव्होकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनुस्ची

फ्लैट न० 21 दूसरा माला सर्वे नं० 252, एच० नं० 1 (भाग) विरार जिला धाने।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/2546/थाने जो तारीख दिसम्बर 1983 को महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

नारीख 11-4-1984

माहर ः

प्रकप नाइ. टी. एन. एस. -----

भायकड अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय सहायक बायकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनाक 4 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/596--- अन मुझे, शिशकात कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रोर जिसको स० पर्लौट न० 323, पर्लौट न० 4, सर्वे न० 17-ए, वानोरी है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबज अनुसूत्री में और पूर्णकप से वर्णिन है), रिजर्स्ट्राकर्ता अभिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, नारीख 26-9-83

को पूर्विकड सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धन-कर अधिनियम था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (!) मैंगम परमार कन्सट्रक्शनग. 321/3, न्यू टिम्बर माफिट रोड, पूना-2

(अन्तरकः)

 (2) श्री प्रवीप रजन प्रमोदे रजन सरकार, अनिया पोठ रंजन संक्कार
 102, नृत्लानगर, प्रना-1

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पृतींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उच्क स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षणी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

पलैट नं० 323 फ्लैट नं० 4, हिस्सा नं० 6, सर्वे नं० 17-ए, मौजे वानोरी, पूना-3/क्षेत्र-1040 स्कवे० फीट। (जैसे की रजिस्ट्रीइन नंबर 32ईई/2119/पूना/83-84 तारीख 26-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णिषाकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारी**ख**: 4—1—83

मोहर् ८

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

### भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना दिनाक 4 अप्रैल 84

निर्देण मं० सी० ए० 5/37ईई/83-84/597--अत . मुझे . मिशिकांत कुलकर्णी .

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पर्लंट नं० 21, पर्लंट नं० 1, हिस्सा नं० 6, मं० नं० 17-ए, है नथा जो वानोरी पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में, रिजर्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-9-83

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वितन स्पत्ति हा लोकत वाजार में उउसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैंसर्स पण्माण कन्सट्रवणस्य,
 321/3, न्यू टिम्बर मार्किट रोड,
 पूना-2.

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाण एस० सक्याना, 377, भवानी पैठ, पूना~2.

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्ची

फ्लैंट नं० 21, फ्लैंट नं० 4, हिस्सा नं० 6, मं० नं० 17-ए बानोरी, पूना। क्षेत्र-730 स्क्वे० फीट।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं० 37ईई/1953/पूना/83-84 तारीख 9-9-83 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) आयुक्त (निरीक्षण) अर्जद रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्ेक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारी**ख**: 4-4-84

मोष्टर 🧀

### प्ररूप बाइं. टी. एन. एक. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाक 4 अप्रैल 84

निर्देश मं० मी० ए० 5/37ईई/83-84/598---अन: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है")., की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 2.5,000 ∕- रु<sub>र</sub>. से अरिथक ह

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 504 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार्रः के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-9-83.

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिकल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) सौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेशे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीप्तफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के निए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>ा</sup> भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती वृदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधाके लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत . निक्तिसिवत व्यक्तियों , अधीत :---16-96GT/48

(1) मैं सर्स विजय एन्टरप्राइजेस, 515 रेका जेम्बर्स, न्य मरीन लाईन्य, बबई-20. ।

(अन्तरक)

(2) श्रो एच० एम० एच० चितलवाल के द्वारा मानसूरे, 17 वजरलैंड, 7 एम० जी० रोड़, पूर्ना-1.

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3( दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी, ध्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बबुध किसी अन्य व्यक्ति धुवारा अधोहस्ताक्षरी व पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अपैधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नमा 🗲 🔉

**फ्रैंट नं** 504, कलोवर सेंटर 7 मोलेरिना रोड़, कैंप, प्ता, क्षेत्र-704 स्क्तवे० फीट (बिल्ट अप एरिया)। जिमे की रिजिस्ट्रीकृत नंबर 37ईई/2111/83-84/ ्रा पानीव 171/9/93 को सहायक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।] णशिकात कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

नारी**ख**: 4-4-84

मोहर ;

### प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, पूना

पुना, दिनाक 29 मार्च 1984

निर्देश सं० सी० ए०/5/37ईई/599/83-84---यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पर्नैट नं० बी० 21, रघुपति को० ग्रा० हाउसिंग मोमायटी नासिक, धूना रोड निग्रर एम० एस० ई० बी० पायर हाउस, नासिक रोड है तथा जो नासिक रोड में स्थित है (ग्रीर इम उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिथकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख मितम्बर 1983

को एवेंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के निए, और/या
- 'ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तीरती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था हिज्याने में सविधा के लिए:

कृतः मतः अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री भ्रार० सीं० माहेश्वरी, उपा नगर, मांड्प, बम्बई।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गीता द्यार० टेकचंदानी, रघुपति को० द्या० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड नासिक रोड़, नासिक।

(भ्रन्तरिती)

का मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तैत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध नार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपच मों प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित मों किए जा सकींगे।

स्थल्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत हथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

#### जनसची

पलैंट नं० बी० 2 रघुपति को० घा० हाउमिंग सोसायटी नासिक-पूना रोड़ निद्यर एम० एस० ई० बी० पावर हाउस, नामिक रोड, नामिकँ।

[जैसा कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई/78 नासिक/83-84 जो तारीख सितम्बर 1983 को सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा है]।

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-3-1984

मोह्द 🕹

प्ररूप आर्च.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 27 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई0/1109/84-85—यत: मुझे, शशीकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मी० टी० सर्वे नं० 82 सर्वे नं० 268 (भाग) लोणावढ़ा तालुका मावण जिला पुणे हैं तथा जो गिणवणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक मावण में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्षेक्य से उक्त अन्तरण तिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपपारा () के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती कुमी हस्तम दागल, श्रीमती जै० एम० एडनवाला, द्वारा श्री एम० के० पत्रार, 934/35 ए, शिवाजी नगर, पूना-16।

(भन्तरक)

मेसर्स सागा बिल्डर्स,
 160 डी० एम० रोड़,
 पहिला माला,
 फोर्ट, बम्बई-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुरू करता हूं।

उन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

### **अनुस्**ची

सी० टी० सर्वे नं० 82 सर्वे नं० 268 (भाग) लोणावड़ा ता० मावल जिला पुणे।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1657 जो तारीख सितम्बर 1983 को दुरयम निबंधक माबल के दक्तर में लिखा हैं)

> शिषकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूना

तारीख: 27-4-1984

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. ------

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीम स्चना

#### भारत सरकार

### कार्वासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 27 श्रप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 जी०/9907/84-85-**-**

यत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कः से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० सर्वे नं० 83, सर्वे नं० 268 (भाग) लोणावठा जिला पूना है तथा जो लोणावठा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इध्यम निवंधक मावल में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, सितम्बर 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजिरत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निसिवत उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) नत्तरण वे हुई हैं जी नाव की नावत उक्त निध-निवृत्व में भूपीय कड़ दोने के अन्तरक के दाधित में कनी कड़ने ना असबे वचने में मृतिभा के निए; नीर/वा
- (ण) एसी किसी जाय या किसी पन था अन्य जास्तियों का, चिन्हुं भारतीय आवकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा चौ सिष्

अत', अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती कुमी ६स्तुम दलाल श्रीमती जे० एम० तडनबाला द्वारा तम० के० पवार, 934/35, शिवाजी नगर, प्रना-16।

(ग्रन्तरक)

मेसर्स सागा बीर्डस,
 160, डी० एन० रोड़,
 पहिला माला,
 फोर्ट, बम्बई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृंवोंक्स संपरित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां कारता हो।

### नक्त सम्पत्ति के वर्जन के संस्थन्य में कोई भी शाक्षेत्र 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्भ किसी अन्य स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयद्गीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्वो का, जो उक्त जिथिनियम् के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कृभ्याय में दिया गया है।

### वन्त्वी

सी० टी० सर्वे नं० 83, सर्वे नं० 268 लोणावला ना० मावल जिला पूर्ण।

(जैमे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1658 जो सिक्षम्बर 1983 को दुय्यम निबंधक मावल के वफ्तर में लिखा है)

> णणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, पूना

तारीख: 27-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप वार्ष: टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यंतर, सहाय्क नायकार नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 श्रर्पंल 1984 निर्देश सं० सी० ए० 5/37जी०/990एल०/84-85---

यतः मुझे, गणिकांत कुलकर्णी,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 347-ए, टी० सी० सर्वे नं० 227-ए० (भाग) लोणावला जिला पूना है तथा जो लोणवला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निवंधक मावल में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, बनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्वास व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री कुमी रस्तुम दयाल श्रीमती जे० एम० ऐडनवाला, द्वारा श्री एम० के० पवार, 934/35-ए, णिवाजी नगर, पूना-16।

(भ्रन्तरक)

मेससं सागा बिल्डर्स,
 160-डी० एन० रोड़,
 पहिला माला,
 बम्बई-1।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधित्तयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सर्वे नं० 347-ए० मी० टी० सर्वे नं० 227-ए० (भाग) लौणावला, जिला पूने।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1659 जो सितम्बर 1984 को दुय्यम निवंधक मावल के दफ्तर में लिखा है)

> णणीकांत कुलकर्णा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-4-1984

मोहर ः

### त्ररूप मार्ड. टी. एन. एस. - - - ----

### नामकर नौभनियम, 1961 (1961 का 43) की याया 269-व (1) के अधीन सचना

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 अप्रैल 1984

निर्देश सं० सी० ए० 5/37जी०/9908/84-85--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961) का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रह. संअधिक **ह**ै

और जिसको सं० मो० टो० सर्वे नं० 347 बो० सर्वे नं० 347बी० भाग लोणावला जिला पुणे है तथा जी लोणवला में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूत्र) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्रय्यम निबंधक मावल नें, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सिनम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अलारित की गई है और मुभी यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संधुद्दे किसी नाम की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए कौर/मा
- (२०) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 南 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुधारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना झाहिए था, छिपाने मे स्विभाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मी, उक्त अधिनियम की भार 269-म की उपभारा (1) के अधीन निस्तिविक्त व्यक्तियों, व्यक्तिः---

 श्री कुर्मी रूस्त्म दालल, श्री जे० एम० ऐडशवाला, द्वारा श्री एम० के० पवार, 934/35⊸ए, शिवाजी नगर, पुना-16।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सागा बिल्डर्स, 160, डीं० एनं० रोड़, बम्बई-1।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित्त के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय 45 दिन की अवधियातत्संबंधी अथक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

#### मन्स ची

सी० टी० मर्वे नं० 347-बी०, मर्वे नं० 347बी० भाग लेणावला, जिला पुणे।

(जैसे कि रजिस्ट्रोकृत नं० 1660 जी सितम्बर 1983 की द्रव्यम निबंधक मायल के दफ्तर में लिखा है।)

> मिमिमांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, पूना

तारीखा: 27-4-1984

मोहर ः

प्ररूप मार्ड. टौ. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुचना

#### भारत मरकार

कार्यानय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, पूना पुना, दिनांक 27 अप्रैल 1984

निर्देण सं० सी० ए० 5/37जी०/9990/84--85--यत: '

मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- स्त. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० सर्वे नं० 228/1 सर्वे नं० 348 और 349 लोगवला जिला पूना है तथा जो लोगवला में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण व्य से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्रयम निबंधक मायल में, रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कव्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रकित सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ठ प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त अन्तरण लिखिल मे वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी माय की वाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर घेने को अन्तरक को दायित्व में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरध में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती कुमी रूस्तुम बलाल और श्रीमनी ऐ० एम० ऐडनवाला, द्वारा एम० के० पवार, 934/35 T;, शिवाजी नगर, पूना-16।

(अन्तरक)

2. मेससं साक्षा बिल्डर्स, 160, डी० एन० रोड़, र्फस्ट पलोर, फोर्टं, बम्बई-1।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक्ररण:---इसमें प्रयक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### नन्स्ची

सी ही हो जो नं 228/ए०, सर्वे नं 348 और 349 लोणप्रता, जिला पुणे।

(जैसे कि रजिस्ट्रीइत नं० 1661/जी सितम्बर 1983 को दुय्यम निबंधक मावा के दफार में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, पूना

नारीख: 27-4-1984

माहरु 🛭

प्ररूप बाई. टी. एनं. एस. - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 27 अप्रैल 1984 निर्देश सं० सि० ए० 5/37 जी०/9999/84-85---यतः मुक्षे, शशिकांत कुलकणड,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंद सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 120, सी० एस० नं० 281 9ए/1ए मकान नं० 306(1) 2/3 एरिया है तथा जो नरूयान जिला थाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुप्यम निबंधक, कल्याण में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के जुधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम दो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निगः

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्मितिकत व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री हरदीप सिंग,
 मोहित्यर सिंग और अत्य,
 गनपती चीक,
 कल्यान,
 जिला थाना।

(अन्तरक)

श्री विकम सिंग,
 कालू सिंग और अन्य,
 गणपती चौक,
 कल्यान, जिला थाना।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (कं इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थळ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

### **अनुसूची**

रु० नं० 120, मो० ए.प० नं० 281 9ए/1ए, मसान 306(1)-2/3 शेअर, करुयान जि० थाना क्षेत्र∽-1166 स्के० खीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रोज़त नं० 1804/1982 को उट्यम निबंधक, कल्यान के दफ्तर में लिखा है।)

प्रशिकांत कुलकर्णी मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 27-4-1984

महिर :

प्ररूप बाइ . टी. एन. एत. ----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भुवनेश्वर भ्वनेश्वर, दिनांक 8 मई 1984

निर्देश सं० आई० एम० सी०/एम्बी०/84-85/28-29/ 329-30-अत: मुझे, आर० सी० सेठी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4940 है, जो कटक में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटक में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 सिलम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफाल से, एसे दरयमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक ते हुए किसी बाब की वाबंद, दबस वीधिनयम के अभीज कर दोने के बन्दरक कें वाजित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुनिया के बिए: सीट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज- मार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह्—-  श्री उपेन्द्र नाथ स्मिकाल, क्वार्टर मं० E/46, यूनिट-8, मुक्नेश्वर।

(अम्सरक)

श्री नन्द किशोर आचार्य,
 पि० भोकारी चरण आचार्य,
 ए०-1/ वलभदपुर, कटक-3।

(अन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो सकता : अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्सूची

मौजा:—-टाउन विसि नावर, याना कटक नं० 204 प्राट नं० 2541, ए० सी०प्रो० 44, प्लाट नं० 2542 ए०वो०प्रा०-056 प्रीट नं० 2543 एवोब्रो 100, प्राट नं० 2544 एसीब्रो 83.3 टोटल एसीब्रो 283.3 खाता नं० 1685/1/1

म्रार० सी० सेठी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भुवनेक्वर

तारीख: 8 मई, 1984

प्ररूप आहें वी. एन्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 मई 1984

म्रारः ए० सी० नं० 173/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट श्रीर गरीयज है, जो नामपल्ली हैदरांबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ग रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीज सितंबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्क्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एरो दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्ति नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वालत, उच्च मिश्रिनियम के अभीन कर बोने के संतरण के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्वित्था के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य लास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविद्या के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत्:--  मेसर्स नंदनम कंस्ट्रक्शन को० नामपरुली, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्री पी० चक्रहास रेड्डी श्रीर श्रीमती पी० बिंदूश्री, 3-4-863, बरकतपूरा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्यत्ति के कुर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगरा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तें अधिनियम के अध्याय 20-क मैं परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

#### सरसंची

प्लैंट ग्रौर गरीयज फतेह सुलतान लेन, नामपल्ली, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4695 ग्रौर 5003/ 83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

अक्ष मार्च ही. एन्. एस.-----

जायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन स्वना

#### भारत बुरकार

कार्याक्रय, सहायक अध्यक्षर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैसराबाद, दिनाक 8 मई, 1984

भार० ए० सी० नं० 174/84-85--- यत मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया ही की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट है जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किती जाय की बाब्त, उक्त जिल्लाम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; जीर/या
- (क) पुति किसी अय या किसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गयः वा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अस्तः अव्, अव्यत् अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक कें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियो, अर्थात् :—  मेसर्स नंदनम कंस्ट्रक्सन को० नामपल्ली, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री टी॰ नागेदर राव फतेही सुलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पृवासित संपत्ति के गर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षेप :----

- (क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त शोती हो, के भीतृर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितलक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया सवा है।

### अनुसुची

प्लैट नामपल्ली, हैदराबाद, रजिम्ट्रीकृत विलेख सं० 4700/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाव

ारीख: 8-5-1984

### प्रक्ष काइ.टी.एन.एस. ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैवराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

भार० ये० सी० नं० 175/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो नामपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितस्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी, आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--  मेसर्स नंदनम कंस्ट्रक्शन कं०, नामपल्ली, हैदराबाद।

(धन्तरक)

श्री राजेंदर रेड्डी,
फतेह सुलतान लेन,
नामपल्ली,
हैदराबाद।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई मी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पच्छोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो अक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्यो

फ्लैट, रजिस्ट्रीकृत विसेख नं० 4697/93, रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर ः

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.००००००

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैवराबाद हैवराबाद, विनांक 8 मई 1984

निर्वेश संब्धार ए० सी० नंव 176/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हैवराबाद मैं स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से धणित है), रिजस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्याजय, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण घिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के घषीन तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके "दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है" और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी अाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त औधनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :——  मै० शिव हार्षा होटल्स (प्रा०) लि०, 4-1-917/2, लिक रोड़, हैदराबाद।

(भन्तरक)

 श्री ए० प्रभाकर रेड्डी भौर भ्रम्य दो हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क तिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सर्में 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राधिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम कें दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट, नामपल्ली, हैवराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4794, 4792 मौर 4994/83, रजिस्ट्री**णता म**धिकारी, हैवराबाद।

> एम० जेगन मोहून सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

अक्स **वार्**.टी.एस<u>.</u>एस. २४-----

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, विनांक 8 मई 1984

भार० ये० सी० न० 177/84-85---यतः, मुझें, एम० जोगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ११सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, तथा जो हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद्ध अनुसूची में हैं पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम अत्तरे का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गूमा प्रतिफल, निम्निसित उद्विषय से उक्त अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित कावितयों, अर्थात् ६ मै० शिव हार्च होटल्स ब्रा॰ लि॰, 4-1-817/2, तिलक रोड़, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्री जी० चन्द्रा रेड्डी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी आक्षेप ह

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविध बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इंच स्थान के राजपण में प्रकासन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### मन्सूची

पर्णं त, हैवराबाब , रिजस्ट्री हत विलेख २० 4795/8, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

भोहर 🤢

### प्रकृष् आहे. टी. एन . एस् . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासद, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निर्देश सं० आर० ए० सीं० नं० 178/84-85--यतः मुझें, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट है, तथा जो हैदराबाध में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 🌡 सेप्टेम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बंतरण वे हुई किसी आय की वासत, उक्त अभिनिस्त्र के सभीन कर दोने के अंतरक के शायरच में कसी करने या उससे प्रचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, हिस्पाने में सुविधा के लिए;

ब्तः अव, अक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं. उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, वर्धात्:——  श्रीमती लीला, हैवराबाद।

(अन्तरक)

 श्री सीयएच० पापाराव, हैदराबाद।

(अन्सरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

#### अनुसूची

ुफ्लैट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4624/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर ः

### त्ररूप आहें, टीट एन , ऐस., -----

ज्ञायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

आर० ए० सी० नं० 179/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० घर है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर हससे उपाबड अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कत निम्निनिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में अस्तिविक का स्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरम से हुई किसी आय की वागत, उपस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविभा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनकी अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था किया जाना चाहिए था, कियाने वें सविवा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसत व्यक्तियों, अर्थात् ह—  श्री उमाकांत लक्ष्मण नाईक, हैवराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती कामला बाई, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

ना यह स्थाना पारी करके पृत्रों क्स सम्परित के वर्जन के निक् कार्यवाहियां करता हुई।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अरक्षीपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिय की वर्वीभ या तत्सम्बन्धी म्वित्तयों पूर सूचना की तानील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थावित्तयों में से किसी ज्यन्ति स्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपस स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य स्विति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त बस्यों नीत वर्ष का, जो वनक् जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुसूची

प्रलैट, हैवराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4631/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैवराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

प्र र प्रस्ति ही एक. एस -- -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकाडु

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

आर० ए० सी० नं० 180/84-85—यतः मृझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन मध्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/-रु. से अधिक हैं

प्रांर जिसकी सं० पर्लंट है जो हैदराबाद में स्थित है (प्रांर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रींर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतील्य रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1983

को पूर्वेक्सि सम्परितं के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिचित में कास्निक रूप से स्थित नहीं किया गया है.--

- (अ) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वादित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के खिए; बी्र्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, खिपानं में मृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मैं यूनाइटेंड हाउसिंग काश्योरेणा, 131, पंडरणास्य रा', स्कन्दरावाद।

(अन्तरक)

 श्री एन० हेमचंदरा बाब्, 23/2, आरटी०, लालापेट, सिकंदराबाद।

(अन्तरिती)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्याब्त यों में किसी क्याबिस बुवारा
- (ब) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्यक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उल्ला अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्चनस्वी

पलैंट जो हैदराबाद में स्थित है, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4984/83, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी, हैदरावाद।

> ्म० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, हैदराबाद

नारीख: 8-5-1984

मोहर .

प्रकृष नाहाँ. टी. एत्. एख.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

आर० ए० सी० नं० 181/84-85---यतः मुझे, एम० जोगन मोहन,

भायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है जो हैवराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्वार्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांचा गया प्रतिफल का निम्निलिसित सद्दोग्य से उक्त अन्तरण निम्नित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, अक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जनना चाहिए था, धिपाने में सुविधा के लिए;

वतः नव, उक्त विधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त रुधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में क्षीन निकिशियाँचत व्यक्तियों, वर्षांत्र :—  श्री टी॰ नरसीम्हा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती गीता देवी, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध् में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त श्रम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नम्स्ची

प्लॅंट, हैवराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4984/83, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

महिर:

प्ररूप बाह .टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आय्**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, हैवरा**याय** 

हैवराबाद, दिनांक 8 मई 1984

आर० ये० सी० नं० 182/84--85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो निजामाबाद में स्थित है (और इससे उपावदा अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आअत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए।

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधित् :——  श्रीमती आर० नरसुवाइ, मुबारक नगर, निजामाबाद।

(अन्तरक)

2. वि सूकजीत स्टार्च एण्ड केमिकल्स, निजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

### जगस्यो

भुमि, निजामाबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख सं० 4204/83, रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी, निजामाबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैकराबाद

तारीख: 8-5-1984

### प्रकप आइं.टी.एन.एस. ------

भाग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यीलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांव: 8 मई 1984

आर० ये० सी० नं० 183/84-85--थतः मूझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसके। सं० फ्लैंट है। तथा जो बेजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है(और इसमें उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दिनेके अन्तरक के दायित्य मं कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधास (1) के अधीन, निम्मनिधित व्यक्तियों, अधीन :---

 मेससं सूनिल कंस्ट्रकशन प्रा० लि., बाइ श्री वि० एस० कीस्ता रेड्डी, रोड़ नं० 4, बंजारा हीस्स, हैदराबाध।

(अन्तरक)

श्री सी० एच० रामस्वामी
पिता मी० एच० श्रीरामाराव,
3-6-369/7, ईामायत नगर,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

कौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पव्हीक रण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उन्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूजी

फ्लैट नं 401, सूनीता अपार्टमेंट्स, रोड़ सं 4, बंजारा हिस्स, हैदराबाद, धिस्तीर्ण 1790 चौ फूट, रजिस्ट्रीकृत घिलेख नं 2901/83, रिकस्ट्रीकृती अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, हैदराबाद

तार्राख: 8-5-1984

मोहर 🚁

### प्ररूप माई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनांक के मई, 1984

आर० ये० सी० नं० 184,84-85-यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट नं० 304 है जो बजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्र्य, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सेप्टेम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्ति (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्स अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक क दामित्व में कभी कारने या उसने बचने में युनिधा के थिए; और/बा
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन मा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निनिवत व्यक्तियों, अर्थान :----  मेस्स सुनाल कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, बाद बी० एस० कीस्ता रेड्डी, रोड़ नं० 4, बजारा हिस्स, हदराबाद।

(अन्सरकः)

श्रीमती के० तेजू रानी पित देसेंदर रेड्डी,
 3-4-526/27,
 बरकतपूरा,
 हैदराबाद।

(अस्पतिरत्ता)

को यह सूचना आरी करके पृथीकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शरु करता हुं।

### उक्त संपर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख अ 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पवों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 304, सरिता अपार्टमेंट्स, रोड़ नं० 4, बंजारा हिस्स, हैदराबाद दिस्तीणं रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2786/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर 🛭

### प्रकृष बाह्य : दी. एम. एस.-----

### नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वृधीन सूचना

### मारत ब्रुकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

<sup>-</sup> निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 185/84-85--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रा. से **मधिक हैं** 

और जिसकी सं० एफ० नं० 201 है, जो बंजारा है।ल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितभ्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभेयह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का विमाह प्रतिशत से संधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्नसिवित उद्योग्य से उन्त ब्रन्तरण मिवित में नास्तियक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के द्यापित्य में अभी अरमें या उससे वचने में सुविधा चं किए: धरेर∕वा
- (का) एसी किसी बाब या किसी भन या अपन्य जास्सियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर **मि**भिनियम, 1957 (1957 का 27) 🖏 प्रयोजनार्थ अन्तरितौ दुवास प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था स्थिपाने में सुविधा के जिए;

क्त: बब, सक्त अधिनियम की भारा 269-व के वन्तरण रूं, रै, जुकर अधिनियम की भारा 269-व की अपभारा (1) 🛋 अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् १----

1 मैसर्स सूर्नाल कस्टक्शन्स प्रा० लि०. बाइ श्री बि० एस० कीस्ता रेड़ी. सरीता काम्पलेक्स. रोड़ नं० 4, वंजारा हील्स, हैदराबाद ।

2. श्री के० चन्द्रशेखर रेड्डी और अन्य, फ्लैट नं० 201, सरीता अपार्टमेंदस, रोङ्ग नं० 4, वंजारा हील्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

को यहस्यना वारीकरके प्राॉक्त संपर्ति के अर्जनके लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी ब्रविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य भ्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

म्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, षो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बेही न्थें होगा, को उस अध्याय में दिया गया

### अनुसुची

फ्लैट नं० 201, सरीक्षा अपार्टमेंट्स, रोड़ मं० 4, बंजारा हील्स, हैदराबाद, घिस्तीणं1790 चौ० फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2755/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

नारी**ख**: 8-5-1984

गाहर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, असहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० 186/84-85--यतः मुक्ते, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिकी सं० यफ० नं० 302 है, जो बंजारा हाल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकार्ण के कार्यालय, खैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, तारीख सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, धक्त अधिनियम के अधीन कर दंते के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- मेमर्स सुनील कल्स्ट्रक्शन प्रा० लि०,
वाइ श्री वि० एस० कीस्ता रेड्डी,
मरीना काम्पलैक्स,
रेट्ड नं० 4.
बंगारा हील्स,
हैदराबाद। (अन्तरक)

श्रीमती पी० प्रतिमा
 पति श्री पी० यम० यू० रेड्डी,
 पतैट नं० 302,
 रोष्ट्र नं० 4,
 बंजारा हील्स,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जी जस अध्याय में विया गया है।

#### मन्स्ची

फ्लैट नं० 302, सरीता भ्रपार्टमेंट्स रोड़ नं० 4, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1725, चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2691/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैटराआद

तारीख: 8-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-- -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 8 मई 1984

निदेश सं० आर० ये० मी० नं० 187/84-95--यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके देश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० यफ० नं० 103 है, जो बंजारा हील्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के भ्रष्ठींन सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण मे हुई किमी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अन्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सूत्रिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----  मेसिस सुनिक कम्स्ट्रक्शन प्रा० लि०, बजारा हील्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

डा० एम० उपा राणी
पित कोंडल राव,
पलैट नं० 103,
एम० नं० 8-2-421/1,
रोड़ नं० 4,
बंजारा हील्स,
हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उसत संपत्ति को अर्थन को संबंध को कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अंबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकी।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं॰ 103, सरीता श्रापार्टमेंट्स, रोड़ नं॰ 4, अंजारा हीस्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1201 चौ॰ फुट, रणिस्ट्री-कृत विलेख नं॰ 2743/93, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रिथिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरायाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर 🛭

# प्रकृष् वार्षं दी पुन् एवं . ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत बर्कार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निर्देशण)

भ्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनाक 8 मई 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 188/84-85---यतः मुझे, एम० जेगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की बाय 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकार की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एफ० नं० 203 है, तथा जो बंजारा हील्स हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की बावत, उक्त बधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमे व्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग कै अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अधित् हिन्स्स्ति 19—96 GI/84

 मेसर्स सुनील कस्स्ट्रइशन प्रा० लि०, बंजारा हीएस, हैदराबाव।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती डी० लिलता रेड्डी
 पित डी० के० रेड्डी,
 एफ० नं० 203,
 रोड़ नं० 4,
 बंजारा हील्स,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उन्त संपत्ति के वर्णन के सबंध में कोई' भी आक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सवधी व्यक्तियों पर 'सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँक्ट स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (ख) इस सूचना के तालपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए था सकतें।

ल्बचीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा स्ता हैं।

#### सनस चि

फ्लैंट नं० 203, सरीता श्रपार्टमेंट्स, बंजारा हील्स, हैदराबाद विस्तीर्ण 1235 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख सं० 3052/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी खेरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूपः आहे, टीं, ऐनं, एस्, - - - - -

जायकर अभिनियम, 1,961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 8 मई 1984

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 189/84-85--यत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० सं० 504 है, जो बंजारा हील्स; हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर 1983 को प्वीक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य', उसके ख्र्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नही किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और्/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तीरती दवारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाल्ला था छिणान मा सविका के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तिनयों, अधीत :—-  मेसॅर्स सुर्नीलं कन्स्ट्रेंक्शन प्रा० लि०, बंजारा हील्सं, हैदराबांद।

(मन्तरक)

2 श्रीमती एम० लोकम्मा पति एम० गंगूल देड्डी, फ्लैंट नं० 504, रोड़ नं० 4, बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(भ्रम्सरिती)

भौ यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (कं) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयूक्त धन्वों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

प्लैंट नं ० 504, सरीता श्रपार्टमेंट्स, बंजार ही विदेश हैं वराबाद, विस्तीर्ण 1325 चौ ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2682/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

**सारीख: 8--5--1984** 

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदरावाद

हैदराबाद, दिनाक 8 मई 1984

निवेश सं० धार० ये० सी० नं० 190/84-85- यत. मुझे, एम० जेगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० सं० 603 है, जो बंजारा हील्स, हैदराबाद मे स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध भनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृद्यमान प्रतिफल से एसे एप्से एपसान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिचित उच्चेद्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क्ष) एसी किसी आयं या किसी धनं या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के लिए:

भतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित अधीनतर्यों अर्थात् हि—

- मेसर्स सुनील कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०,
   क्षजारा हील्स,
   हैदराबाद।
   (श्रन्तरक)
- श्रीमती डी० महालक्ष्मी मुर्ती,
  पति डी० के० मूर्ति,
  पलैट नं० 603,
  बंजारा हील्स,
  हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिट्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 हिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो जो उस अध्याय में दिया/ गया है।

# जनसूची

फ्लैंट नं० 603, सरीता श्रपार्टमेट्स, बंजारा हील्स, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1235 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2744/83, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 8-5-1984

महिद्र 🛭

प्रक्रम बाइ. टी. एन., एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) क्रोजभीन सूच्ना

### भारत बरकार

# कार्याज्य, सहायक जायकर जायकर (निरीक्ष्ण) अर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनाक 8 मई, 1984

निक्ष सं० आर० ए० सी० नं० 191/84-85—यत. मुझे एम० जेगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 403 है, तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितम्बर, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नचिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अप्ति-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- अत:, जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित ध—

 मैंसर्स सुनिल कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०, बाव, बि० एस० कीस्ता रेड्डी, रोड, नं० 4, बंजारा हिस्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्री एम० व्ही० एस० भो० प्या राव, पिता श्री निवासा राव, पलैंट न० 403, बंजारा हिल्स, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहिया करता हु।

उपत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आशोप प्र--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख्रा) इस सूचना के राज्णपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिट्स में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गें।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होस्य जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्सूचीं

फ्लैट नं० 403, सरीता अपार्टमेट्स, बजारा हिल्स, हैदराबाद , विस्तीर्ण 1235 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-5-1984 मोहाड ध प्ररूप आई, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1984

आर० ए० सी० नं० 192/84-85—-अतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं पलैट है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवधास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---'

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उन्स्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---  मैसर्स सुनिल कन्स्ट्रक्शन्स, प्रा० लि०, बाइ: श्री बी० एस० कीस्ता रेड्डी, रोड नं० 4, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० विजया लक्ष्मी पति बेनुगोपाल रेड्डी, फ्लैंट नं० 303, रोड नं० 4, सरिता अपार्टमेंटस, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# **अमृ**स्ची

पलैंट नं० 303, सरीता अपार्टमेन्ट्स, बंजारा हिस्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2692/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खैरताबाद।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8~5-1984

प्रकल कार्य , क<u>ी.</u> एन . ११४ <sub>.</sub> ८ - - ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) को अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैवराबाव

हैदराबाद, विनांक 8 मई, 1984

आर० ए० सी'० न० 193/84-85—यतः मुझे, एम० जेगन मोहन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूच्य 25.000/-रा. से अधिक है

सौर जिसकी स० एफ० नं० 404 है, तथा जो बजारा हिस्स, हैदराबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्त्रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में शस्तिक रूप से क्षिण नहीं किया गया है है—

- (क) कन्तरण से हुई फिबी जाय की वावता, उक्त अधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी कुड़ने का चलाड़ों वजने में सुविधा के ट्रैसए जॉर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्याच प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के खिराहै

बतः बब्, उक्त विधिनयम की धारा 269 न के अनुसरण को, भी, उक्त विधिनयम की धारा 269 कि की अपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत् ब—  मैसर्सं सुनिल कत्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सी० लक्ष्मी पति सी० शेषागिरीराव, फ्लैंटनं० 404, बंजारा हिल्स, हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पृतित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप द---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्राय;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यार अभाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# सन्सन्ती

फ्लैट नं॰ 404, सरिता अपार्टमेग्ट्स, रोड नं॰ 4, बंजारा हीस्स, हैदराबाद, विस्तीणं 1325 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं॰ 2686/83, रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, खेरताबाद ।

> एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

मोहर ३

प्रकृत हो . टी . एवं . एवं . ----------

भायतर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की जारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं०आर०ए० सी० न० 194/84-85-- अतः मुझें एम० जेगन मोहन

प्रापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् 'उनत अधिनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० एफ० 503 है, तथा जो बंजारा हील्स, हैवराबाव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खेरताबाव रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

को पूर्वीकत सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के दृश्यता प्रतिकन के लिए प्रतिरा की गई है और मुझे जह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिब बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से प्रधिक है और प्रभारक (अन्तरकों) भीर पन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रभारण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखिंच जहेंप्य से उक्त प्रभारण लिखित में बास्तियक कम से कथिन नहीं किया गया है।——

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या घरण भारितयों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर भिष्ठितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेपोत्रनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया या सिया जाना चाहिएचा, छिपाने में मुविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की छारा 269-च की जनकारा (1) के अधीन, निक्निजिधित व्यक्तियों, अधीन हुन्न

 मैसर्स सुनिल मेन्स्ट्रम्मन्स, प्रा० लि० मंजारा हीस्स, हैदराबादाद।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रा हीरानी, पिता एन० टी० हीरानी, पलैट नं० 503, सरीता अपार्टमेन्ट्स, रोक्ट नं० 4, बंजारा हील्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को किए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 वित की धविष्ठ या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रवेधि, जो भी प्रवेधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवस्क किसी प्रन्य स्थावित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विस्थित में किये जा सकेंगे।

स्थम्दोकरण र--व्यसमें प्रयुक्त सभ्यों ग्रीय पर्यो का, जो उक्त विश्व-नियम के व्यवसाय 20-क में परिवारित है, वही प्रय होगा, जो उन ग्रद्धाय में विशा गरा है ।

### नन्त्र्यी

पर्लं टं नं० 503, सरीता अपार्टमेन्ट्स, बंजारा हींस्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1235 ची० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3659/83, रजिस्ट्रीकटर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जैगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैद राजा

तारीख: 8-5-1984

मोहर:

ч, 85 з

20

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस. ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, विनांक 8 मई, 1984

आर॰ ए॰ सी॰ नं॰ 195/84-85---अतः मुझें, एम॰ जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० एफ० नं० 102 है, तथा जो बंजारा हाल्स, हैवराबाद में स्थित है (धौर इससे उपाबड अनुसूची में धौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैरताबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1983

की पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिल्लीनस्थ के अधीन कर वीने के जन्तरक के दासित्य में क्सी करने या उत्तर बचने में तुनिधा के सिए, जौड़/वा
- (का) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना आहिए था. छिपाने में सविभा के लिए;

कृत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नितियत अधिकतयों, अर्थात् म्

 मैसर्स सुनिल कन्स्ट्रक्शन्स, प्रा० लि० बंजारा हील्स, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री व्हीं कामेस्बर मर्मा श्रीर अन्य, फ्लैंट नं 102, रोड, नं 4, सरीता अपार्टमेंन्ट्स, बंजारा हीत्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अंभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्री और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

गन्सूची

फ्लैट नं० 102, सरीता अपार्टमेन्ट्स, बंजारा हील्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1690 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2756/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय. महायक जायकर शयक (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराजाद हैदराजाद, दिनांक 8 मई, 1984

निदेश सं० आर० ए० मी० नं० 196/84-85--जन मुझे, एम० जेगन मोहन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- क में अधिक है

और निमकी मं० एफ० नं० 402 है, तथा जो बंजाराही ल्स, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गैरताबाद में रिनस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्सं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 जा 11) या उत्क अधिनियम, या धन-कर आंधनियम, 1957 (1957 का 27) के उपाजनार्थ अन्यों स्वीतियों प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

 मैसर्स सुनिल करस्टूक्शन्स, प्रा० लि० वंजारा हील्म, हैदराबाद ।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती पी० ज्योजी पति पी० एस० आर० रेड्डी, 'लिट्ल हट' टेकेमीट्टा, नेलीर-524003

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए, जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित कें हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 402, सरीता अपार्टमेन्ट्स, रोड नं० 4, बंजारा होल्स, हैबराबाद विस्तीर्ण 1725 चौ फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2742/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहाय क आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 8-5-1084 मोहर ३

# प्रक्ष बाई.टी.एग्.व्ह.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-ष (1) को अधीन सुभना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अजंन रेज, बेगलूर

बेगलूर विनाव 7 मई, 1984

निदेण सं० 750/84-85—अतः मुझे एस० वालसुत्रमणीयन आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अप्रकार है कि स्थापर सम्पत्ति, विश्वका उपित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं अपने नं विश्वी श्री । 15/2, नं 179, है, सथा जो कोरगेंड, हुनसी ग्राम हुन्ती तालुक में स्थित है (और इसमें उनाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण स्प से विणित है) रिजस्ट्री नियम, अधिकारी के कार्याजय हुन्ती में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन दिनांक 6-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है ——

- (क्ष) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क दायित्य में कभी करने या उससे नचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री ख्रुप्पा, वीरभद्रप्पा, वाली निवासी बाज्यान गल्ली, हुवली।
  - (2) श्रो वीरभद्रप्पा, रुद्रप्पा वार्ला, निवासी वारदान गर्न्ली, हुवर्ने ।
  - (3) श्री चन्द्र शेखर रुद्रप्पा, वाली निशासा वारदान गर्ल्ला, हुबली।
  - (4) श्री दाडुबसप्पा रुद्रप्पा, वार्ला प्रतामय श्री बन्द्र शेखर रुद्रप्पा वार्वी
  - (5) माइन रुक्रप्पा, वाली - निवासी बारदान गर्ला, हुबर्ली।

(अनारक)

2 मैसर्स घाटने पाटील ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, पूणा, बंगलूर रोड, कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अजन के लिए। कार्यवाहियों करता हु ।

# उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इताग अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मृत्स्पी

(दतावेज सं० 1365 ता० 8/9/1983) वित जेत के जमीन, जिसका सर्वे नं० वि० पी० सी० 15/2नं० 179, जमीन कोटगोड, हुबसी ग्राम हुबर्ल तालक में स्थित है (3 एकर 2 गृठा, 5 आणा)।

> एस० बाला सुक्रमणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बंगसूर

तारीख 7 मई, 1984 मोहरः प्रकृष् वार्षं दी., एन् एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वका

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनाक 9 मई 1984

िदंग गं० 751/83-84---यतः मुझे, बाल सुन्नमणियन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० 232/2ए, बी-सी-डी है, तथा जो हुबली तालुक मध्वरविलेग, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हुबलों में रिजिस्ट्रोगरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 13-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल किल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखा में वारतिवक्त रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उत्ति अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण म, मै उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (!) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् क्रिक्त

 बसप्पा सोमप्पा हुगार निवासी हुबली, अक्कसराला जोगी, पुराना हुबली।

(अन्तरक)

2. योल्लप्पा गौडा,

(2) श्री गुराना गौडा, सुपुत्र श्री बसवना गौडा पाटिल अयोध्या नगर, पुराना हुबली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सपस्ति में हिस के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमो प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज स० 1412/83-84 सा० 13-9-1983)
ग्रुषि भूमि है जिसका सर्वे नं० 232/2ए,बी-सी-डीं, और नारा 9 ए गर्स, उसमें केवल 6 एकर्स, भूमि गब्बूर विलेज, हुवली ताल्लुक में स्थित है।

> एम० बालसुब्रमण्यन, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर,

तारीख 9-5-1984 मोहर ;

# प्ररूप भाई . टी. एन. एस., ---- ---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्िक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 मई, 1984

निदेश सं० 41350/83-84--अत मुझे एस० बाल-सुम्रमणियन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1569 है, नथा जो । मि, क्राम होसकेरी, के० आर० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 15-10-83

का पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह जिर्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकात में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

ंअतः अब उन्नत अधिनियम की थारा २६९-म की, अनुसरण मी, भी उन्नत अधिनियम की भारा २६९-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ४——

- 1. (1) श्रीमती मीनाक्षो शिवस्थामी पत्नी स्वः श्री एन० एस० शिवस्थामी,
  - (2) श्री राम नाथ
  - (3) श्री एन० एस० श्रीकंठा,
  - (4) श्रीएस० मंजुनाथ
  - (5) श्री एस० विश्वनाथा,
  - (6) श्री एस० नागेशा,
  - (7) श्रीमती एस० अरुणा,
  - (8) श्रीमती त्रिवेणी, राव
  - (9) श्री एन० एस० चन्द्र शेखर,
  - (10) श्री एन० एस० राम कृष्णा,
  - (11) श्री एम० एस० सोम शंकर, नं० 192, 4 कास, 7 मेन, जयनगर, बेंगलूर ।

(अन्सरक)

2. श्रोमती मल्लाम्मा, पत्नी श्री पुट्टया, 925, लक्ष्मीपुरम, II श्रास चामराज, मोहल्ला, मैसर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगी।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित ही, वही अर्थ होगा जो उस्स अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2935/83-84 ता० 15-10-83) सब सम्पत्ति,सं० जिसका 1569 जो होसकेरी II, स्टेज के० आर० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> एस० बालसुक्रमणियन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

गारीख 10-**5-**1984 मोहर: प्ररूप भार्दे, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व् (1) के अभीन सुवना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 मई 1984

निदेश मं० 41351/83-84--अत: मुझे एस० बाल-सुक्रमणियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं 1569 (वेस्टर्न पोरमन)है, तथा जो II, काम होस करी के अगर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अभिहारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-10-83

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उिषत साजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पत्ति का उिषत आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 260-च के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिशिवत स्पक्तियों, अधीत् —

- (1) श्रीमती मीनाक्षी शिव स्वामी,
   पत्नी स्व० श्री एन० एस० शिव स्वामी,
  - (2) श्री रामनाथ
  - (3) श्री एन० एस० श्रीकटा,
  - (4) श्री एस० मन्जुनाथ
  - (5) श्री एस० विश्वनाथ,
  - (6) श्रीएम० नागेश
  - (7) श्रीमती एस० अरुणा,
  - (8) श्रीमती स्रिवेणी राव,
  - া(9) श्री एन० एस० चन्द्र शेखर
  - (10) श्री एन० एस० राम कृष्णा
  - (11) श्री एन० एम० सोमणेकर, नं० 192, 4 कास, जयनगर, बेगलूर-11 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती सीतालक्ष्मा, पन्ती श्री सत्यनारायण नं० 1569, II, क्रांस होसकेरी, के०आए० मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करदा हूं।

डक्त सम्पर्ति के वर्जनें के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तरसंबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे

स्पर्कीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

(दस्तावेज सं० 2936/83-84 ता० 15-10-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 1569, जो , क्रास होसकेरी के० आर० मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> एस० बालसु**क्रमणिय**न सक्षम प्राधिकारी स**हायक आ**यक्ष<sup>प</sup> आयुक्त (निर्रीक्षण) अर्जन रेंज, **बेंगलु**प

तारी**ख** 10-5-1984 मोहर: प्ररूप. बाई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10मई, 1984

निदेश मं० मी० आर० 62/40764/83-84- —यतः मुझे एस० बालामुत्रमणियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 338, है, तथा जो 5 कास रोड, लक्ष्मो नारायणपुरम, बेंगल्र में हिथ्य है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूण रूप में बिण्त है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री रागपुरम, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-9-1983

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदार से गृविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निस्तिलिखित "स्वितयो", अर्थात् :--- श्री वि० मुब्बारावलु,
नं० एम-91, एम० नं० 338/29, 5 क्रास रोड,
लक्ष्मी नारायणपुरम,
श्री राम पुरम, बेंगलूर-21

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री सि॰ नंजुडा मूर्ति,
  - (2) सो० विश्वाम्सि,
  - (3) सी० चन्द्राशेकर,
  - (4) सि॰ बलाराजु,
  - (5) सि॰ गोपाल, मूर्ति,
  - (6) सि० श्रीनियासामूर्ति, नं० 12, 9 कास, रोड, कब्बान पेट, बेंगलूर सिर्टा । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस्त अध्याय में दिया गया हैं।

#### मम्सूची

(वस्तायेज सं० 1705/83-84 ता० 19-9-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 338, जो 5 काम रोड, लध्मी-नारायणपुरम, बेंगलूर-21 में स्थित है।

> एस० बालसु**ज्र**मणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रें**ज, बेंग**लूर

गारीख: 10-5-1984

मोहर.

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

वेंगलूर, दिनाक 10 मई, 1984

निर्देश मं० सी० आर० 62/40686/8**3-84**——अत, मुझे एस० बालासुश्रमणियन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 397, आर० एस० नं० 155, है नया जो किंद्र बिलेज, मगरूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुपूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अजीन दिनांक 14-9-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरणुसे हुई किसी आय की आबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या तिज्ञ प्रातिसम, 1957 (1957 के 27) के एक इनार्थ प्रातिसम, विवास प्रकार गहीं किया गम। था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूरिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

- 1. (1) श्री पाल सजारस गेड्रि गयुस,
  - (2) निनिनया जिग्बैरा,
  - (3) रोनालड, रोड्रिग्युस,
  - (4) डौग्लाम रोड्रिग्युग
  - (5) मरवित रोड्रिग्युग,
  - (6) ईना रोड्रिग्युस
  - (7) सेसिल राष्ट्रिग्युस,
  - (8) मरिना रोड्रिभ्युरा,
  - (9) फैंलिस गोम्स, अप्पार बेनवीर, मंगलूर-2

(अन्तरकः)

 लारेन्स डोमिनिक गनस्लेवस, अलवार स रोड, कद्रि, मंगलूर-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन स्ची

(दस्तावेज सं० 719/83-84 ता० 14-9-83) सम्पत्ति है जिसकीं सं० टी॰ एस० 397 आर० एस० 155. जो कब्रि विलेज, मंगलूर में रिषत है ।

> एस० बालासुक्रमणियन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसुर

तारीख 10-5-1984

मोहर 🖇

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन सुजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेगल्र, दिनांक 10 मई, 1984

निदेश सं० 40850/83-84---यतः, मुझे, एस० बाला-भुवमणियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√र रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 39 है, तथा जो लालबाग, फीट रोड, मिरिन्वामी, मट रोड, माल्ली, वेगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बगवनगुडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 31-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उदयमान प्रतिफल में, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह पित्रशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदन गिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस क्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री लक्ष्मम्मा, श्री मुनिस्वामी, और श्री एम रिसेश नं 39, लाल बाग, फींट रोड, ईणवरा टेम्पल के पीछे मावल्ली, बेगलुर 4।

(अस्त्रक)

श्री डी० पी० णर्मा,
 प्रोप्राइटर, शिल ट्रान्सपोर्ट,
 328, टीपू सुल्तान प्यलेस, रोड,
 बेंगलूर-2।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंहर-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पर्ध्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 2802/83-84 ता० 31-10-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 39, जो लाल बाग फॉट रोड, मरिस्वनमो, मटरोड, मावल्ली, बेंग्लूर में स्थित है।

> एस० वाला सुक्रामणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बेगलर

तारीखा 10-5-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांकः 10 मई 1984 निदेश सं० सि० आर० 62/40707/83-84—यतः मुझे एस० बालासुबामणियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

नोर जिन को पं० 755/134 है, तथा जो III वार्ड, गांधीनगर, दोडाबल्लापुर में स्थित है (और इससे उपाबन्न अनुसूची में और जो पूर्ग रूप से विणत है) रिम्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दोडाबल्लापुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अयोन दिनांक 15-9-1983

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्सरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्येस से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

'अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
21—96 GI/84

 श्री के० जी० चन्द्रामेखर, VI वार्ड, अलेपेट, दोड्डाबल्लापुर ।

(अन्तरक्)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 964/83-84 तार्ं 15-9-83) सम्पत्ति है जिसका सं० 755/134, जो III वार्ड, गांधी-नगर, वोड्डाबल्लापुर, में स्थित है ।

> एस० बालासुबामणियन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख : 10-5+1984

मोहर 🕄

# प्रकप नाहाँ, टी., एन., एस.,=---

आयक्तर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ज्भीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंग्लूर, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० 40759/83-84--अतः मुझे एस० बाला-सुनामणियन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सर्वें सं० 11/6 और 11/7 है, तथा जो बरगेनाहरूली सोमापुरहेरूलो नेलमन्गला तालूक, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिहारों के कार्यालय नेलामन्गला, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-9-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल को पत्सह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निजिक्त उद्योगों से उक्त अन्तरण मिक्ति में बास्तिकल, निम्निजिक्त नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ-की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत :---

- मैं सर्स अलंकार ग्रमेट इन्डस्ट्रीज, उसके प्रतिनिधि: श्री बी० के० रवीन्द्रनाथ सिंग, नं० 37/1, अधा अब्बास आली रोड, बेंगलुर
  - (2) श्रीमती आर० जयलक्ष्मी नं० 37/1, अघा अब्बास आली रोड, बेंगलुए
  - (3) डाक्टर वी०के० शंकरेश्वरा सिन नं० 488, III क्रास VII मैंम एच० एल० II

स्टेज इंदिरा नगर, बेंगल्र-38

- (4) श्रीमती कमा महेश्वरी, नं० 488, III कास, 8 मैंन एच० ए० एल०, II, स्टेज, इंदिरानगर, बेंगलूर-38।
- (5) श्री बी० के० नजुन्डेशयरासिंग, नं० 37/1, अचा अञ्चास आली रोड, बेंगलूर-42।
- (6) श्री वी० के० सदाणिव सिंग, नं० 37/1, अघा अख्यास आली रोड, बैंगलूर-4.2
- (7) श्री बी० के० चन्द्रशेखर सिंग. नं० 37/1, अघा अञ्चास आली रोड, बेंकलूर-42
- (8) श्री बी० के० नरेन्द्रनाथ सिंग, नं० 37/1, अघा अब्बास आसी रोड, बेंगलूर-42
- (9) श्रो बो० के० ब्रह्मानस्या सिंग, नं० 37/1, अघा अब्बास अली रोड, बेंगलूर-42 (अन्सरक)
- मैसर्स एसोशिएट्स, ग्रानैट इंडस्ट्रीज, प्राईवेट लिमिटेड, नं० 657, 5 कास 3 ब्लाक, कोरमन्गला, बेंगलूर-34

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाही सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### नन्स्ची

(दस्नावेज सं० 638/83-84 त० 30-9-83)

सब सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं० 11/6,और 11/7 जो अस्केतहत्त्वी, क्षोसापुरा हुन्सली नेलसन्त्रजा तालुक बेंगलूर में स्थित है ।

> एस० बालाभुक्रमणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख: 11-5-1984 मोहर: अक्य बार्ड : टी. एन्. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) जअर्जन रेंज, बेंगल्य

बेंगलूर, दिनांक 10मई 1984

निदेश सं० सि॰आर० 62/40763/83-84---अत: मुझे एस० बालासुक्रामणियन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 120/54 है, तथा जो 10 कास, लक्ष्मी-नरायणपुरम, श्रीरामपुरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय श्रीरामपुरम, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-9-83

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रितिफल को पन्सह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नितिबत उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विभिन्तिय के अधीन कर दोने के जंतरक की दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा छे लिए;

अत:, अव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) है अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. भोए० एन० जिस्सप्पा,
  - (2) श्रो एल० श्रीनिवास
  - (3) श्रो एल० मुनियप्पा, अतोबेले, अन्नेकल, बेंगलूर, डिस्ट्रिक्ट। (अन्तरक)
- श्रीमती लक्ष्माम्पा, नं० एल-31, III मैंन, रोड, III, कास लक्ष्मीनारायणपुरम, श्रीरामपुरम, बेंगलूर-21

(अन्तरिती)

को यह स्वता वारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से फिसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लि<u>ष्</u>तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्र्यो

(दस्तावेज, सं० 1729/83-84 ता० 21-9-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 120/54, जो 10 ऋस, लक्ष्मी-नारायणपूरम, श्रोरामपुरम, बेंगलूर-21 में स्थित है।

> एम० बालासुब्रामणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

मारोख: 11-5-84

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वत्र

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,बेंगलूर बेगलूर, दिनांक 10 मई, 1984

निदेण गं० 40746/83-84--अतः, मुझे, एस० बाला-सुत्रमणियन,

अयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बापार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 526, टी० एस० नं० 146, (मिडिन पोरणन) है, तथा जो मारकेट बार्ड कम्बा विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-9-1983

को प्वोंक्त मम्पित के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल रे एोसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकल, निम्नलिशित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
  - (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आया तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया नक धा रही किया करा प्रति के किया करा है किया करा स्विधा के लिए;

भरः अब, उपत अधिनियम की धारा 269-ग की. अन्सरण भो. में उक्त अधिनियम की धारा 260-च ज्यापार (†) को अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री कुडपी रामचन्त्र शेनाय सुपुत्र श्री कुडपी वासुक्षेत्रा शेनाथ शक्ति नगर, कुसलेकर, मंगलूर् -5।

(अन्तरक)

- 2. मैसर्स वित्रम एस्टेट्स , उसके पार्टनरस ये हैं:--
  - (1) श्रो दंडाकेरी पूत्रप्पा सुपुत्र श्री कोरवा पूजारी, दंडाकेरी, हास, यथ्याडी, मंगलूर-5
  - (2) श्री जी० रमेश, शेनाय, सुपुत्र श्री सर्जाग शेनाय पताट नं० 72, पोचिकनसम्ल रोड, बम्बई-400025
  - (3) श्री सी० बी० कामत, सुपुत्र श्री वासुवेव कामत सरस्वती कृपा, बन्द्स होस्टल रोड, मेंगलूर-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं

खबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क्र) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बशोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोंगे

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, थो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ द्वोगा, थो उस अध्याय में विया गया है।

# मन्सूची

(दस्तायेज सं० 7567/83-84 ता० 30-9-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० आर० एस० सं० 526, टी० एस० सं० 146, (मिडल पोरशत) जो मारकेट वार्ड. कस्बा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है।

> एस० बाला सुक्रामणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

तारीख 10-5-1994 मोहर : प्रकृष आई. टी. एन. एस.----

**भागकर मधितिग्म, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

**अत्रयां**लय, सहायक आयकर आयु**क्त** (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 मई, 1984

निवेश सं० सि० भ्रार० 62/40690/83-84—-प्रतः मुझे, एस० बालासुन्नामनियन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

न्नौर जिसकी सं० 25 है, तथा जो न्नाउट हाउस, III मैन, I क्लास टाटा सिल्क फर्म, बसवनगुडि, बेंगलूर-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता न्निधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि में रिजस्ट्रीकरण न्निधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 12-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अग्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुं किसी जाय की वाबत, चरक में कमी करने या उससे क्ष्म में मुविधा के लिए अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दाधिक और/या
- (क) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त विधानियम, या पा कर बिधानियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री एस० एन० निम्मापेय्या, नं० 24, III मैन रोड, I कास रोड, टाटा सिल्क फारम, बसवनगुडि, बेंगलूर-4

(भन्सरक)

ए० ग्रार० ग्रनन्तारामन,
 529, श्रो० टी० सी० रोड,
 वेंगलूर-53

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2111/83-84 ता० 12-9-1983) सम्पत्ति हैं जिसका मं० 25, जो आउट हाउस III मैन, I क्त्राम टाटा सिल्क फारम, बसवनगृडि, बेंगलूर-4 में स्थित है।

> एस० बालासुब्रामनियन सक्षम प्राधिकारी भहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीकः: 10-5-1984

व्यक्त कार्यः ही, एतः एवः --

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 10 मई, 1984

निर्देश सं० सी०ग्रार० 62/40716/83-84—म्प्रतः मुझे एस० बालासुबामणियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पदकात जिस्ते अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निवकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं॰ 282/105 है, तथा 19 मैन, I एन-ब्लाक, राजाजनगर, बेंगलूर-10 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय राजाजिनगर, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 1-9-1983

का प्रांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रतिफल को सिए अंतिरस की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के किए; बौर/बा
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या जन्य शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्ञा था था किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिरों, अर्थात् :--- श्री एफ० फरनान्डीस,
नं० 282/105, 19 मैन, रोड,
I, एन-ज्लाक,
राजाजिनगर,
बेंगलूर-10 ।

(ग्रन्तरक)

श्री जी० एस० रंगराजू,
 नं० 38, प्रविन्यु रोड,
 बेंगलूर-2 ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथाँकत संपत्ति के अर्थन के किए कार्यग्राष्ट्रियों कारता हुं।

उक्त संपृत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🛴---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सुभान के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य अपिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्वृध्यीकरणः - इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गदा है।

## नन्त्र्यी

(बस्तावेज सं० 2260/83-84 ता० 1-9-1983) सम्पत्ति है जिसकी सं० 282/105, जो 19 मैन, I एन-ब्लाक, राजाजिनगर, बेंगलूर-10 में स्थित है।

> एस० वालासुद्रामणियन सक्षम् प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, वेंगलूर

तारीख 10-5-1984 मोहर: भाक्य साह<sup>\*</sup>. दर्न . एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 10 मई, 1984

निदेण सं० 40721/83-84—-यतः मुझे, एस० बाला-सुद्रामनियन,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ब्रिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 416 है, तथा जो कोनेना श्रग्रहारा विलेज, बरतुर होब्ली, बेंगलूर, सौत ताल्लुक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बेंगलूर मौत ताल्लुक में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-9-1983 को

पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक इप से किथा नहीं किया गया हैं हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉट्र/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

सतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री के० तातप्पा रेड्डी,
  - (2) श्री के० तिप्पा रेड्डी, चेथ्लागट्टा, बेंगलूर सौत बेंगलूर-37

(भ्रन्तरक)

 मैससं नटेशन बदर्स, प्राइवेट लिमिटेड, नं० 97, एम० जी० रोड, बेंगल्र

(भन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे।

स्यव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

#### नग्रुपी

(दस्तम्बेज सं० 4287/83-84 ता० 15-9-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 416 को कोनेना अग्रहारा विलेजी, वरतूर होडली, बेंगलूर सीत ताल्लुक में स्थित है।

> एस० बालासुक्रामनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 10-5-1984

## प्ररूप वार् .टी.एन.एस्.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत संस्कार

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, विनांक 10 मई, 1984

निदेश सं० 40747/83-84—ग्रत:, मुझे, एस० बाला-सुक्रणियन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रारं० एस० नं० 526, टी० एस० नं० 146 है, तथा जो कस्बा बाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, मंगरूर सिटी में रिजस्ट्रीकर्रण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंस-रिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ज्तः जन, उक्त विधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ को उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् सं—

- 1. मैंसर्स होटल नवरत्ना के० एस० राव रोड, मंगलूर-1 पार्टनर्स:
  - (1) श्री रधुनाथ शेट
  - (2) श्री रवीन्त्र शेट
  - (3) श्रीमती वत्सला बाई शेट,
  - (4) श्रीमती पमा ग्रार० शेट,

(मन्तरिती)

- मैसर्स विप्रम इस्टेट्स, उसके प्रतिनिधि ये हैं:---
  - (1) श्री दन्डकेरी, पूवप्पा ,सुपुत्न कोरगा पूजारी, दन्डकेरी हाउस, यय्याडी, मंगलूर-5
  - (2) श्री जी० रमेश शेनाय सुपुत श्री जी० संजीव शेनाय प्लाट नं० 72, पोचिकनक्षाल रोड, गम्बई-25
  - (3) श्री सी० वी० कामत सुपुत्त श्री वासुदेव कामत सरस्वती कृपा बन्ट्स होस्टल रीड, मंगलूर-3।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

. उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में को**इ भी बाक्षेप** :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्से केशे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति वृद्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा संकेंगे!

स्यव्द्रीकरण :----इसमें प्रयुक्त शुन्तों आहि पदों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुना हैं।

### मम्सूची

(दस्तावेज सं० 768/83-84 ता० 30-9-1983') सब सम्पत्ति है जिसका सं० प्रार० एस० नं० 526, टी० एस० नं० 146 है, जो कस्बाबाजार विलेज, मंगलूर में स्थित है।

एस०बालासुब्रमणियम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीखं 10-5-1984 मोहर: प्रकप बार्ड .टी एन .एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर बेगलूर, दिनाः 10 मई, 1984

निदेश स० नोटिम न० 40683/83-84--अत मुझे,

प्स० बाल सुब्रमनिय**न्** 

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें , 3) पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य, >,000′- उन्न में अधिक है

ौर जिसकी स० टी० एस० न० 113/1 बी आर० एस० नं० 123/1B है तथा जो हस्या बाजार विलज, मगलूर सिटी स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप विणित हैं), रिजस्ट्रीहर्ता अधिरारी के वार्यालय मगलूर सिटी में रिजस्ट्राबरण अधिनियम 1908 (190% रि) 16) अधीन तारीख 15 सितम्बर 1983

े पूर्वास्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य स कम क दश्यमान तफल के लिए अतरित की गई है और मृक्षे यह जिश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का सुप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तद पाया । प्रतिफल निम्नितियान उददाय म उत्र अंतरण निश्चित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को स्वयित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) मैं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए,

जतः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, उक्त औधिनियम की भाग 269 भ की उपधान (1) विभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —96GI/84

(1) श्रीभती वाधा सुमित शेनाय, पत्नी श्री वाधा पुडालिक शेनाय मजलबैल, मगलूर-1।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० युसूफ सन आफ अब्दुल खादर, श्रीमती जैनबु पत्नी श्री एम० यूसुफ, जे० एम० फाम रोड, मगलूर-1।

(अन्सरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पृत्ति के अर्जन के ित्रष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप .---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्मध्यीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### मन्स्ची

(वस्तावेज स० 662/83-84 ता० 15-9-83)। सब सम्पत्ति जिसकी स० टी० एस० न० 113/1 बी, आर० एस० न० 1123/1 बी जो तस्बा नाजार विलेज सगलूर सिटी में स्थित हैं।

णप० वालामुक्रमितयम् यक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज बेंगसूर

तारीख 10-5-1984

माहर

प्रकथ आहे.टी.एन.एस्.-----

बाबकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुमना

#### भारत गुरकार

कार्यालय, सहायक कायक र **कायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, बेगलूर

बेगलूर, दिनाक 10 मई 1984

निदेशस० सी० आर० न० 62/40685/83-84--अतः मुक्को, एस० बालसुक्रमनियनः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० टो० एस० 359, आर० एस० 1071 है तथा जो अत्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय, मगलूर सिटी में रिजर्स्ट्रावरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान, नारोख 9 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के स्वयमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में सस्तविक रूप से कृथिन नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवास्तार्थ अन्तिहरती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा विकास यात्रा चाहिए था, कियाने में जुनिया को जिन्हों

भाग उप अपनियम भी नाग १६९-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा १६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ——

(1) श्रीमती एम० पुशपाबेनी, वाइफ आफ श्रीवी० सोमय्या वासलेन, मगलूर-2।

(अन्तरक)

(2) श्रो रियाज अब्दुल खादर, भन आफ श्री अबु हमसा भाषा, बाल मट्टा, भिणन सम्पाउण्ड, मंगलूर-1।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के निष् कार्यगाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राटा:
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन को भीतर उक्त स्थावद संपत्ति में हित-वस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्छ जीवनिवस के जभ्याय 20-क में परिभावित हैं,। बड़ी अर्थ होगा जो उस ज्भ्याय में बिका गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 695/83-84 ता० 9-9-83)। मब सम्पत्ति है जिसकी स०टी० एस० 359 आग० एस० न० 1071, जो अत्तावर विवेज, संगजुर पेस्थित है।

> एस० बालसु**त्र**मनियन, गक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन जेंज **बेंगस्**र

नारीख. 10−5-1984 माहर् प्रकृप आई. टी. एन. एस.------

**मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेगल्य

जेगलूर दिनार 10 मई, 1984

निदेश ग० नोटिश गः 40750/83 84--अनः मुझे, एस० बाल।सूत्रगन्यन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० अपार्टमेट न० 23 है तथा जो फ्लोर साज्य अपार्टमेटस प्लाट नं० 10/3 कऔर 10/4 एल० ए० सी० कालोनी, I फ्राय जयनगर बेंगलूर—11, में स्थित हैं (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, जय नगर में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अर्थान नारोख 30 सिसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवास से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) श्रुत्तरण से हुद्दं िकसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्विधा को जिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) के अधीर निम्निजिक्षित व्यक्तिक्षे, संबंदि :---  श्री ए० जे० अशोक कुमार, जी० पो० ए० आफ श्री बी० राम मोहन, न० 5, मेन 4 ब्लाक, जय नगर, बेगलूर-11।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बत्सला रामपृष्णनन, गं० 23, गाउम एण्ड अपार्टमेट्स, एल० ए० सी० शासीनी, जय नगर, बेगसूर -11।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1965/83-84,ता० 30-9-83) सब मम्पिति है जिसकी अपार्टमेट्स सं० 23 है जो II फ्लोर, साउथ एण्ड अपार्टमेट्स प्लाट नं० 10/3 और 10/4 एल० ए० गो० कालोतो I कार, जग्रनगर, बेंगलूर 11 में स्थित है।

> एस० बालसुत्रमन्यन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. बेंगलूर

नारीख: 10-5-1984

मोहर.

प्रस्य आहे. टी. एन्. एसं. -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 मन 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

### भारत् ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन केंज्र. बेंगलूक

बेंगलूर, दिनां क् 11 मई, 1984 निदेश सं० सी० आर० नं० 62/40762/83-84---अतः मुझे, एस० बाल, सुक्रमणियन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्ष्म फाल्यानी की, यह जियम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 41 है तथा जो I मेत श्रीरामपुरम, बेंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिशारी के बार्यालय, श्रीरामपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 25 सितम्बर, 1983

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करनी का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल हो ग्रेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबल, उपस्त नीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (स) एसी किसी बाद या किसी धन या अन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तु अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

जतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तिया, अर्थात् ह— (1) श्रो के० एल० नारायण स्थामी,
गं० 1471/2, VI ऋस रोड,
बिंडु रेड्डं, पलया,
श्रीरामपुरम,
वैंगलूर-21 ।

(अन्त्रक)

(2) श्रोमती मक्तवाल जान, नं० 10, कें० जी० बां० मेन रांड, श्रीरामपुरग, बेंगलूर-21।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के ि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पर्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दि गया है।

### अमसची

(दस्तावेज सं० 1860/83-84 सा० 25-9-83)। सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 4 , जो I मेन रोड. श्रीरामपुरः बेंगलूर में स्थित है ।

्यः वालामुक्रमणियः नःश्रम प्राधिकारी सर्वे ग्रन्थः स्थापकः स्थापकः (दिस्थापकः

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, वेंगलर

तारीख: 11-5-1984

मोहर ः

प्ररूप आहै. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ध (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अप्यक्तर शायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज बेशल्र

बेगलूर दिनाक 10 मई, 1984

निदेण मं० मी० अ। १० 62/40717/83-84—-अतः मुझे, एम० वालामुक्रमणियन

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वंग्जार मृत्य 25,000/ रु से अधिक है

और जिसको स० 43 (43/1) है तथा जो 1 एन-ज्लाक, 1 ए सा राह, राजाजी नगर, बेगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्राकर्ता निधानरी का वार्यालय, राजाजी नगर में रिजिस्ट्र - क्रिण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 5 लितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निस्तित उद्विश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे असने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एनी किसी अस या जिसी धन या अन्य अस्तियों का जिन्हों भारतीय नाग-तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में रुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्रांभिती अ। ४० ४०णप्पा,
नं० 43/1, I 'ए',
मन राड,
5 ब्लाक
राजाजी नगर
नेगल्र-10।

(अन्तरक)

(2) र्था जीव राज
2 श्री एन० गणेशमल
3 श्री लालजन्द जैन,
के- 92. VIII काम रोड.
लदमीनारायणपुरम,
बेगलूर-21 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिस की अविधिया तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति दवारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थायर सम्मिटित में हिसबबूध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### मन्सूची

(दस्तावेज स० 2323/83-84 ता० 5-9-83)। सम्पत्ति है जिसकी स० 43 (43/1) जो प्न-ब्लाङ, I, II मेन रोड, राजाजी नगर, बेगलूर-10 मे स्थित है।

> एस० बालासुक्रमणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख: 10-5-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थना भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 10 मई 1984

निदेश में० सी० आ ६ 62/40678/83-84---अनः मुझो, एस० बालाभूक्षमणियन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्दर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदर्शस करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० मर्थे मं० 12-2 है तथा जो डेरेबैल विलेज, मंगलूर में स्थित है (और इसने उनाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर मिटी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 2 सितम्बर, 1983

को न्वोंक्त संपर्तित के जिन्त बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपर्तित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) वस्तरण ते हुई किसी अप की बाबत, उच्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उनसे बचने में सविभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था जिल्लाने में म्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री डैंनिस खीसोजा, नग्डानैक, जेघिनामोगरू, मंगलूर मिटी ।

(अन्तर्क)

(2) श्री बालाकृष्ण मह्ती, उसके प्रतिनिधि श्री डी० सुन्दर, शेट्टी, असोक नगर, मंगसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्धों का, जो ज़क्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया नया हैं!

## अनस् ची

[वस्तावेज सं० 643/83-84 मा० 2-9-83] ममानि है जिसकी सं० 12-2, जो हेरेबैंल विलेज मंगलूर में स्थित है।

> िष्स० बालासुक्रमणियन, सक्षम प्राधिकारी पढाय ह आय हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 10-5-1984

प्रकप आई. टी. एन. एस. ------

# नास्फर निधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-ल (1) के मुशीत सूचना

### भारत इरकाह

कार्यालय, सहायक आयकार मायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 11 मई, 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/40705/83-84--अत: मुसे, एस० बालासुक्रमणियन,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा

रूप में क**िंपत नहीं धिक्या नवा है** ए----

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसको संख्या एस०-61-15 है, तथा जो इडया विलेख मंगलूर तालुङ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में

और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिकार 12-9-1983 को पूर्वीक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, अमके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-

कस निम्मसिक्ति उद्देश्य से सम्त जन्तरण जिल्लित में वास्तविक

- (क) कश्वरण ते हुई हिंक्की बाब की बावत उपल विधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को बायित्व में कभी करने वा उसकी बचने को बुनिया के लिए; बीर/बा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती इंकारा प्रकट शही किया गया धा किया जाना चाहिए धा, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स लान्सटेंन्स श्रेण्टा,
 श्री श्रेण्टा, 354, 14 क्रास.
 इंदिरानगर,
 वेंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स करनाटका फूड प्याकरसः उसके प्रतिनिधि श्री एस० रत्नाकरः, सुपुत्र श्री लक्ष्मनः, कनाकानाडि बाई पास रोड, मंगलूरः।

(अन्सरिती)

न्त्रे यह सूचना चारी करके पृथाँबत सम्परित के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वदिष, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में ेक्य जा-सकरेंगे।

स्वच्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को अवद अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

#### अम्सूची

[दस्तावेण सं० 649/83-84 तारीख 12-9-83] सब सम्पत्ति है जिसकी सं० एस० 61-15, जो इडया विलेज, मंगलूर तालुक, में स्थित है।

> एस० बालासुन्नााणियन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, बंगसूर।

नागेख: 11-5-1984

प्रक्ष जाइ.टी एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यासम, सहामक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 मई 1984

निदेश स० मी०आर० 62/40720/83-84——यत:मुझे, एस० वालास्क्रमणियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव काता, 415 है तथा जो कानेना अग्रहारा विलेज, वर्न्तर होविल, बेगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में आँर पूर्ण रूप सर्वणित है), रिजिस्ट्रोक्शन अधिकारी के वार्यालय बेगलूर दक्षिण तालुक में रिजिस्ट्रोक्शण अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के अधीन तारीख 5-9-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरण से हुईं किसी नाय की वासत, उक्त जिथितियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने मा सुविधा के लिए;

मतः अव, उक्त भाषिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियाँ, भर्षात्:--- (1) श्रो के० टाटाप्पा रेड्डी, के० टिप्पा रेड्डी, चेल्तागेट्टा, वर्त्तूर होबलि, वेंगलूर, दक्षिण तालुक बेंगलूर।

(अन्तरक्)

(2) मैसमें नटेणन आन्टिशायटस प्रा० लि०. डायरेक्टर श्री एम० दिनेणन नटेणन, नं० 76,ए२० जी० रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोदत मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गवा है।

## ममसर्ची

[वस्तावेज सं० 4288/83-84 तारीख 5/9/83] सम्पत्ति हैं जिसकी सं० 415, जो कोनेना अग्रहारा, जिलेज, वर्त्त्र होबलि, बेंगलूर दक्षिण तालुब बेगलूर में स्थित है।

> एस० झालासुब्रमणियन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन टेंज वेंगलूर।

तारीख: 10-5-1984

भोहर 🗄

प्ररूप ,नाइं.टी.एन.एस.------

सायकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, यंगल्य

बंगलुर, दिनाक 10 मई 1984

निर्देश सं० मी ० आर० 62/40682/83-84—स्वतः मुझे, एस० बालासुत्रमणियन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. मे अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 86-1 और 85-2 है, तथा जो बालमट्टा रोड, अतावर विलेज, 14 कोरट वार्ड, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनूसूर्चा में और पूर्ण से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के. अधीन तारीख 3-9-1983

को पूर्वोक्त सम्परित का उभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिक्षित में वास्तविक कप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाकर वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बन, उत्कत अधिनियम की भारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उत्कत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात : -

23--96GI/84

तुमारी लैंडिया सलडान्हा
 कुमारी तेरेसा सलडान्हा
 रोनास्ड जे० ए० मलडान्हा,
 "शरन", बालमट्टा रोड,
 मंगल्र

(अन्तरक)

(2) मैसर्स यु० आर० गोनाय और मन्स, पार्टनर श्री गणेण आर० गोनाय, पी० बी० नं० 718, गांधीनगर, मंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिक्षम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना औं उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

[दस्तावेज सं० 660/83-84 तारीख 3-9-83] सम्पत्ति है जिसकी सं० टी० एस० 86-1 और 85/2 है, जो बालमट्टा घार्ड, अत्तावर विलेज, IV कोर्ट वार्ड, मंगलूर में स्थित है।

> एस० बालासुग्रमणियन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-5-1984

# प्ररूप आर्थ : टी एन एम ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के अधीन सुबना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलुर

बगल्र, दिनार 11 मई 1984 निर्देश म० सा० जार० 62/40680/8३-84—पत मुझे एस्र° बालामुक्रमणियन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधी। सक्षम पापियारी का यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार सम्य ∠5,000/-राप्ये से अधिक है

शौर जिसके। स० 79, सर्वे न० 131-1, है तथा जो पाइयु चिने ज, पुन्जा पश्चिम मध्य भाग, एडवु स्यूनिसिपैलिटी मे स्थित है (और इससे उपाबंड अनूसूची मे और पूर्ण रूप संचिणित है), र्याजस्ट्रीक्सो अधिशारा के ब्यायित्य बगलूर सिटी मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16 के स्रधीन तारीख 2-9-1983

का पूर्धकत सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्म से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्दश्य म उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दन' के अन्तरक के दायित्व मा कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने भी स्विभा के लिए;

कत उथा, उवत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती मारग्रेट पैस, बाइफ आफ श्री जेरोमे पैस, फार्तिमा बनाब, समिनिर वीयू जेप्पु भगतूर उसने प्रतिनिधि जैरोमे पैस नी सरवडग इन सस्राट ।

(अन्तरक)

(2) मिसम ग्रेंिस पेरिस,
बाउफ आफ छेट अलिस पेरिस,
लावर बेन्दूर, मगलूर,
प्रतिनिधि आफ न० 1,
जोसेफ स्टानल नरान्हा,
2 मिसेस लाना नरोन्हा,
बोन आर नौ सर्थिंग इन कुर्युत ।

(अन्मरिती)

का यह मुक्ता बारी करके पूर्वांक्त सम्पन्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहिया करु करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजान,
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षभ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पक्तीकरण ---इसमें प्रमुक्त धन्यों और पृथा का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

## अनुवी

[बस्तावेज स० 654/83~84 ता० 2~9~83]। सब सम्पत्ति, जिसका स० 79 है, सर्वे नं० 131∞1, पुजा पश्चिम मध्य भाग, जो पडवु बिलेज, पडवू टाउन म्यूनिसिपैलिटी में स्थित है।

एस० बाना**सुभा**मणियत सज्जम प्राधिकारी सहायक कायकर आयुक्त (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, **वेगलूर** 

तारंखि 11-5-1984 माहर प्ररूप बाह्र .टी . रन . एस . ------

शायकर शिंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन गृंधना

#### भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज-4. बम्बई बम्बई, दिनाक 2 मई 1984 निदेश सं० आई०-4/37ईई०/1973/83-84--अतः मझे, बिजय रजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमा इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ग्रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-201 मोती महल, सोडा घाला लेन, बीरीबाली पिक्षिम, बम्बई-400092 में स्थिम है और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णस्प से बिणिन है) और जिसका करारनामा अव्यक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकार। के वार्यालय, में बम्बई में दिनाक: 24-9-88 का रिजिस्ट्रें। है।

को पूर्वावत सर्पातन के उचित बाजार मृत्य संक्षम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सपतित का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सं एमें इश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिवक रूप से क्रिथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के निए; और/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अन्न, उक्त अधिनियम की भारा 269-गं के, अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिकित स्यक्तियों, अधितृ:——

- (1) मैं० संहेयोग डेबलपमेंट कारपोरेणत । (अन्यर्स)
- (2) श्री जाधाबाई गावाभाई बसाई और श्रीमती लिलाबेन जाबाबाई देसाई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के 'लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के नर्जन के सबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं । दे 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारोम में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहरनाक्षरी के पास लिखित मो किए जा सक्ति।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयक्त शब्दों और ।दों का, जो टावत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका

### मन सची

फ्लैंट सी० 201, मोर्ता-महल, मोडा वाला लेन, बोरीयली (पिक्सि) बम्बई-400092 में स्थित है।

अनुसूर्जा जैसा कम स० आई/3/37ईई०/ 1973/83-84 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनाक 24-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> यिनय रंजन मक्षम प्राधिकारी • सहायन अत्यक्तर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

सारंखा : 12-5-1984

प्रकल् नाहै ही एन एष्.-----

<del>\uller</del> 1001 (1001 <del>= 1</del>

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मुभीन सुभना

### शारत सुरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर आयुक्त (निर्दीक्रण)

अर्जन रेंज--4, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 मई, 1984 निदेश सं० आई० 4/37 ईई०/1875/83→84~-अतः मुझें, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मृस्व 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, तीसरी मंजिल सीटी एएस० नं० 2734, सर्वे नं० 133, हिस्सा नं० 4, क्याम नारायण दूबे रोड, रावल पाडा, बहिसर (पूर्व), बम्बई -68 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधी न सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय तारीख 20-9-83 को रजिस्ट्रा है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए बृन्ति द्वा की पूर्व है और मृत्रों यह विक्वास करने का काउण है कि युभापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पहिंह प्रतिशास से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गृवा प्रतिफल, निम्नतिचित उच्चेच्य से उच्च अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क), वृष्ठरुण से हुर्द किशी बाव की बाब्त अवस् वृष्टित्यम के वृष्टीन कर दोने के वनशुरक के वायित्व में कमी करने या उससे वृष्टने में सूबिशा के सिए; जोट/या
- (व) प्रसाकिती आवृ या किसी धृतृ वा बन्य वास्तियों का, जिन्हुं भारतीय वाय-कड़ वृषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-घड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भवा वा या किया जाना वाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निस्निजितित अधिनायों, अर्थात् ६—— (1) कुमारी तुप्ती विहें मोदी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इदिवाण अविनाश बावाडे और

(3) श्रीमती मित्रा अविनाश बावाडे।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

• उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अवृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी अविकर द्वारा;
- (व) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

फ्लैट नं० 13 तीसरी मंजिल, सी० टी० एस० नं० 2734, सर्वे नं० 133, हिस्सा नं० 4, श्याम नारायण दूवे रोड, राजल पाडा, वहिसर (पूर्व), बम्बई—68 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि क्रम स० आई-4/37 ईई०/1875/ 83-84--और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रेज विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई ।

तारोख: 11-5-1984

मोहर 🔊

प्रकल नाहर् हो , एन , एस , व - - ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 मई 1984

निदेश स० आई-4/37 ईई $\circ/1882/83-84$ ---- प्रत , मुझे, विजय रजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट न० 407, चौथी मजिल, 'साई-छाया' बिल्डिंग, श्राकुर्ली रोड, कादिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में तारीख 20 सितम्बर, 1983 को

को पूर्वोक्त सपित के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त मे बास्तविक रूप से किथा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व मे अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए?

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, विम्निसित् व्यक्तिश्यों, अधीत्:— (1) श्री ए० श्राई० मर्चेन्ट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्द्रमणी ए० जोगी।

(भ्रन्तर्रितः)

(3) श्री ईं(० एम० लोडारिया।

(बधु व्यक्ति, जिसके ब्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करको पूर्विकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं
  45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट न० 407, चौथी मजिल, 'साईछाया' बिल्डिंग, ब्राकुर्ली रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-400101 ।

श्रनुसूची जैसा कि कम स० श्राई-4/37ईई०/1882/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 20 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-4, बम्बई

तारीख: 4-5-1984

मोहर:

प्रकर्ः नार्धः टीः, एनः, एसः, -----

नायकर निधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन स्चना

### भारत् स्रकाड्ड

कार्याजय, सहाधक आयकर जायकर (निर्वेक्षण) धर्णन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 26 श्रप्रैल, 1983

निवेश से० आई०-4/37ईई०/1868/83-84---**अ**तः

मुझी, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 136, सी०-3 महावीर जैन को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, शकर लेन, कादिवली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनाना श्रीयकर श्रिशिनयम, 1961 की धारा 269 क खं के श्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में दिनाक 14 सितम्बर, 1983 को रजिस्ट्री है।

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मूक्षे यह निश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) झतरण से हुइ किसी बाय की वाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के निष्; और/या
- (क) देती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे तिष्ट;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निज्यांतिकित व्यक्तियों, अर्थात् ह—- (1) श्री हिम्मत लाल धनजी भाई गहा।

(घन्तरक)

(2) श्री किर्तीलाल मोतीलाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वाय, अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थल्डोकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे पर्दिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## नगसूची

फ्लैंट न० 136, सी०-3, महाबीर जैन को० आपरेटिव हार्ऊासग सोसाइटी लिमिटेड, शकर लेन, कादिवली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित हैं।

श्रमुसूची जैसा कि कम सं० श्राई-3/37 ईई०/1868/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 26-4-1984

मोहर 🛭

# प्रकर् बार्चः हो. एन. ५स. :-----

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वता

#### भारत सरकार

कर्षालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज-।, बम्बर्ध बम्बर्ध, दिनाक 2 मई, 1981

निदेश स॰ श्राई०-3/37ई०ई०/1910/83-84-म्म मुझे, विजय रजन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ से अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी म० पतैट न० 106, स्टार गणक्सी स्टार अपार्ट-मेंट्स, पहली मजिल, एल० टी० रोड, बोरीवली (पिष्यम), अस्वर्द-400092

में स्थित है (और इसमें उपावज्ञ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 6 सितम्बर 1983

को प्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गृष्ट है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और जन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे जन्तरण को लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक सप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृबिभा के निए; बार्-या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सर्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त निधिनियम की धारा 269 न के बनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269 न की उपधारा (1) के नधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, नधीत :---  श्री महेचन्द्र जी० सुतार और श्रीमती शणिकला आर० मुतार।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० आर० मेहला।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके प्यान्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त सपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावर;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थामर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही क्षे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# वन्त्रजी

फ्लैंट न० 106, स्टार गॅलक्सी श्रपार्टमेटस, पहली मंजिल, एस० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-4/37 ई०ई०/1910/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 6 सितम्बर, 1983 को रिजस्टई किया गया है।

विजय रंजन सक्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

सा**रीय** : 2-5-1984

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई,दिनाक 1 मई 1984

निदेश स० अर्द०-4/37 ईहै०/1974/83-84--अतं मुझे, विजय रजन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/-रु में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 302 तीमरी मजिल, "ज्ञान अमरीत" बिल्डिंग, शांतिलाल मोदी रोड, कांदिक्ली (पिष्पिम) बम्बई—400067 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बिणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिस उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निचिक्त स्पिक्तयों सर्थात — (1) मै० एम० एन० कल्स्ट्रमशन्स कं०।

(अन्तरक)

(2) श्रामसी एम० क० मिस्त्रो ।

(अन्तरिती)

को यह मृत्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हू

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण:—इसमें प्रगुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट न॰ 302, तीसरी मजिल, 'ज्ञान असरीस' बिस्डिंग सांतिलाल मोदी रोड, कांदिनली (पश्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई०-4/37ईई०/1974/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24 सितम्बर, 1983 को रजिस्टई किया गया है।

> विजय रजन मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्यह

तारीख · 1-5-1984 मोहर . प्ररूप बाह्र . टी. एम. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्ब $\mathfrak k$ 

बम्बई, विनाफ 2 मई 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/1905/83-84--अतः

अतः मुझे, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अर्ती धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धातार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 8, प्राउण्ड फ्लोर, निलकण्ठ बिल्डिंग फतेहबाग, एस० व्हि॰ रोड, कादिवली (पिष्चम) बम्बई-400067 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 30 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिक्रम के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह बिक्यान करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रन का पन्यह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रन, निम्नलितित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निक्ति में वास्त्रविक अप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-र पिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूमिधा के लिए; और/या

(1) मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन्स कं०।

(अन्तरक्)

(2) श्री चतुर्भुंज ए० मुटा ग्रौर श्रीमती पी० सी० भुटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाष्ट्रित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

पलैट नं० 8, ग्राउण्ड फ्लोर, नीलकण्ठ बिर्ल्डिंग, फतेह-बाग, एस० व्हि० रोड, कांदिनली (पश्चिम), अम्बई-400067 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37 ईई0/1905/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई होरा दिनांक 30 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ध

सारीख : 2-5-198**4** 

मोहर:

प्रस्प बादी, दी, एवं, एस, वात न न---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारण 269-घ (1) को अधीन सृष्टा

### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मई 1984

निवेश सं० अई०-4/37 ईई०/1852/83-84--अत: मुस्रे, निजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-का. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सी/18, 'जीवन घरम' जीवन बीमा नगर, बोणीवली (पश्चिम), बम्बई-400103 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 19 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इव्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के सीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई फिली आय की बासता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए ऑर/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिस्;

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बुधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात हु—— (1) श्रीकरसनदास नानजी वासानी।

(अन्तरक) (2) श्री दीपक लक्ष्मण दुधाने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरु करता है।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

सी/18, 'जीवन धरम', जीवन बीमा नगर, बोरीवली, (पिष्यम), बम्बई-400103 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्षम सं० अई०-4/37 ईई०/1852/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19 सितम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 7-5-1984

मोहर 🕾

प्ररूप आई., टी., एन., एस. -----

आयवाप अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मई, 1984 निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/1913/83-84--अतः मुझें, विजय रंजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर (बी) विंग, सी० टी० एस० नं० 1065, विलेज कांदिवली माउरिन स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली (पण्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में भीर पूर्ण क्प से विणत है), ग्रांर जिसका करारपामा आयकर अधिनियम; 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 9 सितम्बर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कितिफल, निम्निलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में इास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से धूर्व किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने वा छत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा है सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं । गिरीराज कन्स्ट्रवशन्स कारपोरेणन । (अन्तरक)
- (2) श्री किशोर दिनकरराय आघिया। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुस्ची

फ्लैट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोप, 'बी' विंग, सी०टी० एस० नं० 1065, विलेज कांदिवली, माउरिंग स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई०/1913/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9 सितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~4, बम्बर्ष

तारीख : 7-5-1984

मोहर ᠄

प्ररूप बाह्, द्री, एन, एस,-----

नायकर निर्मायम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुभाग

### नारत ब्रुकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 अप्रैल 1984

निदेश सं० अई०--4/37 ईई०/1862/83-84---अतः मुझे, विजय रंजन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 1, ग्राउण्ड फ्लोर, अक्षय अपार्ट— मेंट्स, बिल्डिंग, दिहसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विगत है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है सारीख 7 सितम्बर, 1983

को प्रेंक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ), के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में नास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या िकसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) धी नभीन, [नम्नसिखित व्यक्तिस्यों, वर्षात् ः— (1) श्री गुरु कुपा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० आर० काबारे ग्रीर श्रीमती सुगीलाबाई एस० काबारे।

(अन्तरिती)

(3) ओम गुरु प्रदाणया को० ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि० ।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर्यो प्यॉब्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकरें।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्धौं और क्वाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

फ्लैट नं० 1, ग्राउन्ड फ्लोर, अक्षय अपार्टमेंटस, बिहिंडग, चहिसर, में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई०/1862/ 83-84 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7 सितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 29-4-1984

मोहर 🗓

प्ररूप भार्यः, दीः, पुनः, प्राःस्यान्यः

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मुधीन सुमना

### भारत सरकार

कार्याख्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई दिनांक 26 अप्रैल, 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/1867/83-84/---अतः मुक्तें, विजय रजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

श्रौर जिसकी स० पलैट न० एक/20 चौथी मंजिल साई बाबा धाम आफ एस० बी० रोड बोरीवली (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 27 सितम्बर 1983

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्रभ के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुसिबित उद्देषय से अभ्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से किया ग्या हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत उनत अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में त्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास् प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, वर्धात्ः— (1) मै० अरण इन्टरनेशन हा।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० शिवरामन नायर।

(अन्तरिती)

- (3) (विकेता वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
  क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

न्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नग्स्ची

फ्लैट नं० एफ/20 चौथी मंजिल साई बाबा धाम आफ एस० बी० रोड बोरीवली (पश्चिम) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37 ईई/1867/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27 सिलम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-4 **बम्बई**

सारीख: 26-4-1984

मोहरू 🛎

प्रकृष भाष्ट्री, टी., एन्., एस्.,------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

### भारत बरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई दिनांक 1 मई 1984 निवेश सं० अई० 4/37 ईई०/1863/83--84--अतः मुझें विजय रंजन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25.,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 603 6 वीं मंजिल ''ए' विग, सुमेर नगर एस० वी० रोड. बोरीवली (पिक्चिम) बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की अगरा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 24 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिराफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ब्रन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उकत विधिनियम को वृधीन कर दोने को ब्रन्तरक को दासित्य में कमी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित कालितयों, अर्थात :---

(1) मैं ० सुमेर डेंबलपर्मेंट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश पन्त्र भगवानदास डेम्बला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी सविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त स्थिनतमों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पव्हीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

फ्लैंट नं० 603 छठवीं मंजिल ''ए'' विंग, सुमेर नगर एस० वी० रोड बोरीवली (पिंचम) बम्बई—400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई०-4/37 ईई/1863/ 83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24 सितम्बर 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 1-5-1984

मोहर 🕽

प्रकृप आर्घ, टी. एस ध्रस.------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बर्ध बम्बई, दिनांक 28 श्रप्रैल 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/1879/83-84-अत: मुझें, विजय रंजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **ए**समें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-🔻 को अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मध्य 25,000/-रत. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 44 सी विंग. 'अमृत नगर, बिरुडिंग सर्वे नं० 7-ए, हिस्सा नं० 2, सर्वे नं० 152 महात्मा गांधी रोड,कांदिक्ली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 3 सितम्बर, 1983

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय गया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दर्वदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हाई किसी जाय की बाबत, अबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अल्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निग्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) द्वा० क्तिनेश बी० माहः।

(अन्तरक)

(2) श्री भूनील वसूंत लाल मेहता ।

(अन्तरिती)

कां यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

# अनुसूची

पर्लैट नं० 44, सी विंग, "अमृत नगर" बिल्डिंग, सर्वे नं० ७-ए, हिस्सा नं० 2, सर्वे नं० 152, महात्मा गांधी रोड, कांदिवली बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-4/37 ईई०/1879/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 सितम्बर, 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 28-4-84

मोहर:

त्ररूपृ नाइ". दी. एत. एस.- - - =---

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अप्रैल, 1984

निदेश सं० अई०-4/37 ईई०/1866/83-84—अतः मुझें, विजय रंजन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्त से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० पर्लैट नं० 603 एख, 'पटेंल नगर' ेी मंजिल, एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम) बम्बई—400067 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि—नियम, 1961 की धारा 269 क ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 12 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया वितिफल, निम्निलिखत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी अरते या प्रससे बचने में सृत्रिक्षा के लिए; और/या
- (श) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं०के० पटेल एण्ड कम्पनी (प्राइवेट) लिमिटेंड।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारती नंद लाल पोपट श्रीर श्री नंद लाल परशोत्तम पीपट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण: --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं० 603 एच, "पटेंल नगर", छठी मंजिल, एम० जी० रोड, कांदिवली (पिक्चिम), बम्बई-400067 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि आई-4/37 ईई०/1866/83-84 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12 सित्तम्बर, 1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 29-4-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाह् हैं ही . एन , एस् . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मुधीन सुभा

### भारत सुरकार

क्रायां लय, महायक आयकार आयुवत (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 28 ग्रप्रैंल 1984

निदेश स० ग्र\$-4/37\$\$/1877/83-84--ग्रन: मुझे, विजय रंजन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- च के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं पलैट नं 404—बी, नौथी मंजिल, गोवर्धन बिल्डिंग ए, प्लाट नं 101, टी॰ पी॰ एस॰ III, एल॰ टी॰ रोड, बोरीवली (पिष्चिमी), बम्बई—400 092 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 17—9—83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाषार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइं है और मूझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एंसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिघत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्स अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अप्रार¥ मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों:----

25--96GI/84

- (1) श्रीमती विमला गटनरलाल पारेख । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मथुरादास णामजी भातिया ग्रौर श्रीमती निर्मला एम० भातिया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यशिहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राज्यत्र मं प्रकाशन की तारी ख थे 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी क्यों करवाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओ भी मुब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्दर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट नं 404-बी, चौथी मजिल, गोवर्धन विल्डिंग, ए, प्लाट 101, टी०पी० एस० III, एल० टी० रोष्ड, बोरीवली (पिंचम), बम्बई-400 092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि करु स० ग्रई 4/37ईई/1877/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, बम्बई

दिनांक : 28-4-1984

सोहर ः

प्रकार नार्ड औ एन एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- (1) के अधीय स्थाना

# भारत सरकार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मजात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा.से अधिक हैं

. और जिसकी स० फ्लैंट नं० जी०/14, साईवाया धाम, प्राफ एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (पिष्चम), वस्वई~400 092 में स्थित है(ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के ग्रिधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बस्वई के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 5~9—83.

को प्वोंक्त संस्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निगनित्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ करें, जिन्हों भारसीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभ के किए;

कतः जब उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण भा, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मेंसर्स घरण इण्टरनेशनल

(अन्तरक)

(2) श्री रुस्तम सी० पटेल ग्रीर श्रीमती होमाई ग्रार० पटेल

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को वहं बुचना चारी करके पूर्वों क्त सम्मिति के वर्धन के तिष् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्मिति के नर्जन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सुचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्टियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयक्तियों में से किसी अयक्ति इवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, वशोहस्ताकरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उपत किंपिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसुची

फ्लैट नं० जी/14, श्राफ एस० ह्वी० रोड, साईबाबा धाम, बोरीवली (प०), बम्बई-400092 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/1865/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक  $5-9\div1983$  की रिजस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊷4, **बस्बई**।

दनांक : 28-4-1984

मोहर:

. **४२० नाइ**र् टी. एन. एत.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासव, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज--4, बम्बई बम्बई, दिनाक 1 मई 1984

निदेश स० ग्रई-4/37ईई/1861/83-84—ग्रत मुझे, विजय रजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुत्त से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट त० 604 6वी मजिल सुमर नगर, "ए" त्रिग, एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बस्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रीर पूर्णस्प में विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनाक 24-9-83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिचित में बाला कि का से काथत कर से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरच से हुई किसी बाय की दाबत, उक्त विभिनियम के निभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अथने में मृतिभा के सिए; बीर/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह ने भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए,

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मुमेर डेबलपमेट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ज्याति रमश चन्द्र डेम्बला

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभाग म सम्पत्ति र)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बार में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता र कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध र)

कों यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिया करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी काक्षण ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### समस्री

पलैट नं 604, 6वी मजिल, "ए" विग, एस० ह्वी० रोष्ठ, बोरीवली (प०), सुमेर नगर बम्बई-400 092 में स्थित है। अनसूची जैसा कि ऋ० स० ऋई-4/37ईई/1864/83-84 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 24-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रजन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

विनाक . 1-5-1984 माहर :

# प्रकल कार्य , टी , एव , एवं , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंस 1 मई 1984

निदेण सं० ग्रई--4/37ईई/1886/83-84---ग्रतः मुझे, बिजय रंजन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रू. ते अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं कि सी के टी के एस को कि 1.065, विलेज कांदिवली, मेनरीन स्ट्रीट, एम की करोड, कांदिवली (पिश्चम), बम्बई—400 067 में स्थित है (प्रौर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य से विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 9—9—1983, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके क्रमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का क्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का क्या विश्वत से विश्वत से

- (क) अन्तरण वे हुई किवी बाव की बावत अवत विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने सा उससे वचने में सृविधा के लिए
- (व) ऐसी विकसी जाव का विकसी भन वा करण जास्तिकों को, चिन्हें भारतीय जायकर मिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त व्यिथिनियम, मा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ क्लरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गुगा वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् :---

- (1) मेसर्स गिरीराज कन्स्ट्रनशन कार्योरेशन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री योगेणकुमार नागिनदास शहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविश्व या तत्सवंभी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व जो भी अविश्व नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ते अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सी० टी० एस० नं० 1065, विलेज कांदिवली, मनरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली (पण्चिम), बम्बई-400 067 में स्थित है।

ग्रनसूची जैसा कि क्र० सं० ग्रई-4/37ईई/1886/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 9-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

त्रिजय रंजन सक्षम प्राधिकारी, सहायके आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 1-5-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आर्डु. टी. एन. एस. - - -

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनॉक 2 मई 1984

निदेश सं० अई-4/37ईई/1899/83-84—अतः मुझे, थिजय रंजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सी०-42, अमृत नगर, एम० जी० रोड, कांविसली (पिश्वम), बम्बई-400 067 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ही है दिनांक 17-9-83

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या शिसी धन या अग्य मास्तियों की, जिग्हें भारतीय पायकर प्रवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रवित्यम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुभिक्षा के जिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निस्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री निषेदी जंगदीश प्रीतंमलाल

(अन्तरक)

(2) श्री लाखानी गुणवन्तलाल बजलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० सो०-42, अमृत नगर, एम० जी० रोड, कांविवली (पश्चिम), बम्बई-400~067 में स्थित है।

अनुसूचों जैसा कि ऋ० सं० अई--1/37ईई/1899/83--84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 17--9--83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंजे∽4, बम्बई

दिनांकः : 2-5-1984

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एनं. एस् . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

#### बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई यम्बई, दिनांक 28 अप्रैल 1984

निदेश सं० अई--4/37ईई/1870/83-84--यतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25.,000/- रा ज अधिक हैं

और जिसकी सं० थाप नं० 2, दालानी अपार्टमेंटस, एन० टी० रोड. बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400 092 में स्थित हैं , (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्णरूप से बर्णित है ),/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनाक 7-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितयार्ग) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नामत उनत अगि-नियम में अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में क्यी करने वा स्तवों क्यने में सुविधा के मिए; करि/वा
- (क) एसी किसी नाम मा किसी कुन मा जन्म जास्तिमों को, जिन्हें भारतीय नामकर की भीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अत: तब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाक्:-- (1) श्री दिलीप हम्मीचन्द जागद और श्री जितेन्द्र हन्धीचन्द जागद

(अन्तरक)

(2) श्री रक्षनश्री रामजी गाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी भ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-क्यूभ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मभोहस्ताकर्यों के पास लिखित में किए जा सकाने।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शेब्दों और पदों का, जो उत्कल विधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

## वर्त्त्रा

णाप मं० 2, वात्तानी अपार्टमेंटस, एल० टी० रोष्ट, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-400 092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई-III/37ईई/1870/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–111, बम्बई

दिनांचा : 28~4—1984

मोहर 🗆

प्ररूप **आह**ै.टी.एन.एस.-----

जायकार जभितिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के जभीत सुकता

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- 1, बम्बई बम्बई, दिनाक 4 मई 1984

निर्देश सं० अई- 1/37ईई/1904/83-84--अतः मुझे, विजय रंजन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

जौर जिसकी मं शाप नं 6, सरस्वती अपार्टमेंट, एम० वी पटेल रोड, भगवती अस्पताल के सामने, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई—400 092 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 का, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-9-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नलिखित उद्ववस्य से उन्तर अंतरण निचंद में बास्तविक कम के किए तय पाया गया प्रतिक कम निम्नलिखित उद्ववस्य से उन्तर अंतरण निचंद में बास्तविक कम से किएन नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण वे हुद्दं किसी नाव की बंबत अन्त अधिनियम के अधीन कर वंगे के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, अर्रिश्या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया श्या था या किया जाना वाहिए था, जिन्माने में साजधा की लए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के कथीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) रिलाएबल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्परक)

(2) श्री और श्रीमती एस० के० कपूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण: --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभागितम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मीं विया गया है।

### वन्स्ची

णाप नं 6, सरस्वती अपार्टमेंट, एस० वी० पटेल रोड, भगवती अस्पताल के सामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई— 400 092 में स्थित है।

अनुसूचि जैसा कि  $\pi \circ '$  सं $\circ$  आई-4/37 ईई/1.904/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-9-83 को रजिस्टई किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक : 4-5-1984

मोहर :

अरूप आइं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, यम्बर्ध बम्बर्ध, दिनाक 9 मई 1984

निदेश स० अई-4/37ईई/1909/83-84--अतः मुझे, विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समेत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट न० 19, पहली मंजिल, मी०-विंग, मधु को० आप० हाउसिंग सोगायटी, फर्स्ट रोशाडिया छेन, एरा० ह्वी० रोड, बोरोवली (प०). बस्वई-400 092 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्प से विंगत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बस्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, विनांक 7-9-1983,

को पूर्वेक्ति संपरित के उभिक्त बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उभित बाजार, मूल्म, उसके उद्यमान प्रतिफाल से एसे उद्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्त्रिक कप में किथान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अवने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अस: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्स व्यक्तियों अर्थात — (1) श्री अंत्रामान हरजीकततास पटेन

(अस्तरका)

(2) श्रा झानजन्द मोहनतात माटालिया और अन्मतः पारा गिरन्जशाई मन्टालिया,

(अन्तिरिता)

को यह सूचना जारा करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पब्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त 'अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लैंट न० 19, पहली मजिल, सी०-विंग, मधुको आप० हाउंसिंग सोमायटी, फर्स्ट रोकाडिया लेन, एस० ह्वी० रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/3-ईई/1909/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलाक 7-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेच-4 बस्बई

दिसाक 9-5-1984 **भोडर** ध प्रकप आइ<sup>\*</sup>.टी. एन. एस. 1 -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

### शाउत सरकाड

# कार्यां नय , सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 मई 1984

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269 स के अधीन सक्षम प्रधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिस बाजार मूक्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं शापन ० 3, हर्षशॉपिंग रोड नं ० 3, दौलत नगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बई—400066, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्याबय में रिजटी हैं। दिनांक 27—9—83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिहास से अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल विश्निलिस उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कि भित्त मुद्दी है क्या गया है है =--

- (क) अन्तरण से हुं इंकिसी नायुक्ती वाबत, अजस्य अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वाक्तिय में कभी कड़ने वा समुखे बुचने में सुविधा के लिए; ब्रीडिं/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य भास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निभिनयम, या भन-कर निभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए हा, छिपाने में सुतिधा से लिए;

णतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-म को अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---26---96 GI/84 (1) मेसर्स नरेन्द्र एण्ड कम्पनी

(भन्तरक)

(2) श्री जगजीवन कें जाधी

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युष्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाचिक्क हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

# मन्सूची

शाप नं० 3, हर्ष भाषिग रोड नं० 3, दौलत नगर, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० सई-4/37ईई/1911/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 3-5-1984

मोहरुः

# प्रकृष आइ".टी.एन्.एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-4, वम्बई बम्बई, दिनाक 8 मई 1984

विजय रंजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं व दूसरी मंजिल, दूसरी आउथ विग विन्टिंग, सी विनि एस वं 482, 483 ग्रीर 485, चंदावरकर लेन, बोरीवली (प०), त्रम्बई-92 में स्थित है ग्रीर इससे उपायद्ध अनुस्मि में ग्रीर पूर्णक्ष से विणित है), /ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनाक 9-9-1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हृद्दं िक सी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी फिर्मी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना खाहिए था, ख्यिने में सिवधा के तिए;

जत अब, नवन अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीशिक्टिन व्यक्तियों, अर्थात '--- (1) मेसर्स न्यू इंडिया बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वर्षाबेन जसवन्तराय **सवेरी, धौर** श्री जसवन्तराय हिम्मतलाल झवेरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हीं विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

## **मन्स्**वी

दूसरी मंजिल, दूसरी साउथ विंग बिल्डिंग सी० टी० एस० नं० 482, 483 भीर 485, चंदावरकर लेन, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संरु श्रई-4/37ईई/1887/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 9-9-1983 को रिजस्टई किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 8-5-1984

महिर 🗈

प्ररूप आई. दी., एन., एस.,-----

# भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक ब्रायकर ब्राय्क्त (निरक्षिण) प्रजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 1 मई 1984 निर्देश सं० प्रई-4/37ईई/1873/83-84—प्रतः मुझे, विजय रंजन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 8, 4थी मंजिल, सुपर गैस को०-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, 121, एस० ह्वी० रोड, दिहमर (पूर्व), बम्बई-400 068 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 24-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मूक्षे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल जा पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित को बास्सविक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आम की बावत उक्त अधि-नियम के अभीप कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिये; बीट्र/वा
- (प) ऐसी किसी आय या किसी अन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुनिधा के सियु;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 3 अधीन, निम्निसित्ति व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) मेसर्स रायल प्लास्टिक इण्डस्ट्रिज प्राइवेट लिमिटेड, (मन्तरक)
- (2) श्री भारत कुमार गुलाबभाई जोशी (अन्तरिती)

को यह मुखना जारों कारके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिक्ष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभूसुची

ब्लाक नं में 8, चौथी मंजिल, सुपर गैस को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, 121, एस० ह्वी० रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-400068 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्व० सं० श्रई-4/37ईई/1873/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 24-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 1-5-1984

मोहर:

# 

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धार 269-अ (1) के अधीन सूचना

# भाउत बरकाइ

# कार्यास्य, सहायक नायकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई 1984 निदेश सं० श्रई-4/37ईई/1855/83-84--श्रतः मुझे, विजय रंजन,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके दसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, हरी श्रोम श्रपार्टमेंट्स, बिल्डिंग नं० ''सी-3'', एस० बी० रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन संक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 20-9-83

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पृत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतर्क (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्राम प्रतिक का निम्निलिश उद्योध्य से अवस अन्तरण लिखित में वास्तु विक कप से किथत नहीं किया गया है हिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कुरने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-भून-कर अधिनियम, या धन-भून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट मही किया सवा वा या किया बाना वाहिए था, कियाने से सुविधा के निए;

क्तः शव, उपत वीभीनमन की भारा 269-न वे वनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ग्रहफोड डिसोजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरीश एस० व्होरा श्रौर श्री राजेश एस० व्होरा

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्चन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

# बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शृब्दों आर पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में स्था परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलट नं० 203, हरी स्रोम प्रापार्टमेंट्स, बिल्डिंग नं० "सी-3" एस० वी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। स्रनुसूची जैसा कि क० सं० स्रई-4/37ईई/1855/83-84 सौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–4, बम्बई

दिनांक : 11-5-1984

साहर 🌣

प्रस्प आहे. टी. एन, एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त ([निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/1912/83-84—प्रातः मुझे, विजय रंजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 204, दूसरी मंजिल, "डी" विग, विलेज कांदिवली तालका, मडारिन स्ट्रिट, एम० जी० रोड, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिब कारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 12-9-1983,

को पृथेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण संबुद्ध किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियब के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वय, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग कौ अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की अभीन, निम्निलिखित स्वितियों, अभीत् ह—

- (1) मेसर्स गिरीराज कन्स्ट्रॅब्शन कारपोरेशन (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुधीर श्रीरजलाल गांधी श्रीर श्री सोमेंद्र श्रीरजलाल गांधी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा नकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं ० 204, दूसरी मंजिल, "डी" विंग, विलेज कांदीवली, तालुका, माउरिन स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र $\frac{1}{2}$ -4/37 हैहै/1912/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-9-83 को रिजस्ट है किया गया है ।

विजय रंजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण); ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-5-1984

मोहर 🖪

# प्रकृष कार्यः द्री ु एनः एस . -------

नायकड जिभितियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निदेंश सं० म्रई-3/37ईई/3053/83-84--म्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 24, दूसरी मंजिल, "देव ग्रपार्टमेंट", कोले कस्याण विलेज, वाकोलापाइप लाइन, साताकुज (पूर्व), बम्बई—400055 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिश्चित्तमा, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 2-9-1983,

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में हास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्बन्धियित व्यक्तियों, नर्भात् ह—

(1) श्री नरेन्द्र गांताराम सावंत

(मन्तरक)

(2) श्री के० एस० मेट्टी

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री गौरीशंकर देव नारायण सिंग (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरूण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्वी

पलैट नं ० 24, दूसरी मंजिल, "देव ग्रपार्टमेंट", कोले कल्याण विलेज, वाकोला पाइप लाइन, सांताँकूज (पूर्व), बम्बई—400055 में स्थित है ।

भ्रमुसूची जैसा कि कि से श्रई ।।।/37ईई/1270/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 2-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्राजन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 11-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप काइ<sup>2</sup>. टी. एन. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्यक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 206, लिलीया नगर, गोरेगांव (पिष्यम), बम्बई-400062 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2-9-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तरिक रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्स में क्रमी करने या उल्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए।;

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीर, पनम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् (:— (1) श्री दिलीप बापू तिरोधकर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वैशाली मंगेश तिरोडकर ग्रीर श्री मंगेश बापू तिरोडकर

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करतां हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

### बन सूची

पलैट नं ० 206, लिलीया नगर, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई--400062 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि से अई-।।।/37ईई/1254/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, बस्बई

दिनांक : 11-5-1984

मोहर :

प्रक्य भाइ. टी. एन. एइ. ------

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) को अधीन त्वना

#### भारत बरकार

कायौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चांत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० पलैंट नं ० 42, "बी" विंग, 4थी मंजिल, "निलिमा भ्रापार्टमेंट, जंगल मंगल रोड़, भाडुंप, बम्बई-400 078 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, विनाक 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत अक्त अधि-नियम की अधीन कर दीने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिये; बाँद/वा
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विंधा के सिए;

(1) मेसर्स गणेश बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विक्टोरिया राजम्मल कंन्नू

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना अारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ध---

- (च) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# अनुसूचि

फ्लैट र्न० 42, "बी" विग, 4थी मंजिल, "निलिमा प्रपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड़, भाडूंप, बम्बई $-400\,078$  में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्र० ई०  $I^II/37$  ई० ई०/1277/83-84 और, जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तृतिषित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विनांक: 11-5-1984

मोहर:

प्ररूप बाइ ं\_ ट्री. एन., एस., ≈ - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० श्र० ई०-3/37 ई० ई०/2954/83-84—श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० पर्लैट ग० बी/606, 6वीं मंजिल, विना नगर, "बी" विंग, मालाङ (पिष्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुचची में भौर पूर्ण रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिकाल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षल किन्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/था
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धन-कार दिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती सुनारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उक्त लिशिनियमं की धारा 269-ण के अनसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपशास (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 27—96 GI/84 (1) श्री राज कुमार गोवर्धन दास भग्नवाल

(भ्रन्तरक)

(2) कपूर फैमिली ट्रस्ट

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्परित में हित-यद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० बी/606, विना नगर, 6वी मंजिल, "बी" विग, भालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० अ० ई० ।।।/37 ई० ई०/1256/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज III, बस्बई

दिनांक: 11-5-1984

माहर 🥫

मुक्त बार्च . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के अभीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्वेश सं० घ० ई०-3/37 ई० ई०/2898/83-84--- प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं प्रलैट नं ० 7, 3री मंजिल, लिला ध्रपार्टमेंटस्, प्लाट नं ० 9, ग्राफ व्हिलेज रोड़, भांडूप (पश्चिम), बम्बई—400 078 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 सितम्बर 1983

की भूबेंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण हैं। कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्दृष्य में उक्त यन्तरण लिखित में गारतिबङ्ग रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य अपस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्री सिरदार सेवा सिंह वीर सिंह संगार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री इंद्र सिंह हरमन सिंह हंसपाल

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-मद्भ किसी जन्य व्यक्ति दुशारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### मन्त्रवी

फ्लैट नं ० ७, ३री मंजिल, लिला भ्रापर्टमेंटस्, प्लाट नं० ७, भ्राफ व्हिलेज रोड़, भाडूंप (पश्चिम), बम्बई-400 078 में स्थित है।

श्रनसूची जैसा कि क० सं० श्र० ई०—III/37 ई० ई०/1236/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज 3, बम्बई

दिनोक: 10-5-1984

मोहर 🧔

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

•

आयकरं अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 31, "ए" विंग, 3री मंजिल, "निलिमा श्रपार्टमेंट, जंगल मंगल रोड़, भांडुप, बम्बई—400 078 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 2 सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनलिचित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कत्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स गणेश बिरुडर्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विन्सेन्ट टिटस फेराव

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्स्ची

पलैट नं ० 31, "ए" विंग, 3री मंजिल, "निलिमा भ्रपार्टमेंट", जंगल मंगल रोड़, भाडूप, बस्वई-400078 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र० ई० III/37 ई० ई०/1265/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा विनाक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोज्य), ग्रजन रेंज 3, बम्बई

विनांक: 11-5-1984

भोहर 🔳

प्रस्प वाह . टी. एन. एस. ----

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर लायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० अ० ई०- 3/37 ई० ई०/2957/83-84---अत: मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, 1लो मंजिल, "प्रेम बिंदू", फिल्मी-स्तान स्टुडियो के बाजू में, आफ एस० की० रोड़, डिधावाड़ी, गोरेगांव (पिष्ट्यम), बन्बई-400 062 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कर से यिणा है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 का, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बन्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य सकते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत्, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

बतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, देनुम्निलिखत व्यक्तियों, अधीत ं—— (1) श्री लक्ष्मीं नारायण गुप्ता,

(अन्तरक)

(2) श्री अमृतराव भगवंत्रराव चौबल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय '20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अम्स्यी

फ्लैट नं० 6, 1ली मंजिल, "प्रेम बिंदु", फिल्मीस्तान स्टुडियो के बाजू में, आफ एस० वी० रोड़, डियावाड़ी, गोरेगांव (पिचम), बम्बई- 400 062 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई०  $^{III}/37$  ई० ई०/1259/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2- 9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ३ र्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 11 -5--1984

माहुर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, विनांक 11 मई 1984

निर्देश सं० अ० ई०→3/37 ई० ई०/2958/83→84→-अतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रहः से अधिक हैं

और जिसको स० पर्नंट नं० 4, प्राउंड फ्लोर, डाली अनार्टनेट को-आपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड, 5, लीअर गाँविद नगर, चिवोतो, मालाड (पिक्सि), बम्बई-400 064 में स्थित है (और इसल उपाबद अनुसूच। में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसहा करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अजीत पक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजिस्टी है, विनांक 2 सितम्बर 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, ऐसे स्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखल उद्देश से उदत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत नहीं किया गया है :——

- (म) अन्तरण स हुई किसी शाय को बाबत उक्त मिंच नियम के अधीन पर दोने के अन्तरफ के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बार या किसी वन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिंदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिख्त व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) शेख अब्दल रेहमान बाबामियां

(अन्तरक)

(2) राजेश्वरी एम० अय्यर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशंहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### मन्सूची

फ्लैट नं० 4, ग्राउंड फ्लार, डाली अपार्टमेंट को-आपरेटिक्ह हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 5, लोअर गोविंद नगर, चिचोली, भालाड (पश्चिम), बम्बई-400 064 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अं ई राष्ट्री/37 ई र ई र | 1260 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राक्षिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेंज-3, बम्बई

दिनांभा: 11-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप कार्द, टी, एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन सुचना

भारत सहकार

# कार्यास्य, सहायक नायक र नायुक्त (निरीक्न)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निर्वेश सं० अ० ६०-3/37 ६० ६०/2947/83-84--अत: मुझे, ए० लिहरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपको सं० पजैट नं० 15. प्लाट नं० जो -5, 3री मंजिल, राणी सती नगर, एस० बो० रोड़, मालाड, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादन उक्त बर्धि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में तुविधा के सिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन का अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तः अभिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् दंन- (1) मेसर्स नागा हिस्स टी कंपनी लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती मृतुला महेन्द्र संघवी और 2. श्री महेन्द्र चंपकलाल संघवी

(अन्संरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बन्ति के कर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपरित के अर्जन के संकंभ में कोई भी आक्षेप 🖫 --

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस नुषना के एजपन में प्रकासन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपर्ति में दित-वर्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए वा सकोंगे।

स्यष्ट्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त निध-नियम के अध्याव 20-क में परिभाषित है, यही नर्थ होगा, जो उस नध्याय में दिया गया है।

# अनुसची

प्लैटनं० 15,प्लाटनं० जी-5, 3री मंजिल, राणी सित नगर, एस० वी० रोड़, मालाङ, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ई० | 37 ई० ई० | 1251 | 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम शाधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज - 3,बम्बई

दिनोक: 11--5-1984

मोहर 🖫

प्रकप बाह्र , टी. एन , एत . -----

MAN MINE OF ALL MATERIAL

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासम, सहायक जायकर बायकत (निर्नेक्षण) अर्जन रेंज 3, अम्बर्ध बम्बर्ड, दिलांक 11 मई 1984

निर्देश सं० अ \$6-3/37 \$6 \$6/1248/83-84--अत: मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जित्तको सं० पस्तैट तं० ए-13 अजित नगर सोसायटी, एस० बी० रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-400 064 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्टी है, दिनांक 2 सितम्बर 1983

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है मीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी शाय की वावत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/दा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधनियम, या धनकर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री अमृतलाल धनजीभाई सागल

(अन्तरक)

(2) श्री स्नेहल अरविंद कुमार शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध कों कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 बिन में भीतिड उत्तर स्वावड सम्मति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वर्त्यूर्जी

फ्लैट नं ० ए-13, तीसरी मंजिल, अजीत नगर सोसायटी एस० बी० रोड़, मालाड (पश्चिम), बम्बई-400 064 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अ० ई० 3/37 ई० ई०/1248/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-83 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 3, बम्बई

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसारण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-भ की उपभाग (1) के अधीन, मिम्लेसिकित व्यक्तियाँ, वर्षात् :---

दिनांक: 11-5-1984

भोहर 🖫

प्रकप् मार्घ. टी. एन एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के निधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) खुर्जन रेंज-3, बम्बई बम्ब**्धिं वि**नांक 11 मई 1984

निर्देश सं० प्र० ई**०ें डि**/37 ई० ई०/3054/83-84-प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिगियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति,, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 54, 5वी मंजिल, "देव प्रपार्टमेटस्", कोले कल्याण व्हिलेज, वाकोला पाइप लाइन, साताकूझ (पूर्व), बम्बई—400 055 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबढ ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णिल हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रामकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनाक 2 सितम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के ध्रद्मपति प्रितिक के लिए अन्तरित की गई है कि मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आबत, अबत अधितियम के अधीन कर दोने के अध्यापक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में मृथिधा के सिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम करी भारा 269-ग के अमूसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 260-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्तित काक्तिस्यों अधीरा :--- (1) श्री नरेन्द्र शाताराम सावंत

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार पाडे

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री गौरीशकर देवनारायण सिंह (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग मे सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्त्री

फ्लैट न० 54, 5वी संजिल, 'दिव श्रपार्ट मेंटस्'', कोले कल्याण व्हिलेज, वाकोला पाइप लाइन, माताकूझ (पूर्व), बम्बई -400 055 मे स्थित है ।

प्रनुस्ती नैसा कि कि से पि ई । ।। | 37 ई । ई । 1271 | 83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक: 11-5-1984

मोहरः

# प्रश्नम नाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाद 269-ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, बम्बई धम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० ग्र र्ह०-3/37 र्ह० र्ह०/2890/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संव पलैट नंव 2, निंग मंजिल, चंद्रभागा बिल्डिंग, प्लाट नंव 102, दि कांजूर को-आपव हाउसिंग सोसायटी लिमि-टेड, भाडूंप (पूर्व), यम्बई-400 078 में स्थित है (श्रोर इसमें उपावड स्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रोर जिसका करारनामा श्रायंकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी बस्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 सितम्बर 1983।

को पूर्वो क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त डिधिनियद, के डिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिका के लिए;

बत: बब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में ,मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन फिम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत्:——
23-2531/84

(1) हरासिंद एंड कपनी

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मासम्मा चेरीयन

(ग्रन्तरिती)

- (3) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविद्यार पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी कादित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की शारीक है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा जभोहस्ताक्षरी के शक्त निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा क्या है।

## अनुसुची

फ्लैट नं ० 2,1लीं मंजिल, बंद्रभागा बिल्डिंग, प्लाट नं ० 102 वि दि कांजूर को-श्राप० हाउमिंग मोसायटी लिमिटेड, भाडूंप (पूर्व), बम्बई-400 078 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० अ ई० 3/37 ई० ई०/1228/ 83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-5-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० श्र ई०-3/37 ई० ई०/2872/83-84—-प्रत: मुझे, ए० लहिरी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 51, "बी" विंग, 5वीं मंजिल, "निलीमा श्रवार्टमेंट," एस० पी० एस० मार्ग, भाडूंप, बम्बई-400 078 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 सितम्बर 1983

को प्वोंक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल जिम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बीर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधः के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (†) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों. अर्थात् ;— (1) श्री गणेश बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) डा० विनोद कुमार धावालीया

(भ्रन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के. वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट स्वानत में से किसी स्वानत इवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकता।

स्वकाकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में किया मन्त्र हैं।

# अनुस्वी

पसैटनं ० 51, "बी" विंग, 5वीं मंजिल, "निलीमा भ्रापर्टमेंट", एस॰ पी॰ एस॰ मार्ग, भाडूप, बम्बई-400 078 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क॰ सं॰ ग्रा ई॰-।।।/37 ई॰ ई॰ 1213/ 83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 10-5-1984

श्रुक्त आर्<sup>4</sup>. टी . **१**न् . एस , ------

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना (1) हरासिश एंड कंपनो

(ग्रन्तरक)

(2) श्री टी० नारायणन्

(अन्तरिती)

#### भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजेन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं ० म्र ६०-3/37 ई० ६०/2886/83-84---म्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/ रु.ंसे अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० फ्सैट नं० 2, 3री मंजिल, वंद्रभागा बिल्डिंग, प्लाटनं० 102, दि कांजूर की-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भांडूप, पूर्व, बम्बई-400 078 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 2 सितम्बर

1983 1

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से एसे सम्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के झिए; बॉर/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, फिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियस, या भनकर अधिनियस, या भनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भावा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के तिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित व्यक्तिमर्ने अर्थात् :---- को यह सूचना वारी करके प्वाँक्त सम्परित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप् :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राभपत्र में प्रकाशन की तारांस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

पलैट नं० 2, 3री मंजिल, चंद्रभागा बिल्डिंग, प्लाट नं० 102, वि कांजूर को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिभिटेड, भाडूप (पूर्व), वम्बई-400 078 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्र ई०-।।।/37 ई० ई० 1226/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> गृ० लहिरी. सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक: 10-5-1984

# प्रकृष् बाइ . दी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्वेश सं० म्न ई०-3/37 र्ड० ई०/2884/83-84—यतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का व्यारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह संबधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7, 2री मजिल, गीता की-श्राप० हार्जसग लिमिटेड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम श्रिधकारी, बम्बई के कार्यालय मे रिजिस्ट्री है, दिनांक 2 सिनम्बर 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए ब्यारित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिक्त कत, निम्नतिश्वित उद्बेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्ति-

- (क) अन्तरम से हुइ किसी नाय की नायत उपक्र सीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शासित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिया के लिये: और या/
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) .के प्रयोकनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया चा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुनिधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्वितिस्त व्यक्तियों, सर्थात् :---

(1) श्री प्रदीप कांतीलाल देसाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नती रूपलता एन० धुल्ला श्रौर श्रीमती खुशमन एम० धुल्ला

(भ्रन्तरिती)

- (3) श्रीमती खुगमन एस० धुल्ला ग्रीर उनका पति (वह व्यक्ति, जिसके ग्रीधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीमती रूपलता एन० धुल्ला (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए एतद द्वारा कार्यवाहीं य करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तिसों में से किसी व्यक्ति दवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उबत स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त इक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

## अनुस्पी

फ्लैंट नं० 7, 2री मंजिल, गीता को-ग्राप० हार्जीसग सोमायटी लिमिटेंड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रा ई०~।।।/37 ई० ई० 1222/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारो दिमांक 2~9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज 3, बस्बई

दिनांक: 10-5-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 मई 1984

निर्देश सं० ग्रई०-3/37 ई०ई०/2901/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लाहिरी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- सं क्रे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 403—बी, 4थी मजिल, "कौस्तुभ नगर", प्लाट नं० ए-3 से ए-6 स्रेट रामचन्द्र लेन विस्तारीत मालाष्ठ (पिष्चम), बम्बई-400064 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रिधिनयम 1961 को धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स नवजीवन बिहिडर्स

(अन्तरक)

2. श्री जांन रसक्विता

(ग्रन्तरितो)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जे उस उध्याय में दिया गया है।

# ननुसूची

फ्लॅंट न० 403-बी, 4थी मंजिल, "कौस्तुभ नगर", प्लाट नं० ए-3 से ए-6, रामचन्द्र लेन विस्तारित, मालाड (पश्चिम), बम्बई-400064 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-111/37ईई/1239/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

विनांक: 11-5-1984

प्ररूप कार्द. टी. एन. एस.-----

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्वेश सं० ग्राई-3/37ईई/2896/83-84---ग्रतः मुझे, ए० लहिरी.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसक्रों इसके पश्चात् 'उंक्ल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स, के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ**ल्य 25,000/- रतः से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 13, तीसरी मंजिल, मृलुंड चंद्र बिहार को०-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 196-बी, कस्तूरबा रोड, मुलुंड (पश्चिम), बम्बई-400 080 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रथिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, बम्बई के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम को अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने सें सृविधा के लिए; नौर/या
- (🖷) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कुर मिभिनियम्,**, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री लालजी प्रेमजी गाडा

(भ्रन्तरक)

2. श्री सवाईलाल रतीलाल बरभाया

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति श्यायप्रयो मा स किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस सूचनाक राजपत्र में पकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अभोहस्ताक्षरी के वास सिचित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में गमा 📽 🕽

# नन्सूची

प्लैट नं० 13, तीसरो मंजिल, मुलुंड चंद्र विहार को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 196-बी कस्तूरबा रोड, मुलुंड (पश्चिम) बम्बई-400 080 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-III/37 ई० ई०/ 1234/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> > ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

तारीख: 10 मई 1984

मोहर 🖫

प्ररूप. आर्च. टी. एन. एस. - - - -

बायकदर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश स० श्रई-3/37ईई/2873/83-84-ग्रनः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट स० 29, दूसरी मंजिल, "भागीरथी विला", प्लाट एफ० 1, बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, बम्बई 400 086 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारो, बम्बई के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 2-9-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह. विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाबत, र्वक्त जिल्लाम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन, निस्निसिचित व्यक्तियों, ज्योत् म— 1. मेसर्स भेठ इन्टरब्राइजेस

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रेमिंग्ह मोहल

(भ्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभाक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि ही व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकते।

स्पध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुसूची

प्लैट नं० 29, 2रो मंजिल, "भागीरथी विला", प्लांट एफ० 1, बी० एस० मार्ग, घाटकोपर बम्बई-400 086 में स्थित है।

श्चन्स्वी जैसा कि क० सं० श्रई-III/37ईई/1214/83-31 श्रीर जो सक्षम शाधिकारी बम्बई द्वारादिनांक 2-9-1983 की रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंक्र-III, अम्बई

नागीखा: 10 मई 1984

मोहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----=

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 11 मई 1984

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/1032/83-84—-अत: मुझे, ए० लाहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 38, इस्मालिया को०-श्राप० हाउनिंग सोसायटो लिमिटेड, 44, मिर्जा गालिय मार्ग, भायखाला, बम्बई-8 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रीर जो ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-9-1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चर्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, अक्त जिथिनियज के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में भृविभा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभात्:——

- 1 श्रीमती मरियमबाई खान मोहम्मद करीम (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती नाडीया श्रनिझ खेराज (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारके पूर्वोक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितंबब्रंभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पर्ध्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# नम्सर्जी

पर्नैट नं० 38, इस्मालिया को०-ग्राप० हाउभिग सोसायटी लिमिटेड, 44, मिर्जा गालिब मार्ग, भायखला, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा कि ऋ०ं सं० श्रिg=1/37ईई/1062/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई

लारीख: 11-5-1984

प्रकृष् शाह<sup>्</sup> द<u>ी पृष् पृष</u>् - - - - - - - - - - - - - - -

बायकर अधितयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 209-व (1) के अधीन स्जना

#### भारत सरकार

कार्यालर, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/967/83-84--ग्रतः मुझे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाय 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 2, 16वीं मंजिल, मेकर टॉवर ''बी'', कफ परेड, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 15−9→1983

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रवमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्वेंश्य से उस्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आंद्र/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-ग के जनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 29—96GI/84 1. श्रीमती शोभा के लाल

(मन्तरक)

 श्री दिवक पी० दादलानी ग्रीर श्री प्रेमचद पी० दादलानी

(ब्रन्तरिती)

3. मन्तरतियों

(वह व्यक्ति, जिसके झिझोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप 🖫---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीत र पूर्वी क्यं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इन्ह श्रुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवन्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंचें।

स्यव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदां का, थो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा. थो उस अभ्याय में दिवा व्या है।

#### अनुसुची

पनैट न० 2, 16वीं मजिल, मेकर टॉवर "बी", कफ परेड, बम्बई में स्थित है।

श्रतुमूची जैसा कि ऋ० स० श्रई / 37ईई / 968 / 83 - 84 श्रीर जो सक्षम श्रधिकारी, बस्बई द्वारा दिनोक 15 - 9 - 83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीखा: 10-5-1984

# प्रकथः बार्डः, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अर्थान सूचना

#### भारत बहुकार

# कार्यासय, त्रहायक भागकर वायुक्त (निर्दोक्तण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 मई 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सामार मुक्य 25,000/-क० से प्रधिक है

म्रोर जिसकी स० फ्लैंट न० 7-बी/1, नवजीवन सोसायटी, लेमिग्टन रोड बम्बई-8 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद ध्रमुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जो भ्रायकर श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 5-9-1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रुख, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रशिचार से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे बंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, िम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क.) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हुं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अत्र प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सकिथा के लिए;

जुतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप-भारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, संधात ु—र

1. श्री रमेश पी भाटिया

(मन्तरक)

2. श्री नवजीवन ज़ैन सितांबर मूर्ति पूजक संघ

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के प्राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियो पर मूचना की नामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भी पर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूचा के राजपत्र में ग्राक्तन की खारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य क्यकित द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उनत प्रश्चिनियम क प्रध्याय 20-क में ।परिभाषित है वही प्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट न ० 7-ब्री/1, नवजीवन सोसायटी, लेमिग्टन रोड बम्ब $\xi$ -8 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि ऋ० स०ग्रई-1/37ईई/882/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारी**ख:** 10-5-1984

प्रकप नाइ. दी. एन. एस. ------

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-जु (1) के क्षीन सूजना

## भारत सूरकार

कार्याम्य, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण्) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 मई 1984

निर्वेश सं० श्रई-1/37ईई/799/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 12, 2री मंजिल, "पिटर मारकेल" बिल्डिंग, प्लाट नं० 941 श्रौर 941-ए, है तथा जो प्रभादेश बम्बई-25 में स्थित है (श्रौर ६ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 6-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उदयमान प्रतिकश के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निमित्त में बास्तविक रूप से की भत नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स काशीहोम बिल्डर्स

(भन्तरक)

2. श्री वत्तालय मंजनाथ पोवार श्रीर श्रीमनी नीलम दत्तालय पोवार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरिता के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ध्रस सूच्ना के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उनत स्थायर संपत्ति में ड्रित~ बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण ह——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो सक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विवा न्या हैं।

# नन्स्ची

पर्लंड नं० 12, 2री मंजिल, "पिटर मारकेल" बिह्हिंग, प्लांड नं० 841 और 941-ए, प्रभादेवी, बम्बई-400 025 में स्थित हैं।

ग्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/780/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर मायुग्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-5-1984

प्ररूप बाइ • टी॰ एन॰ एस॰ ---

नायकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) कें नभीन सूचना

## श्रापत बहुकाड़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं॰ प्रई-1/37ईई/916/83-84--- प्रतः मुझे, ए॰ लहिरी,

जायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्रण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/ रा. से अधिक है

मोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 39, 10वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 15, लेभिग्टन रोड, स्कीम म्राफ नवजीवन को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लेभिग्टन रोड (जंक्शन भ्रॉफ फाकलैंण्ड रोड) बम्बई-400 008 में स्थित है (म्रोर इससे उपाबद मनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) म्रोर जो मायकर मिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरममान वृतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरमान प्रतिफाल से एसे दूरममान प्रतिफाल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिनित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भून या ज्ञ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनियम के निरा;

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कैं जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् यः——

- 1. (1) श्रीमती हिराबेन द्वारकादास पंचमातिया
  - (2) श्री धरमणी द्वारकादास पंचमातिया
  - (3) श्रो बिपिन द्वारकावास पंचमातिया (ग्रम्तरक)
- 2. श्री सुरेश नानिकराम तलरेजा, धौर श्री प्रदीप नानिकराम तलरेजा

(ग्रन्तरिती)

3. भन्तरितियों

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **मन्स्**ची

पलैट नं० 39, 10वीं मंजिल, बिल्डिंग नं० 15, लेमिंग्टन रोड स्कीम प्राफ नवजीवन को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, लेमिंग्टन रोड (जंक्शन ग्राफ फाकलैण्ड रोड,), बम्बई-400 008 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि क० सं० ध्रई-1/37ईई/884/83-84 ध्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 10-5-1984

मोहार ः

प्ररूप नार<u>्वं.</u>टी. बृत्. पुरु . ------

जावकार अभि<u>रि</u>त्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सूचना

### भारत चरकार

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० म्रई-1/37ईई/915/83-84--- मतः मुझे, ए० लहिरी,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० शाप नं० 41, 1ली मंजिल, भागवाडी शापिंग ग्रारकेड, कालबादेवी रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जो, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 5-9-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण किखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है..—

- (क) अभ्यारण से इन्हें किसी बाद की बावल, उनल लिंपिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उसने सचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (प) ऐसी किसी जाब या किसी भन या अस्य असित्यों की, जिन्हों भारतीय आयु-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृष्टी किया गया भा वा किया जाना चाहिए भा, कियाने से सुविधा से बिहा;

अत. जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० संदीप इन्टरप्राइजेस

(प्रन्तरक)

श्री छोटालाल नाथालाल ठक्कर,
 प्रोवा० ग्राफ निलेश इलेक्ट्रीक स्टोग्नर्स

(भन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप 🖫

- (क) इस स्वना के ट्राअपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# वन्त्र्यी

शाप नं 0 41, 1ली मंजिल, भागवाडी शाधिंग श्रारकेड, कालबादेवी रोड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37ईई/883/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 5-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारी**ख**: 10**-**5-1984

मोहुरु :

# प्रकृष नाहै . टी पुरृष् . एव ु -------------

बाव्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनोक 11 मई 1984

निर्देण सं० भ्रई-1/37ईई/1036/83—84——म्रतः मुझे, ए० लहिरो,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रा. से जिथक हैं

त्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 2-ए, 2रो मंजिल, विश्वमलाय को-श्राप० हाउभिंग सोसायटी प्लाट नं० 152, सायन-पूर्व बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-9-1983 को पूर्वेक्त सपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंदृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उकत अन्तरण लिखित में बास्तिकल है पर से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्शियत्य दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविधा के तिए; और/या
- (व) एेसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री ग्रम्बिन कुमार कांतिलाल झवेरी

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० ए० हर्तमान भौर श्रीमती एल० एम० हर्तनाम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# क्यक बुम्पृत्ति में बर्जन में सम्बन्ध मी सोब्रोड़ी नास्ट्रेड़---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीज से 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, जो भी व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (बारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वच्च किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताकारी के पास जिबात में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चें का, जो उक्त मिंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 2-ए, 2री मंजिल, विश्वमलाया को-म्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 152, सायन-पूर्व, बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-1/37ईई/1034/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

शतः त्रवः उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

सारोषः 11→5—1984 मोहर्य प्रश्रम आहें हो हुन पुस् ------

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिमांक 9 मई 1984

निर्वेश सं० मई-1/37ईई/905/83-84--मतः मुझे; ए• लहिरो,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिमको सं० फ्लैट नं० 503, "बेस्ट ठ्यू", विर सावरकर मार्ग प्रभावेबी, बम्बई-400 018 में स्थित है (श्रीर इससे छपाबद्ध प्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 5-9-1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कजी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-मृ के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धार 269-मृ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तिसमों, अर्थात् १.—— 1. मै॰ प्रगति इन्वेस्टमेंट्स

(भ्रन्तरक)

 श्री भास्कर मोहन शेट्टी श्रौर श्रीमती चंद्रकला बी० शेट्टी (श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ग्राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भगसूची

फ्लैट नं॰ 503, "वेस्ट ब्यू", विर सावरकर मार्ग, प्रभावेत्री, बम्बई-400018 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं० ग्रई-1/37ईई/977/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-1, बस्बई

तारीखा: 9-5-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बार्ड्ःटी, एन...एस..-----

1. श्री मैन्यूअल अन्योनी हर्तमैन

(ग्रन्सरक)

2. मेसर्स किश इण्टरप्राइज

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरका<u>र</u>

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 मई 1984

निर्देश सं० शई-1/37ईई/1018/83-84---श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० क्म नम्बर 52, 6वीं मंजिल, राजगिर चेंबर्स, 12/14, है जो शहीब भगतिसिंह रोड, श्रोल्ड कस्टम्स हाउस के सामने, बम्बई में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 20-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ्य से किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कर्रने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों ,ो अर्थात् ६—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोहां भी काक्षेप 🏗 🗷

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसर अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

रूम नं० 52, 6वीं मंजित, राजगिर चेंबर्स, 12/14 शहीद भगतिसह रोड, छोल्ड कस्टम्स हाउस के सामने, बम्बई में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/950/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1983 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक्र श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 8-5-1984

-<u>-</u>

प्ररूप आर्ड टी एन एस. ------

# आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्चना

मान्य संस्कार

# कार्यालय, सहायक भागकार नायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेज-1, बम्बर्ड

बम्बर्ड दिनाक ९ मई 1984

निर्देश स० प्रई-1/37ईई/1004/83-81---- प्रत मसे, ए० सकियी

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का राग्ण है कि स्थादर मम्पत्ति, जिसका उ**षि**त बाजार 25.000 /-रः में अधिक **है** 

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस न० । 1. 4थी मजिल भवन, नरीमन प्वाइट वस्बई-100 021 है तथा जो बस्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे पणित है), स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख ने प्रधीन बुम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री किया है जा तारीख 15~9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य संकम को दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विषत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रप्त प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फरा, निम्नलिमित उददोश्य में उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) जन्तरण से हुई किसी अाथ की बाबत , विधिनियम के विधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- '**(च) एरेसी किसी आ**य या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्पत मिनियम, था धनकर **अभिनियम, 1**957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे अविभाके मिए;

अन , अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा १६०-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :----30-96 GI/84

1 भन्म प्यालिटो प्रायत एण्ड स्टिल वर्म प्राइवेट क्षि० ।

(पटारक)

2. श्री प्रह्मावराय पादार एण्ड मन्स टेक्सडाइल्स पा० लिला

(गन्तरिको)

3 ग्रन्थरियी

(पर व्यक्ति, जिपक प्रथिमोग मे गम्यत्ति है)

का यह मुखना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कायनाधिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर मचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त हांती हों, के शीतर प्यक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की पारील ने 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताभनी भी पाद लिखित में किए जा सक गे।

स्वच्यीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त निभिनियम के अध्याप 20 क में 🐉 , बहुरी अर्थ होगा जो उस अध्याय मे गया है।

ग्राफिस नं० 41, 4थी मजिल. बजाज भवन, नरीमन पाइंट, वस्बई-400021 में स्थित है।

सन्मनी जैमा कि का मं गई-1/37ईई/991/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राग दिनांक 15-9-1993 को रजिस्टुर्ग किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर द्यायकन (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1 बम्बई

नारीख. 9-5-1984

प्ररूप आइ". टी. एन्. एस.-----

क्षापकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-, वश्वई
बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश मं० प्रर्ड-1/37ईई/1008/83-84--ग्रत म्झे. ए० लहिरी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इममें इसके पश्चात उत्तत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्तास करने ता कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संव पलैट नंव 103, 10 वीं मंजिल, प्लाट नंव 99, रान पलावर, सोमानी मार्ग, बंकवे रेवलेगेशन, बस्बई-1 है तथा जो बरबई में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में घौर पूर्ण प्रम से विणित है), और जिसका करारतामा धायवर धिधनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्[ किया है, नारीख 20-9-1983

को प्रॉक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफात के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्ष्त मम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उनके द्रायमान प्रतिफाल में, एसे द्रायमान प्रतिफाल का पन्द्रश्न प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफाल निम्निलिखित उन्दर्ध्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तिक रूप से बाधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई जिस्ती वाय की वाबत, अन्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए, जौर/या
- (भ) एंनी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत. निस्तिजित व्यक्तियों, अधित्ः— । श्री कालेसन नार्गसन

(भ्रान्त्रक)

2 श्री जिमि एम० पंथकी

(भन्यशिनों)

**3 शन्तरक** 

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुजना जारी कारके पृथोंक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कायंग्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पण स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीता उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बच्ध जिस्सी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहम्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्थक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के भे परिभाषिण हुँ, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 103, 10वीं मंजिल, प्लाट नं० 99, सनफ्लावर, सोगानी मार्ग, बंकडे रेक्लेमेशन, बम्बई-400001 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रर्ड-1/37ईई/988/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 20-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) म्रजैन रेंज-1, बम्बई।

तारीख 9-5-1984 मोहर इ प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत शरकार

कार्यातय, गहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रजन रज-1 व्यवर्ड

बम्बई, दिनाक ७ मई 1984

नि**र्क**ण म० श्रर्ड- १/37ईई/992/83----श्रन मुझ, ११० लहिंगी

क्षायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्मावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '-रा म अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० ।। ।थी मजिल, तिता श्रीप० हाउसिंग सासायटी लिफ्टिंट, तताजी सुभाष ,मार्ग, वस्बई-100 020 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुस्वी में श्रीर पूण रूप से बिणत है) श्रीर जो श्रीयकर ग्रिधिनियम 1961 की श्रीरा 269व, खे के श्रीत तस्बई स्थित रक्षिण पाधिकारा के कार्यात्व से रिजर्स्ट्री है, तारीख 15-9-83 को पूर्वक्रित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्लामान श्रीपत के लिए अनारित को गई है और मुक्त यह विश्वास ये ने का नारण है कि संभापूर्वित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य अका उचित बाजार मूल्य अका उचित बाजार मूल्य उक्क रूपमान प्रतिफल को पत्त्र श्रीतिक रूपमान प्रतिफल को पत्र अनुस्वी अनुस्वी (अनुस्वीतिक) के बीत्र एसे अनुस्वा (अनुस्वीतिक) के बीत्र एसे अनुस्वा के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नोलिसिंग उद्देश से उक्त अन्तरण विस्थित में बार्गिवक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) जन्नरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिसिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व म क्षणी करने या उसस अपने में स्विभा के लिए, जरि√या
- (स) एमी किसी आग गा किसी धन या अन्य आम्लियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में मूर्विधा के लिए।

अप अवं, उचन अधिनियम की धाम 269 म के अन्तरण मा, मी, उचन अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1 (1) रामचंद हिरासिंग बजाज
  - (2) इदिरा रामचद बजाज
  - (3) भ्कश रामचद बनाज
  - (4) कुमार, दिनेश रामचद बजाज थु एफ० एण्ड एन० जी०

श्री ग्रार० एच० बनान

(यन्तरक)

🕹 (1) जयेश ह्पदराय पारस्य

(2) चनन ह्पंदराय पारख

(यन्तरिनी)

उ ग्रन्धरका

(बह व्योपन जिसके भ्रोबसाग म सम्पत्ति है)

का यह सूचना आरी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लि कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई आक्षप ---

- (क) इस मूचना क राजपत्र मा प्रकाशन का तारांखा मा 45 दिन की अविधि या तत्यम्थन्थी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हा, के भीषर प्रविक्त व्यक्तियाँ मो मे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के गजपत्र मा प्रकाशन की तारील मा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हिनसमूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षाणी के पाण तिस्ति मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमी प्रयुक्त शब्दा और पदो का, आ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क मी परिभाषिण ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मी विधा गया ही।

# धनस्धी

पर्लैट न० । !, 4थी मजित्र, निता की-ग्राप० झाउसिस साराप्यटी त्रिमिटेड, नेताजी सुभाप मार्ग बस्बई- (०० ०२० में स्थित है।

ग्रनुसूची जँसा कि कर सर ग्रई-1/37ईई/971/83-84 ग्रार जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 15--9-83 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी राजम प्राधिकारी महायक आप्रकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-, ब्रम्जई ।

मारीखः १-५-1981

प्रकप नाहरू, टी. एन्. एस., - -- -

नायकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

वम्बर्ध, दिनाक 8 मर्घ 1981

निर्देश मं० अर्ड-1/37र्डि/80 //83-84---भ्रत. मुझे, ए० लहिरी.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 2° 000/- ए. से अधिक है

धौर जिसकी स० माला नं० 2, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, हनुमान लेन, लाध्रर परेल, बम्बई-400013, में स्थित है, (धौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रीर पूर्ण स्थ

स वर्णित है), श्रीर जो श्रायकर श्रिधानियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 6-9-1983

कां प्वंक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उच्दरेय से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिरत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के निए:

अतः वन अवत वीधीनयम की धारा 269-न वी वन्तरण मो, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) भे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) णहा बाडीलाल चिनिताल, झी
  - (2) महा भैंनम बाडीलाल

(ग्रन्तरक)

2. मससे क्रिम्पलान इण्डस्ट्रीज

(प्रन्तरिती)

3. सेरफ ग्रक्यूपाइड

(बह व्यक्ति, जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पबॉक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यवाहियां करता हों।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा यक्षणे

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों अहि पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में यथा पिन्धावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुस्ची

गाला नं० 2, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, हनुमान लेन, लोग्नर गरेल, बम्बई-400 013 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि अ० सं० श्रई-1/37ईई/779/83~84 भ्रार जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 6-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रापक्षर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रप्नेन रेंज-1, अस्यर्ड

तारोख: 8−3−1984

पुरूष बाहाँ. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्**म**ना

भारत सरकार

कार्यांनिय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं० श्रर्ड-1/37ईई/1035/83-84—स्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 3, "विवेणी" बिल्डिंग, 66, वालकेण्वर रोष्ट, बम्बई-400 006 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बर्णित है), ग्रीर जो श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-9-1983

को पूर्यों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इस्प से किस्त नहीं किया गया है:—

- (क) अध्ययम से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सूविधा के शिष्; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन वा जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री ग्रंग्विंन्द एन० साल्ला । ग्रीर भूपेन्द्र एम० साल्ला ।

(ग्रन्तरकः)

2 श्री रतनगाज श्रार० महता ग्रीर श्रीमती समारबाई आर० मेहता।

(भ्रन्तरिनी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्व) इस स्थान के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उनल स्थावर सम्मित मा हिताबक्षध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित मो किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्चों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्मची

भलैंट न० 3, "त्रिवेणी" बिल्डिंग, 66, वाणकेंग्बर रोड , 2 + 400006 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० रा० ग्रई-1/37ईई/1033/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रागुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज- [, बम्बई ।

मारोख: 9-5-1984

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेज-रे, बम्बई

बम्बई, दिनाक 9 मई 1984

निर्देश स० ग्राई-- 1/37ईई/666/83-84--ग्रत मझे, ए० लहिंगी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी कां, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-, रुठ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० यूनिट न० 202, "ए" बिल्डिंग 2री मजिल, भायखला सर्विस इण्डस्ट्रीज, 711, समेन्स राड, बम्बई-100-027 हे तथा जो बंबई में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), स्रार जिसका करारनामा

थायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के स्रबीन त्रम्बई स्थित यक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, तारीख 7-9-1983

का पूर्वोक्त मम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उश्यक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, अकत शिक्षित्रण के प्रश्नीत कर देने के प्रश्नरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; जॉर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः बबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मा, मी, उत्तत अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित त्यिक्तयों, अभीतः :--- 1. मेसर्स हिफीन प्राडक्ट्म प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. श्री हरमन लदर मणीन्स

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के अर्जन के मम्बन्ध मा कांई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिशि में क्षि-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्तीकरण:---इशमा प्रमुक्त शब्दों और पदों का, भा उक्त अधिनियम, यो अध्याय 20-क म पारिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उग अध्याद मो विद्या गया है।

#### ममृत्त्री

यूनिट न० 202, "ए" विल्डिंग, 2रो मजिल, भाषाखना रात्रिम इण्डस्ट्रीज, 711, समेक्य रोष्ट, बम्बई-400-027 में स्थित है।

अनुसूत्री नैसा कि घठ सठ ग्रई-1/763/83--84 ग्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 7-9--1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लॉहरी सक्षम प्राधिकारी

सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-<sup>I</sup>, बम्बर्ड

नारीख 9—5<del>-</del>1984

प्ररूप आर्⁴. ट]. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पाना

भारत सरकार

भायालिय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई वगवर्ड, दिनोक 8 मई 1984

निर्देश म० यई-1/37ईई/1019/83-84--श्रत मुझे, एक ज़िली,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसक पश्चात 'उवत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वाप करने का फारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित पाजार मृत्य 25,000/- रा. स अधिक **है** 

श्रीर जिसकी स० युनिट न० 438, 4थी मंजिल, केवल इण्डरिट्यल इस्टेट, बी-बिल्डिंग, गेनापती बापट मार्ग, बम्बई-400-013 मे रिथन हे (और इससे उपावक शनुसूची मे पूर्ण रूप में वर्णित है),ग्रीर जिसका करारनामा स्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरही है, तारीख 20-9-1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल, से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दाचिएवं में कमी करने या उसम बचन में स्विधा के लिए, और/या
- (अत) एसी किसी अत्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी दुवारा प्रकट नडी किया गया था या विया जाना चाहिए था छि। सं में मीवना के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं , भें उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिल्लानिसिंह अक्टियों अर्थातः

1. मेमर्स एन० जे० प्लास्टिम्स इण्डस्ट्रीज

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुखराज बी०, गोलीया थीर श्रीमनी सरला देवी पी० गोलीया, दस्टी स्नाफ गोलीया फेमिली दुस्ट

(श्रन्भिरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्वकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थधाहिया करता हो।

उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अधिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीभ में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिगाबार्थ किनी अन्य त्यान्त व्याप अधारणाध्या । यः पास जिल्लिक में किए भा सकेंग।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्ता भागा और परा शा, का उक्त अधितियम के अध्यास 20 के र परिभाषित ही, बही अर्थ हारा चा स्व गर्मा मा । इसा गया है।

# मन्सूची

युनिट मं० 438, 1थी मंजिल, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, बी० बिल्डिंग, मेनापती वापट मार्ग, बम्बर्ट-400 013 मे स्थित है।

श्रन्**स्**ची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37ईई/912/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा विनाक 20-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भायकत (निरीक्षण) मर्जन रेज-1, बम्बई।

नारीख: 8-5-1984

मोहर 🖟

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-1, बम्बर्ध बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश मं० ग्र**र**-1/37ईई/988/83-84--श्रनः मझे. ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रत. में अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, 7वी मंजिल, श्राफ शालिमार "बी" बिर्हिडग, लब लेन, भायखाला

बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी अम्बई के कार्यालय में रजिस्दी किया है. तारीख: 20-9-1983

को पूर्वोक्त संपक्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण शिशित भी वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनर्यम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री हविब ग्रन्दूल करीम मोटरवाला

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रव्युरुला श्रव्यास फिर्फायर

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकरें।

ल्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

## अन सची

फ्लैट नं० 5, 7वी मंजिल, श्राफ शालिमार ''बी'' बिल्डिंग, लब लेन, भायखला, बम्बई में स्थित है।

भ्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/949/83-84 मीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) म्पर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 9-5-1984

प्ररूप आहु<sup>र</sup>, टी. एन. एस. \*\*\*\*\*\*\*\*

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-।, बम्बई
बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश मं० श्रई—।/37 ईई/864/83—84:——श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पित्त, जिसका उचित बाजार म्स्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3, 3मरी मंजिल, बानू मेन्शन, श्राउट-हाउस, 619, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जो ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बाम्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

अतः अह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
31—96 GI/84

भौतिक के दुआप
 ग्रौत्एच० क दुभाष ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विरफ पी० चिनाय।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संप्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वान की तामील से 30 दिन की ज्वधि, जो भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्ठीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लेट नं० 3, 3सरी मंजिल, बानू मेरणन, घाउटहाउस, 619, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-400014 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि के मं० श्रई-1/37 ईई/761/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी महायक्त आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 9-5-1984

म!हर:

THE PARTY OF THE P

प्ररूप बाह". टी. एन. एस.----

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मृषना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, वस्बई अस्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देण सं० श्रई—।/37 ईई/1054/83—84:——श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), की धारा 269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25 000/- रु. से अधिक हाँ

श्रीर जिसकी सं० शाप नं० 2-ए, ग्राउंड फ्लोर, न्यू साई निकेतन बिल्डिंग, "ए" ब्लाक, 345, माउंट रोड़, माझगांव, बम्बई-400010 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, तारीख 26-9-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्तत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क्ष) अन्तरण मं हुई किमी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी करने दा उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ए) फूंजी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) हे अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः (1) श्री ग्रासूदोमल धालूमल कोटवानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रोणनभ्रमी भ्रहमदभ्रमी नपानी।

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें

  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि भाष में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स
  अविक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनस्ची

णाप नं 2-ए, ग्राउंड पर्यार, र्यू साई निकेत्व बिल्डिंग, ''ए' ब्लाक, 345, भाउंट राष्ट्र, माझगांव, बस्वई-400010 में स्थित है। स्रतुसूची जैसा कि कं सं प्रई-2/1045/83-84 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई ।

तारीख: १-5-1984

प्ररूप आई<sup>5</sup>. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीप स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं० अई-1/37 ईई/368/82-83:-अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० वफ़्तर नं० 112 11वीं मंजिल पर "मित्तल कोर्ट" "सी" विग, नारीमन प्लाइंट है तथा जो बम्बई में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी किया, दिनांक 16-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गुई है और मुभे यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मुल्थ, उसके रक्यमान प्रतिफाल से, एसे रश्यमान प्रतिफास का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतुरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देषय से उस्त मन्तरण निवित में बास्तविक रूप संकिथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत जबत बांध-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में स्विधा के लिये; 新宝/41
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुविधा 🖷 िलए;

वतः वश, अवस विभिनियम, की धारा 269-ए के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन,, निम्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स दीपक इण्टरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स लारस्वीन इंजिनियर्स (प्रा०) लिमिटेड । (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त संपर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पक्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो छवत अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित है, बही धर्व होगा, ना उस अध्याय में विया गया है।

# **मन्**स्ची

श्राफिस नं० 112, 11वी मंजिल, "मित्तल कोर्ट", "सी" विग, 224, नरोमन पाइंट, बम्बई--400021 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० भ्रर्द-I/772/83-84/श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I बम्बई

तरीख: 9-5-1984

मोहर 🛎

प्ररूपः बाइ ुटीः एतः एसः ------

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-।, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 मई, 1984

निर्देश सं० श्रई-।/37 ईई/1034/83-84:---श्रत: मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० फ्लेट न० 201, श्रभय स्टिल हाउस प्रिमायसेम को०श्राप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड, दाणाबंदर रोड, बम्बई—400009 में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रोर जो श्रायकर श्रश्चिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 26—9—1983

को पूर्वीकित सम्मत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मृभे यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अंतरण निस्ति में गस्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैसर्स रमेश काटन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स एस० के० एफ० इण्टरप्राइज।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मे सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के दर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त बब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अ**भसर्ची

प्लैंट नं० 201, श्रभय स्टिल हाउस प्रिमायसेस को० श्राप०, हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, दाणाबंदर रोड, बम्बई-400009 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि कि के सं० भ्रई-।/37 ईई/1069/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (।) के अधीन, निम्नजिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 8-5-1981

बुक्य बार्च . टी. एव . एव . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० म्रर्ड-1/37 ईई/949/83-84—यतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं शोरूम नं जी— 6, मेकर चेंबर नं 5, प्लाट नं 221, नरीमन पॉइंट, बम्बई-400021 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाक्द अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 8-9-1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमन प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुदं किसी आप की बाबत सकत अधिनियम के अधीन घर दोने के बन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) मेसर्स व्ही० के० लालको प्रायवेट लिमिटेड
  - (স্বাচা)
- (2) श्रीमती बिद्द ग्रार० लूल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के कर्बन के किए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्तित में हितब्ध्व किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पब्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं श्रथ होगा जी उस श्रष्टयाय में दिया समाहि।

#### अपृत्वी

शोरूम न० जी-6, मेंकर चेंबर न० 5, प्लाट न० 221, नरीमन पॉइंट, बम्बई-400021 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-I/37 ईई/889/83-84:श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—I, वम्बई ।

नारीख: 10-5-1984

प्रकृत काइ . टी. एन् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

## मार्ग्य बरकार

# कार्यालयः, सहायक भागकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज- बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० श्रई-1/137 ई०ई०/932/83-84:--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० श्राफिस नं० 604, 6वीं मंजिल, दालामल टायर्स, प्लाट नं० 211, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 8-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गमा प्रति-क स, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गमा है दे—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दरीयत्व में अभी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के जिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियमों, अर्थात् :--- (1) व्रज इन्वेस्टमेंट प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) अनुराधा इण्टरप्रायजेस ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वित्रत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओब:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां प्र स्चना की गामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्वीक्तमों यें से किसी स्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>4</sup>।

#### अम्बर्ग

श्राफिस नं० 604, 6वीं मंजिल, दालामल टावर, प्लाट नं० 211, नरीमन पाइंट, बम्बई-400~021 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/887/83-84:-ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक <math>8-9-1983 को रजिस्टंड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–<sup>I</sup>, बम्बई ।

ता**रीख** : 10—5—1984.

मोहर ई

प्ररूप , आहाँ हो । एन , एस : ----

आयक्ष्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं० श्रई-J/37 ईई/903/83-84---श्रक्ष: मुझे, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ग्राफिस प्रिमिसेस नं० 608, 6वीं मंजिल, "रहेजा सेंटर" बिल्डिंग, प्लाट नं० 214, ब्लाक III, नरीमन पॉइंट, वस्बई—400021 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 5-9-1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्तिक रूप से कथिल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अल्परक के दायिक्त भे कंभी करन या उससे बचने में स्विधा के लिए; भीर/मा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय अप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:----

- (1) टेकनेकोन सर्विसेस प्रायवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरक)
- (2) गेविना उम्पेक्स एण्ड एजेन्सीज प्रायवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्राफिस प्रिमिसेस नं० 608, 6वीं मंजिल, रहेजा सेंटर बिल्डिंग, प्लाट नं० 214 ब्लाक III, नरीमन पाइंट, बम्बई— 400021 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई—I/37 ईई/875/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, श्रम्थई द्वारा दिनांक 5-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> स्रजेन रेंज−I, वम्बई ।

तारीख: 9~5~1984.

प्ररूप . बाईं. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं० म्रर्ड-I/37 ईई/1158/83-84—-म्रतः मुझे, ए० सहरी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० माला नं० 147, 1ली मंजिल, "ए-1" बिल्डिंग, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-400013 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया दिनांक 27-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में काम्तिबस स्प में किया न्या है:---

- (क) जन्तरण से हुंद्र किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे वसने यो सुविधा के लिए; बाँद्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— (1) धनरान गिल्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सिद्धार्थ सेवंनीलाल णहा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## नगत्त्रपी

माला नं ० 147, 1ली मंजिल, "ए-1" विल्डिंग, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई-400013 में स्थित है। श्रृतुसूची जैसा कि के अर्थ श्राई-1/793/83-84 श्रीर जो सलम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी. ,सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–I, बम्बई

नारीख : 9-5-1984.

प्रकृष शाह . थी. एनं, एसं.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269 भ (1) को अभीन सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--!, बम्बर्ट

बम्बई, दिनाक 9 मई 1984

निर्देण म० अई--1/37ईई/928/83--84---भतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संवपलेटनंव 2ए, 2री मंजिल, मोंट ब्लान्क अपार्टमेंट्स दादी गेंठ हिल, ऑगस्ट कांती मार्ग, वस्बई-400 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जो आयक्षर अधिनियम, 1961 की बारा 269 के खे के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 20-9-1983

को प्रवेषित सम्मरित के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान मितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेषित सम्परित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्श्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कामी करन या उसस स्वर्श में सुविधा के लिए: और/या
- (ण) एंसी किसी जाय या. किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जात चाहिए था, छिनारे में सदिभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात :--

32 →96 GI/84

(1) मोंट ब्लान्क हाटेल्स प्रायवेट लिमिटेंड ।

(अन्त रका)

(2) इणक इम्पेक्स प्रायवेट लिमिटेइ ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी थे पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उनत्त अधिनियमं, के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

## नन्त्रकी

फ्लैट नं० 2ए, 2री मंजिल, मोट ब्लान्स अपार्टमेंटस, वादीगेठ हिल, ऑगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैंसा कि क्र० सं० अई-1/37ईई/811/83-84:-और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 20-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारी**ख**: 9 ·5--1984.

माहर:

प्रक्रम आहे<sup>र</sup>. टी. एन . **ए**स . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के संधीन सुचना

भारत सस्वार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-!, बस्बई

बम्बई, दिलावः 10 मई 1984

निर्देण मं० अर्ड-I/37 ईई/1055/83-84:--अतः मुझे, ए० लहिरो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसको सं शाप न ० 4, ग्राउंड फ्लोर, हिंद राजस्थान णा पिंग सेंटर, प्लाट नं० 272-273, सायन (पिच्चम), बम्बई-400022 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणन है) और जा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यायल में रिजस्ट्रो है, सारोख 26-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में बास्तिक रूप से कम्मित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबरा, उक्त जिसिनयम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अभिनियम की धाउ 269-ग वै अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :--- (1) र्था कोंड्मल टोटलदाय लालवानी।

(अन्तरक)

(2) श्रो मुहास शकर फाटक, प्रोपा० आफ सेसर्स सुहास इण्डस्ट्रिज ।

(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में सं किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

णाप नं० 4. ग्राउंड फ्लोर, हिंद राजस्थान णापिंग सेंटर प्लाट नं० 272-273, नायन (पिण्वम), वस्बई-400022 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि कि० मं० अई-I/37ईई/1046/38-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1983 को रिजस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--!, बम्बई

नारीख : 10-5-1984.

# मुक्षम् बाह्र .टी. एव. एव. --------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के विधीन सूचना

## भारत् सरकार्

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—I, बस्बई बस्बई. दिनांक 10 मई 1984

निर्देश मं० अई-1/37ई०ई०/986/83-84:--अन. मुझे, ए० लहिरी,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- ए. से विभिक्त हैं

और जिसकी मं० णाप तं० 4, 1ली मंजिल, भाग वाडी शापिंग आरकेड, कालबादेवी रोड़, वम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही है, तारीख 15-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के द्रामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीथ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकत, निम्नीसिवत उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्निति में बास्तीबक क्य से कवित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी आय की बाबत उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, सा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए:

कतः अव, उक्कत अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण मों, मों, उक्कत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्क व्यक्तियों, अर्थात् क्रेस्स (1) मैसर्स संदीप इण्टरप्राइन ।

(अन्तरक)

(2) डी० व्ही० व्होरा. प्रोपाः आफ डी० व्हि व्होरा एण्ड कपनी । (अन्तरिती)

(3) अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
  गम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

णाप नं० 4, 1र्ला मजिल, भाग वाडी णांपिग आग्केड, कालबादेवी रोड़, बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37 ई०ई०/947/83-84और जो सक्षम प्राधिकारो, वम्बई द्वारा दिनांस 15-9-1983 को गिस्टई िस्या गया है।

ए० नहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयमर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेजे-ा, बम्बई।

नार्षाख: 10-5-1984

म`(हर:

**बड्स बार्ड हो**ं प्रमः, एसः - - - -

नाम्कर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के प्रधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मई 1984

निर्देश सं० आई-1/37 ई०ई०/993/83-84: -अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार मूल्य 25,006/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैंट नं० 8, 1ली मंजिल, "पिटर मारकेल' बिल्डिंक, प्लाट नं० 941 और 941—ए,प्रभादेवी, बम्बई—25 में स्थित है और जिसका करारनामा जायकर अधिनियम 1961 (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 15—9—1983

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहममान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अजः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स काझीहोम बिल्डमं ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंगला सुरेन्शचन्द्र च ह्वाण ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके प्वाँक्स सम्पत्ति के जर्चन के तिए कार्यवाहियां शुरु करता हों।

उपत सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ' 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्याहै।

# वनस्ची

फ्लैंट नं ० ४, 1की मंजिल, "पिटर माकेल' बिल्डिंग," प्लाट 941 से 941—ए, प्रभादेवी, बम्बई-400025 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37ई०ई०/925/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिलांक 15-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० तहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षरआयुक्त (निरीक्षण), अजैगेरों जी, तस्वही।

ना**रीख**: 3-5-1984.

2 - C - G - ----

काककर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की ।

### भारत सर्वार्

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्षण) अजनरेज—ा, अम्बह

अस्वई, दिनाक 10 मई 1981

निर्देण स० आई-1/37 ०५०/१८९/83-814 - - अन मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिस इसम इसके पश्चात 'उक्त निर्धानयम कहा गया है), की भारा 269-इस के अभीन रक्षण प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कारण है कि स्थायर मर्धात, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- उ. से अधिक है

स्रोर जिसकी म० बेममुंट न० 14, मारत नगर का—आए० हा उभिम मोसायटी तिमिटेड, ई- । बिन्डिंग, ग्रन्ट रोड भारत नगर प्रमाई-7 में स्थित है (आर इत्तर उपान्छ अनुसूर्च। में स्रोर पूण रूप स्व विजित है), ग्रीर जो आद १- आधिनियम 1961 की धारा 2696 ख के अधीन बम्बई स्थित स्थाग प्राधिवारी के दार्यालय में रिजर्स्ट्र। है, तारीख 8-9-1983

कें पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हां और मूजे यह १ वश्यास करने का कारण हो । क यथापूर्वाक्त सपत्ति की रोचन कार्या मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकान मा, एस दश्यमान प्रतिकान मा कि प्रतिकान मां, एस दश्यमान प्रतिकान मा कि प्रतिकार (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रातिक निम्नि सित उद्देश्य म उपति सन्तरण लिखित में बास्त विक रूप से किथित नहीं किया गया है .—

- (क) भन्तरण स हुई किसी जाय की बाबत, जन्त साधानयम क अभीन कर दन के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससं बचन में शुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसा बाय या किसा धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) ते जन गांधानयम, को धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था बाकिया जाना चाहिए था, छिपान में स्मुधिना के लिए,

बत. बब, उक्त जीधिनियम की धारा 269 व के अन्तरण मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निमालिखित व्यक्तियों, संधीत ;——

(अन्तरक)

(2) । सामाचन्द्र जनालाताजा जेन, श्रौर 2 राजेन्द्रभगर हस्तीमलजा जैन ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारो कर के पूर्वावन सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज्वत समिति के अजन के सब्द में का**इ भी बाक्षप** ---

- (क) इस स्थन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख के 45 दिए की अदिध या न सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी बर्बाध बाद में नगण्द होती हो, के भीनर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित मा किए जा सकरों।

स्पब्होधरण - ६स. ायात अत्या कीर पदा का, जा **स्थल** क्रिनियम, ने अध्याब 20-क मी क्रिमाधित ै, उत्ती ११ हार। जो उस अध्याप मा दिया गया **ह**ै।

# अनुसूची

वश्मट तर्राम, साप्त नगर कार्श्वापर हार्जिसग सासायटी गिमिटेट, री-1 विल्डिंग, भारत नगर, ग्रन्ट रोड, बम्बई-7 में रिथत है। अनुसूचा जैसा कि कर्रिस अई-1/37ई०ई०/918/83 31 श्रीर जो सक्षम प्राधिकार्गि, वम्बई द्वारा दिनाक 8-9~1983 कार्श कर्ट्ड तिया गया है।

> ए० लहिरा, गक्षम प्राधिकारी महायक्त आयक्रस्थायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजन्1, बम्बई

বালা⊓ 10-5**-**1984

मोहरू

# प्रकृष् बाह्ये दी , प्रस्तु प्रस्तु ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 8 मई 1984

निर्देण मं० आई-1/37 ई॰ई॰/936/83-84 -अतः मुझे, ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रहपयं से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० यूनिट नं० 318, रिगल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, आचार्य दोंदे रोड, सिबरी, बम्बई-400015 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 8-9-1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस्ते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस अड, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) श्री अनिल गणेश निरगुडकर।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती उपाबेन रतनशी लापासिया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोगन्मे सम्पत्ति है)।

(4) अन्सरिती।

(वह व्यक्ति,•जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

यूनिट नं० 318, रिगल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, आचार्य दोंदे रोड़, सिवरी, बम्बई-400015 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ई०ई०/896/83-84:और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 8-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहाय**क ग्रा**यकर ग्रायुक्त (निरी**क्षण),** अर्जन रेज⊸<sup>I</sup>, बम्बई।

तारीख: 8-5-1984.

मोहर ३

प्रकप आही. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण') अर्जन रॉज⊷!, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1984

निर्देश मं० आई-1/37 ई०ई०/1013/83-84:--अतः मुझे, ए० लिहरी.

कायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पवनान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 44, 4थी मंजिल, मानव मंदिर, प्लाट नं० 34, आफ स्कीम नं० 58, आफ वरली इस्टेट, बम्बई-400018 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 20-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके शरमान प्रतिफल से एसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपिस्तरों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उत्कल अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिवित व्यक्तिओं, अर्थात् ■— श्री पी० आर० कान्यू फेमिली ट्रस्ट ,
 बाय ट्रस्टी पश्वीराज पी० कान्यू ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हर्षा एम० कानानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हु-।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

फ्लैट नं० 44, 4थी मंजिल, मानव मंदिर, प्लाट नं० 34, आफ स्कीम न० 58 आफ वरली इस्टेट, बम्बई-400018 में रियत है। अनुसूची जैसा कि कि राज्याई-1/37ई०ई०/983/83-81 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 9-5-1984.

मोहुडु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----आसकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की

गास 260 व (१०००) हो। वस

भारत मरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज~1. बस्बर्ट

बम्बई, दिनांक 9 भई, 1984

निर्देश सं० आई-1/37 ई०ई०/963/83-84-अन: मुझे. ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमे इसके पश्चात् जिल्ला अधिनियम करा गणारी), रां गण 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, एह दिश्ताम एर्ट का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका रिचर राजा। तरा 25,000/-रा. में अधिका दें

और जिसकी संव नव 124, "बी" विग, 12वी मंजिल, जिसल कीर्ट, नरीमन पाइंट, वस्वर्ट-400023 है तथा जो प्रवर्ट से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से पणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र जिस्ही किया है तारीख 15-9-1983

वो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य प्रया गया गति फल कि निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निम्नित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तारण में हुई किसी काय वी धाधत, उकत अधिनियम के पधीन कर दोने किन्तरक के यापित्व में कमी करने या उससे वर्ष्य में स्विधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या िकसी तर या अन्य जिल्लामां को, जिल्ला भारतीय आय-कर गाँविन्यमा, १९२२ (1922 का 11) या उर्देश प्रियम, से अगव कि अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन नार्थ अन्तरिती द्वारा पत्रट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने या गविधा की लिए:

ात: साब उनका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उनका अधिनियम की धारा 269-ए की स्थापण (1) के अधीय, निम्निलिसित व्यक्तिक्यों स्थाप ह (1) मेलर्ग शतला इण्यतेमत्त्व ।

(طباعة)

(2) झीलय रोच १९३१ स्थानिक प्राचीलव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके प्योक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सण्दा की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास दिल्या में किए जा सकेंगे।

स्थान्द्रीकरणः—-एसक्षे प्रयुक्त अव्या और पती का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के की परिभाषित ही, सकी अर्थ होगा जो उस अध्याय की दिया गया ही।

# अनुस्ची

तर 124, "दो" विग, 12की मित्रल मिन्तल कोर्ट, नरीमस पाइंट, तस्पर्के-100023 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि कठ संठ आई--1/970/83--84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, पम्बर्ड द्वारा दिवांक 15-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> ए० लहिरी, गक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निर**ीक्षण)** अर्जन रेंज∼!, **बस्बई**

तारीख 9-3-1984 साहर प्र<del>रू</del>प आह<sup>\*</sup>. टी. एन. एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर आगुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्वेण सं० अर्ड--1/37 र्टर्श/947/83--84:---अत: मुर्झे,

ानवण स० अड-1/37 इड/947/83-84:--अत: मुझ, ए० लहिरी,

वायकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 507, एम्बेसी सेंटर, प्लॉट नं० 207, ब्लाक नं० III, बकबे रेक्लमेशन, नरीमन पाइंट, बम्बई—21 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी किया है, तारीख 13-9-1983

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाथ की बाबत, उचक अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम. की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीत िस्मितिस्थित व्यक्तियों, अधीत स्मित्र

33--96 GI/84

- (1) श्रीमती विलासबेन शरवचन्द्र शेठ,
  - 2. श्री राजेश शरदचनद्र शेठ,
  - श्री बिनिण शरदचन्द्र शेठ ।

(अन्तरक)

- (2) श्री एस० एम० मेट्टी । अँज फादर अँज नेचुरल/लिगल गाडियन आफ
  - कुमारी व्ही० एम० शेट्टी,
  - 2. कुमारी वैशाली एम० शेट्टी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तिरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स स्वावता में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पथ्दीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया यया है।

# अभूसूची

507, एम्बेसी सेंटर, प्लॉट नं० 207, ब्लॉक नं० III, बकबे रेक्लमेशन, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/962/83-84 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॅंज⊶I, बस्बई

तारीख: 9-5-1984.

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?6०-ए (1) के अधीन सचना

भारत सर्कार

कार्यालयः, सरापक आयकार आयुक्त (निर्माक्षण)

अर्जन रंज-1, बस्धई बस्बई, दिनांक 8 मई 1984

निर्देश सं० अई-I/37-जी/4952/83-84:--अतः मुझे, ए० लिहरी,

अध्यकर अभिजियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्प्रौर जिसकी सं० स्रोरीजनल प्लाट नं० 395, फायनल प्लाट नं० 351 आफ वि टाउन प्लानिंग स्कीम बाम्बे सिटी नं० 4, सर्वे नं० 1461 (पार्ट) गण्ड सी० एस० नं० 3/1482 आफ लोजर परेल डिविजन पोर्तीगंज चर्च रोड, राव बहादुर एस० के० बोले रोड़, (नया नाम), दादर में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबह अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-9-1983

का पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम्भाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप में कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त लिशिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ६ वित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए. और/या
- (ल) एनं किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती कुसुम सुमन मंत्री।

(अन्सरकः)

(2) श्रीकिं जे भेहता।

(अन्तरिनी)

- (3) 1. रमेश अनंतराव बेंसाले:
  - (2) श्रीमती मालतीबाई रामराव धरने,
  - (3) मोहन नथुराव म्हात्ने ,
  - (4) श्रीमती द्वारकाबाई दामोदर म्हात्ने,
  - (5) दललय कृष्णाजी गावकर, श्रीर
  - (6) सुधीर भास्कर पाठ। रे।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहम्लाक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ हांगर जो उस अध्याय में दिश्रा गया है।

# अनुसुधी

अनुसूची जैसा **कि विशेख सं**० बाम 172/80 श्रौर जो ऊपर रिजस्ट्रार बम्ब**ई** द्वा**रा दिनांक 7**–9–1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ्र लिहरी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, बस्बई

तारीखा: 8-5-1984

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन स्थान

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्देश सं० अर्ह-I/37 ईर्ह/1057/83-84.—अतः मुझे, ए० लहिरो.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० ए/2, 3री मंजिल, पृथ्वी अपार्टमेंटस, 21 अतटामाऊंट रोड़, बम्बई-400026 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जो आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय ने रिजस्ट्री है, तारीख 26-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षा निम्नलिखत उद्देषय से उसते अन्तरण सिचित में थास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिवस से अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कसी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 'के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिथा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अमृसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) पृथ्वी कन्स्ट्रकृशन्स प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स महेन्द्र काम० लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां भूक करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टोकरणः --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं ० ए/2. उरी मंजिल, पृथ्वी अपार्टमेंटस, 21 अंतटामाउंट रोड़, बम्बर्ध-400026 में स्थितहै । अनुसूची जैसा कि कि कर् सं अई-1/37ईई/1047/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ध द्वारा दिनांक 26 - 9 - 1983 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम पाधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–J, बस्बई

नारंख : 9 ⋅5 ⋅ 1984

मोहर :

प्ररूप आ**र्द**्ध दी, एत<u>े.</u> एस..-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई, 1984

निर्देश सं० श्रई-I/37 ईई/904/83-84: - श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/-छ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 110(ए), "ए" बिल्डिंग, भायखला सर्विस इण्डस्ट्रिज प्रिमायसेज को०श्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, 711, ससेक्स रोड़, बम्बई-400027 है तथा जो वम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है तारीख 5-9-1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण निस्तित लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री जोसेफ विन्स्टोन कस्टोन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेखाटी ० बिवा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (थ) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

यूनिट नं० 110 (ए), "ए" बिल्डिंग, भायखला सर्विस इण्डिस्ट्रिज प्रिमायसेस को०ग्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड, 711, ससेक्स रोड़, बम्बई-400027 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/876/83-84-श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 5-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-<sup>I</sup>, बस्बई ।

तारीख: 9-5-1984.

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कायांलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  $\pi$ र्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 9 मई, 1984

निर्देण सं० श्रई-I/37ईई/896/83-84:—श्रतः **मुझ**े, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्रौर जिप्तकी सं० चेंबर नं० 633, 6वीं मंजिल, पंचरत्न बिल्डिंग, श्रापेरा हाउस, वस्वई-400004 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रौर जो ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन वस्वई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 2-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक हुए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं विक्या गया था या किया जाना चाहिए था, अख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अमरजीत सिंह चंडोक।

(ग्रन्तरक)

(2) (1) श्री चिन् प्रेमचन्द झवेरी ग्रीर,

(2) श्री प्रफुल्न ग्रमीचंद झवेरी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

चेंबर नं ० 633, 6वी मंजिल, पंचरत्न बिल्डिंग, आपेरा हाउस. बम्बई-400004 में स्थित हैं।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-।/37ईई/806/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज–I, बम्बई

नारीख: 9-5-1984.

मोहर:

# प्ररूप बार्ड , टी., एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- , बम्बई अम्बई, दिनाक ७ मई, 1984

निर्देश स० यर्ड-i/37 ईई/1021/83-84 --- मुमे, ए० लहिरी,

वायकर वर्षधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद के अविदेशमां याहा गया हो), को धारा 269-व के जधान सक्षम गरिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 45.000/- रु. से अधिक हो

ग्रौर जिसकी स० रूम नवर्म 7 ग्रीर 8, रेडिमनी प्रिमायसेस को-ऑप० सोसायटी लिपिटेड, 167, डॉ० ग्रनी बेसेट रोड, बरली, बम्बई-400018 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जो ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 20-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्धह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्न्लिसित उद्देष्य से उस्त बन्तरण लिखित में बाम्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीविनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे सकते में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों है हिंदी श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रकर अधिनियम, या प्रकर अधिनियम, (957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

भन भग, न्या नियोजयम की धारा 269-ग को अनगरण म म परिवासन्यम का धारा 269-थ को उपधारा (1) को अधीन, जिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री मोदी ट्रेडिंग वपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रल्टीमा सर्च।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग मे नम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख स 45 विन की वविध या तत्सभ्वन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा.
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे:

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# **अम्**स्**ची**

रूम नंबर्स 7 और 8, रेडिमनी प्रिमायसेस को-श्रांप ० सोसायटी लिमिटेड, 167, डॉ॰ अनो बेमेंट रोड, वरली, वेम्बई-400018 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि क० मं० ग्रई-1/37 ईई/908/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ण० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त** (निरीक्षण), श्रर्जन रंज-!, सम्बर्द

तारीख 9-5-1984. मोहर

# प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

# भायकर भीधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सुमना

भारत सरकार कार्यालय, महायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज—ा बम्बई बम्बई, दिनांक ९ मई 1984

निर्देण सं० श्रर्क-1/37ईई/1002/83-84:—-ग्रतः म्झे. ए० लहिरी,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, "डी" ब्लाक, 2 री मंजिल, जय माडेल-हाउस को०श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 61, बाडोलाल ए० पटेल रोड़, बम्बई-400004 है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है तारीख 20-9-1983

कां पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में एसे दृश्यमान प्रतिकल का पेंद्रह प्रतिकास ने अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकलन, विस्तिक उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्च में बास्तिविक कप से किथा हती। किया नथा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ग्रें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ज्ञानेश शंकर राव हेम्डी।

(अन्तरक)

(2) श्री पद्माकर गोपाल शिरगांवकर, श्रीर श्रीमती उर्मिला पद्माकर णिपगांवकर । (भन्तरिती)

(3) भ्रन्तरितया ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)।

सबे यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्जन के निष्

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासीपान

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीत से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अपिध, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के गोनर प्रकारत व्यक्तियों में से किसी ह्यांपर हरातों.
- (स) इस सूचना के राजपात माँ प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्षा मान्य ने प्रकाशन की हतवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास के स्थान

स्पट्टीकरण:---क्समाँ प्रवृक्त शब्दो संर पदा ला, आ अक्ष्ट अधिनियम, को अध्याम 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

# ममूस्ची

फ्लैट नं० 9, "डी०" ब्लाक, 2री मंजिल, जय माडेल को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, 61, नाडीलाल ए० पटेल रोड़, बम्बई-400004 में स्थित है। श्रतुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-1/990/83-84: श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, भक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज़⊸I, बम्बर्फ

नारी**ख**: 9-5-1984.

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज-। बम्बई

बम्बई, दिनीच 9 मई, 1984

निर्देश सं० ग्रई--।/37ईई/667/83-84:--अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 204, "ए" बिल्डिंग, 2री मंजिल, भायखला सर्विस इण्डस्ट्रिज, 711, समेक्स रोड़, बम्बई-400027 है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यान्य में रजिस्ट्री किया है, तारीख 7-9-1983

को पूर्वीक्स सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से काम के इंद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से एसे दृदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप मे कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधित् :---

- (1) मेसर्स हिफीन प्रोडक्टस् प्राईवेट लिमिटेड ।
  - ( पस्तरक)
- (2) लेदर किंग।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

यूनिट नं ० 204, "ए" बिल्डिंग, 2री मंजिल, भायखला सर्विस इण्डस्ट्रियल, 711, ससेक्स रोड़, बम्बई-400027 में स्थित है। स्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० स्रई-1/773/83-84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० ल**हिरी,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–। बम्बई ।

तारीख: 9-5-1984.

मोहर:

प्ररूप आई, ती, एन, एस .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कां 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

### भारत सारकार

भागलिय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1984

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उथल अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, 2री मंजिल, चावला हाउस, 62, वृडहाउम रोड, कुलाबा, बम्बई—5 है तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है, तारीख 8-9-1983

को प्वेंक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रितिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाश (1) हो अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थीत् :--- 34--96 GI 84

(1) श्री गुलान नोहमील जिल्ही

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जिम्मी केकी उनवाला

(भ्रन्तरिती)

(3) श्री केकी बी० उनबाला

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग मेंसम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# भनुज्ञी

फ्लैट न० 6, 2री मंजिल, जावला हाउस, 62, बु**डहाउस रोड़**, कुलाक्षा, बम्बई-400005 में स्थित है। **प्रनुसूची जैसा कि क**० मं० प्रई-1/886/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 8-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज—!, बम्बई

तारीख: 9-5-1984. मोहर प्रक्य बार्ड टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 9 मई, 1984

निदेश सं० अई- $I_{37}$ ईई/948/83-84:—अतः मुमे, ए॰ लिहरी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 414, 4थीं मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इन्टेट (ए-1), लोग्रेर परेल, बम्बई-400013 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जो श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है, तारीख 13-9-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई जिली शाव की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने या उत्तरों क्याने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा औं जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्धरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) क अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हरू (1) जहा एण्ड महार अमोसिएटम् ।

(ग्रन्सरक)

(2) मैसर्स गन्ति उपहोलस्टेरी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हुं:

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रीप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया है।

# वपुत्रुची

यूनिट नं ० 414, 4थी मं जिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), लोग्नर परेल, अम्बई-400013 में स्थित है। प्रनसूची जैसा कि क० सं० प्रई-1/37 ईई/963/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 13-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर ध्रामुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रैंज-I, यस्बई

तारीब: 9-5-1984

मोहर 🗯

प्रका नाही, दी. पुन्, एत्.: - - - -

वायकर विधितियज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कायलिय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज—I, सम्बर्द

बम्बई, दिनांक 8 मई 1984

निर्वेश सं० प्रई-1/37 ईई/1023/83-84:-प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० यूनिट नं ० 413, 4थीं मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल एस्टेंट ए~।, लोग्नर परेल, बम्बई—13 में स्थित हैं (भौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), भौर जो भ्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 की भारा 269 के, खं के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीखं 20—9—1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उजित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उजित बाजार मृत्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए त्यं पावा गवा प्रतिकृत, निम्नसिवित स्वृद्धिय से उक्त क्तरण जिवित कें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण के हुई किसी बाव की बावता, उपत् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिक; बार्ट/वा
- (क) ऐसी किसी आयु या किसी अन या अन्य आरिस्तर्यों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना आहिए था, जिनाने में सुनिधा के विए;

अतः अब, उमत अधिनियम की भारा 269-गर्क अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, निम्मतिबित व्यक्तियों, नमत्

- (1) मैसर्स गहा एण्ड नहार एसोसिएटस ।
  - (भन्तरक) श्रीमती हंदमती मनमखलाल मुक्काना

(2) श्रीमती इंदूमती मनसुखलाल मकवाना, भौर श्री मनसुखलाल जीवन मकवाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को गर्जन को सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों 'प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकांगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और प्यों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्ची

यूनिट मं० 413, 4थी मंजिल, शहा एण्ड नहार इण्डस्ट्रियल इस्टेट ए-1, लोघर परेल, अम्बई-400013 में स्थित है। हे अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/910/83-84 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी; सक्तम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-[, बम्बई

तारीच : 8-5-1984

मोहर 😗

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायक दु भागुनत (निरक्षिण) प्रजेन रेंज-I, वस्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई, 1984

निर्देश सं० घर्ड-1/37 ईई/897/83-84:—-प्रतः मुझे, ए० लहिरी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें

**इसके पर**चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह<sup>2</sup>), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, प्लाट नं० 34, हिल रोइ, बरली, बम्बई-400018 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जो भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 2-9-1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त- रू रिती (अंतरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृथिधा के सिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृतिया के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्ता अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसिस व्यक्तियों, अथिस् :-- (1) श्री राम शरण घोपडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रजनी रमेणचन्द्र फाटकर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्पहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकारी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अम्स्ची

फ्लैट नं ० 3, ग्राउंड फ्लोर, प्लाट नं ० 34, हिल रोड़, वरली, बम्बई—400018 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क ० सं ० ग्रई—1/37ईई/794/83—84:—श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

मा**रीख:** 9-5-1981

भारत

# प्रकृष् नार्दः टौ. एन्. एस.------

मायकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्थाना

# भारत गरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 मई 1984

निर्वेश सं० ग्रई--1/37 ईई/945/83-84---श्रन: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० यूनिट नं० 141, 1ली म जिल, "बी" विल्डिंग, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, लोग्नर परेल, बस्बई है तथा जो बस्वई में स्थित है (श्रीर इगसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री किया है तारीख 8-9-1983

को पूर्वे कित सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्त सम्पत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है कुल्ल

- (क) जन्तरण से हुकूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का (1) यो जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिपाने में सुविधा के निए;

अत अब, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनृसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, क्रमित क्रमान (1) मेसर्स केवल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

(2) अभिनती सरला राजगोपाल मंधाना,

2. श्रीमतो मजुला गोवर्धनदास मंधाना,

श्रीमती शीतल भरतकुमार मंधाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अारो करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दी और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

यूनिट नं ० 141, 1ली मं जिल, "बी" बिल्डिंग, केवल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, लोग्नर परेल, बम्बई में स्थित है। ग्रनसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-1/890/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-9-1983 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1 बम्बई

सारी**ख**: 9-5-1984.

मोहर :

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, विनांक 10 मई 1984

निर्देश सं० भ्रई-- 1/37 ईई/1010/83-84:--- अतः मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० प्रिमायसेस नं ० 35, 3री मंजिल, नरीमन भवन, (जाली मेकर चेंबर नं० 1), 227, नरीमन पाइंट, अम्बई—21 है तथा जो अम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री किया है तारी ख 30—9—1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बोध्य से उचत अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री सुकेतू रमनलाल देसाई

(भ्रन्तरक)

भाग III- वर्णें i

(2) श्रीमती विजवालक्ष्मी नारायण पै

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बह अयक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सक<sup>1</sup>।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# अम्स्ची

प्रिमायसेस न० 35, 3री मंजिल, नरीमम भवम, (जाली मेकर चेंबर नं 1), 227, नरीमन पाइंट, बम्बई-400021 में स्थित है) धनुसूची जैसा कि क० सं० धई-1/986/37ईई/83-84 धौर जेसिका प्रीक्षकारी, बम्बई हारा दिनांक 20-9-1983 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रॅज-I, बम्बई

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियाँ, अधित्:--

तारीख: 10-5-1984.

मोहर:

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 28th April 1984

Chairman, Union A. J2023/2 '83-Admn. JL.—The No. Public Service Commission, hereby appoints Shri K. Sundram, a Grade B Stenographer of the CSSS Cadre of Union Public Service Commission, as Special Assistant to Chairman on regular basis on deputation terms w.e.f. 21-4-1984 until further crders.

> M. P. JAIN Under Secv. for Chairman Union Public Service Commission

### New Delhi-11, the 24th April 1984

No. A. 32011/1/83-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of Union Public Service Commission, to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad hoc basis for a period of 45 days with effect from 11-4-84 to 25-5-84, or until further orders, whichever is earlier:-

- S. No, and Name of the Officer.
- 1. Shri B. N. Arora 2. Shri I. P. Tuli 3. Shri K. L. Puri

- 4. Shri B D Sharma.

### The 3rd May 1984

No. A-32011/1/84-Admn. I.-In pursuance of the Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. No. 13/2/83-CS.II(i) dated 23-1-1984, S/Shri T. R. Sharma & Sham Parkash, Selection Grade Stenographers Grade C of the CSSS endre of Union Public Service Commission have been promoted to the post of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission with effect from 23-1-1984 (FN) until further orders

# The 9th May 1984

No. A. 12025/1 '84-Admn. I.—In pursuance of the Department of Personnel and administrative Reforms O.M. No. 5/2/83-CS.II dated the 30-7-83 Shri M. M. L. Dua, officiating as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) on long term basis and Shri Sunder Lal, who has been officiating as Senior Personal Assistant (Grade B of CSS) from time to time on ad hoc basis in the CSSS Cadre of Union Public Service Commission, have been included in the Select List of Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the CSSS cadre of the Union Public Service Commission with effect from 13th March, 1984.

> M. P. JAIN Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 16th May 1984

No. 2/8/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner Assistant in this Commission, as Sr. Personal Assistant in an officiating capacity on ad hoc basis in the scale of pay Rs. 650—1040 - with effect from 30-4-1984 to 28-7-1984 or until further orders, whichever is earlier.

## The 19th May 1984

No. 2/1/83-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. C. Kapoor, a permanent Assistant in the Central Vigilance Commission, as Section Officer in an officiating capacity on *ad hoc* basis in the scale of pay Rs 650 (710)--30-740-35-810-EB -35-880-40 - 1000-FB-40-1200/- with effect from 30-4-84 to 28-7-84 or until further orders, whichever is earlier.

No. 2/22/83-Admn.—Shri Brahm Dutt, a permanent Section Officer of this Commission, who was appointed as

Under Secretary in an officiating capacity on ad hoc basis with effect from the forenoon of 8-2-84 vide notification of even number dated 16-2-1984 is hereby reverted as Section Officer with effect from the afternoon of 7-5-1984.

# The 21st May 1984

No. 2/22, 83-Admn—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Brahm Dutt. a permanent Section Officer, of the Central Vigilance Commission, as Under Secretary in the Commission, in an officiating capacity on ad hoc basis in the scale of pay Rs. 1200—1600/- with effect from 9-5-1984 to 6-8-1984 or until further orders, whichever is earlier.

> K. L. MALHOTRA Under Secy. for Central Vigilance Commissioner

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

# CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi, the 14th May 1984

No. 1-27/81-CFSL/3537.—In continuation of notification No. 1-27/81-CFSL dt. 28-5-1983 the President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahri, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi as Scientific Officer (Gr. II) (Lie Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, OBI, New Delhi, w.e.f. 1-7-1983 (Forenoon) on ad hoc basis for a further period upto 30-6-84 or till the post is illed up on regular basis. whichever is earlier.

# The 17th May 1984

No. M 82/67-AD.V.—Shri M. C. Mathur, Technical Adviser (Accounts and Income-Tax)/CBI, New Dolhi expired on 13th May, 1984.

# The 19th May 1984

No. A. 20023/8/80-AD.V.—The services of Shri D. J. Kumar, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation on repatriation are placed at the disposal of Govt. of Tamilnadu w.e.f. the afternoon of 7th May, 1984.

> R. S. NAGPAL Administrative Officer (E)

# DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 11th May 1984

No. F. 2/18/84-Estt(CRPF) — The President is pleased to sanction proforma promotion in officiating capacity to Shri Kulbir Singh, Dy. St presently on deputation to Rajasthan Police to the rank of Assistant Commandant w.e.f. 15-1-84, the date on which one of his seniors was promoted as Assit. Commandant in CRPF.

# The 16th May 1984

No. F. 2/36/83-Estt(CRPF).—The President is pleased to sanction proforma promotion in officiating capacity to Shri B. S. Gill Dv. SP presently on deputation with Export Inspection Council of India, Ministry of Commerce, Govt of India, New Delhi, to the rank of Assistant Commandant junior has been promoted as Assistant Commandant in CRPF. w.e.f. 4th August, 1984 i.e. the date on which his immediate

# The 18th May 1984

- No. F. 2/20/83 Pstt(CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion Shri G S. Mastana, Dy. SP of CRPF to the rank of Assistant Commandant in a temporary capacity till further orders.
- 2. He took over charge of the post on the forenoon of 15th Jan 1984.

### The 21 t Ma, 1984

No. O-II-1942 84-Fstt -The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. (Mrs) G Ratha Kumani as Junior Medical Officer in the CRPI on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 7th May, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier

> Y. N. SAXENA Deputy Director (Estt.)

# OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

### New Dlhi, the 18th May 1984

No. 11/102/79-Ad.I(1).--In continuation of this office Notiefication of even number dated the 6th December, 1983, the President is pleased to appoint, by promotion the undermentioned Assistant Director of Census Operations (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations, in the office as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis for a further period upto the 31st August, 1984 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions . -

S. Name of the O	Officers	Office in which working
1 2		3
1. Shri R.P. Tomar	· .	. DCO, Sikkim Gangtok.
2. Shri M.K. Ahuj	a	. RGI, New Delhi.
3. Shri V.P. Rustor	gi	. RGI, New Delhi.
4. Shri A.K. Biswas	ş .	RGI, New Delhi.
5. Shri A. Pyrtuh		DCO, Arunachal Pradesh, Shillong.
6. Shri Y.G. Krish	mamurthy	DCO, Andhra Pradesh, Hyderabad.
7. Shri R K. Singh		<ul> <li>DCO, Uttar Pradesh, Lucknow.</li> </ul>
8. Shri S.P. Grover	r ,	. DCO, Kerala, Trivandrum.
9. Shri Ram Singh	•	<ul> <li>DCO, Madhya Pradesh, Bhopal.</li> </ul>
10. Shri D.N. Maho	sh .	. DCO, Bihar, Patna.
11. Shrl S.C. Saxena	a.	. DCO, Bihar, Patna.
12. Shri Ajit Singh	• •	. DCO, Punjab, Chandigarh.
13. Shri M. Nagapr	oan .	DCO, Tamil Nadu, Madras.
14. Shri Phool Sing	h	. RG's Office, New Delhi
15. Shri R.K. Bhati	a	. RG's Office, New Delhi.
16. Shri A.K. Dutta	ı	. DCO, West Bengal, Calcutta.
17. Shri R.B Singh		. DCO, Bihar, Patna.
18. Shri H L. Kalla		. DCO, Jammu & Kashmir, Srinagar.
19. Dr. K.S Dey	• •	. DCO, West Bengal, Calcutta.

# The 19th May, 1984

No. 11/102/79-A.D.I(2).—In continuation of this office Notification of even number dated the 6th December, 1983. the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Assistant Directors of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in States as mentioned against their names, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period upto the 31st August, 1984 or

the the po	fir ' 111		and hills	"hicherci	period is
hara inde	th certifite	(1)	and com-	huons	

SI Name of Officers No	Office in which working				
1 2	3				
1. Shrı G D. Bhatt	Director of Census Ope- nations, UT, Chandigarh, Chandigarh.				
2 Shri S L Buhl	Director of Census Ope- tations, Hatyana, Chandigarh.				

# The 21st May 1984

No. 11/5/82-Ad I(Vol Π).—The President regrets to announce the death of Shii H. R. Keshva Murthy workin Assistant Director (D.F.) on ad hoc basis in the office Karnataka, of Census Operations, Director the Bangalore on the 6th April, 1984 at Pangalore.

### The 22nd May 1984

No. 10/19 82-Ad.I. -In continuation of this office notification of even number dated 29-9 1983, the President is pleased to extend the period of ad hoc appointment of S/Shri M. V. Rao and Anand Kumar, Investigators in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Research Officer, in the same office, for a further period upto the 31st August, 1984, under the existing terms and conditions.

2 The Headquarters of SShi M V. Rao and Anand Kumar will be at New Delhi.

V. S. VERMA

Registrar General, India

# MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

# Simla-171 004, the 2nd June 1984

23|3|84-CPI.-The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 increased by one point to reach 559 (five hundred fifty nine), during the month of April, 1984. Converted to base: 1949 during the month of April, 1984. Converted to base: 1949=100 the index for the month of April, 1984 works out to 679 (six hundred seventy nine).

> A. S. BHARADWAJ Director, Labour Bureau

# MINISTRY OF FINANCE SECURITY PAPER MILI

Hoshangabad-461 005, the 9th May 1984

### ORDER

AD /19/Link CS-108 —WHEREAS Shri Awadhiya (Formerly Shri M I. Verma), Upper Division Clerk, has been remaining absent from duty unauthorisedly from 1-5-1981;

AND WHFRI AS vide Memorandum No. AD/19/2017 dated 21-5-1981, No. AD/19/4522 dated 27-7-1981, No. AD/19/5151 dated 13-8-1981 and AD/19/5303 dated 18 8 1981, he was directed to report for duty,

AND WHI REAS the said Shii M ! Awadhiya did not report for duty and continued to remain absent from duty unauthousedly

AND WHEREAS the said Shin M. L. Awadhiya screed with a Chargesheet vide Memorandum No. AD/19/ I mk/8387 deted 6-11-1981 under Rule 14 of CCS (CCs) Rules 1965, for the misconduct of his unauthorised absence upto 15-10-1981, which was duly received by him on 20-11-1981 but he did not submit a written statement of defence and he continued to be absent from duty;

AND WHEREAS an inquiry was ordered vide Order No. AD 19 Link 19769 dated 6-1-1982 to inquire into the charges against Shri M. L. Awadhiya, but the said Shri M. L. Awadhiya did not attend the inquiry proceeding in the later part of inquiry inspite of providing him several opportunity and all communications by the Inquiry Officer sent to his residential address by Registered Post have been returned undelivered with the remarks that the 'addressee not available in the house's

AND WHEREAS the Inquiry Officer conducted the inquiry ex-parte and submitted his report dated 16-3-1984, holding the said Shri M. I.. Awadhiya guilty of the charges;

AND WHEREAS the said Shri M. L. Awadhiya continued his unauthorised absence despite the Chargesheet dated 6-11-1981 deserting the duties upto 21-5-1982 and thereafter from 24-5-1982 to 2-10-1983 he has put in only 99 days working deserting the duty on all other days during the said period and from 3-10-1983 onwards he is continuously absent:

AND WHEREAS he was issued with another Chargesheet vide Memorandum No. AD | 19 | Link | 9526 dated 23-12-1983 for his misconduct of remaining absent from duty from 16-10-1981 in violation of the official advise and instructions and also for refusing to accept official communication (Memorandum No. AD / 19 / 4246 dated 20-7-1982), sent to him by the Registered Post, but the said Memorandum of Chargesheet sent by Registered Post both at his last known permanent and the present home address was received back undelivered:

AND WHEREAS a second inquiry was ordered vide Order No. AD[19|Link|11238 dated 30-1-1984, but the said order posted to him at his last known permanent as well as present home address was also received back undelivered;

AND WHEREAS-the undersigned has come to the conclusion that it is not practicable to hold an inquiry in the manner provided under Rule 14 of CCS (CCA) Rules 1965

since he is continuously absent from 3-10-1983 and that all communications posted to him at his last known addresses are received back undelivered;

NOW the undersigned after closely considering all facts and circumstances of the case holds Shri M. L. Awadhiya guilty of long unauthorised absence from duty and also refusal to accept official communications and decides that the said Shri M. L. Awadhiya is not a person to be retained in Government service.

THEREFORE, the undersigned in exercise of powers conferred on him under Rule 19 of CCS (CCA) Rules 1965 hereby removes Shri M. L. Awadhiya from service of Security Paper Mill with immediate effect.

S. R. PATHAK, General Manager

REGD. A|D.

 Shri M. L. Awadhiya, Upper Division Clerk, Qr. No. G|73, S. P. M. Colony, Hoshangabad (M.P.).

REGD, A|D.
2. Shri M. L. Awadhiya.

(Copy of Inquiry Report dated 16-3-1984 enclosed).

Jawahar Ward No. 5, Timarani, Distt. Hoshangabad (M.P.).

No. AD|19|Link|CS-108

Dated, the 9th May, 1984.

# INDIA GOVERNMENT MINT Calcutta-88, the 27th April 1984

No. P-669|1384-87.—Shri D. K. Ghosal, Private Secretary to the Director General (C&C), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs. New Delhi, belonging to Grade-'A' Stenographer of CSSS, is appointed as Administrative Officer. (Group 'B' Gazetted) India Government Mint, Alipnore. Calcutta-88 in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200|- with effect from 9-4-1984 for period of 2 years in the first instance, with usual terms of deputation.

H. N. GUPTA. General Manager

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi 110002. the 19th May, 1984

No. 1098CA.I(62)84.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from dates mentioned in column 5 below until further orders:—

S Name of SO(0 No.	C)				Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of pro) Promotion as AO(C).
1 2					3	· 4	5
S/Shrir.	· <b></b> -						
1. L.K. Nanda				•	Member, Audit Board & Ex- Officio D.C.A., Ranchi.	A.GII, Bihar, Patna	28-2-1984
2. G.N. Srivastava		•	•	•	Accountant General-II, Uttar Pradesh	A.G., J&K, Srinagar	28-2-1984
3. Bijendra Tiwari	•	•	•	•	Accountant General, Bihar-II, Patna	AG-II, Bihar, Patna	22-2-1984
4. P.V. Shanmukhan	٠				AG., Kerala, Trivandrum.	M.A.B. & Ex-Officio DCA, Hyderabad.	29-2-1984
5. S. Nageswara Rao	•	•	•		AG-II, A.P., Hyderabad.	MAB & Ex-Officio DCA, Bombay.	27-2-1984
6. B.D. Tripathi			,		AG, Uttar Pradesh	AG-II, Bihar, Patna	29-2-1984
7. G. Veeranjaneyulu				•	MAB & Ex-Officio DCA, Hyderabad	AG., Orissa, Bhubaneswar	28-2-1984

K.P. LAKSHMANA RAO, Assit. Comptr. & Auditor General (Commercial)

Date of

Promotion

1-3-84 FN 7-3-84 FN 1-3-84 FN 1-3-84 FN 1-3-84 FN 1-3-84 FN 1-3-84 FN 1-3-84 FN

1-3-84 FN

1-3-84 FN

1-3-84 FN

1-3-84 FN

1-3-84 FN 1-3-84 FN 1-3-84 FN

1-3-84 FN

1-3-84 FN 1-3-84 FN

1-3-84 FN 1-3-84 FN

1-3-84 FN 1-3-84 FN 1-3-84 FN

1-3-84 FN

# OFFICE OF THE D.A.C.R. NEW DELHI

# New Delhi, the 21st May 1984

No. Admn. |1|O.O. No. 74.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Gauri Shankar Bansal, an Assistant Audit Office of this office will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31-5-84. His date of birth is 20th May 1926.

Sd. |- ILLEGIBLI Jt. Director of Audit (Admn.)

### New Delhi, the 5th May 1984

No. Admn.I[O O. No. 65.—The Director of Audit, Central Revenues, New Delhi has ordered under 2nd Proviso to the F.R. 30(1), the Proforma promotion of SShri G. P. Behl and Satish Kumar proforma allottee Section Officers in the office of the Comptrolle, & Audit General of India, to the grade of Assistant Audit Officer in the Time-Scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 (Group 'B' Gazetted) with effect from 1-3-1984 F.N. until further orders.

> Sd.l--ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) **GUJARAT**

### Ahmedabad, the 16th May 1984

No Fett (A) |60|3(30D) |2|2844.—The Accountant General (Audit) Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the Section Officers as per list attached to officiate as Assit, Audit Officers in the office of the Accountant General (Audit) at Ahmedahad Raikot with effect from the dates shown against each, until further orders.

The above is provisional and subject to the outcome in the Special Civil Application No 388 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

> Sd. |- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### ANNEXURE INDICATING THE NAMES OF SECTION OFFICERS WHO HAVE BEEN PROMOTED AS ASSIT. AUDIT OFFICERS

OFFICERS WHO HAVE BEEN PROM	OTED AS ASSIT.	/ 1. K. N. Patnak	1-3-04 1719
UDIT OFFICERS		74. P. D. Dave	9-3-84 AN
		75. R. C. Joshi	1-3-84 FN
Sr. Name	Date of	76. P. S. Ganesan	1-3-84 FN
No.	Promotion	77. S. Ramani	1-3-84 FN
		78. V. P. Ponkshe	1-3-84 FN
S Shri		79. V. K. Varma	1-3-84 FN
4 5 57	04 704	80. N. K. Saiyed	1-3-84 FN
1. S. Naganathan	1-3-84 FN	81. A. P. Dave	1-3-84 FN
2. R. M. Jariwala	1-3-84 FN	82. S Cheerangan	1-3-84 FN
3. K. Subramanian	1-3-84 FN	83 B. J. Singh	1-3-84 FN
4. D. M. Chauban	5-3-84 FN	84 R * Shukla	1-3-84 FNT
5. H. C. Sainani	1-3-84 FN	85 R. R. Toshi	1-3-84 FN
6. I T Khushalani	12-3-84 FN	86 K I, Taploo	1-3-84 FN
7. P. G. K. Nair (II)	1-3-84 FN	87 K. J. Shah	1-3-84 FN
8. Jacob Selladurai	1-3-84 FN	88 S A Trivedi	1-3-84 FN
9. R. Viswanathan (II)	1-3-84 FN	89. N D. Mehta	1-7-84 FN
10. S. S. Bhatt	1-3-84 FN	90. M V Paivaguru	
11. A. Surendranath	1-3-84 FN	91 A. M. Sharda	1-3-84 FN
12. A. V. Vijavagopalan	1-3-84 FN	92. R Raismonal (II)	1_1_R4 PN
13 N. M. Desni	1-3-84 FN	93. V. V Mazumdar	1.3.84 FN
14. M. K. Chandrasekharan	1-3-84 FN	94 I. S. Patel	1-3-84 FN
15. D. I. Trivedi	1-3-84 FN	95 B. C. Trivedi	1_3_R4_FN 1 2_R4_FN
16 S R Romanujam	1-3-84 FN	96 P S Nair	
17. R A Vyas	143-84 FN	97, C. D. Hathi	1-1.84 ENI
18. R. V Toshi	1-3-84 FN	98 P George Mathew	1_1_Q4 PNT
19, 13, 11, Pandva	1-3-84 FN	99. V Venngonslan	1.7.84 FN
70 P P, Dhebar	1-3-84 FN	100. N. C. Unadhyay	1_2_94 \$\frac{1}{2} \text{.}
?1 C. P ľadaú	1-3-84 FN	101, T. Thomas	1.3.84 EN
??. R Raiagonal (I)	1-3-84 FN	100 Daniel Verghese	1.4.84 FM
23. M. Rahmetullah	1-3-84 FN	103, K S Chhahda	1.3-R4 FN
24. K. R. Ananthanaravanan	1-3-84 FN	104 V. S. Yoshi	1-3-84 FM
75 T M Shaikh	1-3-84 ENT	ins D. M. Ihala	1-2-84 EN
ok T Dhown Ran	1-3-84 1-N	106 M. N. Dave	1-7-84 FN
27 C 7 H Hachmi	1-3-84 PN	107. S. N. Vasita	1-3-84 FN
28. K. C. Simon	1-3-84 FN	108 D T Fodor	1-3-84 FN
	A D O F T-14	108. R J Jaday	1-3-84 FN

# S Shri

Sr.

No.

Nathe

59. P. Narayanan 60. O. V. Mathew

61. R. R. Raiwal 62. B. K. Thakkar 63. M. N. Gandhi

64. G. R. Athavale

69. S. G. Kulkarni 69. B. I. Shah 70. G. C. Dave 71. V. K. Shah 72. B. I. Sharms

Pathak

65. N. Venkappa 66. R. M. Ganpatye 67. O. C. Talati

29. T. G. C. Nair	1-3-84 FN
30. K. R. Parekh	1-3-84 FN
31. M. Daintius	1-3-84 FN
31, M. Dannanathan	1-3-84 FN
32. V. P. Ranganathan	1-3-84 FN
33. V. R. Kamath	1-3-84 FN
34. I. B. Desai	1-3-84 FN
35, K. S. Salyed	1-3-84 FN
36. P. K. Thakkar	1-3-84 FN
37. N. D. Chitre	1-3-84 FN
38, R. K. Ubgade	1-3-84 FN
39. R. M. Shah	1-3-84 FN
40. G. A. Shaikh	1-3-84 FN
41. H. Ramalingam	1-3-84 FN
42. S. C. Joshi	1-3-84 FN
43. U. M. Shaikh	1-3-64 FN
44. P. K. Mangalani	1-3-84 FN
45. P. S. Ranade	1-3-84 FN
46. N. C. Champaneria	1-3-84 FN
47. D. A. Patel	8-3-84 FN
48. B. R. Venkoba Rao	1-3-84 FN
49. B. M. Shah	1-3-84 FN
50. P. S. Seinivasan	7-3-84 FN
'51. K. U. Nambiar	1-3-84 FN
52, P. P. S. Poduval	1-3-84 FN
53. K. N. U. Kaimal	1-3-84 FN
54. V. V. Semuel	1-3-84 FN
55. P. Balakrishnan	1-3-84 FN
56. V. G. Bather	1-3-84 FN
57. M. M. Balasubramaniam	1-3-84 FN
58. H. L. Dudani	1-3-84 FN
	- 0 04 173

Sr. Name No. S Shri	Production	Sr, Name No. S}Shri	Date 'of Production
	1-3-84 FN	' -	1-3-84 FN
109. H. G. Mandani 110. S. L. Joshi	1-3-84 FN	189, N. R. Nair 190, P. T. Satani	1-3-84 FN
111. P. R. Shah	1-3-84 FN	191. P. S. Mehta	1-3-84 FN
112. H. S. Gogia	1-3-84 FN 1-3-84 FN	192. B. P. Swadia	1-3-84 FN
113. J. H. Asnani 114. N. J. Bhatia	1-3-84 FN	193. A. M. Shah (1)	1-3-84 FN
115. J. M. Shah	1-3-84 FN	194. C. D. Sheth	1-3-84 FN
116. K. S. Nair	1-3-84 FN	195. S. Sankara Raman	1-3-84 FN
117. M. M. Dhanrajani 118. R. V. Tolani	12-3-84 FN 1-3-84 FN	196. H. B. Rana	19-4-84 FN
119. N. J. Desai	1-3-84 FN	170. 11. 15. 16.11.	
120. D. S. Gogia	1-3-84 FN		CAL TARGED D
121. T. P. Damodaran	1-3-84 FN 1-3-84 FN		Sd.  - ILLEGIBLE
122. P. D. Modi 123. V. H. Sheth	1-3-84 FN		Audit Officer!Admn.
124. H. M. Solanki	1-3-84 FN		_
125. M. A. Shaikh	1-3-84 FN		
126. A. M. Chhaya 127. A. A. Bhambnani	1-3-84 FN 1-3-84 FN	OFFICE OF THE ACCOUNTAN	IT GENERAL (AUDIT)
128. D. R. Jani	1-3-84 FN	ODICA	
129. C. C. Soni	1-3-84 FN	ORJSSA	
130. S. N. Mohmed	1-3-84 FN	Bhubaneswar, the 4t	h May 1984
131. P. K. Pattani 132. A. A. Shreedharan	1-3-84 FN 1-3-84 FN	Billioaneswar, the 4c	it inter 1901
133. Smt. L. Rajagopalan	1-3-84 FN	No. E.O24.—The Accountant (	General (Audit) is pleased
134. K. K. Nair	1-3-84 FN	to appoint Sri S. B. Behera, As	stt. Audit Officer of this
135. B. S. Tripathi 136. V. K. Dave	1-3-84 FN 1-3-84 FN	office to officiate as Audit Officer in 840-40-1000-EB-40-1200 with effective	in the Scale of Pay of Ks.
137. S. S. Roy	1-3-84 FN	accordance with the provisions of	
138. R. N. Dave	1-3-84 FN	trative Officer, Accounts Officer a	•
139, M. P. Mamtora	1-3-84 FN 1-3-84 FN	ment Rules-1964. The promotion	_
140. V. B. Shukla 141. R. Appukuttan	1-3-84 FN	subject to the final decision of t	
142. V. K. Das	1-3-84 FN	Court on the cases subjudice in t	
143. B. S. Vadodaria	1-3-84 FN	judice to the claim of their senio	
144. G. P. Yagnik 145. K. B. Bhachech	1-3-84 FN 1-3-84 <sub>4</sub> FN	judice to the plant of their ments	
146. J. O. Jethwa	1-3-84 FN		Sd ILLEGIBLE
147. K. S. Bhatt	1-3-84 FN	Sr. Deputy	Accountant General (A)
148. K. P. Modi	1-3-84 FN 1-3-84 FN	Sir Dopus,	
149, C. O. Patel 150, T. Vishwanathan	1-3-84 FN		
151. L. M. Mehta	1-3-84 FN	DEFENCE ACCOUNTS	DEPARTMENT
152. P. J. Oommen	1-3-84 FN 1-3-84 FN		
153. B. M. Desai 154. H. P. Pithadia	1-3-84 FN	OFFICE OF	INE
155. D. M. Lodhia	1-3-84 FN	CONTROLLER GENERAL OF	DEFENCE ACCOUNTS
156. A. L. Shrimali (SC)	14-3-84 FN	New Dalbi 110.066 the	19th May 1094
157. J. G. Pandya	1-3-84 FN 1-3-84 FN	New Delhi-110 066, the	16th May, 1964
158. M. G. Master 159. L. P. Abichandani	1-3-84 FN	No. AN I 1172 1 Vol.III.—The	President is pleased to an-
160. S. R. Balgurgi	1-3-84 EN	point the undermentioned officer	
161. F. J. Shaikh	1-3-84 FN	Accounts Service (on deputation	
162. M. U. I. Khan 163. R. Ramachandran	1-3-84 FN 1-3-84 FN	against his name), to officiate	
164. P. R. Patel	1-3-84 FN	Grade (Level-II) (Scale Rs. 2250	
165. R. R. Shah	1-3-84 FN	vice, under 'Next Below Rule' u	
166. N. S. Randev 167. J. P. Bhatt	1-3-84 FN 1-3-84 FN	effect from the date shown again	
168, S. R. Tanna	1-3-84 FN		
169. Munishwar Dutt	1-3-84 FN	Shri N. D. Moray-21-4-1984-	
170. H. T. Khattar	1-3-84 FN	(Finance) Mazagaon Dock Limite	d, Bombay.
171. D. M. Jadeja 172. S. B. Parikh	1-3-84 FN 1-3-84 FN	No ANITI17211111 The Deep	dent to the state of the
173. J. J. Soni (II)	1-3-84 FN	No. ANII 1172   1   111.—The Presi	
174. H. R. Goplani	1-3-84 FN	the undermentioned officers of the	
175. C. L. Mehta	1-3-84 FN	Service to officiate in the Senio	
176. N. V. Bhatt 177. S. K. Dattani	1-3-84 FN 1-3-84 FN	(Level-II) (Scale Rs. 2250-125/2-2	
178. P. B. Upadhyay	1-3-84 FN	effect from the dates shown again ther orders:—	ist meir names, until für-
179. R. R. Chaudhary (ST)	1-3-84 FN	thet offices .—	
180. P. G. K. Pillai 181. S. C. Shaikh	1-3-84 FN 1-3-84 FN	S. No., Name	& Date
182. B. H. Ayer	1-3-84 FN		
183. M. R. Shinde	1-3-84 FN	1. Shri Surinder Singh—7-5-1	
184, J. P. Dudhla	1-3-84 FN	2. Shri Uma Shankar Prasad-	
185. S. A. Limbaia 186. S. Srinivasan	1-3-84 FN 1-3-84 FN	3 Shri Amiya Kumar Ghosh-	-5-5-1984 (AN)
187. K. U. Raja	1-3-84 FN		V. S. JAFA
188. P. K. Mukherjee	1-3-84 FN	Addl. Controller Ger	neral of Defence Accounts
			rivolatio

### MINISTRY OF DEFENCE

### ORDNANCE FACTORY BOARD

### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SCHOOL SERVICE

Calcutta, the 5th May, 1984

No. 1/83/School.—The DGOF/Chairman is placesed to promote the undermentioned Teacher as Vice Principal OFIC (class II Gazetted) with effect from 17th May, 1983 against an existing vacancy:—

Name		 From	То	Remarks
Shri P.N. Rai	• •	 Non-Language Teacher, Higher Secondary, OFIC	Vice Principal OFIC (Gr. "B" Gazetted)	Against an existing ing vacancy.

Shri Rai assumed the higher duties as Vice Principal w.e.f. 17-5-83.

D.R. IYER
Deputy Director General/Pers
for Director General, Ordnance Factories.

Calcutta, the 5th May, 1984

No. 25/G/84.-- The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Temporary Assistant Works Manager with effect from the dates shown against them until further orders: -

SI. No.	Name				 Date of joining
1.	Shri R.K. Amar .	-			 06-10-1983
2.	Shri S.S. Lamba .				07-10-1983
3.	Shri R.K.S. Ratho	г <b>с</b> .			24-10-1983
4.	Shri P. Ponnuswan	1y .			24-10-1983
<b>.</b> 5.	Shri E. Sankaran		,		31-10-1983
6.	Shri T.R. Rao .				18-11-1983
7.	Shri B.N. Gupta				22-11-1983
8.	Shri R. Madangop	al			28-11-1983
9.	Shrı S.S. Joshi				29-11-1983
10.	Shri S.P. Kohli ,				13-12-1983
11.	Shri C.K. Babu Ra	machar	dran		15-12-1983
12.	Shri R. Munusamy		,		27-01-1984
13.	Shri N. Ramaswan	ni .	. ,		30-01-1984
14.	Shri T.G. Subrama	man		٠.	06-02-1984
15.	Shri D.K. Chattery	<b>c</b> c			06-02-1984
16.	Shri R. Muthuvelu				07-02-1984
17.	Shri S.P. Saxena .				20-02-1984
	Shri Tapas Kumar	Monda	Ι.		16-03-1984
	Shri L.A. Gerald				28-02-1984

# The 9th May 1984

No. 26/G/84.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. K. Das Offg. S.O. (Subs. & Permt. Assistant) retired from service w.e.f. 31st March, 1984 (AN).

No. 27|G|84.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. R. Viswanathan, Offg. Assit. Director (Subst. & Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st March, 1984 (A.N.).

V. K. MEHTA Director|Estt.

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 23rd April 1984
(IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL)
(ESTABLISHMENT)

No. 1|2|84-Admn(G)|3649,—The President is pleased to appoint Shri P. K. Kapur, IFS, Under Secretary in the

Department of Textiles, as Dy. CCl&E in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a period of 6 months w.e.f. 12th April, 1984.

### The 9th May 1984

No. 6|1440|83-Admn.(G)|3568.—On attaining the age of superannuation, Shri D. N. Dhawan Controller of Imports and Exports (CSS) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1984.

M. L. JAYANT, Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports & Exports

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 11th April 1984

No. A-17011|249|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. K. Gupta Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on regular basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 17-4-1984 until further orders.

No. A-17011|254|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri Tapas Banerjee, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Ass.stant Inspecting Officer (Engineering) on adhoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 18-4-1984, until further orders.

No. A-17011|259|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri D. K. Bose, Examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 17-4-1984 until further orders.

### The 14th April 1984

No. A-17011|253|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri T. R. Ramachandran, Junior Field Officer in the Madras Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on regular basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 18-4-1984 until further orders.

No. A-17011|256|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shi V. Kasi, Examiner, of Stores (Engineering) in the Madras Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on adhoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 16-4-1984 until further orders.

No. A-17011 257 84-A6.-The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. Neclameghan, Examiner of Stores (Engineering) in the Madras Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 16-4-1984 until further orders.

### The 19th April 1984

No. A-17011|260|84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri P. P. Chatopadhyay, examiner of Stores (Engineering) in the Calcutta Inspectorate to officiate as Assistant Inspeting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same Inspection Circle under this Directorate General with effect from the forenoon of 17-4-1984 until further orders.

> S. L. KAPOOR Dy. Dir. (Admn.)
> for Director General Supplies & Disposals

# (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 17th May 1984

No. A-1/1(1204).—Shri Y. V. Amin, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Administration) (Grade II) in the office of Director of Inspection, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th April, 1984 on attaining the age of superannua-

> RAJBIR SINGH Dy. Dir. (Admn.)
> for Director General, Supplies & Disposals

# (ADMNISTRATION SECTION-6

New Delhi-110001, the 18th May 1984

No. A-17011|139|78-A6.—The President is pleased to appoint Shri P. Jainkumaran, Inspecting Office (Engineering) (Grade III of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) to officiate as Deputy Director of Inspection (Engineering) (Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A', Engineering Branch) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of 30th April, 1984 for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier. The promotion of Shri Jayabasis whichever is earlier. The promotion of Shri Jaya-kumaran is also subject to final decision on the three L.P.As. Nos. 67|83, 68|83 and 69|83 in Civil Writ Petition Nos. 1457|81, 1590|81 and 1973|81 pending in the High Court of Delhi.

- 2. The ad-hoc appointment of Shri Jayakumaran will not bestow on him any right or claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of seniouty in that grade and for eligibility for promotion and confirmation,
- 3. Shri Jayakumaran relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Engg.) on the afternoon of 28th April, 1984 in the office of the Director of Inspection, Bombay and assumed charge of the office of the Deputy Director of Inspection (Engineering) on the forenoon of 30th April, 1984 in the Directorate General of Supplies & Disposals (Headquarters), New Delhi.

# The 19th May 1984

No. A-6/247(258).—The President is pleased to appoint Shri J. L. Chhabra, permanent Director of Inspection (Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') to officiate as Deputy Director General (Inspection) (Supertime Scale post in Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A') in the scale of pay of Rs\_ 2000-125/2-2250 with effect from the forenoon of 27th April, 1984 and until further orders.

2. Shri J. L. Chhabra relinquished charge of the post of Director of Inspection in N. I. Circle on the forenoon of 27th April, 1984 and assumed charge of the post of Deputy

27th April, 1984 and assumed charge of the post of Deputy Director General (Inspection). Northern Region at Head-quarters on the same date at New Delhi.

S. L. KAPOOR Dy. Dir. (Admn.)

# SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 19th May 1984

No. C-6070|718-A...-Shri N. R. Iyengar, officiating Office Superintendent (Sr. Scale) C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on adhoc basis, in C.S.T. & M.P. Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 3-4-1984 (AN) vice Shri H. L. Jadav, Establishment and Accounts Officer (Adhoc basis) proceeded on leave from 4-4-1984 to 2-6-1984.

> G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th May 1984

No. 10|20|81-S.III|IV.—Consequent upon acceptance of s resignation, Shri Jaswani Singh Assistant Engineer, adio Kashmir, Srinagar has been relieved of his duties in his resignation, Radio Kashmir, AIR with effect from the afternoon of 7-5-1984.

> MARKS N. ELIAS Dy. Dir. of Admn. (E), for Dir. Genl.

### New Delhi, the 26th May 1984

F. No. 4|5|84-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. K. Jaiswal, Technical Assistant, Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, New Dtlhi as Hindi Officers on ad hoc basis on deputation in the pay scale of Rs. 650—30—740—EB—810—EB—35— 880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the forenoon of 26th April 1984 in the office of Station Director, AIR, Jaipur until further orders.

> MOHAN FRANCIS Dy Director Administration for Director General

# DIRECTORATE GENL. OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 17th May 1984

A-38013]3|83-Admn.I.--Shri No. Singh Bhatyani, Deputy Director Administration, Directorate General of Health Services voluntarily retired from Government service on the afternoon of 5th May, 1984.

> MATU RAM Dy. Dir. Admn. (M)

MNISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIE OF MARKETING & INSPECTION NH-IV, Faridabad, the 10h May 1984

No. A.19025 10 84-A-III.—On he recommendations of the Union Public Service Commission Shri A. T. Sankar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group 1) in this Directorate at Faridabad with effect from 27-4-84 (F.N.) until further orders.

No. A. 19025 9 84. A-III. The resignation tendered by Shru Provash Das from the post of Assistant Marketing Officer in this Directorate at Gauhati has been accepted with effect from 26-3-1984 (F.N.).

# The 16th May 1984

No. A. 19025/11/84.A-III.--On the recommendations of the Union Public Service Commission Shri M. S. Sriram has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group in this Directorate at Faridabad with effect from 27-4-84 (F.N.) until further orders.

# The 18th May 1984

No. A-31014|6|78-A.I.—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent ports of Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection, with effect from the dates indicated against each:

- (1) Shri K. N. Ghungrudhkar-31-10-1979
- (2) Shri P. J. Chimalwar (ST)-3-11-1979
- 2. The lien of the above officers in the lower posts if any, stands terminated with effect from the dates of their confirmation in the post of Assistant Marketing officer (Group I).

No. A-31014/4]83-A.1—The following officers are hereby appointed substantively to the permanent posts of Assistant Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection w.e.f the dates indicated below against each:—

- (1) Shri Har Prasad (SC)-31-10-1979,
- (2) Shri K. G. Wagh (ST)-21-12-982.
- 2 The lien of he above officers in the lower posts, if any standy terminated w.e.f. the date of their substantive appointment in the posts of Assistant Marketing Officer (Group I).

G. S. SHUKLA Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PFRSONNFL DIVISION

Bombay-400085, the 14th May 1984

No. V/756|RCD|Estt.IA|1419.—Dr. Pillari Venkatarammana relinquished charge of the post of Scientific Officer (SD) on 15-10-83 (AN) consequent on resignation.

T. A. LAXMINARAYANAN Controller

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 11th May 1984

No. DPS|41|10|53-Adm.|11293.—The Director, Directorate of Purchase and tores, Department of Atomic Energy appoints Shi S. R. Vaidya, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 from 19-3-1984 (FN) to 19-4-1984 (AN) in the same Directorate vice Shi M. K. John, Assistant Stores Officer granted leave

S. KRISHNAN Administrative Officer

## Bombay-400001, the 16th May 1984

No. DPS|2|1(3)|82-Adm.|11572.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri I. C. Sathe, Accountant (Ad-hoc) to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 from 4-5-1984 (FN) in the same Directorate until further orders.

P. GOPALAN Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 9th May 1984

No. A. 31015/82-FW.—The President is pleased to appoint the following Officers in substantive capacity in the Grade of Electrical and Mechanical Officer in the Civil Aviation

Department with effect from the date indicated against

Name

1. Shri L. C. Gupta-24-10-1979

2. Shri K. V. Krishnan-11-6-1982

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

New Delhi-66, the 10th May 1984

No. A-32013|2|83-EA.—The President is pleased to continue adhoc appointment of Shri M. P. Jain, Senior Aerodrome Officer for a period of six months with effect from 28th November, 1983 or till the post is filled on regular basis

Assistant Director of Administration for Director General of Civil Aviation

# New Delhi, the 4th May 1984

No. A-32013 14 81-E.I.—In continuation of this Office Notification No. A-32013 14 81-E.I. dated the 29-10-1983 7-11-83, the President is pleased to continue the adhoc appointment of Shri S. Ranjan in the grade of Director of Aeronautical Inspection. Hyderabad for a further period of six months from 28-3-1984 to 27-9-1984 or till the date, the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

# The 8th May 1984

No. A-1901|47|80-EI.—On attaining the age of superannuation, Shi P. S. Gujaral, Deputy Director (Regulation and Information) in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 30th April, 1984.

O. P. AGARWAL
Assistant Director of Administration

# CUSTOMS ESTABLISHMENT

# Madras-1, the 11th April 1984

No. 2/84.—Shri A. Srinivasan, Permanent Examiner and Officiating Appraiser, Madias Custom House, retired from Service with effect from 31-3-1984 AN on attaining the age of Superannuation of 58 years.

C. BHUJANGASWAMY Collector of Customs

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE BOMBAY-I

Bombay, the 14th May 1984

F No. II|3E(a)2|77|Pt.II—Shri R. D. Kamat, Selection Grade Inspector has on promotion assumed charge as Superintendent, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I with effect from 6-3-84 F.N.

F. No. II/3E(a)2/77/Pt.II.—The following Group 'B' Gazetted Officers, Superintendents Examiners of Accounts, Bombay-I Central Excise Collectorate have retired on superfinuation on the dates shown against their names.

S. Name and Designation	Date of Retirement
<ol> <li>Shri M.J. D'souza, Supdt.</li> <li>Shri L.H. Dharap, Examine</li> </ol>	

H.M. SINGH Collector of Central Excise

Jt. Director

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 10th May 1984

2/2/84-Ad.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority, hereby appoints Shri Prabhu Dayal, supervisor to the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer of Central Power Engineering (Group B) service in the CEA in officiating capacity with effect from the forenoon of the 16th April 1984 until further orders.

> B. M. LALL Under Secy. for Chairman

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 21st May 1984

No. Admn.117-14|2|A.Au.O|84|5199.—As a consequence of the implementation of the Restructuring of cadres in I.A.&A.D. the following Section Officers including Selection Grade Section Officers are appointed as Assistant Audit Officers (Group 'B Gazetted) in the scale of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040 w.e.f. 1-3-84:—

### S, No. & Name

### SShri

- 1. Vishan Dass Sethi
- Narendra Kumar Raizada Aytar Shah Singh
- 4. Hemant Kumar Jain 5. Gauri Shanker Bhargava 6. Prem Chandra
- Surendra Kumar Sood
- 8. Pritam Singh
- 9. Amar Prakash Saxena 10. Ram Prakash
- 11 Rajendra Dutt
- 12. Gulshan Rai Jain
- 13. Bishan Chandra Mathur 14. Adya Prasad
- Naranjan Dass Goel
   Vishvambhar Dayal
- 17. Hari Gopal Aggarwal 18. Ved Sarup Bali

- 19. Bansilal Acharya
   20. Jagdish Chandra Jhanjee
- 21. Man Mohan Singh
- 22. Harbans Singh

### S Shri

- 23, V. Raman Menon
- 24. Gulab Chand Jain
- 25. Krishan Kumar Lakhanpal
- 26. Sudesh Kumar Malhotra 27. Prakash Narain Malviva 28. Gurbachan Lal Sawhney
- Jagdish Lal Sahdev
   A. G. Sajnani

- 31. Din Dayal Gosain32. Krishan Kumar Sharma
- 33. Prabhakar Ajvani
- Rama Nand
- 35. Raghvendra Kumar
- 36, Ramesh Kumar Sharma
- 37. Hari Dutt Joshi
- 38. Gang Shyam Mathur
- 39. Ramesh Kumar Jhanjee 40. Chandra Kant Gupta 41. Ganga Singh

- 42. Mahendra Singh 43. Din Dayal Arora
- 44. Suresh Chandra Kanwal N. Sharma
- 45.
- 46. Raj Narain
- Satya Sarup Sandilya
- 48, Sardari Lal Dhawan
- 49. Gurdial
- 50. Girdhar Gopal51. Prakash Singh Chopra
- 52, Amrit Lal
- 53. Jagan Nath 54. Asha Nand
- Radhey Shyam Verma
   Harish Chandra Sharma
- 57. Sukh Bir Singh58. Nirmal Chandra Vishishtha
- Shyam Lal Madan
   Narain Dass Ghulyani
- 61. Kimat Rai Wahi
- 62. Chittaranian Chakraborty
- 63. Prabhu Dayal
- 64. Hardev Singh Saini
- 65. Dwarka Dish Bhatia
- 66. Jagdish Rai Aggarwal
- 67. Raiendra Prasad 68. Sukumar Chatterjee
- 69, Arun Deo Upadhyaya,

R. S. MAUNDER Director of Audit

### MINISTRY OF SUPPLY

## National Test House, Alipore

Calcutta, the 14th May 1984

No. G-65/S.O.—The Director General , National Test House, Calcutta has been pleased to appoint the following Scientific Assistants (Physicial—Civil Engg.) of National Test House, as Scientific Officers (Physical—Civil Engg.) respectively in Calcutta and branch offices of National Test House at Bombay and Ghaziabad with effect from the date mentioned against each on a temporary basis until further order:

Sl. Nan	ne	Promoted to the post of	Date of promotion	In the office of
1. Kum. I Scientif Calcutt	Moltrayee Devi .  Chic Assistant (Phy. Civil)  Chicagonical deviation of the control of the chicagonic deviation o	. Scientific Officer (Physical-Civil)	15-3-84	National Test House, Calcutta.
2. Kum. S Scientif	S.P. Joshi fic Assistant (Phy. Civil) Bombay	Do.	27-3-84	National Test House, Bombay.
3 Sri Mil	M.L. Bahl fic Assistant (Phy. Civil)	Do.	27-3-84	National Test House, Ghaziabad.

J.M. BHATTACHARJEE Deputy Director (Admn.) for Director General, N.T.H., Cal.

### MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

# (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Speedrun Rubber and Tyres Private Ltd. (In Liqn.)

Gwalior-414009, the 14th May 1984

No. 1039|Liqn.|CP|3182.—Notice is hereby given pursuant in Sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M|s. Speedrun Rubber and Tyres Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madbya Pradesh, Gwalor

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shyamraj Tobacco Exporters Private Limited

Hyderabad, the 18th May 1984

No. 1325|TA.111|560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shyamraj Tobacco Exporters Private Limited unless is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

# OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES: ANDHRA PRADESH

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Industrial Automobile Manufacturers Pvt. Ltd.

Hyderabad, the 18th May 1984

No. 2108|TAJII|560.—Notice is hereby given pursuant to the sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act,

1956, that at the expiration of three months from the date horeof the name of the Industial Automobile Manufacturers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act, 1956

And

In the matter of M|s. S.S. A. Saving & Financing Company Limited Patna (In Liquidation)

Company Petition No. 2 of 1981 Registrar of Companies, Bihar Petitioner

No. 1128|595.—Notice of winding up order. By an order made by the High Court at Patna in the above matter dated the 3rd February, 1984 it was ordered that the above named company be wound up under the provisions of the Companies Act, 1956.

A. W. ANSARI Registrar of Companies, Bihar

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s. Kamatchi Roadways Private Ltd.

Madras-600006, the 14th May 1984

No. DN/4191/560(3)/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 ( ) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kamatchi Roadways Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE Addl. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur the 30th April 1984

Ref No 1AC ACQ 4 84-85 -- Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Lond at Vanjari File Road, Yavatmal Area 4445 65 Sq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regisering Officei at Yavatmal on Sept, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value o fitte property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of ·1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following terrons namely:--36-96GT|84

1) His Royal Highness Shah Karım Ali Hussiaini Aga Khan by my constitued Attorney Ameer Ali Suleman Rahimtoola Bhupen Cembers, Dalul Street, Bombay

(2) Foundation Aga Khan by their constituted Attorney Badruddin Ismail Morani C-41, Gandnigram Road, Juhu-Bombay-400 040

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land on West side at Vanjari File Road or State Bank Road, at Yavatmal Teh & Dirtt Yavatmal (M.S.) admeasuring 4445.65 Sq. meters City Survey No. R.S. No. 105/2 under Citam Panchayat of Yavatmal under ward No. 21.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur.

Date: 30-4-1984.

### FORM IINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Ref. No. L.C.678 84-85 --- Whereas. I, B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chenganur on 6-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Thomas Scariah Rep. by Scariah Palamattathu, Contractor, Durbar Hall Road, Cochin-16.

(Transferors)

(2) Sri Roy M. Mathew, Director, Muthoottu Mini Hotels (P) Ltd. Kozhencherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/10th share in 20-701 cents of land with an old building 4 shops rooms etc. in Sy. No. 738/2 of Ernakulam village registered in S.R.O., Chenganur vide Doc. No. 2263/83 dated 6-9-1983.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range
Ernakulam.

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBI BLDGS" ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Ref. No. L.C.679[84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43-of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chenganur on 6-9-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri P. Thomas Scariah Rep. by Scariah father Palamattathu, Durbar Hall Road, Cochin-16.

(Transferore)

(2) Sri Roy M. Mathew, Director, Muthoottu Mini Hotels (P) Ltd. Kozhencherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a petiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/10th share in 20.701 cents of land with an old building 4 shops rooms etc. in Sy. No. 738/2 of Ernakulam village registered in S.R.O., Chenganur, vide document No. 2264 dt 6-9-1983.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulam.

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Thomas Scariah for P. Thomas Scariah Contractor Palamattathu Durbar Hall Road. Cochin-16.

(Dansletors)

(2) Sri Roy M. Mathew. Director, Muthootto Mani Hotels (P) Ltd. Kozhencherry.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBI BLDGS" ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Rcf. No. L.C.680|84-85.--Whereas, I, B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Chenganur on 6-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1,10th share in 20.701 cents of land with an old building. 4 shops rooms etc. in Sy. No. 738/2 of Ernakulam village registered in S.R.O., Chenganur, vide document No. 2265 dated 5-9-1983.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakulam.

Date: 8-5-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, namely

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBI BLDGS" ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Rcf. No. L.C.681 84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at

at Chenganur on 6-9-1983

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Sri Thomas Scariah for P. Thomas Scariah Palamattathu Contractor Durbar Hall Road, Cochin-16.

(Transferois)

(2) Sri Roy M. Mathew,
Director, Muthoottu Mini Hotels (P) Ltd.
Kozhencherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/10th share in 20.701 cents of land with an old building, 4 shops rooms etc. in Sy. No. 738/2 of Ernakulam village registered in S.R.O., Chenganui, vide document No. 2266 dt. 6-9-1983.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ernakulam.

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBI BLDGS" ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Ref. No. L.C.682 84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chenganur on 7-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

 Srl Thomas Scariah for P. Thomas Scariah Contractor Palamattathu, Durbar Hall Road, Cochin-16.

(Transferors)

(2) Sri Roy M. Mathew,
Director, Muthoottu Mini Hotels (P) Ltd.
Kozhencherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1|10th share in 20.701 cents of lead with an old building. 4 shops rooms etc. in Sy. No. 738|2 of Ernakulam village registered in S.R.O., Chenganur, vide document No. 2272 dt. 7-9-1983.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Ernakulam.

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Sri Thomas Scariah for P. Thomas Scariah Contractor Palamattathu. Durbar Hall Road. Cochin-16.

(Transferors)

(2) Sri Roy M. Mathew, Director, Muthoottu Mini Hotels (P) Ltd. Kozhencherry.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBI BLDGS" ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Ref. No. L.C. 683|84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer

at Chenganur on 7-9-1983 at Chenganur on 7-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in hte said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) (acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/10th share in 20,701 cents of land with an old building, 4 shops rooms etc. in Sy. No. 738/2 of Ernakulam village registered in S.R.O., Chenganur, vide document No. 2273 of 1983 dt. 7-9-1983.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5 1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

ANJIPARAMBIL BLDGS ANAND BAZAAR,

COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Ref. No. L.C.684|84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 25,000|- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Chenganur on 7-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaft' property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 h. Thoma, Caurlah Esp. by Scariah Contractor Fairmannathu, Durbar Hall Road, Cochin-16.

(Transferors)

(2) Sci Roy M. Mathew, Director, Muthoottu Mini Hotels (P) Ltd. Kozhencherry.

(Transferee)

Objections, if anyy to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in hte said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaninn as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1|10th share in 20,701 cents of land with an old building, 4 shop rooms etc. in Sy. No. 738|2 of Ernakulam village regisetred in SRO., Chenganur vide document No. 2274|83 dated 7-9-1983.

B. RAVIBALAN
Connecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ernakulan.

Date: 8-5-1984

Scal:

APPLIES THE R. P. P. SHIP SHIP

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICI' OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BLDGS ANAND BAZAAR,
COCHIN-662 016

Cochin 662 016, the 8th May 1984

Ref. No. L C.685 84-85 —Whereas I, B RAVIBALAN.

bieng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Sy No as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerig Officer

at Chenganur on 7-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tan under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 37—96G1|84

 Sri Thomas Scariah for P. Thomas Scariah Rep. by Scariahfi Contractor Palamattathu, Cochin-16.

(Transferors)

(2) Sri Roy M. Mathew, Director, Muthoottu Mini Hotels (P) Ltd Kozhencherry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

1/10th share in 20.701 cents of kind with an old building, 4 shop rooms etc. in Sy No 738/2 of Ernakulam villuge registered in S.R.O., Chenganur vide Doc No. 2275/83 dt. 7-9-1983.

B. RAVIBALAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Frnakulam.

Date: 8-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Scariah for P. Thomas Scariah Contractor Palamattathu, House Durbar Hall Road,

Cochin-16.

( Fransferors)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BLDGS ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Ref. No. 1..C.686|84-85.-Whereas, I.

B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Aranmula on 7-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Roy M. Mathew Director-Muthuttu Mini Hotels Kozhancherry.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1 10th share in 20.701 cents of land with an old building, 4 shop rooms etc. in Sy. No. 738 2 of Frnakulum village, registered in SRO. Ananmula, vide document No. 1284 83 dt. 7-9-1983,

> B. RAVIBALAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ernakulum.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8th May 1984

Ref. No. L.C. 687[84-85.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Aranmula on 6-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly ystated in the staid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 **d** 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri P. Thomas Scariah Contractor-Rep. by Scariah, father Palamattathu-D. H. Road, Cochin.

(Transferor)

(2) Shri Roy M. Mathew, Director-Muthootu Mini Hotels (P) Ltd. Kozhencherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

1 10th share in 20.701 cents of land, an old building, 4 shop rooms etc. in Sy. No. 738 2 of Ernakulam, registered in SRO Aranmula, vide document No. 1288|83 dt. 6-9-1983.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date: 8-5-1984

Seal :-

#### FORM TINS-

(1) Mrs. Subhadra Varma (2) Sathi Varma East Thottakkat-Thottakkat Road, Cochin-35.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V K. Rajagoplan C. C. 36/797, Chittoor Road, Ernakulam.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th May 1984

Ref. L. C. 688|84-85.--Whereas, I. B. RAVIBALAN,

of the Registering Officer at

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000|- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

Ernakulam on 8-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

8.25 cents of land in Sy. Nos. 716|3 and 1557|3 of Erana-kulam Village registered in SRO Eranakullam vide document No. 3135 83 dt. 8-9-1983

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Rewati Devi Wo. Sri Ram Nibash Agarwal 511, 'L' Road, P. S. Liluah, Howrah

(fransferor)

(2) Sri Madan Mohan Agarwal Sri Sanjoy Kumar Agarwal 25, Burtolla Street Calcutta-7

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV **CALCUTTA**

Calcutta, the 10th May 1984

Ref. No. AC-3 ACQ. R-IV CAL 84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE. being 'the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property. Asylong a fair months to be a second to be a second

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. P-262 situated at Benaras Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer ut Howrah on 30-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 7 cottahs with structures

Address: P-262, Benaras Road, (Part) Belgachia, P. S.

Liluah, Howrah

Deed No.: 2476 of 1983

SANKAR K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1984

(1) Ms. Etscheid India (P) Ltd. 75/76, Burrashibtana Main Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX AC1 ,1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 10th May 1984

Ref No. AC-4|ACQ. R-IV|CAL|84-85,---Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. situated at Chekundi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. (Cal) on 21-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Avon Steels Pvt. Ltd., 28, Amratala Street Calcutta.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land: 4.63 acres land with buildings, factory sheds, structures

Address: Mouja-Chekundi P. S. Shibtala, Dist. Hooghly Deed No.: 9587 of 1983,

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Lidwal Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JV CALCUTTA

Calcutta, the 10th May 1984

Ref No. AC-2|ACQ. R-IV|CA1 |84-85.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 7 situated at Guha Park

(and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office; at

Howrah on 23-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Asiatic Chemicals Industries 71, Canning Street Calcutta-1

(Fransferor)

(2) Sulphates India 71, Canning Street Calcutta-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land: 10 cottahs with structures Address: 7, Guha Park, Liluah, Howrah

Deed No.: 2046 of 1983

SANKAR K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 10-5-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th May 1984

Ref. No. III-934 Acp 84-85,—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000-and bearing No. Tauzi No. 519, Plot No. 1381, Sheet No. 40, Holding No. 501 502, 619 (old), 2278 (New) situated at Kankarbugh Road, Patrice

Patna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 13-9-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Sita Ram Saw So Late Mannu Lal Saw at Bakarganj Bajaja, P.S. Pirbahore, P.O. Bankipur, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Madan Lal Ghorawat So Shri Sohan Lal Ghorawat Prop. National Chemical and Parmaceu-tical Works, Kankarbagh Road, P. S. and P. O. Kankarbagh, Patna.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 123014 Sq. ft, with house situated at Mohalla Kankarbagh Road, P. O. and P. S. Kankarbagh, town and Dist. Patna and more fully described in Deed No. 7710 dated 13-9-1983 registered with D. S. R. Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-5-84

 Shri Sardar Balwant Singh Bawa, R|o 35, Rajpore Road, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjun Kumar Gupta, R|o- 'Anuradha' Ashok Raj Path, Patna (Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th May 1984

Ref. No. III-930|Acq|84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

H. No. 687|2561 Ward No. 3|11, Circle No. 8A situated at Kankerbagh, P. O.-G. P. O., Dist-Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 9-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—96GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

share in 9 Kathas 9 Dhur 2½ Dhurki of land with pucca building situated at Kankerbagh, P. O. G. P. O., Dust. Patna and more fully described in deed No. I-9178 dated 9-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar

Date: 11-5-84

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMINATION ACT ,1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th May 1984

Ref. No. III-929 Acp 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

H. No. 687|2561 Ward No. 3|11, Circle No. 8A, situated at P. O.-G. P. O. Dist-Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 9-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Amarjeet Singh, R|0-35, Rajpore Road, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Meera Gupta, R|o Sheikhpura Bailey Road, Patna,

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Land measuring 7 Kathas 10 dhurs with pucch building situated at Kankerbagh, P. O.-G. P. O., Dist-Patna and more fully described in deed No. 1-9179 dated 9-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar
Patna

Date: 11-5-84

Seai :

(1) Shri Amarjeet Singh Bawa, R|0-35, Rajpore Road, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjun Kumar Gupta, R|o- 'Anuradha', Ashok Raj Path, Patna (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD
PATNA-800 001

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Patna-800 001, the 11th May 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. III-931|Acp|84-85,---Whereas, I. P. K. DUBEY,

the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

H. No. 687|2561 Ward No. 3|11, Circle No. 8A situated at Kankerbagh, P. O. G. P. O. Dist-Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 9-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

14 share in 9 Kathas 9 Dhur 24 Dhurki of land with pucca building situated at Kankerbagh, P. O.-G. P. O., Dist-Patna and morefully described in deed No. I-9175 dated 9-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-84

(1) Shri Sardar Brijual Singh, Rlo-35, Rajpore Road, Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjun Kumar Gupta, R|o- 'Anuradha', Ashok Raj Path, Patna (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 11th May 1984

Ref. No. III-932 Acp 84-85.—Whereas, I, P. K. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing H. No. 687[2561 Ward No. 3]11, Circle No. 8A situated at Kankerbagh, P. O.-G. P. O., Dist-Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred.

has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on 9-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11 share in 9 Kathas 9 dhur 21 dhurki of land with pucoa building situated at Kankergagh P. O.-G. P. O., Dist-Patna and morefully described in deed No. 1-9174 dated 9-9-83 registered with Sub-Registrar of Assurances at Calcutta,

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar Patna

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Louise Thaper, Wo hate Cap. J. M. Thaper, rlo S-297, Gr. Kailash-Il, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Raj Kiran (P) Ltd., A-5, Pamposh Enclave, N. Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acq|I|SR-III|9-83|1049.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plote No. M19

Plot No. M-199 situated at G.K. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant plot No. M-19, Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date 1 26-3-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acq|I|SR-III|9-83.1057.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop Plot No. M-26 situated at G.K.II, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mohan Pyari,
Wo Sh. Lal Chand,
Sh. Avinash Chand,
So Sh. Lal Chand,
61-62, Amrit Nugar, P.O. Sewa Magar,
New Delhi.
(Transferor)

(2) M|s. Asian Estates (P) Ltd., 5|70, WEA, Karol Bagh, New Delhi Through its Director S. Gurbaksh Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing: to the undersigned with

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop plot No. M. 26, shg. 195 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi. 10

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date : 26-3-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGF-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Dolhi, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-83|1029.--Whereas I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. E-413, situated at G.K. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Joginder Kaur,
   W|o Sh. Mohan Singh,
   R|o D-84, Defence Colony, New Delhi.
   through her lawful G. A. Sh. Jagjit Singh Lamba,
   S|o Sh. Man Singh Lamba,
   R|o D-84, Defence Colony, New Delhi.
   (Transferor)
- (2) Smt. Shalini Khanna, Ms. Sagar Family Trust. through trustee. Smt. Shalini Khanna, M|3. Hindon Rubbers Pvt. Ltd., through Managing Director, Smt. Shalini Khanna, Sh. J. N. Puri, Smt. Shanti Puri, All r|o H-33, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDUI.E

Plot No. 413, Block No. E. Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date : 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|9-83|1081,—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-574 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Air Vice Marshal, K. L. Soudhi, D-70, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ashok Sur, Smt. Chanderkala Sur, 89-Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

C-574, Defence Colony, New Delhi mg. 325 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date : 26-3-1984 Soal 1

 Mis. Luchhtti Naram Redini Kishan. 1715, Gandhi Market Sadar Bazar, Dellu.

(Transferor)

(2) M1. N. K. Mehra, Mrs. R. Mehra, S-25, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGF-I, G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING I P. ESTATE NEW DEI HI

New Delhi, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.|I|SR-III|9-83|1108.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act' have reason to believe that the intume that the intume to be property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. W-145, situated at G.K. II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

W-145, mg. 400 sq. yds., Greater Kailash-II, New Delh!

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal:

Date : 26-3-1984

39---96GI]84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING I P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 26th March 1984

Ref. No. IAC|Acq I|SR-III|9-83|1004,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No S-229, stuated at C & H, New Delhi tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kukam Singh, Sio Shri Puran Singh, Rio Houre No. 67, Gali No. 3, Krishna Nagar, Delhi.

(Pransleror)

(2) Delite Builders through GPA Dharam Singh, Rlo A-2|140, Safdarjang Enclays, Nov. Delhi

(Transferce)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte"

# THI: SCHEDULE

S 229, Greater Kailash-II, New Delhi area 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date · 26-3 1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELTII

New Delhi, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-83|1257.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. S-431 situated at G.K. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi in October, 1983

at New Delh in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

 Smt. Sita Nagpal, Wo late Sh. I. N. Nagpal, 10-A|16, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gurvinder Singh Khurana, Sh. Qavinder Singh Khurana, Sslo Sh. Avtar Singh Khurana, Rlo E-21/A, Past of Kuilash, New Delhi. (Trunsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a petiod of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. S-431, Greater Kailash-II, N. Delhi mg. 294 sq. vds.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 27-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, L P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 26th March 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|SR-III|10-83|1208.--Whereas, I. SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. C-96 A&B situated at Kalkaji, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred in the Schedule annexed hereto)

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi

in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Dr. Indersain Bhatia, C-96 A & B, Kalkaji, New Deihi.

(Transferor)

(2) Sh. Har Parkash Singh Malik, E-221, Amar Colony, Laipat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-96 A & B, Kalkaji, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date : 26-3-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I,

G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 27th March 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|SR-III|10-83|1135.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sand Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Plot No. M-29, situated at G.K. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule appears) hereto.

No. Plot No. M-29, satuated at G.K. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

 Shri Raghubir Singh Lamba, Slo Kesar Singh,
 Rlo Sarisapahari P. S. Chirkunda Distt. Dhanbad,
 Bihar, Through attorney Inder Singh Alagh,
 Slo Jawanda Mal,
 Rlo D-62, NDSE-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Raman Anand, Wo Ashok Anand, Ro D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. M-29, mg. 250 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date · 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE
NEW DELHI

New Delbi, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-83|1141.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. f. f. of E-219 situated at G K. II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the raduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sharanpal Singh,
 M-161, Grenter Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ved Berry & Mrs. Benu Berry, Rlo B-49, NDSt-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

First floor of E-219, Greater Keilash-II, New Delhi mg. 1340 sft.

SUDIIIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi|New Delhi

Date: 27-3-1984

Soal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I, P. FSTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 27th March 1984

Ref. No. 1AC|Acq.I|SR-III|10-83|1170,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Gadaipur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Kartar Singh Slo S. Dalip Singh Rlo Gadaipur, New Delhi Fhrough Attorney Shri Yash Pal Mehra Sto Devi Das Mehra Rio S-555, Greater Kailash-II, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mis. Simple Concrete Piles (India) Pvt. J td. having its registered office at 55-Ezra Road, Calcutta and office at 82-83, Nehru Place, Vainkuth. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 16 bighas and 16 biswas, khusara Nos. 435 (4-16), 462 (4-16), 463 (4-16), 468|2 (2-8), with farm house, village Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi, Date: 27-3-1984

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delb

Date: 27-3-1984

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 27th March 1984

Ref. No. IAC[Acq.I|SR-III|10-83|1187.—Whereas, 1, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900[- and bearing No. Agricultural land situated at

Village Salahpur, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

(1) S Shri Chandgi Pyer. Mukhtiar
Najo Juth Ram,
S|Shri Sardar, Ram Singh, Giani Ram
Ss|o Nihal,
Shri Niader s|o Sheodan,
Shri Jage Rum s|o Shri Chand
R|o Biswasan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mis. Veena Mehra Wlo Major P. K. Mehra Rlo D-7l6, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 36 bighas and 1 biswas, M. No. 17, killa No. 12 (4-16), 19 (4-16), 21|2 (2-4), 22 (4|16), M. No. 21, killa No. 5 (4-8), M. No. 22, killa No. 1 (6-16), 2(4-16), 9 (3-9), with tube-well, village Salahpur, Tch. Meh., New Delhi,

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 27-3-1984

#### FORM I.T.N.S.

(1) Shri Motumal slo late Tahil Rum Gianchandani R|o II-D|37, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Suhag Wanti Wo Shri Jiwand Singh D-II, South Extension, Part-II, New Delhi..

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 27th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-83|1194,---Whereas, 1,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. II-D|37 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing No. II-D|37, Lajpat Nagar, New Delhi Mg. 200 sq. ards.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Date: 27-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III||10-83|1177.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding /Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. S-381 situated at G. K. II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Co M. R. Yadav
 S|o Mr. Sampat Ram Yadav,
 R|o Town and P. O. Kasli
 Distt. Rohtak (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Parkash Narain Misra Slo Mr. S. N. Misra and Mrs. Mamta Misra Wlo P. N. Misra Rlo 22-Jangpura-A, New Delhi..

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. S-381, mg. 299 sq. yards Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 28-3-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|10-83|1148.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRÁ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Sultanpur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any anomeys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S|Shri Vinay Mehra, Chand Mehra, Pawan Mehra Ss|o G. L. Mehra (1|3rd), Naveen Mehra, Deepak Mehra Ss|o Ashwani Kumar Mehra (1|3rd), Amit Mehra s|o Yash Pal Mehra (1|3rd). S-555 Greater Kailash-II, New Delhi Through Shri Yash Pal Mehra.

(Transferor)

(2) Shri Banwari Lal Slo Sia Ram Rlo 25, Todar Mal Lanc, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No.s 218|3|3 (1-13), 218|3|2 (0-6), 219|1 (4-2), 219|2 (2-8), 220 min (3-17), 222|2 (1-0), 223|1(0-12) with farm house, tube-well, boundary wall and fittings and fixtures village Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Date: 28-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th March 1984

Ref. No. IAC Acq. I SR-III 10-83 1188 .-- Whereas, 1,

SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

M-44, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1) Shri H. S. Duggal so Sohan Singh Duggal and Smt. Jagdip Kaur wo H. S. Duggal Ro B-41, Kailash Calony, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Phoola Rani Chadha Wo Shri M. L. Chadha For self and GPA of M. L. Chadha soo Shri Faqir Chand Ro M-44. Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. M-44, mg. 510 sq. mts., Greater Kailash-I, New Delhi.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 26-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Anand Mohani Dara Wd|o Late Shri J. K. Dara, C-12, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. A. K. Mittal and Mrs. Kanam Mittal, 2B, Mathura Road, Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|11-83|1355.--Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

G-12 situated at Jangpura Extension, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering

Officer at New Delhi on Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

GBP House No. C-12, Jangpura Extension, New Delhi mg. 300 sq. yards.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-3-1984

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVF"NMENT OF INDIA

 Smt. Sardarni Joginder Kaur, C-257, Defence Colony, New Delhi,

(Transferor)

\_\_\_\_

(2) The Modern Agencies, Thapar House, 124, Janpath, New Delhi.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DEI.HI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-III|11-83|1279.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

M-78, situated at G. K.-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

of the Registering Officer at New Delhi on Nov., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2½ storeyed house No. M-78, Greater Kailash-I, New Delhi mg. 500 sq. yards.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-3-1984

(1) Mrs. Gian Devi Bhandari, A-8, Maharani Bagh, New Delhi.

(ransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

IAC Acq. I SR-III 11-83 1301.—Whereas, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.
39, situated at Friends Colony East, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on Nov., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely :--

(2) Ghaziabad Investment Ltd, Amrit Nagar, G.T. Road, Ghaziabad (U.P.), Hitachi Investment Ltd. 2-A, Jadulal Mullick Road, Calcutta, Apshara Estates (P) Ltd., 9-Old Post Office Street, Calcutta. Grace Investment (P) Ltd., B-72 Himalaya House, 23-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi Miss Nandita Batra and Miss Nalini Ramalingam

Both rlo 10-Friends Colony,

New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

39-Friends Colony East, New Delhi-mg. 2757.51 sq. mtrs

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-fax.

Acquisition Range-I,

Delhi New Delhi

Date: 28-3-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I. P: ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|Acq. I|ŚR-III|12-83|1374.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

S-201, situated at G.K.-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on October 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirupama Jain Wo Shri Ashok Jain, E-482, Greater Kailash-ll, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kanwaljit Kaur Chadha Wlo Shri Gurbachan Singh Chadha and Master Sandeep Singh Chadha Slo Shri Gurbachan Singh Chadha Rlo A-105 Vishal Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. S-201. Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi New Delhi

Date: 28-3-1984

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FI OOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE,

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR-III|12-83|1424.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-230, situated at G. K. II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—41—96 GI|84

 Shri Harbans Lal Kainth Slo Late Amar Nath Kainth Rlo 128, Mohammadpur, Near R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. Motor Industries Company, Ltd., E-2|21, Jhandewalan Extn., New Delhi through its Secretary M. K. Raghavendia Rao. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. A, (GF) part of property No. F-230, mg. 1900 sq. ft. Greater Kailash-II, New Delhi.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

Date: 28-3-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE,

#### NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|Acq1|SR-III|12-83|1380.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable referred to the said Act') have reason to believe that the immovable referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable referred by the research having a few reasons when a second referred to the said Act') have reason to believe that the immovable referred to the said Act') have reason to be a second referred to the said Act's have reason to be a second referred to the said Act's have reason to be a second referred to the said Act's have reason to be a second referred to the said A property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A-80, situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annered hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at Delhi on December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such expects the apparent consideration therefor by more than the terms of such expects consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said —: Aperusu 'suostoo

(1) Smt. Satwant Kaur Wo Shri Kulwant Singh Sodhi Ro A-5, DDA Colony, Ring Road, Narnina, New Delhi.

(Trausferor)

(2) Shri Kuljit Singh, Harjit Singh, Inderjit Singh all
Slo Late S. Sunder Singh all
Rlo 735|4, Ashok Gali,
Gandhi Nagai, New Delhi.

(ransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing No. A-80, Defence Colony, New Delhi mg. 217 sq. yd.

> SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Delhi New Delhi.

Date: 28-3-1984

Scal:

 Sh. N. R. Mohindra of M|s Mohindra Builders-A-I|198, Safdarjang Encalve, New Delhi.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Chitralekha Bajoria
Wolsh. A. K. Bajoria
Rolo Kothi No. 2,
J. C. Mill Compound, Birlanagar,
Gwalior (MP).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|Acq1|SR-III|12-83|1359.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 3, situated at 9-Siri Fort Road, New Delhi.

Flat No. 3, situated at 9-Siri Fort Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 3 on front protion of 2nd floor proportionate share in the property bearing No. 9- Siri Fort Road, Masjid Moth, New Delhi,

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi|New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 28-3-1984.

Scal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. IAC|AcqI|SR-III|12-83|1370,—Whereas, J. SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. A-214, situated at Defence Colony, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering. Officer at Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

 Shri J. S. Thapar So Capt. Karta Ram Thapar, C-420, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Dadi Mistry
Solo Late Eruchshaw Ardeshir Mistry and
Smt. Nergish Dadi Mistry
Wolo Shri Dadi E. Mistry both
Rolo A-215, Defence Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

A-214, Defence Colony, New Delhi mg. 217 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

Date: 28-3-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri K. K. Kapoor R[o H. No. M-21, Gr. Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vasudev Vohra Rlo C-95, Gr. Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 28th March 1984

Ref. No. JAC|Acq|SR-III|12-83|1444.—Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. C-95, situated at G. J. I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on December. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. C-95, Greater Kailash-I, New Delhi mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 29th March 1984

Reg. No IAC|AcqI|SR-III|12-83|1439,---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. S-75, situated at G. K. II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Delhi on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesall property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one, namely:—

(1) Shri Om Prakash Tandon.
Slo Nand Lal Tandon
Smt. Chanchal Rani
Wlo Tilak Raj Khanna,
Smt. Usha Rani
Wlo Madan Gopal Khanna
Rlo H. No. 3207, Sector 21-D, Chandigath.
(Transferor)

(2) M|s Sabharwal Construction Co., having its regd. Office at S-283, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-75, Greater Kailash-II, New Delhi mg. 300 sq. yds.

SUDHIR CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi|New Delhi.

Date: 28-3-1984.

(1) Shri Purshotam Ram Kapur

(Transferor)

(2) Shri Arun Mittal

Rlo C-124-B, Greater Karlash-I, New Della

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOML-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND GLOOR CR BUILDING, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 29th March 1984

Ref No IAC|AcqI|SR-III|12-83|1451 ---Whereas, I, SUDHIR CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. C-124-B, situated at G. K. I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

on December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C-124-B, Greater Karlash-I New Delhi.

SUDHIR CHANDRA Competent Authority Inspecting Asstt Commissinoer of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi New Delhi.

Now, Exerciore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-3-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 2nd May 1984

Ref. No. A.P. No. 5383,—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-No as per schedule

and bearing No. as per Schedule

situated at Boot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mool Raj Soo Kishan Dass Ro Boota Mandi, Jalandhar, Mukhttiar-Khas Jaswant Singh So Krishan Narain Singh.

(Transferor)

(2) Shrimati Veena Kumari Wo Joginder Pal, 2 Roop Lal So Hukam Chand, 3. Hans Raj So Haria Ram. 4. Sat Pal, Dharam Pal Ssjo Mehnga Ram all resident of Boota Mandi, Jalandhar.

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the roperty) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Property area 2 Kls, situated in V. Bootand persons as mentioned in the registered sale deed No. 3641 of Sept. 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authorsty Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 2-5-1984,

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE. **JALANDHAR**

Jalandhar, the 7th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5398.—Whereas, I.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No as per schedule situated at Jalandbar (and more fully described in the Schedule annexed bereto),

has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—96 GI/84

(1) Shri Inderbir Singh S|o Gurjai Pal Singh Rlo Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shrimati Tej Kaur W|o Mast Ram Ro Kala Sanghiya District. Kapurthala.

(Transferce)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned know to be interested in the roperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the rese pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Proprty House No. 117 Min area 10 Mls. 50 S. ft. situated in Gurjaipal Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3583 dated Sept. 83 of the Registering Authority Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 7-5-1984.

#### CONTRACTOR AND MEMORIAL PROPERTY OF THE PROPER FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5399.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Garha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Jalandhar on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any troneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) New Finance & Credit Corporation Pvt. Ltd. through Sh. Ram Kumar Bhardwaj, Mg. Director, Clo Pt. Sat pal & Co. Milap Chowk Jalandhar,

(Transferor)

(2) Shrimati Surinder Kaur Wo Makhan Singh Ro V. Adhekali Dist. Jalandhar.

(Transferce)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property area 4820 Sq. ft. situated in Garha and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4660 of Oct. 1983 of the registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 7-5-1984.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 7th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5400.—Whereas, J. I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Jalandhar on September 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilititating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 et 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Santosh Kumari Wo Om Parkash Ro 239, Adarsh Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Ajmer Kaur Do S. Singh of V. Rurka C|o Suptd. of Police, Taran Taran District, Amritsar.

(Transferee)

(3) as S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 29-A area 13 Mls. 69 S. ft. situated on GT Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3739 of September 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 7-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 8th May 1984

Ref. No. A.P.No. 5401,-Whereas, L.

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. as per schedule situated at Rampura Phaul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rampura Phul on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Siri Ram So Bhola Nath and Shri Sham Lal So Ram Kumar Rampura Phul,

(Transferor)

(2) Shrimati Kuldeep Kaur Wo Toga Singh, 2. Sohan Singh Slo Mastan Singh Clo National Tractor, Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2303 of September 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of income-tax Acquisition Range Jalandhar.

Date: 8-5-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 8th May 1984

Rcf. No. A.P. No. 5402.—Whereas, I,
J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
No. as per schedule situated
at Rampura Phul
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Rampura Phul on September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely:—

Shri Jasbir Singh
 Attar Singh
 Sabzi Mandi, Rampura Phul.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Bhatia Slo Sh. Sham Lal Bhatia, Subzi Mandi, Rampura Phul.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2313 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GARDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 8-5-1984

Seal 🕹

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 8th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5403.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovwble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated

Pampura Phul on September, 1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rampura Phul on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) the literating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sarwan Singh So Sh. Boota Singh Rampura Phul,

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh Sto Sh. Charan Singh Rampura Phul.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2335 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Rampura Phul.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 8-5-1984

(1) Shri Subhash Chander So Jagan Nath Mohalla Arya Nagar, Hoshiarpur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kulbhushan Kumai Jain Slo Karam Chand, Nai Abadi. Hoshiarpur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 11th May 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

that the immovable property, having a fair market value

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

- - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persous, whichever period expires later;
  - able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- (b) by any other person interested in the said immass-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. as per uchedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Hoshiarpur on September, 1983

Ref. No. A.P. No. 5404.—Whereas, I,

as the 'said Act'), have reason to believe

J. L. GIRDHAR,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2787 of Sept., 1983 of the Registering Authority, Hoshiarour.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandbar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 11-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,
JALANDHAR

Jalandhar, the 11th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5405.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than often per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Surinder Kumar Slo Jagan Nath Arya Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Shri Inderpal Jain Slo Karam Chand Nai Abadi, Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 2807 of September 1983 of he Registering Authority. Hoshiarpur.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1984

#### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 11th May 1984

Ref. No. A.P. No. 5406 .-- Whereas, I,

J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 18 the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable the income of the reason to be the section of the section o property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar Contt.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar on September, 1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

43--96 GU84

(1) Shri Hari Ram So Kaura Ram Rlo House No. 181, Mohalla No. 25, Jalandhar Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Ved Bharat, Mulkh Raj and Himat Ram Ss o Hari Ram Ro House No. 18, Mohalla No. 25, Jalandhar Cantt.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period of the respective period peri pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

## THE SCHEDULE

Property No. 18-11, mohalla No. 25, Jalandhar Cantt and persons as menioned in the registered sale deed No. 4078 of September, 83 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 11-5-1984 ·

Prajapati Ravjibhai Nathubhai
 Prajapati Punambhai Somabhai 'Narayan Nivas'

'Narayan Nivas' Broach

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suryakant Gordhanbhai Patel Nava Ghara,

Karamsad Tal: Anand.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 13th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2784 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 818 Plot No. 354 Vallabh Vidyanagar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 23-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under said act in
  respect of any income arising from the transferor;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Vallabh Vidyanagar C. S. No. 818 Plot No. 354 adm. 419 21 sq. mtr. Document for transfer of property read, with S. R. Anand under No. 4089|23-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11,
Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1, Smt. Madhuben Bhikhabhai Borsad Chokdi.  $\Lambda$ nand.

2. Smt. Punjiben Harmanbhai Palaj, Tal: Petlad.

(Transferor)

(2) Shri Pavjibhai Vaghjibhai Patel, 'Sonal' Yogi Park, Near Greed, Anand.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IL

AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad, the 13th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2785 Acq. 23 [II]84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. R. S. No. 1223 4, situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 19908) in the office

of the registering officer at Anand on 14-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Anand S. No. 1223|4 adm. 3206 sq. yd. Document for transfer of property regd. with S. R. Anand under No. 3856 14-9-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 13th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2786 Acq. 23|II|84-85.---Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C. S. No. 1083 Vallabh Vidyanagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 8-991983

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mistri Savjibhai Girdharbhai (Luxmanbhai) Karamsad,

Tal: Anand.

(2) Shri Bhupendra Chimanlal Patel, 101, Raj Lata Karamsad Road, Vallabh Vidyanagar, Tal: Anand.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Bldg. at Vallabh Vidyanagar C. S. No. No. 1083 adm. Plot area 419.74 sq. mtr. and built up area 1400 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Anand under No. 3926 Dt. 8-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 13-4-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Ushaben Bhagirathbhai Parikh, Bajwada, Sheth Sheri, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Anilbhai Ambubhai Patel, 35, Nirman Co-Op. Socy. Alkapuri, Baroda.

(Transferec)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2787 Acq. 23[II]84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing S. No. 156-1 Flat No. 11, situated at Baroda

S. No. 156-1 Flat No. 11, situated at Baroda (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat at Subhanpura S. No. 156-1 Flat No. 11 adm. 725 sq. ft. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 5260 dated 1-9-1983.

R R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 12-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-1I
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 13th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2788 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, L. R. R. SHAII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)- and bearing

No. R. S. No. 115-2 TPS. 2 Subhanpura, Baroda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pokar Builders,
 Clo Karamsibhai Hurjibhai Patel,
 Sahkar Apartment,
 Nr. Vidhya Vikas School
 Subhanpura.
 Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Umesh Jagdish chandra Vachhrajani, Sahkar Appartment (Ground Floor), Nr. Vidhya Vikas School, Subhanpura, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the şaid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Subhanpura TPS, 2 Plot No. 450 at Sahkar Aptt. Ground Floor, Document for transfer of property regd, with S. R. Baroda under No. 5338 Dt: 5-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Abmedabad

Date: 13-4-1984

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II, AHMFDABAD-330 009

Ahmedabad, the 19th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2789 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 496 TPS. 1 F. P. 181 Kalol. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kalol on on 15-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Narayaniben Devaji Dhobi

Ambalal Devaji Dhobi
 Jayantilal Devaji Dhobi
 Rajubhai Devaji Dhobi

Babulal Devaji Dhobi Navjivan Road, Swadeshi Mill Chal

(Transferor)

(2) 1. Kanjibhai Chhaganbhai Prajapati Udaji Chawl,

Kalol, Dist: Mehsana.

Kalol, Dist: Mehsana.

 Babubhai Chaturbhai Patel, Dangarva, Tal: Kadi, Dist: Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Kalol TPS. 1 FP 181 admeasuring 511 sq. mtr. Document for transfer of property regd. with S R. Kalol under No. 2005 15-9-1983.

> R. R. SIIAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 19-4-1984

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 19th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2790 Acq. 23 [11] 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 252|307 Kalol.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Kalol on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the provideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed to be the consideration for such transfer as agreed t parties has no: been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mangalbhai Jivabhai Patel & Others. Near Chora Ganjivas, Kalol Dist: Mesana.

(Transferor)

(2) Vipul Co. op. Socy. (Proposed) Co Vithalbhai Punjirum Patel, Shreyas Cociety Kalol Dist: Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Kalol S. No. 252|307 adm. A1 G4 Document for transfer of property regd, with S. R. Kalol under No. 1300 Dt: 1-9-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons namely:--

Date: 19-4-1984

·-- \_\_ =- \_\_ = <del>\_\_ \_\_ = \_\_</del>=

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2791 Acq. 23[II]84-85.—Whereus, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

Waid No. 9|410 Raj Jyoti Flats, Ward No. 9 Nondh No. 410 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the largestering Officer

at Surat on 21-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in sespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other asset which have not been or which could be disclosed by the transfer with furing a of the Indian Income tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pur nance of Section 269C of the said Act, I he else initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the result of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following recommandly:—

44 –96 GI[84]

Dilipkumai Ramanlal Bodhanwala, Surat,
 Nirmalaben Dilipkumar Bodhanwala Vadi Falia,
 Store Sheri, Surat.

(Transferor)

Nirmalaben Dilipkumar Bodhanwala Vadi Falia.
 Vadi Falia, Store Sheri,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning to given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The Flat is situated at Ward No. 9 Nondh No. 410. Adm. 610 sq. ft. The document is registered at S.R. Syrat vide No 8022 dated 21-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 19-4-198!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 12th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2792 Acq.23 II 84-85.—Whereas, 1, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Nondh No. 1198 A-1 Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Homi, Jahangir At Athugar Mohollo Nanpura, Surat.

(2) Kantilal Champaklal Doctor, Haripura, Bhavani Vad, Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The flat is situated at Nanpura Vistar. Nondh No. 1198-A-1. Adm, 665 sq. ft. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7873 dated 15-9-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 19-4-1984

(1) Rasiklal Parsottamdas Shah, Patwa Sheri Gopipura, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kamlesh Sakni Satishkumar Malhotra, A-7, Nehali Aptt. Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THER INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 19th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2793 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 137/2, 137, 125 paiki Ghod dod Road, Shubhashnagar, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat 13-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Shubhash Nagar Co.op. H. Socy. Ghod-dod Road, Surat. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7799 dated 13-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th April 1984

Ref. No. P.R. No. 2794 Acg. 23/II/84-85.--Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Plot No. 14|2|A situated at Udhana Udyognagar, Sahakari Sangh, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-9-1983

for an apporent consideration which is less than the market value of the aforesaid property, and reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; 'A
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shii Vinodchandra Venilal Bhatia. Nanpura Main Road. Surat.

(liansferor)

- (2) Chokashi & Co. Partner, 1 Abubhai Kasambhai,

  - 2. Safibhai Kasambhai,
  - 3. Karidabanu,
  - 4. Roshanbanu Sikandarbhai, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation . The irims and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

The property is situated at Udhna Udyognagar Sahkatı Sangh. The document is registered at SR. Surat vide. No 8124 dated 27-9-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Dato: 19-4-1984

 Gordhandbhai Chunthabhai Suthar, 3rd Floor Indranil Aptt. Nanpura, Surat.

(Transferor)

OFFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Amritlal Bhikhabhai Shah, Smita Appt. No. 1, Gopi Pura Kazinu Medan, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th April 1984

Ref. No. P. R. No. 2795 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, R. SHAH.

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said' Act'), have reason to believe that the imvable property having a fair market value exceeding Rs., 000]- and bearing

,000]- and bearing
No. 252 to 258 & S. No. 249-7 Gavier Tal: Choryasi
nd more fully described in the Schedule annexed hereto),
s been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the office of Registering Officer at
1at on 15-9-1983

an apparent consideration which is less than the fair a ket value of the aforesaid property and I have reason to ieve that the fair market value of the property as afore-1 exceeds the apparent consideration therefor by more in fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ow, therefore in pursuance of Section 269C of the said I herey initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under subtract (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely:—

#### THE SCHEDULE

The land at Gavier S. No. 252 to 258 & S. No. 249-7. Adm. 22627 sq. yd. The document is registered at S.R. Surat vide No. 3279 dated 15-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-4-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd May 1984

Ref. No. P.R. No. 2796 Acq. 23|II|84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 42 1 TPS, 2 subhpura, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Baroda on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Chandrakant Manibhai Patel, Khanpur, Tal: Anand Distt. Kaira.

(Trausferoi)

(2) Dineshrai Kantilal Trivedi, 10, Vrandavan Society, Near Amra Kunj, Race Course Circle, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow at Subhanpura S. No. 42 1. Document for transfer of property regd. with S. R. Baroda under No. 5264 in the month of September, 1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 3-5-1984

FORM 1:NS-----

(1) Shri Rameshbhai Ochhavlal Shah, 6, Vihang Colony, Ajwa Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Tryeshbhai Khemdas Patel, Accue Puncture Centre. Kothi Char Rasta, Baroda,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st May 1984

Ref. No. P.R No. 2797 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hanivg a fair market volue exceeding Rs. 25,000 - and bearing

S. No. 147/144 Jetalpur, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908 in the office of the Registering Officer at

Baroda on 23-9-1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Bldg at Baroda, A|71, Ashok Co.op. Hsg Socy Document for transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 5372 Dated 23-9-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commission i of Income-tex Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in nursuance of Section 2890 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely . -

Date: 1-5-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmodabad-380 009, the 3rd April 1984

Ref. No. P.R. No. 2798 Acq. 23|II|84-85,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sheet No. 1189 S. No. 58 Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jayantilal Chandrashankar Shukla, 66-B, Ambica Nagar Socy. II, Kalol Distt. Mehsana.
- (2) Smt. Vinodiniben Shaileshbhai Dave, 66-B. Ambica Nagar Society-II, Kalol, District Mehsana.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereiv as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bldg. of Ambica Nagar Socy. Division II 66B at Kalol. Document for transfer of property regd. with S.R. Kalol under No. 823 Dated 1-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 3-5-1984

#### FORM ITNS-----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd April 1984

Ref. No. P.R. No. 2799 Acq. 23[II]84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

sand bearing No.
S. No. 2919 paiki 2 Ward No. 3 Opp. Maharaja Cinema Salabatpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons namely: 45-96GI 84

(1) M]s Natwarlal Panubhai & Brother Salabatpura, Mahatma Vadi, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Shyamlal Devmal,

Sifkathussein F. Zaveri,

3. Moiz Ahmedabhai Pali Tanwala,

Rasida Chiba,
 N. S. Chiba,
 Fakuruddin Hababbhai,

7. H. G., 8. Abdul rahim Ibrahim, 9. Farida Mohmadbhai Valsadwala, 10. R. A. Khapa,

11. Nathidevi.

12. Bhanumati. S. Jariwala,

13 Laxmi. M.,

14. Narandas,15. Moizbhai Mohmedali

16. Umedbhai. I,

17. Prakash H.,

18. Pushpaben. M, 19. Arjundas. A.,

20. Sumangauri. N.,

21. Jyotsana Natwarlal, 22 Sabir Kaiyum Doctor,

23. Maniben Vasant Rathod, 24. A. Y. Chuniwala,

25. Roopawala, 26. Sumanben, V. Patel, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

' (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as elven he that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property situated opposite Maharaja Cinema and it is known as Dipti Nagar at S. No. 2919. The document is registered at S.R. Surat vide No 3576 dated 7-9-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 3-5-1984

SenI:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Ichhaben Dahyabhai Naik, At village Sachin Tal: Cheryashi, Surat.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Gulamhussein Abdul Rehman Amroliwala, Talbi Moholo, Surat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 4th May 1984

Ref. No. P.R. 2800 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 33, 35, 43 and Block No. 51 Sachin Tal: Choryashi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

The land at Sachin bearing S. No. 33, 35, 43. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7162 September, 1982

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act, of the following persons, namely:—

Dafe: 4-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2801 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Ward No. 8 Nondh No. 1854 Gopipura Dipa Mehta's Khancha, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer

of the Registering Officer at Surat on 30-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Laxmichandbhai Naraibhai Patel, Gopipura Kirparam Mehta's Khancho, Surat,

(2) Chamanial Jivanial Soni, Gopipura Dipa Mehta's Khancho, Ward No. 8 Nondh No. 1854 8-1, Surat. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Gopipura Dipa Mehta's Khancho, Surat. The document is registered at S.R. Surat vide No. 8208 dated 30-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 4-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Ref. No. P.R. No. 2802 Acq. 23/11/84-85.--Whereas, 1. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-ta Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Nondh No. 3219-20-21 Ranjitrai Road, Gopipura, Kazi nu

Medan, Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 4-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income we any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mahendrakumar Mohanlal Gandhi, A-61, Salf Society, Lambe Hanuman Road. Surat.

(Transferor)

(2) Anilkumar Bhogilal Shah, E.505, Smeeta Apartment, vibhag-2, Gopipura, Kazinu Medan, Ranjitrai Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :- -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person uncreated in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the samt meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Smeeta Aptt. Kazinu Medan Gopipura, Nondh No. 3219-20-21 paiki Flat-E 505 adm. 705 sq. ft. The document is registered at S. R. Surat vide No. 8792 dated 4-9-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 4-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009. the 4th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2803 Acq 23-II 84-85. Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 643, 644 paiki C.T.S. S. No. 50 situated at Maharani

Shantadevi Road, Navsari

(and morefully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1960 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration

Navsari on 9-9-1983

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shrimati Maniben Dahyabhal Patel;

  - Minor Chhitubhai Dahyabhai Patel;
     Minor Kirankumai Dahyabhai Patel. at Jankalyan Society, Maharani Shantudevi Road, Navsari;
  - 4. Shri Ishwarbhai Naranbhai Patel;
  - 5. Shrimati Gangaben Naranbhai Patel; 6. Shrimati Manjuloben Ishwarbhai Patel;
  - 7. Minor Retulkumar Ishwai bhai Patel, at Dargah Road, Navsari.

(Transferor(s)

(2) Shiv Shakti No. 3 Co-op. Hsg. Socy. President - Shri Manojkumar Ravajibhai Patel, at Umia Aptt. No. 2, 2nd Floot, Station Road, Navsari.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property is situated on Maharani Shantadevi Road. Adm, 1893 sq. mtr. The document is registered at S.R. Navsari vide No. 2820 & 2821 Dt : 9-9-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Date: 4-5-1984

#### FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2804|Acq.23-II|84-85.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

Nondh No. 2378|D|TPS No. 5 Final Plot No. 254|D situated at Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 958, 959, 960 83) on Surat on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shardaben Shantilal Mehta, Montul, Near Law Garden, Ellisbridge, Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Nilkamal Flats Co-op. Hsg. Socy., Organisor,

1. Shri Kantılai Chhaganlal Patel:

 Shri Shankerbhai Bhagwandas Patel, 1B, Vijay Raj Aptt., Near Kallash Nagar, Sagramputa, Surat.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines, Nondh No. 2378 D. The document is registered at S.R. Surat vide No. 6888 Dt : 2-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
AHMEDABAD

Date: 4|5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Smt. Kokilaben Narottamdas Parckh, Khanduli no Tekaro, Valsad.

(Transferor)

(2) Dipak Aptt, Co-op. Hsg. Socy. Ltd., President: Shii Prabhubhai Govindji I ad, Inbul Road, Valsad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahrnedahad-380 009, the 4th May 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 322-323 paiki situated at Bhagadevada, Valsad (and proper fully described in the Schedule approved beyond

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Valsad on 19-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of the chief of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The land at Bhagadavada, Valsad R. S. No. 322-323 paiki plot No. 11, adm. 806 sq. vd. The document is registered at S.R. Valsad vide No. 1599 Dt.: 49-9-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, **AHMEDABAD**

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-5-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDARAD 380 000

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2806|Acq.23-II|84-85—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. S. No. 65 situated at Village Silwasa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE form submitted under signed in Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Thr. Vithalder Bhikhabhai Bhayear, Ama Silwasa, Dadara Nagar Haveli.

(2) Mexin Medicament Pvt. Ltd..

Mexin Medicament Pvt. Ltd.,
 99, Dhanudvog Industrial Estate,
 Silvasa (Dadara Nagar Havel).

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The land situated at Amil Silwasa. The form No. 37EE is registered by the understaned in Sept., 1983

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
AHMEDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date · 4-5-1984

FORM ITNS------

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) M/s. Samir Diamonds Mt1s., 2502, Panch Ratnu. Mama Parmanand Marg., Opera House Bombay-4

بيايوطيليسي

-134

Transicion (S)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(2) Samu Diamond Mfg. Pvt. 1 td., 80 81, Sadhana Society, Varachha Road, Surat.

may be made in writing to the undersigned :--

Fransferee(s)

ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009 the 4th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2807[Acq 23-11]81-85 --Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Block No. 141-142 situated at LASKANA Kamrej, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

37f E form reed in the office of the under signed in Sept., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 40 da. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter LAPLANATION -- The terms and expressions used herein as

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian (ncome-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

The property is situated Laskana Kamiej, Surat. The form 371-15 is received by the undersigned on 7-9-1983

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, AHMFDABAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 46---96GI|84

Date : 4-5-1984

Scal:

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Kiritkumar Kapurchand Gandhi; Shri Sudhirkumar Kapurchand Gandhi, Ankita Aptt., Athwa Lines, Flat No. 6 Surat.

Iransferor(s)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 4th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2808 Acq 23-11/84-85 — Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

S. No. 1740 Ward Athwa situated at Ankita Aptt, Flat No.

S. No. 1740 Wald Athwa situated at Ankita Aptt, Flat No. 6, Athwa Lines, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shii Rameshchandra Bhogilal Desar, Ankita Aptt., Flat No. 6, Athwa Lines Near Narmad Nagar, Surat,

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

The flat situated at Athwa Lines, Ankita Aptt., Surat. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7999 Dt: 20-9-1983

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section \*69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-5-1984

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Smt. Bindooben Mahendrabhai Marfatiya, 2. Smt. Ashrumani Shantilal Marfatiya, At Main Road. Nanavat, Surat.

(Transferor(s)

(2) Shir Shirish Mohanlal Kapadia, At Sneh Smruti Society, Adajan Road, Surat.

Fransferee(5)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AUQUISITION RANGE-III 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Ref. No. P. R. No. 2809<sup>1</sup> Acq.23-H 84-85. Whereas T., R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 15 paiki and S. No. 22, Hissa 1 to 5 situated at Umara Tal, Chorvast

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 12-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to belie to that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evarion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 5.1 (acditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Umara Adm. 600 sq. vd. The document is registered at S.R. Surat vide No. 7765 Dt. 12-9-1984

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II
> AH ALDARAD

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

1-5-1984 Date Sea1

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, 2ND LLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Alimedahad-380 009, the 7th May 1984

Ret. No. P. R. No. 2810 Acq.23-11.84-85.---Whereas, J. R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and

S. No. 193A paiki situated at Vijalpai Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 16-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ()1 of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Thakotbhai Khushalbhu Patel, Parsi Vad, Farota Bazar, Navsari,
  - Shii Mangubhai Khushalbhai Patel, Parsi Vad, Tarota Bazar, Navsari.
  - 3. Shri Natwarial Punjalal Patel. Asha Nagar, Navsari,

Transferor(s)

(2) Chandanvan Co-op, Hsg. Socy., Kadambari Centre, Station Road, Navsari.

Tramsferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The land at Vijalpui, Tal: Navsani S. No. 193A paiki Adm. 6456 sq. ft. The document is registered at S.R. Navsari vide No. 2850 Dt: 16-9-1983,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
AHMEDABAD

Date: 7-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 7th May 1984

Ret, No. P. R. No. 2811; \cq.23-II|34-85.---

Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000]- and bearing No.

S. No. 193A paiki situated at Vijalpur Road, Tal: Navsaii (and prope fully described in the Scheduler and Property Land Property Road).

S. No. 193A paiki situated at Vijalpur Road, Tal: Navsati (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tituly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) 1. Shri Thakorbhai Khushalbhai Patel, Parsiyad, Tarota Bazai, Navsaii.
  - 2. Shri Mangubhai Khushalbhai Patel, Parsiyad, Tarota Bazar,
  - 3. Shri Natwarlal Punjabhar Patel, Asha Nagar, Navsari.

(Transferor)

(2) Yamuna Co-op. Hsg. Socy., Kadambari Centre, Station Road, Navsari,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette ro aperiod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

The land at Vejalpur—Tal: Navsari bearing S. No. 193A paiki Adm. 9568 sq. ft. The document is registered at S.R. Navsari vide No. 2851 Dt: 16-9-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1984 Seal :

(1) M/s. Pratik Associates Pratik Aptt., Athwa Lines, Smut.

(Transferor)

(2) Mahavii Association, Near Lal Bunglow, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th May 1984

Rei. No. P. R. No. 2812 Acq.23-II 84-85—Wheteas, I, R. R. SHAII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

13282

and bearing No. S. No. 59-4-5 situated at Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at as per satakhat dt; 30-4-1983 on 30-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XMA of the said ict, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines, S. No. 59-4-5 adm. 1296 sq. mtr. The document is submitted to the office of the undersigned in Form No. 37EE in Aug., 1983,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Subhash Chander Slo Shii Chandei Bhan Dhupai Rlo 499/9 New Colony, Guigaon.

(Transferor)

(2) Shi Subhash Chander Anand Slo Shir Kir han Lal Anand, Rlo H. No. 302|1, Near Distt. Jail, Gurgaon,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Roht the 8th May 1984

Ref. No. GRG|57183-84 —Whereas, I, R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 510 9, New Colony, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Sept. 1983 at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have tenson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been fruly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the vame meaning as given in that (bapter.

#### THE SCHEDULE

Property being house No 510|9, New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No 2752 dated 20-9-1983 with the S.R. Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-5-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Vipan Kundir Sjo Shri Satya al Slo Shri Chander Bhan Dhupar, New Colony Gurgaon.

(2) Smt Sheela Wati Wlo Shii Krishan Lal, R'o 302|1, near District Jail, Gurgaon, (Transferor)

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Robtak, the 8th May 1924

Ref. No GRG 85 83-84.—Whereas, I. R. K. BHAYANA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot measuring 429 sq. vds situated at New Colony, Gurgaon tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ti, an fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I YPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being plot situated at New Colony, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3281 dated 28 10-1983 with the S.R., Gurgaon,

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Röhtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

Scal :

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D L.F. COLONY

Rohtak, the 8th May 1984

Ref. No. GRG|86|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot measuring 433 sq. yds

situated at New Colony, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurgaon in Oct., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Sumitra Devi Wo Sh. Chander Bhan Dhupar, So Sh. Gian Chand Ro 711/4 Urban Estate, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Anand Soo Sh. Subhash Chander Anand Soo Sh. Krishan Lal Anand Roo H. No. 3021, Near Distt. Jai Gurgaon. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being plot measuring 433 sq. yards situated at New Colony, Gurgoan and as more mentioned in the scale 3282 dated 28-10-1983 with the S.R. Gurgaon,

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-47--96/GT[84

Date: 8-5-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 8th May 1984

Ref. No. RTK|49|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Shop No. 522|17 situated at Railway Road, Rohtak (and more fully described in the Schadule approach bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Prem Chand Slo Master Biccha Lal Vaish Nehru Street, Jhajjar Road, Rohtak. (Transferor)

(2) Sh. Sunil Kumar Jain So Manohar Lal So Sh. Deewan Chand Jain, 217 Veer Nagar, Jain Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propers may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Shop No. 552 17 situated at Railway Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3425 dated 22-9-1983 with the S.R. Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

#### FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1984

Ref. No. RTK50|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 550|17

situated at Railway Road, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue or the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Keshari Devi Wo Sh. Prem Chand Slo Master Bichha Lai Vaish Aggarwal, Nehru Street, Jhajjar Road, Rohtak.

(2) Smt. Shakuntla Wo Sh Manohar Lal So Sh. Deewan Chand Jain Aggarwal, 141,

Veer Nagar, Jain Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being shop No. 550|17 Railway Road, Rohtak as more mentioned in the sale deed registered at No. 3426 dated 22-9-1983 with the S.R., Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-5-1984

Scal:

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 8th May 1984

Ref. No. RTK|51|83-84.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Shop No. 522|17 situated at Railway Road, Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Keshii Devi Wo Sh. Prem Chand, Nehru Street, Jhajjar Road, Rohtak.

(Transferor)

(2) Sh. Sunil Kumar Soo Sh. Manohar Lal Soo Sh. Dewan Chand Aggarwal, Roo 141-Veer Nagar, Jain Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property being Shop No. 552|17, Railway Road, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3427 dated 22-9-1983 with the S.R. Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 8-5-1984

Seal .

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Sh. Kartar Singh Rlo Sadopur Distt. Ambala, (Transferor)

(2) Sh. Rajendra Nath Slo Chaman Lal Rlo 1-2, Industrial Estate, Ambala City.

may be made in writing to the undersigned:--

(1) Sh. Mohinder Singh, Balbir Singh Salo

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY,

Rohtak, the 9th May 1984

Ref. No. AMB|61|83-84,—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. Land measuring 23 bigha 19 marlas (23950 sq. yds) situated at Sadopur

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering

Officer at Ambala in Sept. 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if way, to the acquisition of the said property

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-cation of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 23 bigha 19 biswas 23950 sq. yds situated at Sadopur Distt. Ambala and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4044 dated 9-9-1983 with the S.R. Ambala.

> R. K. BHAYANA Competent Auuthority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secton 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ CA-5|37EE|587|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 2, ground floor, Mahavinayak CHS S. No. 15, C.S. No. 18, Dombivli (W) situated at Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Radhabai Gopal Kashyap No. 2, Mahavinayak Co-operative Housing Society Ltd., Devi Temple Road, Shastri Nagar, Dombivali (West) 421 202.
- (2) Sh. N. R. Ganpathy,
  No. 8, Vajreshwarl Co-operative Housing Society
  Ltd.,
  Shastri Nagar, Dombivali (West)
  Dist. Thane.

Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication if this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, Mahavoinayak Society, Devi Temple, Chowk Rd, Dombivali (West) Dist. Thane C.S. No. 18-S No. 15. (Area 540 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 3496 83-84 in the month of Feb. 1984).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date . 27-4-84 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|588|37EE|84-85.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 2, F.P. No. 440 T.P. Scheme Shivaji Nagar situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune on Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Bhaktiben Sampatbhai Desai, Alpa Apartments, Il floor, Behind Hill Top Hotel, Worli, Sea Face, Bombay-56.

  (Transferor)
- (2) (i) Mrs. Indument Babanrao Nimhan (ii) Sh. Arun Babanrao Nimhan, Both residing at 1134|2, Shivaji Nagar, Pune-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2 out of F.P. No. 440, T.P. scheme Shivajinagar, Pune.

(Area-347.27 Sq. metrs.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under Document No. 1569 83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 9-4-1984

Sea/ ·

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M|s. Sharat Promoters, 2, East Street, Poona-411 001.

(Transferor)

(2) Dr. Sampatrao D. Patil, 6|44, Agarkar Nagar, Poona-411001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pure, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|589|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4, Building-C, Ashoka Co-op. Housing Society, CTS. No. 3 & 3|1, Naylor Rd., Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune on Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11, of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 4, Building C-proposed Ashoka Co-operative Housing Society, CTS No. 3 & 3 1 Naylor Road, Pune. (Area—1000 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1571|83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-4-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|590|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No. Flat No. 7, Building-A, Ashoka Co-op, Housing Society, CTS No. 3 & 3/1 Naylor Rd., Poona situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerine Officer at IAC Acqn. Range Pune in Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of ht; aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-48---96GI|84

(1) M|s. Sharat Promoters. 2, East Street. Poona-411 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Jeroo D. Antia, Flat No. 7, 10 Judges Court Road, Alipore, Colcutta-700 027,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7, Building 'A'—Ashoka Co-operative Housing Society, CTS No. 3 & 3|1 Naylor Road, Poona.
(Area—2065 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1572 83-84 in the month of October-1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-84 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

# COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|591|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and

bearing No. Flat No. 13, Building-B Ashoka Co-operative Housing Society, CTS No. 3 & 3 1, Naylor Rd.,

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range Pune on Sept. 1983

IAC Acqn. Range Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the 'ssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Ms. Sharat Promoters, Maneck Hall, 2, East Street,

(Transferor)

(2) M/s, Dia-Ichi Karkaria Pvt. Ltd., Liberty Bldg., 3rd floor, New Marine Lines, Bombay-400 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or n period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13, Building B proposed Ashoka Co-op. Housing Society C.T.S. No. 3 & 3 1, Naylor Road, Poona. (Area-1000 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1848/83-84 in the month of Sept, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-1984

Seql:

(1) Mis. Sharlit Promoters. Maneck Hall, 2, East Street, Poona.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|592|37EE|84-85.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office No. 1, 2nd floor 'Aurora Towers'
9, moledina Road,
situated at Poona

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mrs. Vaijayanti F. Rehman, Mr. Fazal Rehman Samir Rehman and Miss. Seema Rehman Clo Mrs. S. V. Varnelar, 'Suvina' 58|59 Mayur Colony, Kothrud, Pune-411 029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 1, 2nd floor, 'Aurora Towers' 9, Moledina Road, Poona.

(Area—707 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1846 83-84 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI Competent ·Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-4-84

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|593|37EE|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat on 3rd floor, Siddharath Society, S. No. 49, H. No. 2 (pt.) C.S. No. 63-A Tika No. 21, at Gokhale Road, Naupade, situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune on Sept. 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:--

 Sh. S. M. Karambelkur, Prop. Siddhartha Construction Co., Siddharath Chambers, Gaodevi Maidan, Gokhale Road, Thanc.

(Transferor)

(2) Sh. Gajanan Kashinath Chaugle, Samruddhi, Frashan Nagar, Naupada, Thane.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat on 3rd floor in Siddharath Society, Gokhale Road, S. No. 49, H. No. 2 (Part) C.S. No. 63-A

Tikka No. 21, Naupada, Thane.

(Area-59.16 sq. meters).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the l.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 37EE 2007 83-84 in the month of Sept. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-4-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

Poona-4, the 25th April 1984

Ref. No. IAC ACQ.CA-5 37-EE;84-85[594 --- Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Office No. 17, 2nd floor, Aurora towers, 9, Moledina Road, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

TAC. Acqn. Range. Pune on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) MJs. Sharat Promoters, 2, East Street,"-Poona-411 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Namrata Ashok Agarwal, Sundeep Niwas Wadgaon Sheri Off. Nagar Road, Pune-411 014.

(I ransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office no 17. 2nd floor, Aurora Towers, 9, Moledina Road, Poona. (Area—678 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No., 1735|83-84 in the month of September, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OR, THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|595.—Whereas, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 21, 2nd floor, S. No. 252, H. No. 1 (Pt) Virar. Thane Dist. situated at Thane Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acqn. Range, Pune on December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Ms. Vastu Shilpa, 80, Gogha Street, Fort, Bombay 1.

(Transferor)

(2) Miss M. F. Parvaresh. Mrs. Sherin Parvaresh, 275, Perin Nariman Street, Fort, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 2nd floor, S. No. 252, H. No. 1 (Pt) Virar, Thane Dist. (Area--865 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2546 in the month of December, 1983.)

SHASHIKANT-KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Poona

Date: 25-4-84

(1) M|s. Parmar Constructions, 321|3, New Timber Market Rd., Punc-2 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Prabir Ranjan Promode Ranjan Sarkar and Mrs. Anita P. Ranjan Sarkar, 102, Lullanagar, Punc-411 001.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|596.—Whereas, SHASHIKANT KULKARNI,

SHASHIKANI KULKARNI, being the 'Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 323, K. P. Tower, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17-A, Mouje Wanowari, situated at Pune-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1AC. Acqn. Range, Pune on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 323, K. P. Tower-2, Plot No. 4, Hissa No. 6, S. No. 17A Mouje Wanowaries, Pune-13.

(Area-1040 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2119 83-84 in the month of September, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-4-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Parmai Constructions, 321|3, New Timber Market Rd. Pune-411 002.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Prakash S. Makwana, 377, Bhayani Peth, Pune-411 002.

(Tainsferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th April 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|84-85|597.—Whereas, J. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 21, 1st floor, KPT-2, Plot No. 4, Hissa No. 6 S. No. 17A. Wanowari, situated at Pune-13, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the reflistering officer at IAC, Acqn. Range, Pune on September 1983 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than sideration therefore by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 21, 1st floor. KPT-2, situated at Plot No. 4, Hissa No. 6, S No. 17-A Wanowari, Pune-13.

(Area-730 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC Acquisition Range, Pune under document No. 1953/83-84 in the month of September, 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Rapre Poona

Date: 4 4-84
Seal: 4

OFFICE OF THE INSPICTING ASSTT. COMMISSIONER TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNF

Pune, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|598.--Whereas, ISHASHIKAN I KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 504, 5th floor, 'A' wing, dover centre, 7, Moledina Rond, situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acqn. Range, Pune on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

49---96 GI184

(1) M/s. Vijay Enterprises, 515, Rewa Chambers, New Marine Lines, Bombay-400 020.

(Transferor)

(2) Mr. Hakkimuddin Mohammed Hussain Chitalwala and Mis. Asma Hakkimuddin Chitalwala. Clo Mausure, 17, Wonderland, 7-M.G. Road, Pune-1. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Flat No. 504, 5th floor, 'A' Wing, Clover Centre, 7, Moledina Road, Pune-1.

(Area-665 sq. ft.) carpet.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range. Pune under document No. 2111'83-84 in the month of September 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 4-4-84

Seal ;

(1) Shri Ramchandra C. Maheshwarl Ushanagar, Bhandup, Bombay.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|599.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 21-B, Raghupati Co-op. Housing Society Ltd., Nasik Road, Near MSEB, Nasik Poona Rd., situated at Nasik

Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqu. Range, Pune on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Smt. Geeta Rewachand Tikchandani, Raghupati Co-operative Housing Society Ltd.,

Nasik Poona Road, Nasik Road.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 21-B, Raghupati Co-operative Housing Society Ltd., Nasik, Road, Near M.S.E.B. Nasik, Poona Rd., Nasik Road.

(Area-507 sq. ft. carpet area).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 78[83-84 in the month of September 1983.)

SHASHIKANT KUI.KARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 4-4-84

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|1106|37-G|84-85,--Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C. S. No. 82, S. No. 268 (Part) Lonavala situated at Dist, Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Maval on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Smt. Coomi Rustom Dalal and Smt. J. M. Edan-wala through their attorney Shii M. K. Pawar, 934-35A, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) M|s. Saga Builders, 160, D. N. Road, 1st floor, Fort, Bombay-1 through Shri Kewal Rajkumar for and on behalf of the concern. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at city survey No. 82, survey No. 268 (Part) Lonavala, Tal, Maval, Dist, Pune.

(Area-1 Hector).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval Lonavala under document No. 1657 in the month of September 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Dale: 27-4-1984

#### FORM TINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ<sub>1</sub>CA-5|37G<sub>1</sub>84-85<sup>1</sup>1107.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Land at C.S. No. 83, survey No. 268 (Part) Lonavala, Dist Pune situated at Pune

(and 'more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

S. R. Maval on September 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Coomi Rustom Dalal and Smt. J. M. Edanwala through their power of attorney Shri M. K. Pawar, 934|35, A-Shivajinagar, Punc-16.

(Transferor)

(2) M/s. Saga Builders, 160, D. N. Road, 1st floor, Bombay-1 through Shir Kewal Rajkumar for and on behalf of the concern (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing city survey No. 83 i.e. survey No. 268 part at Lonavala Dist. Punc.
(Atea—1H—26R).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar. Mavala, under document No. 1658 in the month of September 1983.)

SHASHIKAN'T KUI.KARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-4-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37G|1108|84-85.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Property at S. No. 347-A i.e. C.S. No. 227-A situated at Lonaval, Dist. Pune (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Maval on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Coomi Rustom Dalal and Smt. J. M. Edanwala through their Attorney Shri M. K. Pawar, 934 35, A-Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Builders—160, D. N. Road, 1st floor, Bombay-1 through Shri Kewal Rajkumar for and on behalf of the concern.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing survey No. 347-A i.e. city survey No. 227-A Lonavala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Area-0.58Ar.).

(Property as described in the sale deed registered in office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1659 in the month of September 1983.).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 27-4-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1109.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. property at city survey No. 347-B survey No. 347-B part Lonavala, Tal., Maval situated at Dist. Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Maval on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the feir market value of the storesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Coomi Rustom Dalal and J. M. Edanwala through their Attorney Shri M. K. Pawar, 934|35A, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) M/s. Sagn Builders, 160, D. N. Road, Bombay-1. (Through Shri Kewal Rajkumar for and on behalf of the concern.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing city survey No. 347-B i.e. survey No. 347B part at Lonavala, Tal. Maval, Dist. Pune.

(Area-0.25.29 Ar).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1660 in the month of September 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1110.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. survey No. 228|1, survey No. 34 & 349, Lonavala, Tal. Maval situated at Dist. Pune

(and more fully described in the Scheduled annexed herto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Maval on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Coomi Rustom Dalal and Smt. I. M. Edanwala, through their Attorney Shri M. K. Pawar, 934|35A, Shivajinagar, Pune-16.

(Transferor)

(2) M|s. Saga Builders, 160, D. N. Road, 1st floor, Fort, Bombay-1 through Shri Kewal Rajkumar for and on behalf of the concern. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing city survey No. 228|1, survey No. 348 & 349, Lonavala, Dist. Pune.

(Area-21 Are).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 1661 in the month of September 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 27th April 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|84-85|1111.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. S. No. 120, C. S. No. 281|9A|1A, Ghat No. 306(1)2|3rd share situated at Kalyan, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Kalyan on Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an yincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bikram Singh Kabulsingh Keharsingh Kabulsingh, Ganapathy Chowk, Kalyan, Dist. Thane.

(Transferor)

(2) 1. Shri Hardeepsingh Mohinder Singh,
2. Shri Dalbirsingh Mohinder Singh,
3. Shri Jogindersingh Mohinder Singh,
Ganapathy Chowk,
Kalyan, Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at S. No. 120, C.S. No. 281-9A|1A Ghat No. 306(1) 2|3rd share, Kalyan.

(Area-840.18 sq.m.)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Kalyan under document No. 1804 2 in the month of Sept. 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Poona

Date: 27-4-1984

Scul:

## FORM I.T.N.S.---

(1) Sh. Opendranath Bismal So Late Durga Chand Bismal, Bhubaneswar,

(Transferor)

(2) Shri Nada Kishore Acharya So Late Sukari Acharya, Balbhadrapur, Cuttack-3.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR

9|B; BJB NAGAR, BHUBANESWAR

Ref. No. IAC|\(\Lambda\)CQ|84-85|28-29|329-30.\(-\text{Whereas}\), I. R. C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res 25 0001 and heaving No. Rs. 25,000|- and bearing No. 4940 situated at Bishi Nagar, Cuttack

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Cuttack on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such train for us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Mouza|Town Rishi Nagar, Thana|Cuttack No. 204 Plot No. 2451 Acq. Plot No. 2542 Acq. 656, Plot No. 2543, Acq. 100 Plot No. 2544 Acq. 83.3 Total Acq. 283.3 Khata No. 1685[1]1.

> R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhubneshwar

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-5-1984

Seal:

50---96GI|84

10KM 11NS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC. No. 173|84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25000]-and bearing
Elat and Garrage situated at Hydershad

Flat and Garrage, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Hyderabad on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of, 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ms. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri P. Chakrahas Reddy and Smt. P. Bindusree, 3-4-863, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat and Garrage situated at Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document Nos. 4895 and 5003 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

Seal ·

#### (1) Mls. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. Nagender Rao, Fatehsultan Lane, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

HYDERABAD (A.P.) ACQUISITION RANGE,

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC No. 174|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); relat situated at Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4700|83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-1984

(1) M|s. Nandanam Construction Co., Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Sri L. Rajender Reddy, Fatchsultan Lane, Nampally, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 175/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

Flat situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incom-tax Act, 1922 (11 of 1922) or th said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Nampally, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4697 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad A.P.

Date : 28-3-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 176|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flats situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subseciton (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shiva Harsha Hotels (P) Ltd., 4-1-917|2, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri A. Prabhakar Reddy

2. Sri A. Venkata Ramana 3. Sri A. Murali Krishna Reddy

Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at Nampally, Hyderabad registered b the S.R.O. Hyderabad vide Document Nos. 4794, 4792 and 4994 83.

> M. JEGAN-MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Date : 8-5-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 4-1-917/2, Tilak Road, Hyderabad.

(1) Shiva Harsha Hotels (P) Ltd.,

(Transferor)

(2) Sri G. Harichandra Reddy, Hyderabad.

(Tarnsferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 177/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-1 and bearing No.

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad, on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lumb of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document Nos. 4795[83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad A.P.

Date: 8-5-1984

(1) Smt. Leela, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Ch. Papa Rao, Hyderabad,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 178|84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

ar the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Hyderabad on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fo' (wing persons, namely:—--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4624 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad A.P.

Date: 8-5-1984

(1) Sri Umakanth Laxman Naik, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kamala Bai, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 179|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apperent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4631183.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad A.P.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act is the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1984

Ref. No. RAC No. 180/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No. Flat situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of(1) United Housing Corporation, 134, Penderghast Road, Secunderabad,

(Transferor)

(2) Sri N. Hemachandra Raju, 23|2|RT. Lalapet, Secunderabad.

(Ttransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderahad vide Document No. 4984 83.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad A.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Seal:

Date: 28-3-1984

51--96G|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### (2) Smt. Geeta Devi, Hyderabad.

(1) Sri T, Narasimha, Hyderabad.

#### (Transferor)

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th March 1984

Ref. No. RAC. No. 181/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market vlaue exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flot situated at Hyderabad

(and morefully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Hyderabad on September 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration has the the property of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the property of such apparent consideration has the transfer to a consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat situated at Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 4984'83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad AP.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 8-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 182/84 85-Whereas, I,

Ref. No. RAC. No. 182/84 85—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
veing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market 'value
exceeding Rs. 25,000—and bearing
Land at Nizamabad
(and more fully described in the Schedule appreced hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Nizamabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. R. Narsu Bai, Rlo Mubaraknagar, Nızamabad,

(Transferor)

(2) The Sukjeet Starch & Chemicals, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undesrigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land situated at Nizamabad registered by the SRO., Nizamabad vide Document No. 4204 83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Hyderabad A.P.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 183184-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act. 1908

16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairatabad on September, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Sunil Constructions (P) Ltd., Rep. by Sri B. S. Kista Reddy, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ch. Ramaswamy Slo Ch. Sreerama Rao, 3-4-369|7, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 401 in Sunita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1790 sq. ft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide Document No. 2901 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad A.P.

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 184/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Flat No. 304, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khairatabad on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 M s. Sunil Constructions (P) Ltd., Rep. by B. S. Kista Reddy, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. Theja Rani, Wlo Shri Devender Reddy, 3-4-526/27, Batakpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 304 in Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2786 /83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

#### PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No RAC No. 185 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

boling the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

F. No. 201 streated Banjara 100s, Hyderabad has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) M s. Sunil Constructions (P) Ltd., Represented by Sri B. S. Kista Reddy, Rep. by B. S. Kista Reddy, Road No. 4. Banjara Hills, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sri K. Chandrasekhar Reddy & Others, Flat No. 201 in Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills. Hyderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201 in Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1790 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2755/83.

> M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC No. 186 84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the macome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding as 25 000% and bear no

ks. 25,000/- and bearing
Flat No. 302, situated at Banjara Hills, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Khairatabad on September, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s. Sunil Constructions (P) Ltd., Represented by Sri B. S. Kista Reddy, Road No. 4, Banjara Hills., Hyderubad.

(Transferdr)

(2) Smt. P. Pratima w P S U. Reddy, Flut No. 302, Road No 4, Banjara Hills, Hyderabad,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302 in Sarita Apattments, Road No. 4 Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1725 sft registered by the S.R.O., Khanatabad vide document No. 2691 '83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay,
Acquisition Range, Hyderabud (A.P.)

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 187/84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and ocaling No.

F. No. 103 situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Khairatabad on September, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of hte liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, audior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

M, Sund Constructions (P) Itd, Rep. by B. S. Kista Reddy, Road No. 4. Banjara Hills, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Di. M. Ushi Rani w o Kondal Rao, Flat No. 103, in M. No. 8-2-421/1, Road No. 4, banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ver period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103 in Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad admersioner 1201 sft, registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2743/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date · 8 5 1984 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Sunil Constructions (P) Ltd., Road No. 4. Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. D. Lalitha Reddy w o Shri D. K. Reddy, F. No. 203, Road No. 4, Banjara Hills, Hydcrabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC No. 1883, 84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding F. No. 203, situated at Banjana Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred

under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (127 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Sarita Apartments, Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 1235 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 3052/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

Seal :

52---96GI|84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC No. 189 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

F. No. 504, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) M/s. Sunil Constructions (P) Ltd., Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt, M. Lokamma w/o Shri M. Gangul Reddy, Flat No. 504, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 504 in Sarita Apartments, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1325 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad admeasuring 1325 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2682/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

Scal:

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 190/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and begging No.

F. No 603, situated at Banjura Hills, Hyderabad Madras on December, 1983

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been 0 which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Sund Constructions (P) Ltd., Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt D Mahalaxmi Murthy wlo D G K. Murthy, 17at No. 603, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 603 in Sarita Apartments, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1235 sft, registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2744/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD: (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC No. 191/84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

F. No. 403, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in recpect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Sunil Constructions (P) Ltd., Banjara Hills, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Sti M. V. S. Appa Rao, Srinivasa Rao I-lat No. 403, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403 in Satita Apartments, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1235 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2871/83.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 8-5-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Sunil Constructions (P) Ltd., Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Vıjaya Laxmi w,o Venugopal Reddy, Flat No. 303 Road No. 4 Saiita Apartments, Banjaia Hills, Hyderabad.

(Tarnsferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ret. No. BAC. No. 192 84-55.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforested property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 303 in Sarita Apartments, Banara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2692/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 193/84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R<sub>5</sub>, 25,000|- and bearing No.

F. No. 404, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sunil Constructions (P) Ltd., Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. C. Lakshmi w/o Shri C. Seshagiri Rao. Flat No. 404, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404 in Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1325 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 2686/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 8-5-1984

#### FORM JTNS---

 M|s. Sunil Constructions, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Chandra Hirani s/o Shri N. T. Hirani, Flat No. 503, Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 194/84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair merket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULB

Flat No. 503, in Sarita Apartments, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1235 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 3659/83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

Ref. No. RAC. No. 195 '84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said A.t'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No F. No. 102, situated at Banjara Hills, Hyderabad

f. No. 102, situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(n) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Sunil Constructions (P) Ltd., Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. Kameswara Sarma and Others Flat No. 102, Road No. 4, Sarita Apartments, Banjara Hills, Hyderabad

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102 in Saritha Apailments, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1690 sfr., registered by the S R.O., Khairatabad vide document No. 2756/83.

M. ILGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of theomy of
Acquisition Range, Hyderabad (AP.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

(1) M/s. Sunil Constructions, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. P. Jyothi, Wo P. S. R. Reddy, "Little Hut" Tekkemitta, Nellore-524003.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 8th May 1984

RAC No. 196|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

F. No. 402 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53-96 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402 in Sarita Apartments, Road No. 4, Banjara Hills. Hyderabad admeasuring 1725 sft., registered by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 2742 83.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1984

C. R. No. 62|Notice No. 750|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, Shri S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Survey No. VPC15|2 No. 179 situated at Kotagond Nunshi Village, Distt. Taluka (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1098 in the office of the Registering Officer at under Document No. 1365 on 6-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay to under the said Act in respect of any income grising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Rudrappa Veerashadrappa Wali Bardan Hall Nunshi

2. Veerabhadrappa Rudrappa wali Ro Bardan Hall Nushi

 Chandrasakher Rudrappa Wali, Bardan Hall Nushi

 Shri Doddasagappa Rudrappa Wali, PAN of Shri Chandrasekhar Rudrappa Wali

5. Mohan Rudrappa Wali Ro Baradan Hall Nushi

(Transferor)

(2) M|s. Ghatage Paril Transports Pvt. Limited, Poona Bangalore Road Kolhapur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1365

Dated 6-9-1983)

N.A. Land situated in Kotagond, Nunshi Village, Nashi Taluka, measuring 3 Acres 2 Binthas, 5 acres bearing survey No. VPC 15|2 No. 179.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-5-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 9th May 1984

C. R. No. 62 Notice No. 751|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

232|2A-B-C-D situated at Hubli Taluk, Gabbur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 1412|83-84 Dt. 13-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notic under sub-

 Sri Basappa Somappa Hugar R|o Old Hubli, Akkasalara Jogi, Old Hubli.

(Transferor)

 Mr. Yellappa Gowda
 Mr. Gurana Gowda
 Father Mr. Basavana Gowda Patil Ayodhyanagar, Old Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable peroperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1412|83-84 Dated 13-9-1983)
Agricultural land under Survey No. 232|2A-B-C-D measuring 9 acres out of which 6 acres of land only situated at Hubli Taluk Gabbur Village.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 9-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 10th May 1984

R. No. 62|4|350|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the incorme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. 1569 situated at II Cross, Hasakeri

K. R. Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysoic on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the postion has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Meenakshi Shivaswamy Wo Late Srl N. S. Shivaswamy

2. Sri Ramanatha

Sri N. S. Srikanta

4. Sri S. Manjunathaswamy

5. Sri S. Vishwa: 6. Sri S. Nagesh Vishwanatha

Smt. S. Aruna Smt. Thriveni Rao

 Smt. Hirivem Rao
 Sri N. S. Chandrashekar
 Sri N. S. Ramakrishna &
 Sri N. S. Somashekar No. 192, 4th Cross, 7th Main Jayanagar, Bangalore.

(Transferors)

(2) Smt. Mallamma Woo Sri Puttajah, 925 Lakshmi Puram, 2nd Cross Chamaraja Mohalla, Mysore.

(Transferees)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personwhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2935|83-84 Dated 15-10-83) All that property bearing No. 1569, situated at Hosakeri Il Stage, K.R. Mohalla, Mysore.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-5-1984-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

R. No. 62|4|351|83|84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 1569 Western portion situated at II Cross, Hosaketi, K. R. Mohalla, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore on 15-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration euch transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Smt. Meenakshi Shivaswamy Wo Late N. S. Shivaswamy
  - 2. Sri Ramanath
  - 3. Sri N. S. Srikanta
  - 4. Sri S. Manjunatha
  - 5. Sri S. Vishwanath 6. Sri S. Nagesha

  - 7. Smt. S. Aruna 8. Smt. Thriveni Rao
  - 9. Sri N. S. Chandrashekar 10. Sri N. S. Ramakrishna
  - 11. Sri N. S. Somashekar 192, 4th Cross, Jayanagar,

Bangalore.

(Trunsferor)

(2) Smt. Sithalakshamma. Wo Sri Sathyanarayana No. 1569, 2nd Cross Hosakeri K. R. Mohalla, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2936|83-84 Dated 15-10-83) All that property bearing No. 1569 situated at II Cross, Hosakeri, K.R. Mohalla, Mysore,

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C. R. No. 62|40764|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 338, situated at V Ctoss Road, Laxminarayanapuram, Bangalore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098 in the office of the Registering Officer at Srirampuram, on 19-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Sri V. Subbarayalu, No. M-91, M. No. 338|29, V Cross Road, Laxminarayanpuram, Srirampuram, Bangalore-21.

(2) 1. Sii C. Nanjundamurthy
2. C. Vishvamurthy
3. C. Chandashekar
4. C. Balaraju
5. C. Gopalmurthy
6. C. Srinivasamurthy
No. 12, IX Cross Road,
Cubbourset Bangaloge C Cubboupet, Bangalore City

(Transfreec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1705|83-84 dated 19-9-83)

Property bearing No. 338, situated at V Cross Road. I axminarayanapuram. Bangalore-21.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40686|83-84|ACQ|B.--Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T.S. 397, R.S No. 155, situated at Kaddi Village, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 14-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Paul Lamarus Rodrigues
  - Cynthia Gilgueira
     Ronald Rodrigues
    - 4. Douglas Rodrigues
    - 5. Merwin Rodrigues
    - 6. Ena Rodrigues
    - Ena Rodrigues
       Cecil Rodrigues
    - 8. Mrina Rodrigues
      9. Phlis Gomes,

Upper Bendore, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) Lawrence Dominic Gonsalves Alwares Road, Kaddi, Mangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 719|83-84 dated 14-9-83) Property bearing No. T.S. 397, R.S. No. 155, situated at Kaddi Village, Mangalore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40850|83-84|ACQ|B.—Whereas. I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 39, situated a Lalbagh Fort Road, Mariswamy Mutt Road, Mavalli, Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Basavangudi on 31-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or tvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Srl Dr. Smt. Lakshmamma, Sri Muniswamy & Sri M. Ramesh No. 39 Lalbagh Fort Road, behind Eswara Temple, Mayalli, Bangalore-4.

(Transferors)

(2) Sri D. P. Sharma Proprietor Sharma Transport 328, Tippusultan Palace Road, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2802|83-84 Dated 31-10-83) All that property bearing No. 39 situated at Lalbagh Fort Road Mariswamy Mutt Road, Mayalli, Bangalore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 10-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 061

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40707|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 - and bearing

No. 755|134, situated at III Ward,

Gandhinagar, Doddaballapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Doddaballapur dt. 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—54—95 GI|84

 Sri K. G. Chandrashekar, V Ward, Alepet, Doddaballapur.

(Transferor)

(2) Smt. M. S. Rathnamma III Ward, Nagarathpet, Doddaballapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 964|83-84 dated 15-9-83)
Property bearing No. 755|134, situated at Gandhinagar,
Doddaballapur.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th May 1984

C.R. No. 62|40759|83-84|ACQ|B.-Whereas, I,

S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269b of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing "Sy. No. 11/6 & 11/7 situated at Baragenahally Somapura Hubli Nelarnangala, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Office at Nelamangala on 30-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M|s. Alankar Granite Industries represented by its partners :-
  - 1. Sri B. K. Ravindranath Singh 37 1, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42.
  - Smt. R. Jayalakshmi, 37|1, Aga Abbas Ali Road, Bangalore.
  - Bangalore.

    3. Dr. B. K. Shankareshwara Singh,
    No. 488, IH Cross 7th Main HAL,
    Second Stage, Indiranagar, Bangalore-38

    4. Smt. Uma Maheswari
    No. 488, IH Cross 7th Main HAL,
    Second Stage, Indiranagar, Bangalore-38

    5. Sri B. K. Narjundhwara Singh No.
    3711..Aga Abbas Ali Road.

  - 37|1, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42. 6. Srl B. K. Sadashiv Singh 37|1, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42.
  - 7. Sri B. K. Chandrashekar Singh 37|1, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42.
  - 8. Sri B. K. Narendranath Singh 371, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42.
  - Sri B. K. Brahmananda Singh 37/1, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-42.

(Transferors) (2) M/s. Associated Granite Industries (P) Ltd. No. 657, V Cross, III Block Koramangala, Bangalore-34.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 638|83-84 dated 30-9-83)
All that property bearing Sy. No. 11|6 & 11|7 situated at
Baragenahally Somapura Hobli, Nelamangala Taluk Blore.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 11-5-1984

(1) 1. Sri A. N. Lingappa 2. Sri L. Srinivas

No. L.31, 3rd Main Road,

Srirampuram, Bangalore-21.

(2) Smt. Laxmamma

3. Srl L. Muniyappa Attibele Anekal, Bangalore Dist.

(Transferors)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th May 1984

C.R. No. 62|40763|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 120|54 situated at X Cross,

Lakshminarayanapura, Bangalore

transfer with the object of :---

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram on 21-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propety as afoesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

3rd Cross Road, Lakshminarayanapuram

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1729|83-84 dated 21-9-83)
All that property bearing No. 120|54 situated at X Cross
Lakshminarayanapura, Bangalore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bangalore

Date: 11-5-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

E INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING COMMIS-

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40746|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and

R.S. No. 526, T.S. No. 146 (Middle portion) situated at Marketward, Kasaba Bazar-Village, Managalore (and more fully described in the Schedule annxed hereto), hus been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

Mangalore city on 30-9-1983 Officer at Puraswalkam (Doc. 1634|83) on September 83. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri Kudpi Ramachandra Shenoy Slo Kudpi Vasudeva Shenoy Shaktinagar, Kusulekhar, Mangalore-5.

(Transferor)

(2) 1. Sri Dandakeri Poovappa, Slo Koraga Poojary Dandekeri House, Managalore-5.

Sri G. Ramesh Shenoy Slo G. Sanjiva Shenoy Plot No. 72 pochikansal Road Bombay-400 025

3. Sri C. V. Kamath Slo Vasudeva Kamath. Sarawathi Kripa Bunts Hostel Road, Managalore-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 756]83-84 dated 30-9-83) All that property bearing R.S. No. S26 TS No. 146 (Middle portion) situated at Market Ward, Kasaba Bazar Village, Mangalore.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 10-5-1984

(1) Sri S. N. Thimmappiah, 24, III Main Road, Ist Cross, Tata Silk Farm, Basavanagadi. Bangalore-4.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. R. Anantharaman, 529, O.T.C. Road, Bangalore-53,

Transferce(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62[40690[83-84]ACQ[B.—Whtreas, I, S. BALA-SUBRAMANIAN, Inspecting Asst. Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 25, situated at out house, III main, I cross, Tata Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-4 (and more fully described in the schedule annexed hereto.

(and more fully described in the schedule annexed hereto. has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Basavanagudi dated 12-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2111|83-84 Dated 12-9-83)
Property bearing No. 25, out house, III main, I cross, Tata
-Silk Farm, Basavanagudi, Bangalore-4.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-5-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Sri G, S. Rangaraju, No. 38, Avenue Road, Bangalore-2.

No. 282 105, 19th Main Road, I-N-Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(1) Srl F. Fernandes,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

CR. No. 62|40716|83-84|ACQ|B.-Whereas, I, S. BALA-SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 282|105, situated at 19th Main, I-N-Block, Rajajinagar,

Bangalore-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on 1-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2260|83-84 dated 1-9-83) Property bearing No. 282|105, situated at 19th Main, I-N-Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40721|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALA-SUBRAMANIAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. 416, situated at Korena Agrahara village Varthur Hobli Bangalore South Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at

Bangalore South Taluk on 15-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. Tatappa Reddy 2 Sri K. Tippa Reddy Chellagatta, Bangalore South. Bangalore-37.

(Transferor)

(2) M|s. Nateshan Brothers Pvt. Ltd. No. 97, M. G. Road, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4287|83-84 dated 15-9-83). All that property bearing No. 416 situated at Korena Agrahara village, Varthur Hobli, Bangalore South Taluk.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-5-1984

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40747|83-84|ACQ|B.--Whereas, I, S. BALA-SUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reserved to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 526, T.S. No. 146 situated at Kasba Bazaar Village. Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Mangalore City on 30-9-83 at Mangalore City on 302-03 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Mls. Hotel Navarathna, K. S. Rao Road, Mangalore-1 by partners 1. Sri Raghunath Shet 2. Sri Ravindra Shet 3. Smt. Vatsalabai Shet. 4. Smt. Padma R. Shet.

(2) M|s Vipram Estates represented by 1. Sri Dandakeri Poovappa s|o Koraga Poojary, Dandakeri House Yeyyyadi, Mangalore-5. 2. Sri G. Ramosh Shenoy s|o Sri G. Sanjiva Shenoy plot No. 72, Pochikangal Road, Bombay-25, 3. Sri C. V. Kamath s|o Vasudeva Kamath "Saraswathi Kripa" Bant's Hostel Road, Mangalore-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 768|83-84 dated 30-9-83)
All that property bearing R.S. No. 526, T.S. No. 146 situated at Kasba Bazaar Village, Mangalore.

S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62/40683/83-84/ACQ/B.—Whereas, I Ref. No. S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. T.S. No. 113|1B, R.S. No. 1123|1B situated at Kasaba Bazar village, Mangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto) hus been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mangalore City on 15-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any names or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- 55-96 GI 84

(1) Smt., Waga Sumathi Shenoy wo Waga Pandalik Shenoy Manjal Bail, Mangatore 1.

(Transferor)

(2) Sri M. Yousuff Slo Abdul Kader, Smt. Zainabu, wlo M. Yousuff J. M. Closs Road, Mangalore 1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 662|83-84 dated 15-9-83) All that property bearing No. T.S. No. 113 IB, R.S. No. 1123 IB situated at Kasaba Bazar village Mangalore City.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-5-84

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Riaz Abdul Kader So Mr. Abu Hamsa Bava, Balmatta, Mission Compound, Mangalore-575001.

Vaslane, Mangalore-575002.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Smt. M. Pushpaveni Wo Mr. V. Somayya

# DELICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

Ref. No. C.R. No. 62,40685,83-84 ACQ. B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN

S. BALASUBRAMANIAN

peling the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
'mmovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000 and beating No.
T.S. No. 357 R.S. No. 1071

situated at Attawar Village, Mangalore
(and more fully described in the schedule annexed hereto)

loss have at referred.

has been transferred

',' '908 (16 of 1908) in the office under th. P

of the dat Mang at Mang of the date of the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any more or other assets which have not been or which bught to be dictored by the transferee for the perposes (1) led on the creeker Act, 1922 (1) 1 (22) or the and Act or the Wealth-fax A 1 (257) (27) of 1957);

(R vistered Documen No 695 83-84 dated 9-9-83) All that Property bearing No. T.S. No. 359 R.S. No. 1071 a Adria Mila.

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Voquintion Ronce, Bangalore

Nov. therefo e. in pulsuance of Section 269 C of the said Act I beieve in interpret of occurred 2000 of the same Act I beieve in interpret of occurred 2000 of the same of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Dito: 10-5-84

Seal:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

the by any other person interested in the said immovable poperty, without 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

Ret. No. C.R. No. 62|40750|83-84|AC-B.--Wherens, 1 S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Apartment No. 23 situated at II floor, South end apartments, plot No. 10|3&10|4 LIC Colony I Cross. Jayanagar, Bangalore-11.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering office at Jayanaga; on 30-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration ion such transfer as agreed to be ween interpretables not been truly stated in the said instrument of bransies with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometus Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. A. J. Ashokkumar GPAH of Mr. B. Rammohan No. 5, V Main, IV Block, Jayanagar Bangalore-Π.

(Transferor)

 '2) Mrs Vatsula Ramaki ishnan No 25 South end Apartments LIC Colony Jayanasa Bangalore-II (Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (1) by any of the leaf it and persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

INTERNATION - The terms and expressions used berein a are defined in Chapter " so to de will Azimal have the are so want to give the fine. Chapter"

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1965/83-84 dated 30-9-83)
All that property bearing Apartment No. 23 situated at II floor, South end apartment Plot No. 10/3 & 10/4 LIC Colony I Cross, Jayanagar Bangalore-II.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Bangalore

Uate 10-5-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 11th May 1984

Ref. No. C.R. No. 62|40762|83-84|ACQ|8.--Whereas, I. S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 41 situated at I Main, Srirampuram, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Srirampuram on 25-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Sri K. L. Narayanaswamy No. 1471/2, 6th Cross road, Bandireddy Palya, Srirampuram Bangalore-21.

  (Transferor)
- (2) Sri Maqbool Jan No. 10, K.G.B. Main Road, Srirampuram, Bangalore-21. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1860|83-84 dated 25-9-83)
All that property bearing No. 41, situated at I Main, Srirampuram Bangalore21.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 11-5-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE ANSPECTING ASSIGNT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40717|83-84,  $\Delta CQ|B$ .—Wherea 1. 5. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to is the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 43(43|1) situated at I-N-Block, I 'A' Main Read, Rujay-nagay, B'lore (0,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fibir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Krishnappa No. 43|1, 1 'A' Main Road, 1V Block, Rajajinagar, B'lore-10.

(Transferor)

(2) 1. S|Shri Jeevaraj 2. N. Ganeshmal 3. Lal Chand Jain K-92 VIII Cross Road, Luxingaraynoapur an, B'iore-21.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perice of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2323|83-84 dated 5-9-83).

Property bearing No. 43(43|1), situated at I-N-Block, I-A-Main Road, Rajajinagar Bangalore-10.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-ta.
Acquisition Range, B'lore

Date: 10-5-1984

13354 ... 1. L. GAZET ... OF INDIA, JUNE 9, 1984 (JYAISTHA 19, 1906) PART III SEC.

#### FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI. BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No 62|40678|83-84|ACQ|8.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Sy. 12-2, satusted at Desebad Vallege, M'lore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at M'lore City on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instructor of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Art, 1957 (27 of 1957):

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

(1) Shri Devis Disa, Thondahke, Jeppunamogru M'lore City.

(Fransferor)

(2) Shri Balakrishna Malli, P. A. Holder Sti D. Sunder Shetty, Ashoknagar, M'lore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No 643|83-84 dated 2-9-83).

Property bearing No. 12-2, situated at Desebail Village, M'lore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, B'lore

Date: 10-5-1984

Scal ;

# FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE 560 001

Bangalore-560 001, the 11th May 1984

C.R. No. 62|40705|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. 61-15 situated at Iddva Village, Mangalore Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Taluk on 12-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the whice the consideration in the said instrument of transfer with the whice the consideration in the said instrument of transfer with the whice the consideration can be considered to b

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Constance Shresta wlo R. L. Shresta No. 354, 14th Cross, Indianagar, B'iore-38

(Transferor)

(2) M.s. Karnataka Food Packers by its partners 5ri S. Ratnakar Sio M. Lakshman, Kankanady by pass, Mangalore-575002

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 649]83-84 dated 12-9-83)

All that property bearing No. S 61-15, situated at Iddyn 17th ge. Mangalore Taluk.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tak
Acquisition Range, B'lore

Now, therefore, in pursuan c of Section 26% of the said Act. I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26%D of the said Act, of the following persons, namely —

Date: 11-5-1984

#### FORM ITNS- --- ---

(1) 1 Shri K. Tatappa Poddy 2 kg Paper Hobbe Chellaghetta, Varihar, B'lore, South Taluk, B'lore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Natesan Antigarts P. Ltd. Director Sri M Dinesan Natesan, No. 76, M G Road. B'lore.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE. BANGALORF-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R No. 62|40720|83-84|ACQ|B.- Whereas, 1 S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No Khata 415, Konena, situated at Agrahama Village, Varthur Hobli, B'lore South Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Blore South Tq at 5-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Objections, it may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No 4288|83-84 dated 5-9-83).

Property bearing No. 415 atuated at No et a Asighacia Village Varihur Hobb Bloce South I dul Bloc

> S. BALASUBRAMANIAN Competent Authority Inspecting As t. Commissioner of Income-tax Acquisition Range R'lore

Date: 10-5-1984 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT ,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th May 1984

C.R. No. 62|40682|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. T.S. No. 86-1 & 85|2, situated at Balmatta Road, Attawan Village, 14th Court Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at M'lore on 3-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
56—96 GI[84]

Kum. Lydia Saldauha
 Kum. Theresa Saldauha
 Ronald J. A. Saldauha,
 "Sharou" Bulmatta Road,
 M'lore.

(Transferor)

(2) M|s U. R. Shenoy & Sons, Dr. Mr. Ganesh R, Shenoy, P.B. No. 718, Gandhinagar, M'lore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 660|83-84 dated 3-9-83).

Property bearing No. T.S. 86-1 & 85|2, situated at Balmatta Ward, Attawan Village, IV Court Ward, Mangalore.

S. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tux
Acquisition Range, B'lore

Date: 10-5-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th May 1984

C.R. No. 62|40680|83-84|ACQ|B.—Whereas, I, S. BALASUBRAMANIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 79, situated at Padavu Village, Sy. No. 131-1, Punja

Western 'middle portion' Padavu Muncipality (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore City on 2-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Margaret pais Wo Jeroone pais Fathima Block, Seminory View Jeppu, Mangalore as P. A. holder of her husband Jeroon pais now serving in Muscat.

(Transferor)

(2) Mrs. Gracy peris Wlo Late Alese Peris Lower Bendoor M'lore as P. A. holder of l. Joseph Stanley Noronha, . Mrs. Leena Noronha both are now serving in Kuwait.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 654|83-84 dated 2-9-83).

All that property bearing No. 79 in Sy. No. 131-1, Punja western middle portion situated at Padavu village of padavu town Municipality.

> S. BALASUBRAMANIAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 11-5-1984

(1) Sahyog Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. J. G. Desni

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1973|83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. C-201, Moti Mahal, Sodawala Lane, Borivli (W)

Bombay-92 situated at Bocivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay at 24th Sept. 83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C-201, Moti Mahal, Sodawala Lane, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1973 83-84 dt. 24-9-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-5-1984

(1) Ms. Trupti V. Modi

(2) Mr. A. N. Bagada & Mrs. M. A. Bagade. (Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1875|83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Flat No. 13, Ram Shyam, 3rd floor, C.T.S. No. 2734, Hissa
No. 4, Shyam Narayan Dube Road, Rawal Pada, Dahisar,

Bombay-68 situated at Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Bombay on 20th Sept. 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 13, Ram Shyam, 3rd floor, C.T.S. No. 2734, Hissa No. 4, Shyam Narayan Dube Road, Rawal Pada, Dahisar, Bombay-68. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1875 83-84 Dt. 20-9-83

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-5-1984

(1) Mr. A. I. Merchant

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. C. A. Joshi, Mrs. B. D. Lodaria D. M. Lodaria.

(Transferces)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th May 1984

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Ref. No. ARIV|1882|37EE|83-84.-Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 407, 4th floor, Saichhaya Akruli Road, Kandivli (East), situated at Bombay1400101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or;

## THE SCHEDULE

Flat No. 407, 4th floor Saichhaya at Akruli Road, Kandivli (East), Bombay-400101. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1882 83-84. dt. 20th Sept. 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-5-1984

(1) Himatlal Dhanjibhai Shah

(Transferor)

(2) Kirtilal Motilal Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 26th April 1984

Ref. No. AR-III|37EF|868|73-84,--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 136, C-3, Mahavir Jain Co-Op. Hsg. Society Ltd., Shanker Lune, Kandivli (W) Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay, on 14-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 136, C-3, Mahavir Jain Co-Op. Hsg. Society Ltd. Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1868|83-84 14-9-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-4-1984

#### (1) M. G. Suthar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. C. R. Mehta

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|1910|83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 106, Star Galaxy Apartment, 1st floor, L.T. Road, Borivli, Bombay-400 092 situated at Borivli (W)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 6-9-83 June 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 106, Star Galaxy Apartment, 1st floor, L.T. Road, Borivli (W), Bombay-400 092. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|1910|83-84 dt. 6-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

Date: 2-5-1984

(1) M/s. M. N. Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. K. Mistry

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1974|83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 302, 3rd floor, Gyan Amrit, S. Mody Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 24th Sept. 83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Gyan Amrit, Shatilal Mody, Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1974 83-84 dt. 24th Sept. 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 1-5-1984

#### FORM ITNS-

(1) Mls. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Chaturbhuj A. Bhuta & Smt. P. C. Bhuta

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1905|83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the competent authority under Section 269 D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

Flat No. 8, ground floor, Nilkanth Bldg., S. V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 30th Sept. 83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, ground Nilkanth Bldg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W) Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|1905|83-84 dt 30-9-83

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57—96 GI|84

Date: 2-5-1984

Seal -

(1) K. N. Vasani

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Deepak Laxman Dudhane

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1984

Ref. No. ARIV 1852 37EE 83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. C|18, Jeevan Dharm, Vivan Bima Nagar, Borivli (W),
Bombay-400 003 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pulication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

C|18, Jeevan Dharm, Jivan Bima Nagar, Borivli (W), Bombay 400103. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1852 83-84 dt. 19th Sept. 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th May 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|1913|83-84.—Whereas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 3, Ground floor, 'B' Wing, C.T.S. No. 1065, Maurin Street, M. G. Road, Village Kandivli, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 9-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M[s. Girlraj Construction Corpn.
- (2) Mr. Kishor Dinkarrai Adhia

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, 'B' Wing, C.T.S. No. 1065, Maurin Street, M. G. Road, Village Kandivli, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV|1913|83-84 dated 9-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-5-1984

(1) Sbri Guru Krupa Builders

(Transferor)

(2) Smt. & Sh. S. R. Jadhare.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1984

AR-IV|37EE|1862|83-84.--Whereas I, Ref. No. VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Flat No. 1, ground situated at Dahisar ground floor, Akshay Apartments, Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the argement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7th Sept. 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1 on the ground floor, Akshay Apartments, Dahisar. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1862 83-84 Dt. 7-9-1983.

VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 29-4-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 26th April 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|1867|83-84.—Whereas I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. F|20, 4th floor, Saibaba Dham, Off S. V. Roud Borivli (W) situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 27-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Mis. Arun International

(Transferor)

(2) Shri N. Shivraman Nair

(Transferee)

(3) Sellers as bldg. is under construction
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. F-20, 4th floor, Saibaba Dham, S. V. Road, Borivli (W), Bombry-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1867|83-84 dt. 27-9-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 26-4-1984

(1) Sumer Development

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramesh Chandra B. Dembla

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|1863|83-84.—Whereas I, VIIAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 603, 6th floor, A-Wing, Sumer Nagar, S. V. Road, Bombay, Borivli (W) Bombay-92, situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24th Sept., 83,

for an apparent consideration which is less than the fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, A-Wing Sumer Nagar, S. V. Road, Borivli (W) Bombay-92. The agreement has been registered by the competent authority, Bombay, under serial No. ARIV 1863 83-84 dt. 24th Sept. 1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-5-1984

(1) Dr. Dinesh B. Shah

(Transferor)

(2) Shri Sunil Vasantlal Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|1879|83-84.—Whereas I. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 44, G-Wing Mahatma Gandhi Road, Kandivli, Amrat Nager, Kandivli, situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 44, C Wing Amrut Nagar, Survey No. 7A Hissa No. 2, Mahatma Gandhi Road, Kandivli.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay Vide serial No. AR IV|37EE|1879|83-84 dt. 3-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-4-1984

SenI:

(1) K. Patel & Co. Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bharti Nandlal Popat & Shrl N. P. Popat.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 29th April 1984

Ref. No. ARIV|1866|37EE|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 603, H. Patel Nagar, M. G. Road, Kandivli (W) Rombay 67 situated at Kandivli

Bombay-67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, the office of the Competent Authority

at Bombay on 12th September 1983 for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 603-H, Patel Nagar, 6th floor, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1866 83-84 dt. 12-9-1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-4-1984

(1) Ind That Navorial Fateria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Mathuradas Shamji Bathia

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th April 1984

Ref. No. AR-III|37FE|1877|83-84.---Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B-404, 4th floor, Goverdhan Bldg., L.T. Road, Borivli (W). Bomba 9-92 situated at Borivli. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bus been transferred and the agreement is registered under

hus been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of teh Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay, on 17-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inocme arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 404-B, 4th floor, Goverdhan Bldg., Plot 101, T. P. S. III, L.T. Road, Borivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1877|83-84 dt. 1/-9-1983

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Renge-IV
Rombay.

Date: 28-4-1984,

\_\_\_\_\_\_

# FORM-ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF ICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1865|83 84.—Whereas, I, VIIAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. G-14, Saibaba Dham, Borivli (W) off S. V. Road, Bombay-92 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at oBmbay on 5th Sep., 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tay Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1937).

(1) Mls. Aun International

(Transferor)

(2) Shri Rustom C. Patel

(Transfered)

(3) Sellers as bldg, is under construction

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. G-14, Saibaba Dham, off. S. V. Road, Borivli (W) Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent authority, Rembay under retial No. ARIV 1865 83-84 dt. 5-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 28-4-84

Seal ;

(1) Sumer Development

(Transferor)

(2) Ivoti Rameshchandra Dembla.

\*Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1864|83-84.—Whereal, I. VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 25,000|- and bening exceeding

Flat No. 604, 6th floor A-Wing, Sumer Nagar, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24th Sept. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market avlue of the aforestaid property and I have reason to believe that the fan market value of the roperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, A-Wing, Sumer Nagar, S. V. Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has neen registered with the Competent Authority Bombay Vide serial o. AR-III|37EE|1864|83-84 dt. 24-9-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 1-5-1984

(1) Mis. Giriral Construction Corpn.

( Fransleror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Shri Y. N. Shah

(Transferee)

# INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 1st May 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|1886|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Village Kandivli, C.T.S. No. 1065, Mewin St., M. G. Road, Kandivli (W) Rombay 67, situated at Landivli

Kandivli (W), Bombay-67 situated at Kandivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17th Sept., 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPIANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

# THE SCHEDULE

C. T. S. No. 1065, Meurin Street, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1886 dt. 9th September, 1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 1-5-1984 Seal :

(1) Shri Pritamlal Jagdish Trivedi

(liansferor)

(2) Shit Brajlal G. Lakhani

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONIR OF INCOME-TAN,

ACQUISITION RANGI-IV, BOMBAY

Bombay, the 2nd May 1984

Ref. No. ARIV|37EF|1899|83-84.--Whereas, 1, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. C-42, Amrut Nagar, M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-

67 situated at Kandivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17th Sept., 1983.

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated up the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 15 day, from the date of publication of this notice in the Official Cuzette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

# THE SCHEDULE

Flat No. C-42, Amrut Nagar, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV|1899|83-84 dt. 17-9-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 2-5-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th April 1984

Rd. No. ARIV|37EE|1870-83-84.—Wheleas, I VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding R<sub>8</sub>, 25,000/-and bearing

Shop No 8 Dattani Apartments, 1.1, Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borilvi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, (hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '---

(1) Shri Dilip Hakmichand Jagad & Smt. Jitendra H. Jagad.

(2) Shri Ratanshi Ramii Gala

(Transletoi)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 8, Dattani Apartments, L. T. Road, Borivli (W), Bomaby-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III[37EE]1870[83-84 dt 7-9-83.

VIIAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Date: 28-4-1984

- (1) Reliable Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Mr. & Mrs. S. K. Kapoor

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1904|83-84.—Whereps, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 6, Saraswati Apartment S. V. Patel Road, Opp. Bhagwati Hospital, Borivli (W), Bombay

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought, to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Shop No. 6, Saraswati Apartment, S. V. Patel Road, Opp. Bhagwati Hospital Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under serial No. AR-IV|1904|83-84 dt. 1-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 4-5-1984

FORM ITNS -----

(1) Shri Ambalal H. Patel

(Transferor)

(2) Shri Nyalchand M. Mataliya

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. ARIV|37FE|1909|83-84.—Whereas, f. VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

Flat No. 19, Ist floor, C-Wing Madhu Co-op. Hsg. Sety, Ist Rokadia Lane, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Borivli,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 7th September, 1983

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have market value of the aforesaid property and I have market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as tigreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 19, 1st floor, C-Wing, Madhu Co-Op. Hsg Society 1st Rokadia Lanc, S.V. Road, Borvili (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-IV|1909|83-84 dt. 7 Sept., 1983.

VIJAY RANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones
of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 9-5-1984

(1) Mls. Naredra & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. K. Gandhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISTITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1984

Ref. No. AR-IV|37FE|1911|83-84 —Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No. Shop No. 3, Harsh Shopping, Road No. 3, Daulat Nagar,

Borivli (E), Bombay-66 situated at Botavli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Bombay on 27-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income unising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (?? of 1987).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, Harsh Shopping Road No. 3, Damdoot Nagar, Borivli (F), Bombay-66. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1911 83-84, the 27th Sept., 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I has by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) c; Section 169D of the said Act, to the following pyroons, namely '--

Date: 3-5-1984

(1) Ms. New India Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. & Mrs. J. H. Zaveri

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1887|83-84.—Whereas, I VIJAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 2nd floor, 2nd south wing bldg. C.T.S. No. 482, 483 and 485 at Chandavarkar Lane, Borivli (W), Bombay-92. situated at Borivli Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

2nd floor, 2nd South Wing Bldg. C.T.S. No. 482, 483 and 485 at Chandavarkar Lane, Borivli, (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1887 83-84 dated 9-9-83.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-5-1984

(1) M/s. Royal Plastic Indst. P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar G. Joshi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

> > Bombay, the 1st May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1973|83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 8, 4th floor Super gas Co.op Hsg. Society, 121,

S. V. Road, Dahisar Bombay-68 situated at Dahisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Competent Authority

at Bombay on 24th Sept., 1983 at Bombay on 24th Sept., 1983
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nursoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 8, 4th floor, Super Gas Co-op. Housing Socty., 121, S.V. Road, Dahisar (East) Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay under serial No. AR.IV|1873|38-84 dt,24th Sept. 1983.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-5-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Mr. Alfred D'souza

(Transferor)

(2) Mr. Harish S. Vora & Mr. Rajesh S. Vora (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable

cation of this notice in the Official Gazette.

property, within 45 days from the date of the publi-

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

> > Bombay, the 11t&h May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1855|83-84.--Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 203, Hari Om Apartments Bldg, C-3, S.V. Road, Borivli (W) Bombay-92

situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20th September, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of:— EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

203 Hari Om Apartment Bldg. C-3' S.V. Road, Borivli (W) Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-IV 1855 83-84 dt. 20-9-83.

> VIJAY RANJAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitino Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue for this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-5-84

(1- M|s. Giriraj Construction Corpn.

(Transferor)

13385

(2) Sudhir Dhirajlal Gandhi & Mr. S. D. Gandhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. ARIV|37EE|1922|83-84.—Whereas, I, VIJAY RANJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Village Kandivli Ta: maurin Street M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67, situated at Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 12th September 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Village Kandivli, Ta: Maurin Street, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. ARIV 1912 83-84 dated 12-9-1983.

VIJAY RANJAN
Competent Authority
Inspecting Asett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Date: 11-5-1984

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Narendra Shantaram Sawant

(Tarnsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri K. Sheshappa Shetty

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3053|83-84.—Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 24, 2nd floor, "Deo Apartment", Kole Kalyan hereto Village, Vakola Pipe Line, Santa Cruz (East), Bombay situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideratio therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, manely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 24. 2nd floor, "Deo Apartment" Kole Kalyan Village, Vakola Pipe Line, Santacruz (East), Bombay-400 055.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1270|83-84 dt. 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Bombay

Date: 11-5-1984

Scal:

(1) Shri Dilip Bapu Triodkar.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III | 37EE | 2952 | 83-84. -- Whereas. I. A. LAHIRI.

A. LATIKI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 206, Liliya Nagar, Goregaon (West. Bombay-400 062 situated at Bombay-400 062 (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-9-1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the redrction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mrs. Vaishali Mangesh Tirodkar & others

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 206, Liliya Nagar, Goregaon (West), Bombay-400 062.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide scrial No. AR-III 37EE 1254 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Competent Authority Bombay

Date: 11-5-1984

(1) Mis. Ganesh Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. V. R. Kannu

(Fransfereev)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3108|83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 42, 'B' Wing, 4th floor, Neelima Apartment, Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078. situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No 42, 'B' Wing. 4th floor Neelima Apartment Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1277|83-84 dt. 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1)\*Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1984

(1) R G. Agarwal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kapoor Family Trust.

(Fransferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th May 1984

Rcf. No. AR-III/37EE/2954/83-84.—Whereas. I. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. Flat No B|606, Veena Nagar, Malad (W), Bombay

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 19 7 :27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No B|606, Veena Nagar, Malad (W), Bombay.
The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR-III|37EE|1256|83-84 dt 2-9-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

60--96 GI|84

Date: 11-5-1984

(1) Shri S. V. Samghar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri I. Harman Singh Hanspal.

(Transferse)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF NCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-III 37EE 2898 83-84. - Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 7. 3rd floor, Leela Apartments, Plot No. 9, off vill-

age Road Bhandup (W), Bombay-78.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Autho-

at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Leela Apartments. Plot No. 9, Off. Village Road, Bhandup (W), Bombay-78.

The agreement has been registered with the competent Authority, Bombay vide serial No. ARIIII37EE 1236 83-84 dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1984

#### FORM ITNS --

-\_-\_-

(1) Mls Gonesh Builders

(Transferer)

(2) Shri Vincent Titus Ferrad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 11th May 1983

Ref. No AR-III 37EE 3048 83-84 - Whereas, I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Flat No. 31 'A' Wing, 3rd Fl. Neclima Apartment, Jungal Mangal Rd Bhandup situated at Bombay-400 078 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Jncome Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 'A' Wing, 3rd Fl. Neelima Apartment Jungal Mangal Road, Bhandup, Bombay-78. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III/37EE/1265/83-84 dt. 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

Date: 11-5-1983

(1) Shri Laxmi Narain Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amritrao Bhagwantrao Chanbal.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2957|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 6, 1st Floor, Prem Bindu Near Filmistan Studio Off S.V. Road, Dighawadi, Goregaon (W), Bombay-62

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Prem Bindu Near Filmistan Studio. Off. S.V. Road, Dhighwadi, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1259|83-84 dt, 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III
Bomba

Date: 11-5-1984

(1) Shaikh Abdul Rehman Babamiya.

THE TAXABLE PARTY OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PAR

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajeshwari S. Iver.

(Transferce)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No AR-1II|37EE|2958|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 4, ground floor Dolly Apartment Co-op. Hsg. Society Ltd., 5 Lower Govind Nagar, Chincholi,

Malad (West). Bombay-400 064

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income Tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor Dolly Apartment Co-op Hsg. Society Ltd. 5 Lower, Govind Nagar, Chincholi, Malad (West), Bombay-400 064.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III/37EF/1260/83-84 dt. 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-5-1984

FORM ITNS----

- (1) Ms Naga Hills Tea Co. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Mrudula Mahendra Sanghavi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III]37EE[2942]83-84.--Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 15, Plot No. G-5, 3rd Floor, Rani Sati Nagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-9-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15, Plot No. G-5, 3rd Floor, Rani Sati Nagar. S.V. Road, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III 37EE 1251 83-84 dt. 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-5-1984

#### (1) Shri Amrutilal Dhanlibhai Sagal.

may be made in writing to the undersigned:

(Transferor)

(2) Shri Snchal Arvindkumar Shah.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|1248|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing Flat No. A-13, 3rd Floor Ajit Nagar Society, S.V. Road, Malad (W). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A-13, 3rd Floor, Ajit Nagar Society, S.V. Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1248|83-84 dt. 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sant Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-5-1984

Scal:

(1) Shri Narendra Shantarani Swamy.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Pramodkimar Pandey.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No AR-III|37EE|3054|83-81.—Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 54, 5th Floor, Deo Apartment, Kole Kalyan Village,

Flat No. 54, 5th Floor, Deo Apartment, Kole Kalyan Village Vakola Pipe Line, Santa Cruz (E), Bombay-400 055

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 54, 5th Floor, "Deo Apartment", Kole Kalvan Village, Vakola Pipe Line, Santa Cruz (E), Bombay-400 055. The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III|37EE|1271|83-84 dt. 2-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 11-5-1984

Scal:

FORM ITNS-----

(1) Harasidh and Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE III ВОМВАУ

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-III]37FE|2890|83-84.-- Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 2, 1st floor, Chandrabhaga Bldg. Plot No. 102, Kanjur Co-op Hsg. Society Ltd. Bhandup East, Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition for the aforeshid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269B of the said Act to the following ersons, namely :-

(2) Mrs, Sosamma Cherian.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Chandrabhaga Bldg. Plot No. 102 Kanjur Co-op, Hsg. Society Ltd., Bhandup Fast, Bombay-78.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay Vide serial No. AR-III/37FE/1228/83-84 dt. 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Dute: 10-5-1984

FORM ITNS-----

(1) Shij Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) Dr. Vinodkumar Dhabalia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 Of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref No AR-III 37FE 2872 83 84 -- Whereas, I. A. LAHINI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 51 'B' Wing, fifth floor, Neelima Apartment.
S.P.S. Marg Bhandup, Bombay-400 075
tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and for

(b) ticilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 51, 'B' Wing, 5th floor, Neelima Apartme S.P.S. Marg, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered with the Compet Authority, Bombay vide serial No dt 2-9-1983. AR-III|37FE|12

> A LAH Competent Autho Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range Bor

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the set? A \*, to the following persons, namely :--

Date: 10-5-1984

(1) Hatasidh and Compuny.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Theruvingal Narayanan,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-LAX

> ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-III|37EE|2886|83-84.Whereas, J.

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (44) of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000]—and bearing Flat No 2, 3rd floor Chandrabhega plot No. 102, Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd. Bhandup East. Bombay-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1951, in the office of the Competent Authority Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPIANTION . -- life terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hlat No. 2, 3rd floor, Chandrabhaga, plot No. 102, Kanjur Co-op. Hsg. Society Ltd., Bhandup East, Bombay-78
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37EF/226/83-84 dt. 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10.5 1981

Scal 4

(1) Shri P. K. Desai.

(Transferor)

(2) Smt. R. N. Dhulla & Smt. K. S. Dhulla,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-III[37HE]2884[83-84] - Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Flat No. 7, 2nd floor, Geeta Co-op. Ilsg. Society Ltd. Ghatkopar (Fast), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any mqueys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Geeta Co-op. Hsg. Society, Ghatkopar (East), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-HI]37EE|1222|83-84 dt. 2-9-1983.

> A. LAHIR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-Il Bomba

Dute: 10-5-1984

#### FORM ITNS-

(1) M|s. Navnyan Builders.

(Transferor)

(2) Mr. John Rasquinha.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-III|37EE|2901|83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 403-B, 4th floor, Kasturbha Nagar Plot Nos. A-3 to A-6, Ramchandta Lane Extension, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Kasturbha Nagar Plot Nos. A-3 to A-6, Ramchandra Lane Extension, Malad (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide Serial No. AR-III/37EE/1239/83-84 dated 1-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date . 11-5-1984

(1) Shi Ethi Prerin Gada

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Savirilal Kiptil Buthava

(Iransferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR III | 37EE | 2896 | 83-84 — Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

Flat No. 13, 3rd floor Mulund Chandra Vihai Co operative Housing Society Ltd., 196-B, Kasturba Road, Mulund (W) Bombay-80

(and more fully decribed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 NB of the Income tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 2-9 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair night value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the manufand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or accommoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer fur the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- a) by n y if notes ad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: (1 to the release to expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said...)

Act he have the amo meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 13. 2 of flor. Mu and Chandia Vihat. Co-operative Housing Society 1 to 12. Capturb's Road Muland. (W) Bombay 80.

The inferent his been registered with the Competent Authority Bombay vide cital No AR III]37FF[1234]83-84 of tel 2.5 1982

A LAHIRI
Competent Authority
Inspecting \ istant Commissioner of Income tax
\text{Veq usition Range-III}

Bombay

11 / 10 5 1981

Seal

FORM ITNS ---

(1) Mls Shoth Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26 D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ptemsingh Mohal

(Tinnsferce)

GOVELNMENT OF INDIA CEPICIT OF THE OPERATION AND COMMISSIONER OF THE OPERATION.

> ACCULATION RATE OF LA BOWR 72

Bomb to the total Art 1 4

Ref. No. AR III 37E1 287419 at the inter. I A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 c) 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 0001- and bearing No.

Bhagnathi Villa flat No. 29, 2nd floor Plat 11, I BS, Marg, Ghatkopar Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreem of a registered in 'e section 269AB of the Income tix Act 1901 in 11 office t the Competent Authority at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fin market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- the brought him the textretions in some a son thebases, of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concentrate forms or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inc. meter. Act, 1921 (11 of 1922) or the said A to the Wealth-tax Act, 1957 (27 rf 1957)

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a gul dion of the aforesaid properly by the is us of the notice under subsection (1) of Section 269D I the said Am to the follow ing persons namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be note in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, higherer period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovible property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

I XPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thill have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Philanathi Villa Flyat No. 29, 2nd floor Plot FI I B S. Marg, Charkopai, Bombay-86 the agreement has been registered with the Competent

Ambouty Bombay ride Serial No AR III 37FF 1214 dated 9 1997

> A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Augmention Range III Bombay

10 5 1984 110 \* \* 1

(1) Shri Mariyambai Khanmohamed Karim,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nadia Aniz Kheraj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th May 1984

Ref. No. AR-I|37FF|1032|83-84.--Whereas, I. A. I AHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 38, Ismalia Co-operative Housing Society Limited, 44, Mirza Galib Marg, Byculla, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been throughouted and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 38, Ismalia Co-operative Housing Society Ltd., 44 Mirza Galib Marg, Bycuila, Bombay-8,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-I|1062|83-84 dated 26-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 11 5-1984

#### FORM ITNS----

(1) Mrs. Shobha K. Lall.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Deepak P. Dadlani. Mr. Promchand P. Dadlani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|967|83-84,—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-nnd bearing

Flat No. 2 on 16th floor in Maker Tower 'B' Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 16th floor in MAKER TOWER 'B' Cuffe Parade, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent-Authority, Bombay under Smial No. AR-I|968|83-84 dated 15-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-5-1984

Scal:

62---96 GII|84

#### FORM' ITNS----

(1) Mr. Ramesh P. Bhatia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shree Navjivan Jain Sitambhar Murti Pujak Sangh. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF UNDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-J[37EE]912[83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 7B/1, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7B|1, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-8,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 882 83-84 dated 5-9-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1984

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M[s. Cozy Builders.

(Transferor)

(2) 1. Shri Dattatraya Manjanath Powar and Smt. Neelam Dattatraya Power.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|799|83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a faur market value exceeding Rs. 25,000/- and beating Flat No. 12, 2nd floor, 'Peter Marcel' Building, Plot No. 941 and 941A, Prabhadevi

and the agreement is registered under section 269AF of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 6-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd floor, Peter Marcel' Building, Plot No. 941 and 941A Prabhadevi, Bombay-25. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I|780|83-84, dated 6-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Date: 10-5-1984

Seal:

44-96GI[84

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACOUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|916|83-84.--Whereas. I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 39, 10th floor of Building No. 15 of the Lamington Road Scheme of Navjivan Co-operative Housing Society Ltd., Lamington Road (Junction of FalklandRoad) Bombay-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Hiraben Dwarkadas Panchmatia

2. Shri Dharamshi Dwarkdas Panchmatia

3. Shri Bipin Dwarkadas Panchmatia.

(Transferor)

(2) 1. Shri Suresh Nanikram Talreja 2. Shri Pradeep Nanikram Talreja

(Transferee)

(3) Transferces.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferees.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 39, 10th floor of Building No. 15 of the LLamington Road Scheme of Navjivan Co-operative Housing Society Ltd.. Lamington Road (Junction of FalklandRoad) Bombay-8

The agreement has been registered with the Authority, Bombay under Serial No. AR-1|884|83-84 dates 5-9-1983.

> A. LAHIR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bombar

Date: 10-5-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-111, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|83-84.—Whereas, I, A. LIHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 41, 1st floor, Bhagwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Sandeep Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Chhotalal Nathalal Thakkar Prop. Nilesh Electric Stores.

(Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 41, 1st floor, Bhagwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I[883]83-84, dated 5-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 10-5-1984

Scal:

#### FORM ITNS - ----

NOTICE 1 NDEP 31 (110N 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSION, R OF TNO OMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1984

Ref No AR-I|37EE|1036|83 84 -- Whereas, 1, A LIHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred tr as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovable property, having a tail market value exceeding Rs 25,0 ld and begring

Flat No. 2 1, 2 of flood from laya Co-operative Society 1 td., Plot No. 152, Sion List, Bombay-22 Framalaya Co-operative Housing

(and more fully described to the schedule surveyed here's) has been treater all index section 2 1/13 of the in in the Act, 1961 (43 or 1901) in the office of the Commoton Authority at

Bombay on 26-9-1983 for an apparent considuation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been thuly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) for the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);;

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shii Ashwinkumar Kantilal Jhaveri, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (Transferor)
- (2) 1 Shri Manual A Hartman, 2 Smt. Lena M Hartman.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever punity exprinents.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The N A, 2nd floor, Vishiamalaya Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 152, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 1034 83-84 dated 26-9-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-5-1984

#### TORDI AJIA

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER F INCOME-TAX

#### ACQUISITION PANGLI BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref No AR-I/37EE/905/83 84 ~ Whereas I, A LAHJRI, being the Competent Authority under Section 2698 of the Incometex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'ad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 503 'West View' Veci Saverker Maig, Prabhadovi, Bombay-400.018

tand more filly described in the Schedule annoyed hiteto), has been transferred into a section 269AB of the Internation Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Climbe of Authority at

Bombay on 5-9 1983

for an apparent consideration which 's less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of a noome or any moneys or other assets which his not been or which ought to be disclosed by pansferee for the purposes of the Indian Income-1 x Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

(1) Pragnti Investments

(Transferor)

(2) 1 Engeler Mohan Shetty and 2 Mrs Chandrakala B. Shetty.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever region exputes there.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the unlication of this notice in the Official Gazette.

FREI ANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

112: No. 503 'West View' V er Saverker Marg, Frabhader Bombay-400 018

The Agreement has been regreted by the Competent Augustiv Bombay under Serial No AR-I/877/83-84, date 1-5-9-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Dated 9 5-1984

(1) Mr. Manuel Anthony Hartman.

(Transferor)

(2) M/s. Krish Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1018|83-84.—Whereas I, & LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Room No. 52, Rajgir Chambers, 6th floor, 12/14 Shaheed Bhagatsingh Road, Opp. Old Custom House, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under section 269AB of the Income-tax

has been transferred under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section, 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 52, 6th floor, Raigir Chambers, 12/14 Shaheed Bhagat Singh Road, Opp. Old Custom House, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/950/83-84, dated 20-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1004|83-84.—Whereas I, A. LAHURI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Office No. 41, 4th floor, Bajaj Bhawab Bhawan, Nariman

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the expect of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets' which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 '27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Quality Iron and Steel Works Per Ltd
- (Transferor)
  (2) Prahladrai Podar & Sons Textiles Pvt. Ltd.
  (Transferee)
- (3) Transferec. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 41. 4th floor, Bajaj Bhawan, Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I 991 83-84, dated 15-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9-5-1984

(1) Mr. Kalesan Natesan.

(Transferor)

(2) Mr. Jimmy M. Panthaki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37hE|1008|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra 25,000|- and bearing

Flat No. 103, 10th floor, 'Sun Flower' Bldg., Somani Marg, Backbay Reclamation

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, 10th floor, 'SUN FLOWER' Building, Plot No. 99, Somani Marg. Backbay Reclamation, Bombay-400 001.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I 988 83-84, dated 20-9-1983

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 9-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-1/37EE/982/83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 14, 4th floor, Neeta Co-op. Housing Society Ltd., Netaji Subhash Marg, Bombay-400020

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority

Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforecaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ramchand Hirasingh Bajaj Indira Ramchand Bajaj Mukesh Ramchand Bajaj (Kumar) Dinesh Ramchand Bajaj, through Father and Natural Guardian Shri R. H. Bajaj.

(Transferor)

(2) Shri Jayesh Harshadrai Parekh. Chetan Harshadrai Parekh.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14, 4th floor, Necta Co-op. Housing Society Ltd., Netaji Subhash Marg, Bombay-400 020.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|971|83-84, dated 15-9-1983.

A. LAHIRI
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 9-5-1984

Scal .

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Shah Vadilal Chunilal. Shah Shailesh Vadilal.

(Transferor)

(2) M/s. Crimplone Industries.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

(3) Self occupied.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-J BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|804|83-84.--Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing No. Gala No. 21 at Lakshmi Industrial Estate, Hanuman Lane,

Lower Parel, Bombay-13

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-9-1983

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or 'he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 2 at Lakshmi Industrial Estate, Hanuman Lane, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I/779/83-84, dated 6.9-1983

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Ds≠e : 8-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Arvind N Salla Bhupendra M. Salla.

(Transferor)

(2) Shri Ratanraj R. Mehta. Smt. Sayarbai R. Mehta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-IJ37EE, 1035;83-84 - Whoreas I. A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat No. 3, 'Triveni' Building, 66 Walkeshwai Road,

Bombay-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 c) in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of Thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3. 'Triveni' Building, 66 Walkeshwar Road, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 1033 83-84, dated 26-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 9-5-1984

- (1) M|s Hifin Products Private Ltd.
- (Transferor)
- (2) Harmen Leather Machines.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### GFFICE OI THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|656|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Unit No. 202, Byculla Service Industries, A Bidg. 2nd floor, Sussex Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herto).

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

the registering officer at Bombay on 7-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the remission of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 202, A Building, Byculla Service Industries, 2nd floor, 711, Sussex Road, Bombay-400 027.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/763/83-84, dt. 7-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-I
Bombay

Date: 9-5-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. AR-I[37EE1019]33-84.--Whereas I, A. LAHIRI, ket, No. AK-IJ5/EE[1019]33-84.—Whereas I, A. LAHIRI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Unit No. 438, 4th floor in Kewal Industrial Estate B Building, Senapati Bapat Marg, Bombay-13 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. N. J. Plastic Industreis.

(Transic Dr.)

(2) Shri Sukhraj B Golia Smt. Sarladevi P Golia, Trustees of Golia Family rust.

('fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Unit No. 438, 4th floor in Kewal Industrial Estate, B Building, Schapati Bapat Marg, Bombay-13,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-J/912/83-84 dated 20-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 8-5-1984

Seal

#### 

- (1) bit Habib Ablui Karim Moterwalla.
- (2) Mr. Abdulla Abbas Fuffie.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-1|37EE|988|83-84.-Whereas 1, A. LAHIRI, Bombay on 20-9-1983 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
Flat No. 15, Swami Narayan Darshan situated at Di. D. P. Road, Mulund West, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-8-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid ecceds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5, 7th floor, Shalimar 'B' Building, Love Lane, Byculla, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I |949|85-84, dt. 20-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-5-1984

(1) Mr. P. K. Dubash & Mr. N K. Dubash

(Transferor)

(2) Mr. Veeraf P Chinoy

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR.-I|37FF1864183 84 - - Whereas, I. a. Lahiri

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearnig

No. Flat No. 3, 3rd floor, Banoo Mansion, Outhouse, 619, Parsi Colony, Dadar, Bombay-400 014. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent

Authority.

at Bombay on 13-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a, facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, 3rd Banoo Mansion, Outhouse, 619, Parsi Colony, Dadar, Bombay-400 014.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-I/761/83-84 dated 13-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Adquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely '-64-96 GI|84

Date : 9-5-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I[37EE]1054[83-84.---Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 2A, Gr. floor, New Sai Niketan Biulding, 'A' Block, 345, Mount Road, Mazgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### (1) Shri Assudomal Dhalumal Kotwani

(Transferor)

(2) Shri Rosnanlal Ahmediali Rupani

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2A, Gr. floor, New Sai-Niketan Building, 'A' Block 345, Mount Road, Mazagaon, Bombay-10. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I|1045|83-84, dated 26-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 9-5-1984

#### FORM I.T.N.S.-

#### (1) Mis. Deepak Enterprises

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M|s. Larsvia Engineers (P) Ltd.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|368|83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Office No. 112 on 11th floor, 'Mittal Court' 'C' Wing, Nariaman Point

(and more ully described in the schedule annexed hereto) has been transerred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sadi Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Office No. 112 on 11th floor, 'Mittal Court 'C' Wing, 224, Nariman Point, Bombay-21. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I|772|83-84, dated 16-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naturely:—

Date: 9-5-1984

(1) Mls. Ramesh Cotton Company

<del>----1</del> (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

#### (2) M/s. S. K. F. Enterprise

(Transferee)

#### (3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. AR-1|37EE11034|83 84.--Whereas, 1, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovmarket value exceeding able property, having a fair Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 201, Abhay Steel House Premises Co-op Housing

Society, Danabunder Road, Bombay-9, (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, Abhay Steel House Premises Co-op. Housing Society Ltd., Danabunder Road, Bombay-9.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scruel No. AR-I[1069]83-84 dated 26-9-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner Income-tax Acquisition Range-I, **Bomb**ay

Dete . 8-5-1984

FORM I.T.N.S.----

(1) M|s. V. K. Lalco Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Bindu R Lulla

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1, **BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-1[37EE|949|83-84,--Whereas, I. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. No. Show-room No. G-6, Maker Chamber No. V, Plot No. 221, Nariman Point, Bombay-400 021 (and more fully described in the Schedule approved barets).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

at Bombay on 8-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Showroom No. G-6, Maker Chamber No. V, Plot No. 221. Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-I 889 83-84 dated 8-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 10-5-1984

#### FORM ITNS ---

(1) Vrai Investments Pvt. Ltd

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anuradha Enterprises

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombuy, the 10th May 1984

Ref. No. AR-1|37EE|932|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Office No. 604 on 6th floor, Dalamal Tower Nariman

66—96 GI|84

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement 13 registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 8-9-1983 on Aug., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 604 on 6th floor, Dalamal Tower, Plot No. 211, Nariman Point Bombay-21. The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under Serial No. AR-I|887|83-84, dated 8-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1984

(1) Tecfnecon Services Pvt. Ltd.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, ROMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|903|83-84,---Whereas, J, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Office Premises No. 608, 6th floor, in building known as 'Raheja' Centre, Plot No. 214, Block III, Nariman Point, Bombay-400 021

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under seciton 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority

at Bombay on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Savina impex and Agencies Pvi. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Office Premises No. 608, 6th floor in building known as 'Raheja Centre, Plot No. 214, Block III, Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|875|83-84 dated 5-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Bombay.

Date: 9-5-1984

(1) M/s. Dhanraj Mills Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Siddarth S Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Rcf. No. AR-I|37EF|1158|83-84.—Whereas, J. A. LAHIRJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable aroperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Industrial Gala No. 147, 1st' fl. Shah and Nahar Indl.

Estate A-1, Lower Parel situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 27-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 147, 1st floor of Shah and Nahar Industrial Estate A-1, Lower Parel, Bombay. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I/793/83-84, dated 27-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assett, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I.
Bombay

Date: 9-5-1984

Λ. LAHIRÏ,

#### FORM ITNS-

(1) Mont Blanc Hotels Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Ishak Impex Private Limited

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 9th May 1984

Ref No. AR-J[37EE]928[83-84,---Whereas, 1,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/property having a rair market value and bearing No.
Flat No. 2A, 2nd floor, Mont Blanc Apartments. Dadyseth Hill, August Kranti Marg situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 2A, 2nd floor, Mont Blanc Apartments, Dadyseth

Hill August Kranti Marg, Bombay.
The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 811 83-84 dated 20-9-1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombny

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--65---96 GI|84

Date: 9-5-1984

The state of the s

#### FORM ITNS-

(1) Mr. Kodumal Totaldas Lalwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suhas Shankar Phatak, Prop. of Mis Suhas Industries

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bomboy, the 10th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1055|83-84.—Whereas, I, A. L'AHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop No. 4, Ground Floor, Hind Rajasthan Shopping Centre Plot No. 272-273, Sion West, situated at Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notes on the respective persons, whichever period even the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it. that Chapter.

(a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay use under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 if 1957);

Shop No. 4, Ground floor, Hind Rajasthan Shopping Centre, Plot No. 272-273, Sion West, Bombay-22.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I]1046|83-84 dated 26-9-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-5-1984

(1) Ms. Sandeep Enterprises.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, he 10th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|986|83-84.—Wherens, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop No. 4, 1st floor, 'Bhangwadi Shopping Arcade' Kalbadevi Road, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) D. V. Vora, Prop. of D. V. Vora & Co. (Transferee)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 4, 1st floor, Bhangwadi Shopping Arcade, Kalbadevi Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|947|83-84 dated 15-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Rombay

Date: 10-5-1984.

(1) Mis Cożyhome Buiders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mangala Sureshchandra Chavan.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 3rd May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|993|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), here reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 8, 1st flooi, 'Peter Marcel' Bldg. Plot No. 941 & 941A, Prabhadevi

situated at Bombay (and more fully described in the schedule

annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, the office of the Competent Authority

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the foltowing persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazottè.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 8, 1st floor, 'Peter Marcel' Bldg. Plot No. 941 & 941A, Prabhadevi, Bombay-25. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I[925]83-84 dated 15-9-1983.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

3-5-1984 Date

Seal .

(1) Haroobhai Rambhai Patel

(Iransferor)

(2) 1 Sankalchand Chumlalil Jam 2. Rajendrakumar Hastimalji Jain

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No AR I|37EE|929|83-84 --- Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No Basement No 14, E-1 Building, Bharat Nagar Co-op Hsg Soc. Ltd., Bharat Nagar, Grant Road, Bombay-7 ssituated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the 1961, the office of the Competent Income tax Act Authority

at Bombay on 8-9-1983

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Basemen No. 14, Bharat Nagar Co-op. Housing Society Ltd. E-I Building, Bharat Nagar, Grant Road, Bombay-7. (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Schol No AR-1|918|83-84 dated respect of any income arising from the transfer;

8-9-1983

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date · 10-5-1984

(1) Mr. Anil Ganesh Nirgudkar

(Transferor)

- (2) Mrs. Ushaben Ratenshi Lapasia
- (Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the propery)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. AR-I/37EE/936/83-84.—Whereas, J.

A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Unit No. 318, Regal Industrial Estate, Acharya Donde Road, Sewree, Bombay-15.

(and more fully described in the schedule annxed hereto) has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 8-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 318, Regal Industrial Estate, Acharya Dondo" Road. Sewree, Bombay-400-015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I 896 83-84, dated 8-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 8-5-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1013|83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat No. 44, 4th floor, Manay Mandir, Plot No. 34 of Scheme No. 58 of worli Estate, Bombay-400 018.

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred and the agremment is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) P. R. Kanungu Family Trust Trustee Prithviraj P Kanungu

(Transferor)

(2) Smt. Harsha M Kanani

(Transferce)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30-days from the service of notice on the respective—persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 44, 4th floor Manay Mandir Plot No. 34 of Scheme No. 58 of Worli Estate, Bombay-18.

The Agreement has been registered by the Competent

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-1|983|83-84, dated 20-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-5-1984

(1) Mls. Shulla International

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP 133 ACT, 1961 (43 O) 1961)

(2) Ms Zenith Chem Colour Industries Pvt. Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUQISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I 37FF 963 83-84 -- Whereas I. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Office Premises No. 124, 12th floor, Mittal Court 'B' Wing

Nariman Point.

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at a

Bombay on 15-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any bosone arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Office Premises No. 124, 12th floor, Mittal Court, 'B' Wing Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-I 970 83-84, dated

Ā LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:-

Date: 9-5-1984

15-9-1983.

- (1) 1. Smt. Vilasben Sharadchandra Sheth
  - Sh. Rajesh Sharadchandra Sheth & 3. Sh. Binish Sharadchandra Sheth.

(Tignsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Miss Vynu Shetty as father & Natural Guardian of (1) Miss Vynu M. Shetty &
  - 2. Miss Vaishah M. Shetty.

(Transferce)

(3) Transferors,

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I/37FF/947/83-84.--Whereas, J.

A LAHIRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Office Premises No. 7, 5th fl. Fmbassy

Centre, Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 13-9-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the unid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Office Premises No. 7, 5th floor, I-mbassy Centre, Plot No. 207, Block No. III, Backbay Reclamation, Nariman Point,

Bombay-21. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR 1962 83-84.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range I. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-66-96 GI/84

Date: 9-5-1984

dated 13-9-1983.

(1) Smt, Kusum Suntan Mantii.

(Tionsferor)

(2) Sh. K. J. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Maltibai Ramrao Darne. 3. Mohan Nathurao Mhatre,

(3) 1. Ramesh Anantino Bensale,

4. Smt. Dwarkabar Damodar Mhatre.

5. Dattatraya Krishnaji Gaokar &

6. Sudhor Bhaskar Pathare.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. AR-I[37EE]4952 83-84,---Whereas, I. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. Original Plot No. 359. Final plot No. 351 of Town Planning Scheme, Bombay City No. 1V Survey No. 1461 (pt) and Cadastal Survey No. 3|1482 of Lower Parel Division, situated on the Portuguese Church Road, now known as Rao Behadur S K. Bole Road at Dadar

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at situated at

Bombay on 7-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been july stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income origing from the transfer: and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 172|80 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 7-9-

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in putsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-5-19984

(1) Prithvi Constructions Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) M.s. Mahendra Comm. Ltd.

(Fransferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITHON RANGE-I вомвач

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR.I 37FE 1057 83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Hat No. A2, 3rd floor, Prithvi Apartments 21,

Altamount Road, Bombay-400 026.

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tay Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Competent Authority at

Officer at Bombay on 26-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, it any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 312 and floor in Prithvi Apartments, 21 Alpamount Road, Bombay 400 026 registeredby the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-I 1047 83-84 dated 26-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dat 9-5-1984 Scal.

(1) Mr. Joseph Winston Caston.

(2) Mrs. Rekha T Bitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 9th May 1984

being the Competent Authority under Section 269B of the

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

Ref. No. AR-I<sub>1</sub>37EE[904]83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/bearing No. Unit No. 110(A) 'A' Building, Byculla Service Industries Premises Co-op., Ltd., 711 Sugger Prop. 711, Sussex Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the income-tax act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bomaby on 5-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 110(A) 'A' Building, Byculla Service Industries, Premises Co-op. Society Ltd. 711, Sussex Road, Bombay-27. The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-I[876[83-84, dated 5-9-1002]]

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely !--

Date: 9-5-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Amarjit Singh Chandkok, HUF

(Transferor)

(2) 1. Chinu Premchand Jhaveri (HUF) 2. Praful Amichand Jhaveri (HUF)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37EE|896|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Chamber No. 633 on 6th floor of Panchratna Building,

Opera House, Bombay-400 004

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-9-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen par cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any the third with the control of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Chamber No. 633 on 6th floor of Panchratna Building, Opera House, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.-180683-84, dated 2-9-1983.

> A. I AHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 9-5-1984

(1) Mody Trading Company

(Transferor)

(2) Ultima Search

(Fransferee)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref., No. AR.-t[37EE[1021]83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Room Nos. 7 & 8 in Readymoney Picmiscs Co-op. Society Ltd., 167, Dr. Annie Besant Road, Worh, Bombay 18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room Nos. 7 & 8 in Readymoney Premises Co-op. Society Ltd., 167. Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR,-J|908|83-84 dated 20-9-1983.

N. 1 AHIR1
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 9-5-1984

#### FORM ITNS----

(1) Shii Dayanesh Shankarrao Hemmady

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shir Padmakar Gopal Shirgaokar & Shir Urinita Padmakar Shirgaokar

(Transferee)

(3) Transferees

(Person to occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX

ACQUISITION RANGET, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR.-1/371 E/1002'83 84 -Whereas, J. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 9 in D Block, 2nd floor in Jar Model House Co-op, Hsg. Soc. Ltd., 61, Wadilal A Patel Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer and the agreement is registered under section 260AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of Competent Authority at Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-123 Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 9 in D Block 2nd floor in Jai Model House Co-op. Housing Society 1td, 61. Wallial A Patel Road, Borabay-4

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under serial No. AR-I/990/83-84 dated 70.0 1983

A. LAHRI
Competent Authority
Inspecting As it Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 9-5-1984

Scal .

(1) M s Hiffn Products Private Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Leather King

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I|37FE|667|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Unit No. 204, A Building, 2nd floor Byculla Service Industries, 711, Sussex Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bombay on 7-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 204, A Building, 2nd floor, Byculla Service Industries, 711, Sussex Road, Bombay-27.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-1773 83-84, dated 7-9-1983.

A. I AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-5-1984

#### FORM ITNS ----

(1) Shri Ghulam Mohsin Latıfi

(Transferor)

(2) Mr. Jimmi Keki Unwala

(Transferce)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-I/37EE/933/83-84/---Whereas, 1, A. LAHÎRÎ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 9, 3rd floor, Gaurav Apartments, No. Flat No. 6, 2nd floor, Chawla House, 62, Wodehouse Road, Colaba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 8-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the later market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26953 of the said Act is the following persons, namely—67—96 GI[84

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Chawla House, 62, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The Agreement has been registered by the Authority, Bombay, under Serial No. AR-1886 83-84, dated 8-9-83.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-5-1984

(1) Shah & Nahar Associates

(T) ansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Shaktı Upholstery

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF 1HF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMFTAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-1/37EE/948/83-84 — Where IS. A. LAHIRI

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No

Unit No 414 on 4th floor in Shah & Nahar Industrial Estate Al at Lower Paiel Bombay 400 013

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
  of the transferor to pay tax under the said Act is
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Induan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from this service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 414 on 4th floor in Shah & Nahat Industrial Estate AI at Lower Parel, Bombay-400 013

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-I|963|83-84, dated 13-9-1983.

A LAHRI
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, 1, hereb, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the said of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said wit to the following persons, namely:—

Date 9 5-1984

Seal

#### FORM ITNS----

### (1) Mls Shah & Nah u Associates

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mis. Indumati Mensukhlal Makwana & Mr. Minsikhlal fiyon Makwana

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th May 1984

Ref. No. AR-1/37EE/1023/83-84.--Whereas, I,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No Unit No. 413 on 4th floor in Shah & Nahir Industrial Estate' Al Lower Parel, Bombay-400 013. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said infrument of transfer with the object of :&

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Fox Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULF

Unit No. 413 on 4th floor in Shah & Nahar Industrial Estate A-1 Lower Paiel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competen Authority Bombay under Schal No. AR-I|210|83-84, dated 20-9-1983.

> A. LAHIRE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of thi snotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date · 9-5-1984

Seal ·

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 9th May 1984

Ref. No. AR-1/37FE 897/33-84.- Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

No. Flat No. 3, Gree of Too., plot No. 34, Hill Road,

Worli, Bombay-18

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Ram Sharan Chopra

(Transferor)

(2) Smt. Rajni Rameshchandra Patkar

(Tran teree)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3, Ground floor, Plot No. 34, Hill Road, Worlf, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-I/794/83-84, dated 2-9-1983.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Date: 9-5-1984 Seal:

#### FORM ITNS ...

#### (1) M|s Kewal Builders

(2) 1. Smt. Sarla Rajgopal Mandhana

(Transferon)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DIFFICE OF THE GASC CITY OF ANY COMMISSIONLY OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGER, BOMBAY

Binning the oth May 1984

ta 100 AR-1373 1 04 N3 84 Wherea, I A LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to is the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a for market value exceeding Rs 25,000/and bearing

No Unit No 141, 11 if a B' Bu lding, Keival Industrial Estate Jower Parel

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer it Bombay on 8-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facultating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transcree)

2. Smt. Mantula Govardhandas Mandhana

3. Smt. Sheetal Bharatkumar Mandhapa

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day. 7 mm the service of notice on the respective wereons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the Laid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Michael Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereo as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 141, 1st floor in 'B' Building Kewal Industrial Estate, Lower Parel, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under serial No. AR-I/890/83-84, dated 8-9-1983.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 9-5-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1984

Ref. No. AR-1|37EE|1010|83-84.--Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Premises No. 35 on the 3rd floor of Nariman Bhavan. Nariman Point

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 20-9-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability et the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Suketu Ramaulal Desai

(Transferor)

(2) Smt. Vijayalaxmi Narayan Pai, Promoter of Deve Investments Pvt. Ltd.

(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforosald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHIDULI

Premises No. 35 on the 3rd floor of Nariman Bhawan, 227, Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Seria! No. AR-I 986 83-84, dated 20-9-1983.

> A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assit Commissioner of Income-tax requisition Range-I, Bombay

Date: 10-5-1984